THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com

वर्ष-28 अंक : 271 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) मार्गशीर्ष शु.8 2080 बुधवार, 20 दिसंबर-2023 प्रधान संपादक - डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद नगर पृष्ठ : 16 मूल्य : 8 रुपये

राज्यसभा से दिल्ली बिल पास

> अब राष्ट्रपति के पास जाएगा लोकसभा से आज 49 सांसद सस्पेंड

> दोनों सदनों से अब तक 141 सांसद निलंबित

नई दिल्ली, 19 दिसंबर (एजेंसियां)। संसद के शीतकालीन सत्र का आज (19 दिसंबर) 12वां दिन है। राज्यसभा में नेशनल कैपिटल टेरिटरी ऑफ डेल्ही लॉज (स्पेशल प्रोविजंस) सेकेंड (अमेंडमेंट) बिल 2023 पास हो गया। ये बिल मानसून सत्र में लोकसभा में पास हो गया था। अब बिल को दस्तखत के लिए राष्ट्रपति के पास भेजा जाएगा। वहीं, लोकसभा में 3 बिलों भारतीय न्याय संहिता, भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता और भारतीय साक्ष्य संहिता पर चर्चा हुई। इस पर गृह मंत्री अमित शाह जवाब दे सकते हैं। इससे पहले सांसदों के निलंबन को लेकर दोनों सदनों में हंगामा हुआ। विपक्षी सांसदों ने सदन के गेट और परिसर में नारेबाजी और प्रदर्शन किया। लोकसभा और राज्यसभा की कार्यवाही सुबह से 3 बार स्थगित की गई। इसके बाद लोकसभा से विपक्ष के 49 सांसदों को निलंबित कर दिया गया। इस तरह अब कुल 141 सांसद सदन की कार्यवाही में हिस्सा नहीं ले सकेंगे। यही नहीं, लोकसभा की प्रश्नसूची से 27 सवाल भी हटा दिए गए हैं। ये सवाल निलंबित सांसदों की तरफ से पूछे गए थे।14 दिसंबर को लोकसभा के 13 राज्यसभा 1, 18 दिसंबर को लोकसभा के 45 राज्यसभा के 33 और 19 दिसंबर को लोकसभा के 49 राज्यसभा के कोई नहीं। कुल लोकसभा के 107 और राज्यसभा के 34 ।

सबसे ज्यादा 57 कांग्रेस के सांसद सस्पेंड :

14 दिसंबर, 18 दिसंबर और 19 दिसंबर को कुल 141 सांसद सस्पेंड हुए। इनमें कांग्रेस के 57 (लोकसभा से 40, राज्यसभा से 17), एनसीपी के 4 (लोकसभा से 3, राज्यसभा से 1), डीएमके के 21 (लोकसभा से 16, राज्यसभा से 5), सीपीआई-एम के 5 (लोकसभा से 2, राज्यसभा से 3), सीपीआई के 3 (लोकसभा से 1, राज्यसभा से 2), जेडीयू के 14 (लोकसभा से 11, राज्यसभा से 3), नेशनल कॉन्फ्रेंस के 2 (लोकसभा से), तृणमूल कांग्रेस के 21 (लोकसभा से 13, राज्यसभा से 8), सपा के 4 (लोकसभा से 2, राज्यसभा से 2), बसपा का एक (लोकसभा से), आरजेडी के 2 (राज्यसभा से), इंडियन यूनियन मुस्लिम लीग के तीन (लोकसभा से), आप का एक (लोकसभा से), केरला कांग्रेस का एक (राज्यसभा से), झामुमो का एक (राज्यसभा से) >14

कंगना रनोट भाजपा से लड़ेंगी लोकसभा चुनाव

मनाली, 19 दिसंबर (एजेंसियां)। हिमाचल की रहने वाली बॉलीवुड एक्ट्रेस कंगना रनोट अगले साल भाजपा के टिकट पर लोकसभा चुनाव लड़ेंगी। यह जानकारी उनके पिता अमरदीप रनोट ने दी है। उन्हें किस सीट से टिकट मिलेगा यह पार्टी तय करेगी।

कंगना ने दो दिन पहले बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा से उनके कुल्लू स्थित घर पर मुलाकात की थी। कुछ दिन पहले कंगना के चंडीगढ़ से चुनाव लड़ने की चर्चा शुरू हुई थी। इसमें उन्हें बीजेपी का अगला उम्मीदवार बताया गया था। हालांकि कंगना ने सोशल मीडिया पर इसे अफवाह बताया था। कंगना मूल रूप से हिमाचल के मंडी जिले की रहने वाली हैं। उन्होंने कल्लू जिले के मनाली में अपना घर बनाया है। ये दोनों जिले मंडी संसदीय क्षेत्र में आते हैं। यहां से दो बार की सांसद किरण खेर पर विपक्ष आरोप लगाता रहा है कि मुंबई में ज्यादा रहती हैं। जनता की समस्या सुनने के लिए नहीं होती हैं। वहीं कंगना का नाम आने की दो मुख्य वजह हैं। पहली- उन्होंने कॉलेज की पढ़ाई चंडीगढ़ से ही की है। दूसरी- चंडीगढ़ के काफी वोटर हिमाचल से संबंध रखते हैं। सूत्रों के मुताबिक कंगना ने चंडीगढ़ के एक वीआईपी सेक्टर में हाल ही में कोठी भी खरीदी है।2021 में भी कंगना को मंडी सीट से उपचुनाव लड़ाने की चर्चाएं शुरू हुईं थीं। लेकिन तब पार्टी ने सैनिक परिवारों का वोट भुनाने की मंशा से मंडी से ब्रिगेडियर खुशहाल सिंह को अपना प्रत्याशी बनाया था।

इंडिया की बैठक में सीट शेयरिंग फॉर्मूले पर चर्चा हुई

पीएम फेस, लोकसभा चुनाव कैंपेन और सांसदों के निलंबन पर भी बात हुई

नई दिल्ली, 19 दिसंबर (एजेंसियां)। इंडिया नेताओं की चौथी बैठक आज (19 नवंबर) को दिल्ली के अशोका होटल में हुई। इसमें कांग्रेस नेता सोनिया गांधी, राहुल गांधी और पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे शामिल हुए। बैठक में सपा नेता अखिलेश यादव, दिल्ली के सीएम अरविंद केजरीवाल, बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश, फारूक अब्दुल्ला, उमर अब्दुल्ला, महबूबा मुफ्ती और आरएलडी से जयंत चौधरी भी मौजूद रहे।

बैठक में 2024 के लोकसभा चुनाव को लेकर सीट शेयरिंग का मुद्दा चर्चा का केंद्र रहा। बीजेपी के खिलाफ 400 सीटों पर कॉमन कैंडिडेट उतारने के टारगेट पर बात हुई। वहीं, कांग्रेस की कोशिश है कि वह 275 से 300 सीटों पर अपने कैंडिडेट उतारे। पार्टी अन्य दलों को सिर्फ 200-250 सीटें देने के पक्ष में है। मीटिंग में गठबंधन के कोऑर्डिनेटर के नाम पर चर्चा हुई। इसके लिए उद्धव ठाकरे, ममता बनर्जी, नीतीश कुमार के नामों पर विचार किया जा सकता है।

खड़गे के नाम का प्रस्ताव

पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी और दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने 'इंडिया' गठबंधन के प्रधानमंत्री उम्मीदवार के रूप में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के नाम का प्रस्ताव दिया। एमडीएमके नेता वाइको ने इस बारे में जानकारी दी। वहीं, सूत्रों ने बताया है कि कांग्रेस प्रमुख खड़गे का कहना है पहले चुनाव जीतना महत्वपूर्ण है।

चुनाव अभियान और मैनेजमेंट :

गठबंधन के नेताओं ने चर्चा कि कैंडिडेट फाइनल होने के बाद लोकसभा चुनाव के लिए टोन कैसे सेट किया जाए। कहां कितनी रैलियां होंगी और स्टार कैम्पेनर कौन होंगे। >14

विपक्ष ने विपक्ष में रहने का मन बनाया : मोदी

कुछ पार्टियां संसद सुरक्षा चूक को सपोर्ट कर रहीं, उनका ये आचरण बेहद खतरनाक

नई दिल्ली, 19 दिसंबर (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को संसद सुरक्षा चूक मामले पर विपक्ष को घेरा। भाजपा संसदीय दल की बैठक में उन्होंने कहा कि विपक्ष ने अपने स्थान पर (विपक्ष में ही) बने रहने का मन बना लिया है। उन्होंने कहा कि जिन्होंने संसद की सुरक्षा में सेंध मारी, कुछ दल एक तरह से उनके समर्थन में आवाज उठा रहे हैं। यह सेंधमारी की ही तरह खतरनाक है।

भाजपा की संसदीय दल की बैठक संसद लाइब्रेरी परिसर में हुई। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ रक्षामंत्री राजनाथ सिंह और भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा बैठक में शामिल हुए। इस बैठक में पीएम मोदी ने कहा कि लोकतंत्र में भरोसा करने वाले हर व्यक्ति को संसद परिसर में हुई घुसपैठ की घटना की निंदा करनी चाहिए, पर कुछ पार्टियां सुरक्षा चूक के मामले को सपोर्ट कर रही हैं।

दरअसल, कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने हाल ही में संसद सुरक्षा चूक के लिए बेरोजगारी और महंगाई को दोषी ठहराया था। इसे लेकर पीएम ने कहा, मैं नहीं समझ पा रहा हूं लोकतंत्र में भरोसा करने वाली कोई पार्टी कैसे इस घटना को सही ठहरा सकती है। पीएम ने ये भी कहा कि विपक्षी दल हालिया विधानसभा चुनावों में मिली हार से परेशान हैं और अपनी बौखलाहट में संसद की कार्यवाही में बाधा डाल रहे हैं। पीएम ने भाजपा नेताओं से संयम बरतने और लोकतांत्रिक नियमों का पालन करने को कहा। पीएम ने कहा कि इंडिया ब्लॉक का लक्ष्य हमारी सरकार को हटाना है, जबकि हमारी सरकार का लक्ष्य इस देश के लिए बेहतर भविष्य तैयार करना है। विपक्षियों के इस व्यवहार से 2024 में इनके नंबर और कम होंगे। भाजपा को फायदा होगा। पीएम ने कहा कि संसद में विपक्षी सांसद शामिल होंगे या नहीं, इससे फर्क नहीं पड़ता। हमें जरूर शामिल होना है।

शाहरुख की पत्नी गौरी खान को ईडी का नोटिस

लखनऊ की रियल एस्टेट कंपनी की ब्रांड एम्बेसडर हैं, इस पर 30 करोड़ हड़पने का आरोप

लखनऊ, 19 दिसंबर (एजेंसियां)। बॉलीवुड एक्टर शाहरुख खान की पत्नी गौरी खान को ईडी (प्रर्वतन निदेशालय) ने नोटिस भेजा है। गौरी खान लखनऊ की रियल एस्टेट कंपनी तुलसियानी ग्रुप की ब्रांड एम्बेसडर हैं। इस कंपनी पर निवेशकों और बैंक का करीब 30 करोड़ रुपये हड़पने का आरोप है। इस कंपनी की जांच के दायरे में गौरी खान भी आ रही हैं।

गौरी खान को तुलसियानी ग्रुप ने 2015 में अपना ब्रांड एम्बेसडर बनाया था। लखनऊ के सुशांत गोल्फ सिटी में तुलसियानी ग्रुप का प्रोजेक्ट है। इस प्रोजेक्ट में एक फ्लैट मुंबई के रहने वाले किरीट जसवंत शाह ने 2015 में 85 लाख रुपये में खरीदा था। किरीट जसवंत शाह का आरोप है कि कंपनी ने उनको ना कब्जा दिया, ना ही रकम लौटाई।

इसके बाद जसवंत शाह ने तुलसियानी ग्रुप के निदेशक अनिल कुमार तुलसियानी, महेश तुलसियानी और गौरी खान के खिलाफ केस दर्ज कराया था। ईडी की लखनऊ शाखा ने गौरी खान को भेजे नोटिस में पूछा है कि तुलसियानी ग्रुप ने उन्हें ब्रांड एम्बेसडर बनाने के लिए कितना भुगतान किया है। यह पैसे उनको कैसे दिए गए हैं। इसके लिए क्या-क्या अनुबंध हुए हैं और इस अनुबंध का कागज भी एनफोर्समेंट डायरेक्टोरेट को दिखाने के लिए कहा गया है। नोटिस में यह भी पूछा गया है कि तुलसियानी ग्रुप ने उनके बैंक खाते में कितना भुगतान किया है।

शिकायतकर्ता बोला, गौरी का विज्ञापन देखकर फ्लैट खरीदा :

फरवरी 2022 में लखनऊ के सुशांत गोल्फ सिटी थाने में दी गई शिकायत में किरीट जसवंत शाह ने कहा, मैंने फ्लैट गौरी खान का विज्ञापन देखने के बाद खरीदा। उनकी विश्वसनीयता ब्रांड के साथ जुड़ी हुई थी। अब बिल्डर फ्लैट पर न तो कब्जा दे रहा है और न ही पैसा वापस कर रहा है।

पुलिसकर्मी का बयान : क्राइम सीन को रिक्रिएट करने की कोई जरूरत नहीं

नई दिल्ली, 19 दिसंबर (एजेंसियां)। संसद सुरक्षा उल्लंघन मामले के संबंध में एक आधिकारिक सूत्र ने आईएएनएस को बताया कि क्राइम सीन को रिक्रिएट करने की कोई जरूरत नहीं है क्योंकि पूरी घटना सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई है।

सूत्र ने कहा, हमने वहां के सभी सीसीटीवी फुटेज एकत्र कर लिए हैं और टीमें उन्हें स्कैन कर रही है। हमने फुटेज के आधार पर आरोपियों से पूछताछ भी की है और अभी तक क्राइम सीन को रिक्रिएट करने की कोई जरूरत नहीं पड़ी है। 2001 के संसद हमले की 22वीं बरसी पर 13 दिसंबर को दर्शक दीर्घा से लोकसभा हॉल में प्रवेश करने में कामयाब रहे दो लोगों की पहचान मैसूर के निवासी मनोरंजन डी और सागर शर्मा के रूप में की गई है। मनोरंजन कर्नाटक से इंजीनियरिंग का छात्र है, शर्मा का विजिटर पास कर्नाटक के मैसूर से भाजपा सांसद प्रताप सिम्हा की सिफारिश पर जारी किया गया था। अन्य दो, एक पुरुष और एक महिला, जो संसद के बाहर कलर्ड फ़्लेयरों के साथ विरोध प्रदर्शन कर रहे थे और जिन्हें दिल्ली पुलिस ने हिरासत में लिया था, उनकी पहचान हरियाणा के जिंद निवासी नीलम और महाराष्ट्र के लातूर निवासी अमोल शिंदे के रूप में की गई है। मनोरंजन, शर्मा, नीलम और शिंदे के फोन लेकर भागे संसद सुरक्षा उल्लंघन मामले के कथित मास्टरमाइंड ललित झा ने कर्तव्य पथ पुलिस स्टेशन में आत्मसमर्पण कर दिया था।

आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि उनसे पूछताछ के बाद पुलिस ने संसद सुरक्षा उल्लंघन के छठे आरोपी महेश कुमावत को भी आपराधिक साजिश और सबूत नष्ट करने के आरोप में गिरफ्तार कर लिया है। 14 दिसंबर को, उसी अदालत ने चारों आरोपियों सागर, मनोरंजन डी, नीलम और अमोल को सात दिन की पुलिस हिरासत में भेज दिया था।

दिल्ली शराब कांड में ईडी की चार्जशीट पर कोर्ट का एक्शन, 21 को होंगे हाजिर

संजय सिंह की मुश्किलें बढ़ेंगी!

नई दिल्ली, 19 दिसंबर (एजेंसियां)। दिल्ली शराब घोटाला मामले में गिरफ्तार किए गए आम आदमी पार्टी के राज्यसभा सांसद संजय सिंह को दिल्ली की राउज एवेन्यू कोर्ट ने पेश होने का आदेश दिया है। विशेष सीबीआई न्यायाधीश एमके नागपाल ने संजय सिंह को तलब करने के लिए प्रोडक्शन वारंट जारी किया है। आप नेता 21 दिसंबर को अदालत में पेश होंगे।

पिछले हफ्ते विशेष न्यायाधीश एमके नागपाल ने राज्यसभा सांसद संजय सिंह के वकील और प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की दलीलें सुनने के बाद संजय सिंह की जमानत याचिका अर्जी पर 21 दिसंबर के लिए अपना आदेश सुरक्षित रख लिया था।

अदालत ने ईडी को दो दिनों के भीतर लिखित दलीलें दाखिल करने का भी निर्देश दिया था। साथ ही संजय सिंह की ओर से पेश वकील को एक दिन के भीतर जवाब दाखिल करने का भी निर्देश दिया था। इस महीने की शुरूआत में ईडी ने उत्पाद शुल्क नीति मामले में आप सांसद संजय सिंह के खिलाफ आरोप पत्र दायर किया था. यह इस मामले में एक पूरक आरोप पत्र था क्योंकि एजेंसी ने पहले भी ऐसी शिकायतें दर्ज की थीं।

पीएमएलए के तहत भी मामला दर्ज :

दिल्ली उत्पाद शुल्क नीति मामले से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) की विभिन्न धाराओं के तहत एक स्थानीय अदालत के के सामने शिकायत दायर की गई थी। एजेंसी ने आरोप लगाया था कि एक आरोपी व्यवसायी दिनेश अरोड़ा ने राज्यसभा सांसद के घर पर दो किश्तों में 2 करोड़ रुपये नकद दिए थे, हालांकि संजय सिंह ने इन आरोपों को सिरे से नकार दिया था। संजय सिंह को 4 अक्टूबर को गिरफ्तार किया गया था। ईडी ने आरोप लगाया है कि संजय सिंह ने शराब घोटाला मामले में भूमिका निभाई थी।

राज्य के साथ-साथ केंद्र में भी रहूंगा : शिवराज

मीडिया से 56 सेकेंड की बातचीत में 5 बार कहा, जो पार्टी तय करेगी-वो काम करूंगा

भोपाल, 19 दिसंबर (एजेंसियां)। दिल्ली में भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा से मुलाकात के बाद शिवराज सिंह चौहान ने कहा, एक कार्यकर्ता के तौर पर पार्टी मेरे लिए जो भी भूमिका तय करेगी, वह काम मैं करूंगा। मैं राज्य के साथ-साथ केंद्र में भी रहूंगा। यदि आप किसी बड़े मिशन पर काम कर रहे हैं, तो पार्टी ही तय करती है कि आप कहां काम करेंगे।

मीडिया से 56 सेकेंड की चर्चा में पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज ने 5 बार कहा- जो पार्टी तय करेगी, वो काम करूंगा। मध्यप्रदेश विधानसभा चुनाव के नतीजे आने के बाद शिवराज का यह पहला दिल्ली दौरा है। वे नड्डा के बुलावे पर दिल्ली पहुंचे। नड्डा से उनके आवास पर मुलाकात की। दोनों में करीब 1 घंटे तक चर्चा हुई। इस मुलाकात के बाद शिवराज ने एक्स पर लिखा, राष्ट्र उत्थान, लोक कल्याण एवं जनसेवा के विषय में चर्चा हुई। 'सेवा ही संकल्प है' के ध्येय के लिए भाजपा के हम समस्त कार्यकर्ता समर्पित हैं। मीडिया से बातचीत में शिवराज ने कहा, नड्डा मेरे मित्र भी हैं और मार्गदर्शक भी। उनके साथ अगले काम के बारे में भी उन्होंने मुझसे चर्चा की है। भाजपा का काम मेरे लिए मिशन है। जब आप मिशन में काम करते हैं तो तय नहीं करते कि आप क्या करेंगे। मिशन तय करता है कि आप क्या करेंगे। वे मेरे लिए तय करेंगे। फिलहाल विकसित भारत संकल्प यात्रा में मेरे कार्यक्रम बनेंगे। अभी तो यात्रा में कुछ जगह मुझे जाने को कहा जाएगा। दक्षिण के राज्यों की जिम्मेदारी के सवाल पर बोले, मैं दक्षिण के राज्यों में भी जाऊंगा। शिवराज ने कहा, मंत्रिमंडल के गठन के संबंध में भी चर्चा हुई है। अब मध्यप्रदेश में डॉ. मोहन यादव मुख्यमंत्री हैं। मैं विधायक हूं, वे मेरे नेता हैं। मुझसे बेहतर वे काम करें। मुझसे और आगे बढ़कर काम करें।

तमिलनाडु में बाढ़ से तीन की मौत

ट्रेन में फंसे 800 यात्रियों को सुरक्षित निकालने में जुटी एनडीआरएफ

चेन्नई, 19 दिसंबर (एजेंसियां)। तमिलनाडु के दक्षिणी जिले इन दिनों बाढ़ जैसे हालात से जूझ रहे हैं। दरअसल इन जिलों में पिछले तीन दिनों से भारी बारिश हो रही है। इससे कई इलाके जलमग्न हो गए हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार तमिलनाडु में बारिश और बाढ़ के चलते पैदा हुए हालातों में तीन लोगों की मौत हो गई है। तमिलनाडु के थुटुकुडी जिले में कई जगहों पर रविवार को 525 मिमी बारिश हुई। इसके चलते थुटुकुडी में बाढ़ से आम जनजीवन बुरी तरह त्रस्त है। मौसम विभाग के ताजा अनुमान ने बाढ़ से जूझ रहे लोगों की परेशानी और बढ़ा दी है। बाढ़ प्रभावित इलाकों में वायुसेना के हेलीकॉप्टर्स से खाने के पैकेट और अन्य जरूरी सामान गिराया जा रहा है।

जमकर बरस सकते हैं बादल :

दरअसल मौसम विभाग ने कहा है कि मंगलवार को भी तमिलनाडु के कई जिलों में हल्की से भारी बारिश हो सकती है। चेन्नई के मौसम विभाग ने बताया है कि तमिलनाडु के कराईकल और कई अन्य जिलों में बिजली कड़कने के साथ भारी बारिश हो सकती है। जिन जिलों में भारी बारिश का अनुमान है, उनमें पुडुकोट्टई, तंजावुर, थिरुवर, नागापत्तिनम, रामानाथपुरम और शिवगंगाई शामिल हैं। वहीं थेनी, तेनकासी, कन्याकुमारी, थिरुनेलवेली, थुटुकुडी, विरुद्धनगर जिलों में हल्की बारिश का अनुमान है।

ट्रेन में फंसे यात्रियों को सुरक्षित निकालने की कोशिश जारी :

भारी बारिश से तमिलनाडु के दक्षिणी जिलों में ट्रेन यातायात बुरी तरह प्रभावित हुआ है। तिरुनेलवेली और तूतीकोरिन जिलों में बीते 24 घंटों में हुई करीब 670 मिमी और 932 मिमी बारिश के चलते यहां ट्रेन सेवाएं बाधित हो गई हैं। कई स्टेशनों पर पानी भर गया है। वहीं ट्रेन सेवाएं बाधित होने और भारी बारिश की वजह से थिरुचेंदुर और तिरुनेलवेली स्टेशन के बीच चलने वाली एक ट्रेन में 800 यात्री फंस गए हैं, जिन्हें स्थानीय जिला प्रशासन और एनडीआरएफ की मदद से सुरक्षित जगहों पर ले जाने की तैयारी की जा रही है। एनडीआरएफ ने बताया है कि उसकी दो टीमें फंसे हुए रेल यात्रियों तक पहुंचने का प्रयास कर रही हैं। वायुसेना ने बाढ़ प्रभावित इलाकों से लोगों को सुरक्षित निकालने के लिए ऑपरेशन चल रही है। लोगों को एयर लिफ्ट किया जा रहा है। एक गर्भवती महिला और डेढ़ साल की बच्ची समेत चार यात्रियों को वायुसेना ने सुरक्षित बचाया।

प्रधानमंत्री से मिलेंगे सीएम स्टालिन :

तमिलनाडु के सीएम एमके स्टालिन ने कहा है कि चेन्नई मौसम विभाग ने 17 और 18 दिसंबर को भारी बारिश का अनुमान जताया था, लेकिन बारिश अनुमान से ज्यादा हुई। ऐतिहासिक बारिश हुई और साथ ही हमें चेतावनी भी देर से मिली थी।

तमिलनाडु सरकार ने इसके बावजूद राहत और बचाव कार्य के लिए पर्याप्त इंतजाम किए थे। मुख्यमंत्री स्टालिन प्रधानमंत्री मोदी से मुलाकात करेंगे और उन्हें बाढ़ के हालात के बारे में जानकारी देंगे। बता दें कि तमिलनाडु के तटीय इलाके केप कोमरिन में चक्रवाती सर्कुलेशन बनने से राज्य के दक्षिणी जिलों में पिछले दो-तीन दिनों से भारी बारिश हो रही है। दक्षिणी जिलों में कई नदियां और झीलें ओवरफ़्लो कर रही हैं।

गौतम नवलखा को बॉम्बे हाईकोर्ट से मिली जमानत

फिर भी तीन सप्ताह तक नहीं लागू होगा फैसला

मुंबई, 19 दिसंबर (एजेंसियां)। बंबई उच्च न्यायालय ने मंगलवार को कार्यकर्ता गौतम नवलखा को जमानत दे दी है। उन्हें एल्गार परिषद मामले में गिरफ्तार किया गया था। न्यायमूर्ति ए एस गडकरी की अध्यक्षता वाली खंडपीठ ने कहा कि नवलखा की जमानत याचिका को स्वीकार किया जाता है।

राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने अदालत से छह सप्ताह की अवधि के लिए आदेश के क्रियान्वयन पर रोक लगाने का आग्रह किया। ताकि वह उच्चतम न्यायालय में अपील दायर कर सके। पीठ ने इस आदेश पर तीन सप्ताह के लिए रोक लगा दी।

नवलखा को अगस्त 2018 में गिरफ्तार किया गया था। उन्हें पिछले साल नवंबर में सर्वोच्च न्यायालय ने नजरबंद करने की अनुमति दी थी। वह अभी नवी मुंबई में रह रहे हैं। उच्च न्यायालय ने नवलखा को एक लाख रुपये के मुचलके पर जमानत दे दी। वह इस मामले में सातवें आरोपी हैं जिन्हें जमानत दी गई है। इस साल अप्रैल में एक विशेष अदालत ने नवलखा को जमानत देने से इनकार कर दिया था।

अदालत ने कहा था कि प्रथम दृष्टया यह दिखाने के लिए सबूत हैं कि वह प्रतिबंधित संगठन भाकपा (माओवादी) के सक्रिय सदस्य हैं। उच्च न्यायालय में दाखिल अपनी याचिका में नवलखा ने कहा कि विशेष अदालत ने उन्हें जमानत न देकर गलत किया है। नियमित जमानत के लिए उच्च न्यायालय में नवलखा की अपील का यह दूसरा दौर है।

विशेष एनआईए अदालत द्वारा पिछले साल सितंबर में नियमित जमानत याचिका खारिज किए जाने के बाद नवलखा ने उच्च न्यायालय का रुख किया था। एनआईए ने तब नवलखा की जमानत याचिका का विरोध करते हुए दावा किया था कि उनकी भर्ती के लिए उन्हें पाकिस्तान इंटर-सर्विसेज इंटेलिजेंस (आईएसआई) जनरल से मिलवाया गया था, जो संगठन के साथ उनकी सांठगांठ को दिखाता है।

ज्ञानवापी मामले में मुस्लिम पक्ष को फिर बड़ा झटका

एचसी ने दी 1991 के मुकदमे को ट्रायल की मंजूरी

ज्ञानवापी मस्जिद को लेकर 1991 से चल रही है कानूनी लड़ाई

ज्ञानवापी मामले में मुस्लिम पक्ष की याचिका को हाईकोर्ट ने किया खारिज

न्यायमूर्ति रोहित रंजन अग्रवाल ने की प्रकरण की सुनवाई

हाई कोर्ट एसोसिएशन के अध्यक्ष ने फैसले को बताया ऐतिहासिक

प्रयागराज, 19 दिसंबर (एजेंसियां)। वाराणसी स्थित काशी विश्वनाथ-ज्ञानवापी भूमि स्वामित्व विवाद मामले में इलाहाबाद हाईकोर्ट ने मंगलवार को बड़ा आदेश दिया है। ज्ञानवापी मामले में इलाहाबाद हाईकोर्ट से मुस्लिम पक्ष को बड़ा झटका लगा है। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने 1991 के मुकदमे को ट्रायल की मंजूरी दे दी है। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने पांच याचिकाएं खारिज कर दी हैं। जज जस्टिस रोहित रंजन अग्रवाल की पीठ ने मालिकाना हक विवाद के मुकदमों को चुनौती देने वाली सुन्नी सेंट्रल वक्फ बोर्ड और अंजुमन इंतजामिया मस्जिद कमेटी की याचिकाएं खारिज कर दी। कोर्ट ने कहा कि मुकदमा देश के दो प्रमुख समुदायों को प्रभावित करता है। हाईकोर्ट ने कहा कि हम वाराणसी जिला ट्रायल कोर्ट को छह महीने में मुकदमे का फैसला करने का निर्देश देते हैं।

काशी विश्वनाथ ज्ञानवापी केस में 1991 में वाराणसी कोर्ट में पहला मुकदमा दाखिल हुआ था। याचिका में ज्ञानवापी परिसर में पूजा की अनुमति मांगी गई। प्राचीन मूर्ति स्वयंभू भगवान विश्वेश्वर की ओर से सोमनाथ व्यास, रामरंग शर्मा और हरिहर पांडेय बतौर वादी इसमें शामिल हैं। मुकदमा दाखिल होने के कुछ महीने बाद सितंबर 1991 में केंद्र सरकार ने पूजा स्थल कानून बना दिया। ये कानून कहता है कि 15 अगस्त 1947 से पहले अस्तित्व में आए किसी भी धर्म के पूजा स्थल को किसी दूसरे धर्म के पूजा स्थल में नहीं बदला जा सकता। अगर कोई ऐसा करने की कोशिश करता है तो उसे एक से तीन साल तक की जेल और जुर्माना हो सकता है।

अयोध्या का मामला उस वक्त कोर्ट में था इसलिए उसे इस कानून से अलग रखा गया था। लेकिन ज्ञानवापी मामले में इसी कानून का हवाला देकर मस्जिद कमेटी ने याचिका को हाईकोर्ट में चुनौती दी। 1993 में इलाहाबाद हाईकोर्ट ने स्टे लगाकर यथास्थिति कायम रखने का आदेश दिया था। 2018 में सुप्रीम कोर्ट ने आदेश दिया कि किसी भी मामले में स्टे ऑर्डर की वैधता केवल छह महीने के लिए ही होगी। उसके बाद ऑर्डर प्रभावी नहीं रहेगा।

इसी आदेश के बाद 2019 में वाराणसी कोर्ट में फिर से इस मामले में सुनवाई शुरू हुई। 2021 में वाराणसी की सिविल जज सीनियर डिवीजन फास्ट ट्रैक कोर्ट से ज्ञानवापी मस्जिद के पुरातात्विक सर्वेक्षण की मंजूरी दे दी। आदेश में एक कमीशन नियुक्त किया गया और इस कमीशन को 6 और 7 मई को दोनों पक्षों की मौजूदगी में श्रृंगार गौरी की वीडियोग्राफी के आदेश दिए गए। 10 मई तक अदालत ने इसे लेकर पूरी जानकारी मांगी थी।

छह मई को पहले दिन का ही सर्वे हो पाया था, लेकिन सात मई को मुस्लिम पक्ष ने इसका विरोध शुरू कर दिया। मामला कोर्ट पहुंचा। 12 मई को मुस्लिम पक्ष की याचिका पर सुनवाई हुई। कोर्ट ने कमिश्नर को बदलने की मांग खारिज कर दी और 17 मई तक सर्वे का काम पूरा करवाकर रिपोर्ट पेश करने का आदेश दिया। कोर्ट ने कहा कि जहां, ताले लगे हैं, वहां ताला तुड़वा दीजिए। अगर कोई बाधा उत्पन्न करने की कोशिश करता है तो उसपर कानूनी कार्रवाई करिए, लेकिन सर्वे का काम हर हालत में पूरा होना चाहिए।

14 मई को सुप्रीम कोर्ट ने मुस्लिम पक्ष की याचिका पर तुरंत सुनवाई से इनकार कर दिया। याचिका में ज्ञानवापी मस्जिद में सर्वे पर रोक लगाने की मांग की गई थी। शीर्ष अदालत ने यथास्थिति बनाए रखने से इनकार करते हुए कहा था कि हम बिना कागजात देखे आदेश जारी नहीं कर सकते हैं। अब मामले में 17 मई को सुनवाई होगी। 14 मई से ही ज्ञानवापी के सर्वे का काम दोबारा शुरू हुआ। सभी बंद कमरों से लेकर कुएं तक की जांच हुई। इस पूरे प्रक्रिया की वीडियो और फोटोग्राफी भी हुई। 16 मई को सर्वे का काम पूरा हुआ। हिंदू पक्ष ने दावा किया कि कुएं से बाबा मिल गए हैं। इसके अलावा हिंदू स्थल होने के कई साक्ष्य मिले। वहीं, मुस्लिम पक्ष ने कहा कि सर्वे के दौरान कुछ नहीं मिला। हिंदू पक्ष ने इसके वैज्ञानिक सर्वे की मांग की। मुस्लिम पक्ष ने इसका विरोध किया।

21 जुलाई 2023 को जिला अदालत ने हिंदू पक्ष की मांग को मंजूरी देते हुए ज्ञानवापी परिसर के वैज्ञानिक सर्वे का आदेश दे दिया। इसके बाद यह मामला सुप्रीम कोर्ट पहुंचा, जहां कोर्ट ने हाईकोर्ट जाने के लिए कहा। इस मामले में 3 अगस्त 2023 को इलाहाबाद हाईकोर्ट ने ज्ञानवापी मस्जिद परिसर का सर्वेक्षण करने की अनुमति दे दी।

सीधे हाथ से राम-राम नहीं किया तो लाठी-डंडे लेकर आ गए दबंग, दलित बुजुर्ग को जमकर पीटा

छतरपुर, 19 दिसंबर (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश के छतरपुर में दो युवकों ने दलित बुजुर्ग की लाठी-डंडों से पिटाई कर डाली। वो भी सिर्फ इसलिए क्योंकि उन्होंने युवकों को सीधे हाथ से राम-राम नहीं किया। यही नहीं, आरोप है कि जब पीड़ित मामला दर्ज करवाने थाने पहुंचा तो कोई कार्रवाई नहीं की गई। घटना के दो दिन बाद आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया। घटना खजुराहो थाना क्षेत्र के अंतर्गत उदयपुरा गांव की है। उदयपुरा गांव में रहने वाले 59 वर्षीय बुजुर्ग नाथूराम अहिरवार 12 दिसंबर की दोपहर करीब 2 बजे अपने घर के बाहर बैठे थे। तभी वहां से गांव के ही अभिषेक दुबे और रामजी पांडे गुजर रहे थे। इस दौरान बुजुर्ग नाथूराम अहिरवार ने उल्टे हाथ से राम-राम कर दिया। यह बात अभिषेक और रामजी को रास नहीं आई।

24 घंटे में भूकंप से 11 बार हिली कश्मीर की धरती

जम्मू, 19 दिसंबर (एजेंसियां)। कश्मीर में एक बार फिर धरती कांपी है। यहां पिछले 24 घंटे में 11 बार भूकंप से धरती हिली है। लगातार आ रहे भूकंप से यह डर बना हुआ है कि कहीं हिमालयी इलाके में कोई बड़ा भूकंप न आ जाए। मंगलवार सुबह 10.31 बजे एक बार फिर कश्मीर घाटी में भूकंप आया। भूकंप से कारगिल और लद्दाख की धरती कांप उठी। भूकंप जमीन से 10 किलोमीटर गहराई में था। सोमवार दोपहर बाद से ही हिमालयी इलाकों में भूकंप के झटके आ रहे हैं। बीते कुछ साल से शुरू हुआ भूकंप का सिलसिला समाप्त होने का नाम नहीं ले रहा है। भारत और दुनिया के विभिन्न क्षेत्रों में इन दिनों भूकंप की कोई न कोई खबर सामने आती रहती है। अब सोमवार को दोपहर में केंद्रशासित प्रदेश जम्मू-कश्मीर और लद्दाख में भी कुल 4 बार भूकंप के तेज झटके महसूस किए गए हैं। इस भूकंप के कारण स्थानीय लोगों के बीच दहशत का माहौल पैदा हो गया है। बता दें कि इन क्षेत्रों में काफी संख्या में पहाड़ियां हैं जिस कारण भूकंप आने से बड़ी तबाही हो सकती है।

'रेप तो रेप है चाहे पति ने ही क्यों न किया हो'

वैवाहिक बलात्कार पर गुजरात एचसी का अहम फैसला

सूरत, 19 दिसंबर (एजेंसियां)। गुजरात हाई कोर्ट ने कहा है कि बलात्कार एक गंभीर अपराध है। भले ही यह अपराध पीड़िता के पति ने ही क्यों न किया हो। हाई कोर्ट ने कहा कि दुनिया भर के कई देशों में वैवाहिक बलात्कार को अवैध माना गया है। जस्टिस दिव्येश जोशी ने कहा कि रेप तो रेप है...चाहे पति ने ही क्यों न किया हो। पिछले 8 दिसंबर को एक फैसले में जस्टिश जोशी ने एक महिला की जमानत याचिका खारिज कर दी थी। इस महिला पर आरोप था कि उसने अपने बेटे को अपनी बहु के खिलाफ कथित यौन उत्पीड़न के लिए उकसाया था। 8 दिसंबर को अपने आदेश में जस्टिस जोशी ने कहा कि अमेरिका के 50 राज्यों, ऑस्ट्रेलिया के तीन राज्यों, न्यूजीलैंड, कनाडा, इजराइल, फ्रांस, स्वीडन, डेनमार्क, नॉर्वे,

सोवियत संघ, पोलैंड, चेकोस्लोवाकिया और कई अन्य राज्यों में वैवाहिक बलात्कार अवैध है। यहां तक की ब्रिटेन ने भी पतियों को दी जाने वाली छूट को खत्म कर दिया है। उन्होंने कहा कि संविधान महिलाओं को पुरुषों के साथ बराबरी का दर्जा देता और विवाह को समान लोगों का एक गठबंधन मानता है। जस्टिस जोशी ने कहा कि एक पुरुष आखिर एक पुरुष है; एक एक्ट आखिर एक एक्ट है; रेप आखिर रेप है। महिलाओं के खिलाफ हिंसा को रोकने की दरकार है।

भारत में महिलाओं के खिलाफ हिंसा के मामले अधिक

जस्टिश जोशी ने कहा कि भारत में महिलाओं के खिलाफ हिंसा की वास्तविक घटनाएं सामने आने वाले आंकड़ों से कहीं ज्यादा हैं। उन्होंने कहा कि पीछा करना, छेड़छाड़, शारीरिक हमले जैसी कुछ चीजों को यहां मामूली अपराध के रूप में देखा जाता है। यहां यौन अपराधों को 'लड़के तो लड़के ही रहेंगे' के चश्मे से देखा जाता है और अपराध को नजरअंदाज किया जाता है। पीड़ित लोगों पर इसका गंभीर प्रभाव पड़ता है।

ससुर ने किया बहू के साथ बलात्कार

कोर्ट ने कहा कि आरोप है कि ससुर और बेटे ने बहू के साथ बलात्कार किया तथा पैसे कमाने के लालच में अश्लील साइट पर पोस्ट करने के लिए निर्वस्त्र अवस्था में उसके वीडियो बनाए। अदालत ने कहा कि सास को गैरकानूनी और शर्मनाक कृत्य के बारे में पता था और उसने अपने पति तथा बेटे को ऐसा कृत्य करने से न रोककर अपराध में बराबर की भूमिका निभाई।

स्वाति मालीवाल का आरोप

'बीजेपी डराने का काम कर रही है, हमारी लड़ाई संविधान को बचाने की है'

नई दिल्ली, 19 दिसंबर (एजेंसियां)। दिल्ली आबकारी नीति मामले में सीएम अरविंद केजरीवाल को ईडी की ओर से दूसरी बार समन जारी होने के बाद दिल्ली महिला आयोग की अध्यक्ष स्वाति मालीवाल ने बीजेपी नेताओं पर गंभीर आरोप लगाए हैं। उन्होंने कहा कि ईडी के नोटिस का हमारे वकील अध्ययन कर रहे हैं। इस मामले में जल्द फैसला लेंगे। दिल्ली महिला आयोग की अध्यक्ष स्वाति मालीवाल ने आम आदमी पार्टी के लोग इंडिया एलायंस को सफल बनाएंगे। आज हमारी लड़ाई संविधान को बचाने की है। सीएम अरविंद केजरीवाल विपश्यना पर जा रहे हैं। तीन दिन पहले आप की ओर से यह सूचना दी गई थी कि सीएम अरविंद केजरीवाल 23 दिसंबर को विपश्यना ध्यान कार्यक्रम में शामिल होने के लिए रवाना होंगे। वह दस दिनों तक विपश्यना में ही रहेंगे। 10 दिनों तक विपश्यना में रहने के बाद वो दिल्ली लौटेंगे। स्वाति मालीवाल का यह बयान प्रवर्तन निदेशालय की ओर से दिल्ली के सीएम को दिल्ली आबकारी नीति मामले में दूसरी बार नोटिस जारी करने के बाद आया है। ईडी ने दिल्ली शराब घोटाला से जुड़े धन शोधन मामले में 21 दिसंबर को पेश होने के लिए कहा है। ईडी ने पहली बार 2 नवंबर 2023 को सीएम अरविंद केजरीवाल को इस मामले में पूछताछ के लिए समन भेजा था।

लोकसभा चुनाव से पहले

कांग्रेस विधायक चिराग पटेल ने दिया इस्तीफा, कहा - पार्टी तोड़ने की चल रही साजिश

गांधीनगर, 19 दिसंबर (एजेंसियां)। कांग्रेस के लोकप्रिय नेता और खंभात से विधायक चिराग पटेल आज गांधीनगर विधानसभा पहुंचे हैं। सुबह से ही अटकलें लगाई जा रही थीं कि वह कांग्रेस और विधायक पद से इस्तीफा देंगे। इन्हीं अटकलों के बीच वह विधानसभा में सभापति के चैंबर पहुंचे और अपना इस्तीफा सौंप दिया, जब वे अध्यक्ष से मिलने पहुंचे तो उन्होंने कहा कि कांग्रेस में पार्टी तोड़ने की प्रक्रिया चल रही है।

खंभात विधायक चिराग पटेल ने क्या कहा?

मंगलवार सुबह खंभात विधायक चिराग पटेल ने कहा, मैं कांग्रेस विधायक हूं। अब मैं अपने क्षेत्र के सवाल रखने आया हूं। दोपहर के बाद जानकीनाथ को पता नहीं

चला कि कल सुबह क्या होने वाला है। उन्होंने संकेत दिया है कि वह मंगलवार को दोपहर के बाद कांग्रेस पार्टी छोड़ सकते हैं। वहीं, इस संबंध में राज्य के स्वास्थ्य मंत्री और प्रवक्ता ऋषिकेश पटेल ने मीडिया से कहा है कि यह एक सतत प्रक्रिया है। हम किसी को नहीं बुलाते। गुजरात में कांग्रेस जैसा कुछ नहीं रहा। कांग्रेस नेता गुस्से में हैं।

2022 के चुनाव में चिराग पटेल 3711 वोटों से जीते

गुजरात विधानसभा चुनाव 2022 में खंभात सीट पर कांग्रेस ने जीत हासिल की। 1990 के बाद पहली बार खंभात में कांग्रेस की जीत हुई। 2022 के चुनाव में कांग्रेस ने चिराग पटेल को टिकट दिया। उनके खिलाफ बीजेपी ने महेश रावल को मैदान में उतारा था, जिसमें चिराग पटेल को 69,069 वोट मिले जबकि महेश रावल को 65,358 वोट मिले। चिराग पटेल 3711 वोटों से जीते।

कुछ दिन पहले आप विधायक ने इस्तीफा दे दिया था

गौरतलब है कि कुछ दिन पहले विसावदर से आप विधायक भूपत भयानी ने विधायक पद और आप के सभी पदों से इस्तीफा दे दिया है। वह पहले भाजपा नेता थे लेकिन विधानसभा चुनाव से पहले आम आदमी पार्टी में शामिल हो गए। विसावदर के विधायक बनने के बाद से ही अटकलें लगाई जा रही थीं कि वह बीजेपी में वापसी कर सकते हैं। विधायक पद से इस्तीफा देने के बाद वह अभी तक किसी पार्टी में शामिल नहीं हुए हैं। माना जा रहा है कि युवावस्था के बाद वह बीजेपी की कमान संभाल सकते हैं।

शादी का झांसा देकर युवक ने नाबालिग का अपहरण कर किया था दुष्कर्म

नीमच, 19 दिसंबर (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश के नीमच में 15 साल की नाबालिग लड़की का अपहरण कर उससे दुष्कर्म करने का मामला सामने आया था। इस मामले में सत्र न्यायाधीश एवं विशेष न्यायाधीश सुशांत हुद्दार ने बांसवाड़ा जिले के पाटन थाना क्षेत्र के पाणदा गांव निवासी मोहन के बेटे आरोपी राजू (20) को दोषी पाते हुए पॉक्सो एक्ट के तहत 20 साल का सश्रम कारावास और दो हजार रुपये के आर्थिक दंड की सजा सुनाई है। साथ ही अदालत ने भारतीय दंड संहिता 1860 की धारा 363 के अंतर्गत तीन साल का सश्रम कारावास और पांच सौ रुपये अर्थदंड, धारा 366 के अंतर्गत पांच साल का सश्रम कारावास और एक हजार रुपये अर्थदंड, धारा 376 (3) के अंतर्गत 20 साल का सश्रम कारावास और दो हजार रुपये अर्थदंड की सजा सुनाई है।

200 करोड़ का मनी लॉन्ड्रिंग मामला

ईडी के खिलाफ दिल्ली हाई कोर्ट पहुंचीं जैकलीन फर्नांडिस

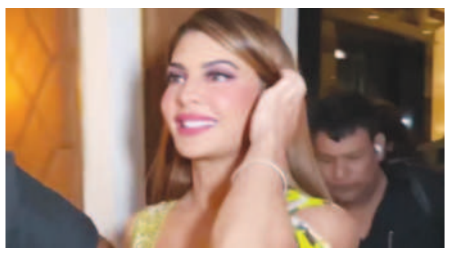

नई दिल्ली, 19 दिसंबर (एजेंसियां)। बॉलीवुड अभिनेत्री जैकलीन फर्नांडिस ने कथित ठग सुकेश चंद्रशेखर से जुड़े 200 करोड़ रुपये के मनी लॉन्ड्रिंग मामले में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की ओर से दायर ईसीआईआर और सप्लीमेंट्री चार्जशीट को रद्द करने की मांग करते हुए दिल्ली हाई कोर्ट का रुख किया है। फर्नांडिस की याचिका में कहा गया है कि ईडी की ओर से दायर सबूत साबित करेंगे कि याचिकाकर्ता सुकेश चंद्रशेखर के दुर्भावनापूर्ण लक्षित हमले का एक निर्दोष शिकार है। इस बात का कोई संकेत नहीं है कि कथित तौर पर गलत तरीके से कमाए गए धन को सफेद करने में उसकी मदद करने में उनकी किसी भी तरह की भागीदारी थी, इसलिए उन पर धन शोधन निवारण अधिनियम 2002 की धारा 3 और 4 के तहत अपराध के लिए मुकदमा नहीं चलाया जा सकता है। जैकलीन ने यह भी कहा है कि ईडी ने याचिकाकर्ता को विवादित शिकायत में आरोपी के रूप में दोषी ठहराते समय पक्षपातपूर्ण तरीके से काम किया है। रिपोर्ट के मुताबिक, ईडी ने अभिनेत्री नोरा फतेही को क्लीन चिट दे दी है, बावजूद इसके कि रिकॉर्ड पर यह स्वीकृत तथ्य है कि उनके निर्देश पर उनके परिवार के सदस्य को सुकेश चंद्रशेखर से बीएमडब्ल्यू कार मिली थी।

नोरा फतेही को सुकेश चंद्रशेखर से उपहार मिलने के तथ्य को प्रवर्तन निदेशालय ने 'अपराध की आय की फिजूलखर्ची' शीर्षक के तहत प्रस्तुत किया है। जैकलीन ने यह भी कहा कि प्रवर्तन निदेशालय एक ही समय में गर्म और ठंडा खेल रहा है। याचिका में कहा गया है कि ईडी ओर से पेश पूरा मामला याचिकाकर्ता के साथ साझा किए गए एक कथित समाचार लेख पर टिका है। साक्ष्य के इस एकमात्र टुकड़े के आधार पर ईडी का तर्क है कि याचिकाकर्ता को सुकेश के कारावास के बारे में पता रहा होगा लेकिन फिर भी उसने उससे उपहार स्वीकार करना चुना। इस प्रकार उसे मनी लॉन्ड्रिंग के अपराध के लिए आरोपी के रूप में आरोपित किया गया है।

ओरेवा ग्रुप के सीएमडी की जमानत याचिका खारिज

गुजरात हाईकोर्ट ने कही बडी बात

अहमदाबाद, 19 दिसंबर (एजेंसियां)। अक्तूबर 2022 में मोरबी सस्पेंशन पुल ढहने के मुख्य आरोपी ओरेवा समूह के सीएमडी जयसुख पटेल की नियमित जमानत याचिका गुजरात हाईकोर्ट ने खारिज कर दी है। न्यायमूर्ति दिव्येश जोशी ने सुनवाई के दौरान कहा कि ओरेवा ग्रुप के सीएमडी जयसुख पटेल की जमानत याचिका को खारिज कर दिया गया है। बता दें मोरबी पुल हादसे में मुख्य आरोपी के रूप में नामित होने के बाद जनवरी माह में आत्मसमर्पण करने के बाद से जेल में बंद हैं। उनकी नियमित जमानत याचिका पहले भी निचली अदालतों द्वारा खारिज कर दी गई थी। अतिरिक्त महाधिवक्ता मितेश अमीन ने पहले की सुनवाई के दौरान हाईकोर्ट को बताया था कि जांच अधिकारी ने इस वर्ष 18 सितंबर को एक सत्र अदालत को सूचित किया था कि पुल ढहने की जांच

के सभी पहलुओं और विशेषताओं को कवर किया गया था और कुछ भी नहीं छोड़ा गया था। जमानत के लिए दलील देते हुए जयसुख पटेल के वकील निरुपम नानावटी ने अदालत से कहा था कि पुल का संचालन और रखरखाव ओरेवा समूह के लिए लाभ कमाने वाला उद्यम नहीं है। उन्होंने कहा कि ओरेवा समूह के कर्मचारियों ने छुट्टी का दिन होने के कारण लोगों की भीड़ को पुल पर आने की अनुमति दी। वहीं जयसुख पटेल की याचिका का विरोध करते हुए पीड़ितों के वकील राहुल शर्मा ने कहा कि आरोपी के जमानत पर छूटने की स्थिति में गवाहों के रिकॉर्ड के साथ छेड़छाड़ होने की संभावना है।

क्या है मामला

जयसुख पटेल की कंपनी गुजरात के मोरबी शहर में मच्छू नदी पर ब्रिटिश काल के सस्पेंशन ब्रिज के संचालन और रखरखाव के लिए जिम्मेदार थी, जो पिछले साल 30 अक्तूबर को ढह गया था। इस हादसे में बच्चों सहित 135 लोगों की मौत हो गई थी और 56 अन्य घायल हो गए थे। हादसे के बाद पटेल समेत अन्य नौ लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। पटेल की जमानत याचिका खारिज होने के साथ, मामले के 10 आरोपियों में से चार सलाखों के पीछे हैं, जिनमें ओरेवा समूह के प्रबंधक और मरम्मत कार्य करने वाली कंपनी देवप्रकाश सॉल्यूशंस के दो मालिक शामिल हैं।

आय से अधिक संपत्ति मामले में दोषी को तीन साल की कैद, 50 लाख का जुर्माना

जम्मू, 19 दिसंबर (एजेंसियां)। आय से अधिक संपत्ति के मामला में विशेष न्यायाधीश भ्रष्टाचार निरोधक जम्मू ने डीसी कार्यालय जम्मू में योजना अनुभाग के तत्कालीन अनुभाग अधिकारी नासिर खान को तीन साल की कैद और 50 लाख रुपये का जुर्माना लगाया है। न्यायाधीश ताहिर खुर्शीद रैना ने डीसी जम्मू को आदेश दिया कि अगर आरोपी द्वारा दो महीने की अवधि तक जुर्माना राशि का भुगतान नहीं किया तो उसकी अनुपातहीन संपत्ति से भू-राजस्व के बकाया के रूप में वसूली की जाए। विशेष न्यायाधीश ने इस मामले में सहायक लोक अभियोजक इरशाद अहमद शेख और आरोपी के वकील जीएस ठाकुर की दलीलें सुनने के बाद कहा कि आरोपी ने अपने पद के दुरुपयोग से संपत्ति अर्जित की है। ऐसे मामलों में सर्वोच्च न्यायालय के इस आदेश को कठोरता से लागू किया जाना चाहिए,

केरल में राज्यपाल और सरकार में ठनी

आरिफ मोहम्मद ने सीएम विजयन पर लगाए गंभीर आरोप

मलप्पुरम, 19 दिसंबर (एजेंसियां)। केरल में राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान और राज्य सरकार के बीच ठन गई है। राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान ने मुख्यमंत्री पिनराई विजयन और सत्तारूढ़ माकपा की छात्र इकाई के खिलाफ अपना रुख सख्त करते हुए उन्हें 'धमकाने वाला' करार दिया। आरिफ मोहम्मद ने कहा कि वे उनसे डरनेवाले नहीं हैं।

सीएम विजयन ने एक दिन पहले राज्यपाल पर आरोप लगाया था कि वह भड़काऊ बयान देकर राज्य की शांति को 'भंग' करने की कोशिश कर रहे हैं। इस बारे में संवाददाताओं द्वारा पूछे जाने पर राज्यपाल ने मुख्यमंत्री का उल्लेख 'धमकाने वाले' के तौर पर किया। आरिख मोहम्मद खान ने संवाददाताओं से कहा, ''आप उनका (विजयन का) इतिहास जानते हैं? वह कितने हत्या के मामलों में शामिल हैं? एक बुली (धमकाने वाला) क्या कहेगा? मैं कैसे उकसा रहा हूं? अगर मैं मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी

(माकपा)के लोगों को (विश्वविद्यालय के)सीनेट में नामांकित करता हूं, तो यह ठीक है?'' उन्होंने स्टूडेंट्स फेडरेशन ऑफ इंडिया (एसएफआई) के कार्यकर्ताओं को भी 'बुली' करार दिया। आरिफ मोहम्मद खान ने कहा, ''यदि वे मुझे नुकसान पहुंचाना चाहते हैं तो उनका हार्दिक स्वागत है। मैं कह रहा हूं, यहां आइये, यदि आप मुझे नुकसान पहुंचाना चाहते हो तो यहां आइये। आप क्यों नहीं आते? वे केवल बुली हैं। वे छात्र नहीं हैं। सभी छात्र एसएफआई से जुड़े हुए हैं। किसी छात्र ने प्रदर्शन नहीं किया, यह केवल एसएफआई थी। क्यों? क्योंकि सुप्रीम कोर्ट के फैसले के बाद उन्होंने महसूस किया कि वे विश्वविद्यालयों को नियंत्रित और संचालित नहीं कर सकते हैं।''

विश्वविद्यालयों में राज्य की सत्तारूढ़ पार्टी द्वारा शक्तियों के कथित 'दुरुपयोग' का उदाहरण देते हुए खान ने दावा किया कि कालीकट विश्वविद्यालय में छह बढ़ई की नियुक्ति की गई जबकि एक ही पद की रिक्ति थी। उन्होंने दावा किया कि छह पद पर नियुक्त लोग माकपा के कार्यकर्ता हैं। खान ने कहा, ''वे शक्तियों का दुरुपयोग कर रहे थे। अब वे ऐसा नहीं कर सकते क्योंकि सुप्रीम कोर्ट ने स्थिति बिल्कुल स्पष्ट कर दी है कि उनकी कोई भूमिका नहीं है। इसी बात ने उन्हें परेशान कर दिया है।''

खान ने यह टिप्पणी सुप्रीम कोर्ट के हालिया फैसले के मद्देनजर की जिसके मुताबिक विश्वविद्यालयों के कुलपति राजनीतिक कार्यपालिका से निर्देश नहीं ले सकते। विश्वविद्यालय के अतिथि गृह के बाहर मीडिया से बात करते हुए खान ने केरल पुलिस को देश में बेहतरीन और सर्वश्रेष्ठ बल करार दिया और कहा कि बल को दोष नहीं दिया जा सकता क्योंकि उसे अपने कर्तव्यों का पालन करने की अनुमति नहीं दी जा रही है। खान ने कहा कि उन्होंने राज्य पुलिस प्रमुख को पत्र लिखकर कहा है कि उन्हें कोई पुलिस सुरक्षा नहीं चाहिए। उन्होंने कहा कि वह 'उधार के समय पर जी रहे हैं' क्योंकि उनकी उम्र 70 वर्ष से अधिक है और वह पहले ही जीवन प्रत्याशा के राष्ट्रीय औसत को पार कर चुके हैं।

सुविचार
अगर आप अपने घर में मिल जुलकर प्रेम से रहते हैं, तो आपका घर स्वर्ग के समान हो जाता है।

कई आईपीएस अधिकारियों के कार्यक्षेत्र बदले

हैदराबाद, 19 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। महानिदेशक, एसीबी और महानिदेशक वी एंड ई (एफएसी) रवि गुप्ता को स्थानांतरित कर दिया गया है और उन्हें पुलिस महानिदेशक के रूप में तैनात किया गया है। महानिदेशक (एचओपीएफ), तेलंगाना, हैदराबाद का पूर्ण अतिरिक्त प्रभार अभी भी उनके पास है। डीजीपी अंजनी कुमार पोस्टिंग का इंतजार कर रहे थे। उन्हें सड़क सुरक्षा प्राधिकरण, तेलंगाना का चेयरमैन बनाया गया है। हैदराबाद में तेलंगाना, राज्य पुलिस हाउसिंग कॉर्पोरेशन लिमिटेड के एमडी राजीव रतन को स्थानांतरित कर दिया गया है और उन्हें महानिदेशक सतर्कता एवं प्रवर्तन, तेलंगाना के पद पर तैनात किया गया है। पोस्टिंग का इंतजार कर रहे डीजीपी सीवी आनंद को भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो के महानिदेशक का पद दिया गया है। अभिलाषा बिष्ट अतिरिक्त डीजीपी,कल्याण और खेल एचएफएसी अतिरिक्त डीजीपी, होमगाड्र्स औरआई/समन्वय का स्थानांतरणकिया गया है। उनको हैदराबाद में आरबीवीआरआर तेलंगाना राज्य पुलिस अकादमी के निदेशक के रूप में तैनात किया गया है। डॉ. सौम्या मिश्रा , अपर, महानिदेशक, कार्मिक, हैदराबाद, को स्थानांतरित कर दिया गया है और उन्हें महानिदेशक, जेल सुधारात्मक सेवाएं, तेलंगाना, हैदराबाद के रूप में तैनात किया गया है। यहां डॉ. जितेंद्र को पूर्ण अतिरिक्त प्रभार से विधिवत मुक्त कर दिया गया है। शिखा गोयल एडिशनल, डीजीपी, महिला सुरक्षा, शी टीमें और भरोसा हैदराबाद का तबादला कर दिया गया है और उन्हें एडिशनल डीजीपी, सीआईडी के पद पर तैनात किया गया है। अतिरिक्त, डीजीपी, सीआईडी, तेलंगाना, हैदराबाद को निदेशक, टीएस, साइबर सुरक्षा ब्यूरो का पूर्ण अतिरिक्त प्रभार सौंपा गया है। महेश एम भागवत, अपर, महानिदेशक, तेलंगाना, सीआईडी, हैदराबाद को अपर, पुलिस महानिदेशक, रेलवे और सड़क सुरक्षा के रूप में तैनात किया गया है। अतिरिक्त महानिदेशक, संगठन और कानूनी के एफएसी में भी रखा गया है।

डॉ. अनिल कुमार, अपर, डीजीपी को महानिदेशक, तेलंगाना स्पेशल प्रोटेक्शन फोर्स के पद पर तैनात किया गया है। एम स्टीफन रवीन्द्र को आईजीपी, होम गार्ड, तेलंगाना, हैदराबाद के रूप में तैनात किया गया है।

आईपीएस अभिलाषा बिष्ट के स्थानांतरण के बाद उन्हें कल्याण और खेल का पूर्ण अतिरिक्त प्रभार सौंपा गया।

तरुण जोशी अतिरिक्त, पुलिस आयुक्त, राचकोंडा का तबादला कर दिया गया है और उन्हें हैदराबाद में आईजीपी, मल्टी जोन-आरआर के रूप में तैनात किया गया है। वीबी कमलहसन को निदेशक ड्रग कंटोल तेलंगाना को अतिरिक्त प्रभार निदेशक आबकारी निषेध का दिया गया है। एआर श्रीनिवास, अतिरिक्त महानिदेशक, आरबीवीआरआर, तेलंगाना राज्य पुलिस अकादमी, हैदराबाद का तबादला कर दिया गया है और उन्हें भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो निदेशक के रूप में तैनात किया गया है। एस चन्द्रशेखर रेड्डी को पुलिस, कार्मिक, तेलंगाना, हैदराबाद के महानिरीक्षक के रूप में तैनात किया गया था। एम रमेश, पुलिस महानिरीक्षक, (प्रावधान और रसद), तेलंगाना, हैदराबाद को निदेशक, तेलंगाना राज्य पुलिस आवास निगम हैदराबाद का पूर्ण अतिरिक्त प्रभार दिया गया है। के रमेश नायडू डीआईजी, जोन-III, राजन्ना सिरसिला को स्थानांतरित कर दिया गया है और उन्हें पुलिस उप महानिरीक्षक, सीआईडी के रूप में तैनात किया गया है। वी सत्यनारायण, पुलिस उपमहानिरीक्षक को संयुक्त पुलिस आयुक्त कार मुख्यालय बनाया गया।

स्थानांतरण पर, एम श्रीनिवासुलु को पुलिस महानिदेशक, तेलंगाना, हैदराबाद के कार्यालय में रिपोर्ट करने के लिए निर्देशित किया गया है। बी सुमति, पुलिस उप महानिरीक्षक, सीआईडी, महिला सुरक्षा सेल, तेलंगाना, हैदराबाद का तबादला मौजूदा रिक्ति में पुलिस महानिरीक्षक, एसआईबी, इंटेलिजेंस को तैनात किया गया। आरबीवीआरआर, तेलंगाना राज्य पुलिस अकादमी, हैदराबाद के उप निदेशक शरत चंद्र पवार को पुलिस आयुक्त, मध्य क्षेत्र, हैदराबाद शहर, मौजूदा रिक्ति में तैनात किया गया है।

साउथर्न स्टार आर्मी एकेडेमिया इंडस्ट्री इंटरफ़ेस आयोजित

हैदराबाद, 19 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्यालय तेलंगाना और आंध्र सब एरिया के तत्वावधान में 1 ईएमई सेंटर द्वारा सिकंदराबाद में 'साउथर्न स्टार आर्मी - एकेडेमिया - इंडस्ट्री इंटरफेस' (एसऑ एऑ आईऑ) का आयोजन किया गया था। एक दिवसीय सेमिनार और प्रदर्शनी उद्योग और शिक्षा जगत के साथ संबंधों को फिर से जोड़ने, विकसित और मजबूत करने के द्वारा भारतीय सेना की चुनौतियों को कम करने में मदद करने के एकमात्र उद्देश्य से आयोजित किया गया। कार्यक्रम का विषय 'भारतीय सेना के सामने चुनौतियां और रक्षा प्रौद्योगिकी में उद्योग से उम्मीदें' था। रक्षा संबंधी उत्पादों/प्रौद्योगिकियों से जुड़े प्रमुख उद्योगों और शैक्षणिक संस्थानों ने इस कार्यक्रम में भाग लिया, जो भारतीय सेना की चुनौतियों को कम करने में मददगार हो सकते हैं। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि मिलिट्री कॉलेज ऑफ इलेक्ट्रॉनिक्स एंड मैकेनिकल इंजीनियर्स के कमांडेंट लेफ्टिनेंट जनरल जेएस सिदाना और इलेक्ट्रॉनिक्स एंड मैकेनिकल इंजीनियर्स कोर के कर्नल कमांडेंट थे। मेजर जनरल राकेश मनोचा, सेना मेडल, विशिष्ट सेवा मेडल, जनरल ऑफिसर कमांडिंग, तेलंगाना और आंध्र सब एरिया ने अपने उद्घाटन भाषण में विभिन्न क्षेत्रों में स्वदेशी रूप से निर्मित रक्षा संबंधी उपकरणों के लिए पर्यावरण को स्कैन करने के लिए भारतीय सेना की पहुंच बढ़ाने की आवश्यकता पर जोर दिया। लेफ्टिनेंट जनरल जेएस सिदाना ने अपने मुख्य भाषण में रक्षा प्रौद्योगिकी में आत्मनिर्भर होने की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने रक्षा निर्माताओं द्वारा आत्मनिर्भर भारत की यात्रा में अब तक सामना की गई कमियों, चुनौतियों को साझा किया और कहा कि व्यापार करने के नियमों को सरल बनाया गया है और रक्षा उत्पादन, फास्ट ट्रैक अनुसंधान में उद्योग की अधिकतम भागीदारी में सहायता के लिए सरकार द्वारा की गई विभिन्न पहलों पर प्रकाश डाला गया। सेमिनार का दूसरा भाग 'भारतीय सेना की अपेक्षाओं को पूरा करने में उद्योग और शिक्षा जगत के सामने आने वाली चुनौतियों' पर उद्योग विशेषज्ञों द्वारा तकनीकी वार्ता के लिए समर्पित था।

डीजीपी ने 'तेलंगाना में अपराध- 2022' पुस्तक का अनावरण किया

हैदराबाद, 19 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना के पुलिस महानिदेशक रवि गुप्ता ने मंगलवार को अतिरिक्त महानिदेशक सीआईडी महेश एम. भागवत और अन्य अधिकारियों की उपस्थिति में 'तेलंगाना में अपराध -2022' पुस्तक का विमोचन किया। महेश भागवत की देखरेख में पुस्तक संकलित की गई है। श्री भागवत ने कहा कि ऐसी बहुमूल्य जानकारी न केवल कानून प्रवर्तन अधिकारियों को अपराध की रोकथाम के लिए प्रभावी रणनीति तैयार करने में सहायता करती है, बल्कि सार्वजनिक सुरक्षा के मामलों पर सूचित चर्चा और बहस के लिए उत्प्रेरक के रूप में भी काम करती है। उन्होंने कहा, "पारदर्शिता के प्रति प्रतिबद्धता और अपराध के आंकड़ों को सक्रिय रूप से साझा करना नीति निर्माताओं, प्रशासक शोधकर्ताओं, मीडिया, गैर सरकारी संगठनों और आम जनता सहित विभिन्न हितधारकों को अपराध और सुरक्षा पर चर्चा में सार्थक योगदान देने के लिए सशक्त बनाता है।" महेश भागवत ने बताया कि वर्ष 2021 की तुलना में वर्ष 2022 के दौरान साइबर अपराध में 48.47 प्रतिशत की वृद्धि हुई है, आर्थिक अपराधों में 41.37 प्रतिशत की वृद्धि हुई है और धोखाधड़ी से संबंधित अपराधों में 43.30 प्रतिशत की वृद्धि हुई है, जबकि संपत्ति अपराध में वृद्धि हुई है। , आर्थिक अपराध, साइबर अपराध और महिलाओं के खिलाफ अपराध ने आम जनता का ध्यान खींचा है। तेलंगाना पुलिस जांच और अभियोजन पर विशेष ध्यान दे रही है। उन्होंने कहा, "हमारा विशेष जोर वर्ष 2022 में अधिक दोषसिद्धि सुनिश्चित करने के लिए उच्च गुणवत्ता वाले डिजिटल साक्ष्य सुनिश्चित करने के लिए वैज्ञानिक उपकरणों, फोरेंसिक विज्ञान और साइबर प्रौद्योगिकी के इष्टतम उपयोग पर है।" उन्होंने आगे कहा कि वर्ष 2022 के दौरान 1,74,205 सीसीटीवी कैमरों की स्थापना के साथ, तेलंगाना में सीसीटीवी कैमरों की कुल संख्या बढ़कर 10,25,849 हो गई और 18,234 मामलों का पता लगाने में मदद मिली। एनसीआरबी की भारत में अपराध 2022 रिपोर्ट के अनुसार, वर्ष 2022 में प्रति लाख जनसंख्या पर सबसे कम संज्ञेय अपराधों के साथ हैदराबाद भारत के सबसे सुरक्षित शहर 2022 के मामले में कोलकाता और पुणे के बाद तीसरे स्थान पर रहा।

पीएम मोदी तानाशाह की तरह देश पर शासन कर रहे हैं: पोन्नम

हैदराबाद, 19 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। संसद के दोनों सदनों से विपक्षी सांसदों को निलंबित करने के लिए केंद्र सरकार पर दोष निकालते हुए, परिवहन और बीसी कल्याण मंत्री पोन्नम प्रभाकर ने आरोप लगाया कि प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी और उनकी टीम इस घटना को पचाने में असमर्थ हैं। इशीतकालीन सत्र की शेष अवधि के लिए संसद से 92 सांसदों को निलंबित करने के एक दिन बाद, मंगलवार को 49 और सांसदों को लोकसभा से निलंबित कर दिया गया, जिससे संसद से निलंबित सांसदों की कुल संख्या 141 हो गई। मंगलवार को यहां गांधी भवन में मीडिया से बात करते हुए, मंत्री पोन्नम प्रभाकर ने संसद सुरक्षा उल्लंघन पर चर्चा की मांग करने वाले विपक्षी सांसदों को निलंबित करने के लिए केंद्र सरकार की आलोचना की और आरोप लगाया कि नरेंद्र मोदी एक तानाशाह की तरह देश पर शासन कर रहे हैं। पोन्नम ने कहा, "एआईसीसी नेता राहुल गांधी ने देश भर में नफरत के खिलाफ लोकतंत्र लाने के उद्देश्य से पदयात्रा की। दुर्भाग्य से, पीएम मोदी तनीषा की तरह व्यवहार कर रहे हैं और तानाशाह की तरह काम कर रहे हैं। यह मोदी के लिए बहुत अपमानजनक है।" मंत्री ने आरोप लगाया कि केंद्र की भाजपा सरकार सरकार की खामियों को उजागर करने वाले विपक्षी दलों के खिलाफ सीबीआई, ईडी और आईटी सहित प्रवर्तन एजेंसियों का दुरुपयोग कर रही है और कहा कि जब उन्होंने तेलंगाना राज्य के लिए लड़ाई लड़ी थी, तब भी उन्होंने इतना भयानक मामला नहीं देखा था। उन्होंने संसद सुरक्षा उल्लंघन पर चुप्पी बनाए रखने के लिए तेलंगाना के भाजपा सांसदों की भी आलोचना की और सवाल किया कि भाजपा नेता इस मुद्दे पर प्रतिक्रिया क्यों नहीं दे रहे हैं। एक सवाल के जवाब में कि बीआरएस विधायकों ने पिछले दस वर्षों के दौरान हुए तेलंगाना के विकास पर विधानसभा में पावर प्वाइंट प्रेजेंटेशन की अनुमति मांगी थी, पोन्नम प्रभाकर ने पूछा, क्या विपक्ष को पावर प्वाइंट प्रेजेंटेशन देने का मौका दिया गया था। अतीत,'' और कहा कि राज्य सरकार तेलंगाना राज्य की वित्तीय स्थिति के बारे में विधानसभा में एक श्वेत पत्र जारी करेगी।

अग्रणी महिला मंच ने की बैठक

हैदराबाद, 19 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। अग्रणी महिला मंच की अध्यक्ष सुमन भुवानिया ने उक्त जानकारी देते हुए कहा कि हिमायत नगर कार्यालय में बैठक हुई। बैठक में यह तय हुआ की 28 दिसंबर को अग्रणी महिला मंच की 5 जी वार्षिक उत्सव नेकलेस रोड, थ्रिल सिटी में होटल सिग्नेचर ग्रिल में रखने का निश्चय किया गया। कार्यक्रम 12 बजे से शुरू होगा। कई प्रकार के खेल आयोजित किए जाएंगे। कार्यक्रम की थीम बॉलीवुड पर रखी गई है। सभी महिलाओं से निवेदन है की बॉलीवुड थीम पर तैयार होकर आएं। बैठक में बबिता गर्ग, रितु गर्ग, टीना खंडेलवाल, श्वेता खंडेलवाल, सुनयना नरसरिया, स्मिता शाह, प्रीति गोयल, शीतल बंसल, संगीता जाजोदिया, संगीता बिंदल, सोनिया गोयल, कोमल अग्रवाल, श्रद्धा सुखिया, रितु गोयल, रूपा गुप्ता आदि उपस्थित थीं।

पीजी रोड वेलफेयर एसोसिशन के पदाधिकारी पूर्व मंत्री से मिले

हैदराबाद, 19 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। पूर्व मंत्री व सनत नगर विधायक तलसाणी श्रीनिवास यादव ने कहा कि वे विकास कार्य कर लोगों की समस्याओं को दूर करने का काम कर रहे हैं। भारी बहुमत से तीसरी बार विधायक बनने वाले तलसानी श्रीनिवास यादव का मंगलवार को पीजी रोड स्थित बीआरएस पार्टी कार्यालय में पीजी रोड वेलफेयर एसोसिएशन के तत्वावधान में अभिनंदन किया गया। इस मौके पर तलसानी श्रीनिवास यादव ने कहा कि 2014 से पहले पीजी रोड की सड़कें और जल निकासी व्यवस्था काफी खराब थी। उन्होंने कहा कि तेलंगाना राज्य के गठन के बाद उन्होंने विशेष सक्रियता के साथ विकास कार्य किये और दीर्घकालिक समस्याओं का समाधान किया। कार्यक्रम में पीजी रोड वेलफेयर एसोसिएशन के अध्यक्ष प्रवीण, गोपाल, संजय, रोचा, बरकत, दीपक यादव, प्रदीप जैन व अन्य शामिल रहे।

बिजली बिल वसूलने गए कर्मचारियों पर हमले की कोशिश

निर्मल, 19 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। निर्मल जिले के भैंसा शहर में मंगलवार को बिजली बिल वसूलने गए अधिकारियों पर हमले की घटना घटी। निर्मल जिले के भैंसा बिजली विभाग के कर्मचारीयो ने घरों का बिजली बिल वसूलने गए तो एक व्यक्ति ने संबंधित अधिकारियों पर डंडे से हमला करने की कोशिश की। बिजली विभाग के जूनियर लाइनमैन टोकाला सुधाकर ने मंगलवार की सुबह अपने कर्मचारियों के साथ भैंसा कस्बे के कुंटा गली स्थित घरो में जा रहे थे तभी एक उपभोक्ता ने डंडे से हमला करने की कोशिश की, जिस पर 20583 हजार रुपये का बिजली बिल बकाया था। बिजली विभाग अधिकारियों ने हमले की घटना को लेकर नगर थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई है जिसपर पुलिस विभाग जांच कर रहा है।

प्रशांत जीवन पाटिल चयन ग्रेड में पदोन्नत

हैदराबाद, 19 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। 2011 बैच के आईएएस अधिकारी, सिद्दीपेट कलेक्टर प्रशांत जीवन पाटिल को 2011 बैच के एक अन्य आईएएस अधिकारी, जीएचएमसी के अतिरिक्त आयुक्त किल्लू शिव कुमार नायडू के साथ चयन ग्रेड (वेतन मैट्रिक्स में लेवल -13) में पदोन्नत किया गया है। तेलंगाना सरकार ने मंगलवार को इस संबंध में आदेश जारी कर दिए हैं। हालांकि, राज्य सरकार ने पदोन्नति के बाद भी पाटिल को उसी पद पर जारी रखने का फैसला किया है। उन्हें जून 2022 में नलगोंडा से स्थानांतरित होकर यहां कलेक्टर के रूप में नियुक्त किया गया था।

दक्षिण मध्य रेलवे
हमें @SCRailwayindia पर फॉलो करें
द.म. रेलवे की निविदा सूचनाओं के विवरणों को हमारी वेबसाइट : www.scr.indianrailways.gov.in पर देखा जा सकता है

निविदा सूचना PUB/1366

भारत के राष्ट्रपति की ओर से, सीनि. डिवीजन सिग्नल एंड टेलिकाम इंजीनियर, हैदराबाद डिवीजन, दमरे, सिकंदराबाद व्दारा निम्न कार्यों हेतु ई-प्रोक्युरमेन्ट के माध्यम से दि.17.01.2024 के सु.11.30 बजे तक खुली निविदाएं आमंत्रित हैं।

निविदा दिनांकित 18.12.2023

क्रम सं.1, निविदा सं. - वाय/एसजी/36/2023-24/21, कार्य विवरणः हैदराबाद डिवीजन- एससी-डीएचएनइ सेक्शनः पोथुलपाडू-न्यू फोर क्रासिन्ग स्टेशनों से जुडे कार्य के चलते पोथुलपाडू स्टेशन पर सेंट्रलाइज्ड आर्किटेक्चर के हाट स्टैंड बाय इलेक्ट्रानिक इन्टरलाकिंग सिस्टम के प्रावधान सहित सिग्नलिंग व्यवस्था कार्य एवं संबंधित कार्य। अनुमानित मूल्यः रु.4,68,90,440.23, पूधराः रु.3,84,500/-

सीनि. डिवीजन सिग्नल एंड टेलिकाम इंजीनियर, हैदराबाद

ई-निविदा सूचना सं.12 PUB/1367

कृते भारत के राष्ट्रपति की ओर से, वरिष्ठ मंडल बिजली अभियंता(रखरखाव), गुंटूर व्दारा आयआरइपीएस पोर्टलः www.ireps.gov.in के माध्यम से निम्न ई-निविदाएं आमंत्रित हैं।

क्रम सं.-1, निविदा शीर्षकः- गुंटूर डिवीजन- सीतानगरम -कृष्णा कैनल से गुंटूर स्टेशन तक नयी पाइपलाइन उक्त सीतानगरम से संबंधित कृष्णा कैनल, मंगलगिरी, गुंटूर पर पम्प सेट्स की व्यवस्था का प्रावधान तथा एटोमेशन पम्प्स की व्यवस्था।
निविदा संदर्भ सं. जीएनटी इएलइ-12-2023-24 दि.15-12-2023, अनुमानित मूल्यः रु.15606600.17, पूधराः रू.2,28,000.00, निविदा प्रपत्र मूल्य(अप्रतिदेय)-- रु. शून्य

ई-बोलियों की आनलाईन प्रस्तुति की अंतिम तिथि व समयः 08.01.2024 के 15.30 बजे तक। इस मामले में कोई भी और संचार संप्रेषण/शुद्धिपत्रों को केवल ई-पोर्टलः www.ireps.gov.in पर प्रकाशित किया जायेगा।

वरिष्ठ मंडल बिजली अभियंता/एम./गुंटूर
A1879

निविदा शर्तों/ तत्संबंधित अधिक जानकारी तथा निविदा दस्तावेजों की डाउनलोडिंग हेतु कृपया वेबसाइट्सः http://www.ireps.gov.in या www.scr.indianrailways.gov.in देखें।

पूर्व तट रेलवे

सूचना सं. eT-TM-WAT-01-2023, दिनांक 13.12.2023

कार्य का नामः वाल्टियर मंडल में RDSO/लखनऊ द्वारा अनुमोदित/अनुशंसित फ्लक्स कोर्ड वायर ब्रांड CPOA 517, 1.6 मिमी व्यास अथवा समतुल्य के प्रयोग द्वारा मूल आकार में जीर्ण शीर्ण टैम्पिंग टूल्स की रिकंडीशनिंग।
कार्य की अनुमानित लागतः रु. 48,07,986.01
EMD: रु. 96,200.00/-। कार्य समापन की अवधिः 24 (चौबीस) महीने।
निविदा बंद होने की तारीख एवं समयः
04.01.2024, 1500 बजे।
ऐसी ई-निविदाओं के तहत डाक/कूरियर/फैक्स या व्यक्तिगत रूप से भेजा गया कोई भी मैनुअल प्रस्ताव स्वीकार नहीं किया जायेगा।
ऊपरोक्त ई-निविदा के ई-निविदा दस्तावेज सहित संपूर्ण जानकारी वेबसाइटः www.ireps.gov.in पर उपलब्ध है।
टिप्पणी: प्रत्याशित निविदाताओं को इस निविदा के लिए जारी किए जाने वाले किसी भी संशोधन/शुद्धिपत्र नोट करने के लिए निविदा बंद होने की तारीख से 10 (दस) दिन पहले वेबसाइट पुनः देखने की सलाह दी जाती है।
मंडल रेल प्रबंधक (इंजीनियरिंग), वाल्टियर
PR-899/O/23-24

पूर्व तट रेलवे

निविदा सं. VSKP-ELG-TL-AC-23-24-05, दिनांक 14.12.2023

कार्य का नामः कोचिंग रखरखाव डिपो (विशाखापट्टनम) के पावर कारों में सुसज्जित KOEL निर्मित DA सेटों की 36 महीने के लिए वार्षिक रखरखाव संविदा यानी B चेक, C चेक एवं D2 चेक।
निविदा मूल्यः रु. 33,14,573.87, बोली सुरक्षाः रु. 66,300/-, निविदा दस्तावेज की कीमतः रु. 3,540/-, समापन अवधिः 03 वर्ष।
निविदा बंद होने की तारीख एवं समयः
10.01.2024 को 1330 बजे। निविदा खुलने की तारीख एवं समयः 10.01.2024 को 1600 बजे।
निविदा दस्तावेज का संपूर्ण विस्तृत विवरण www.ireps.gov.in पर उपलब्ध है। निविदाकारों को जारी किसी भी शुद्धिपत्र के लिए वेबसाइट देखना आवश्यक है।
वरिष्ठ मंडल विद्युत अभियंता (G), वाल्टियर
PR-900/O/23-24

पूर्वांचल में बीएसपी को लगेगा बड़ा झटका

चुनाव से पहले कांग्रेस में जा सकते हैं सांसद श्याम सिंह यादव, राहुल से की मुलाकात

लखनऊ, 19 दिसंबर (एजेंसियां)। लोकसभा चुनाव 2024 से पहले बहुजन समाज पार्टी को पूर्वांचल में तगड़ा झटका लग सकता है। सूत्रों का दावा है कि यूपी स्थित जौनपुर से बसपा सांसद श्याम सिंह यादव, कांग्रेस में शामिल हो सकते हैं। उन्होंने हाल ही में कांग्रेस नेता और वायनाड सांसद राहुल गांधी से मुलाकात की है। श्याम सिंह यादव ने दस जनपथ पर राहुल गांधी से मुलाकात की है। संसद भवन से ही श्याम सिंह यादव, राहुल गांधी के साथ बैठकर गए। दीगर है कि बीते साल 2022 में कांग्रेस की भारत जोड़ो यात्रा में भी श्याम सिंह यादव गए थे और वहां राहुल से मुलाकात की थी। भारत जोड़ो यात्रा में शामिल होने पर बसपा सांसद श्याम सिंह यादव ने टिप्पणी भी की थी। उन्होंने कहा था यात्रा सद्भाव और विकास के लिए है और इसका राजनीति से कोई लेना-देना नहीं है। इतना ही नहीं श्याम सिंह यादव के भारत जोड़ो यात्रा में आने पर राहुल गांधी ने बसपा सांसद को एक पत्र भी लिखा था। इसमें उन्होंने कहा का, संसद के सदस्य के रूप में, आप भारत के लोकतांत्रिक ढांचे की रीढ़ हैं और हमारे लोगों की आवाज का प्रतिनिधित्व करते हैं।

बीजेपी में भी जाने की थी अटकलें

इससे पहले श्याम सिंह यादव के भारतीय जनता पार्टी में भी शामिल होने की अटकलें थीं। उन्होंने केंद्रीय बजट और यूपी सरकार के बजट की सराहना की थी।

राहुल गांधी, प्रियंका और मल्लिकार्जुन खडगे

उत्तर प्रदेश से लड़ेंगे लोकसभा चुनाव? यूपी कांग्रेस ने आलाकमान से की मांग

लखनऊ, 19 दिसंबर (एजेंसियां)। विपक्षी गठबंधन आइएनडीआइए के सहयोगियों के साथ मिलकर ही उत्तर प्रदेश में कांग्रेस लोकसभा चुनाव के मैदान में उतरेगी। पार्टी के केंद्रीय नेतृत्व ने प्रदेश कांग्रेस के वरिष्ठ नेताओं के साथ दिल्ली में हुई बैठक में यह साफ कर दिया कि भाजपा को हराने के बड़े लक्ष्य को देखते हुए गठबंधन के सहयोगियों के साथ सीटों को लेकर अब किसी तरह का टकराव नहीं होने दिया जाएगा। बैठक में उत्तर प्रदेश में संगठन को बूथ स्तर तक मजबूत करने पर खास जोर दिया गया। कहा गया कि पार्टी के कार्यकर्ताओं को गठबंधन में रहकर ही चुनाव लड़ने की जानकारी दी जाए, जिससे किसी स्तर पर कहीं कोई भ्रम न रहे।

गठबंधन की सीटों पर होनी चाहिए कांग्रेस की सम्मानजनक हिस्सेदारी

वरिष्ठ नेताओं ने कहा कि गठबंधन में उत्तर प्रदेश की 80 लोकसभा सीटों में कांग्रेस की सम्मानजनक भागीदारी होनी चाहिए। जिससे उसके कमजोर होने का संदेश न जाए। बसपा को भी गठबंधन का हिस्सा बनाए जाने की बात भी हुई। हालांकि, केंद्रीय नेतृत्व ने कहा कि अभी बसपा साथ नहीं है। जो दल साथ आए हैं, उनके साथ पार्टी मजबूती से कदम बढ़ाएगी।

यूपी जोड़ो यात्रा के लिए 12 सदस्यीय समिति का गठन

प्रदेश अध्यक्ष अजय राय ने कहा कि प्रियंका वाड्रा व राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खडगे और राहुल गांधी भी राज्य से चुनाव लड़ें। वरिष्ठ नेताओं को जोड़ रही पार्टी यूपी जोड़ो यात्रा के सफलता के लिए 12 सदस्यीय सलाहकार समिति भी बनाई गई है, जिसमें वरिष्ठ नेताओं को स्थान दिया गया है। पार्टी यात्रा के माध्यम से नए-पुराने सभी चेहरों को जोड़ने का प्रयास करती नजर आ रही है। सलाहकार समिति में सिद्धार्थप्रिय श्रीवास्तव, द्विजेन्द्र त्रिपाठी, वीरेन्द्र मदान, अमरनाथ अग्रवाल, वीरेन्द्र प्रताप पांडेय, डीपी सिंह, मारूफ खान, प्रमोद सिंह, आरपी सिंह, बृजेन्द्र कुमार सिंह व सीमा चौधरी को शामिल किया है।

मैं आपको सुनने आई हूं बैठक में: प्रियंका

मल्लिकार्जुन खडगे, राहुल गांधी व राष्ट्रीय महासचिव केसी वेणुगोपाल के अलावा प्रियंका वाड्रा भी मौजूद रहीं। प्रियंका उत्तर प्रदेश की प्रभारी भी हैं। बैठक में प्रियंका ने यूपी के वरिष्ठ नेताओं से कहा कि वह उन्हें सुनने आई हूं। बैठक के अंत में प्रियंका ने संगठन को बूथ स्तर तक गतिशील किए जाने पर जोर दिया।

यूपी विधानसभा की सुरक्षा के लिए बनी कमेटी

चुस्त-दुरुस्त होगी सुरक्षा व्यवस्था, अब और सख्त होंगे नियम

लखनऊ, 19 दिसंबर (एजेंसियां)। पिछले दिनों दिल्ली संसद में सुरक्षा में हुई चूक को देखते हुए उत्तर प्रदेश विधानसभा में सुरक्षा घेरा बड़ा करने के लिए और सुरक्षा चाक चौबंद करने के लिए विधानसभा अध्यक्ष ने कमेटी बना दी है। इस कमेटी की रिपोर्ट के आधार पर सुरक्षा व्यवस्था और चुस्त दुरुस्त की जाएगी। शीतकालीन सत्र के दौरान दिल्ली संसद भवन में सुरक्षा में हुई चूक को देखते हुए उत्तर प्रदेश विधान भवन में सुरक्षा चाक चौबंद करने के लिए तैयारियां शुरू हो गई है। विधानसभा अध्यक्ष सतीश माहना की अध्यक्षता में हुई बैठक में यूपी विधानसभा के सुरक्षा उपायों पर मंथन हुआ और सतीश महाना के निर्देश पर अपर पुलिस महानिदेशक की अध्यक्षता में एक कमेटी का गठन किया गया है। विधान भवन की सुरक्षा को और अधिक चाक चौबंद करने के लिए और विधान भवन को अवैध किला बनाने के लिए एक कमेटी बनाई गई है। कोई भी व्यक्ति अवांछित सामग्री लेकर परिसर में प्रवेश न कर सके इसके पुख्ता इंतजाम किए जाएंगे।

विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना की अध्यक्षता में आयोजित बैठक में सुरक्षा उपायों पर मंथन हुआ। महाना के निर्देश पर अपर पुलिस महानिदेशक रघुवीर लाल की अध्यक्षता में कमेटी बनाई गई है। इस कमेटी की रिपोर्ट के अनुसार सुरक्षा के मानक तय करते हुए सुरक्षा पहले की अपेक्षा और चुस्त दुरुस्त की जाएगी। वहीं विधान भवन के अंदर जाने के लिए बनने वाले पास पर भी नियम सख्त हो सकते हैं तो वाहन पास के भी नियम सख्त किए जा सकते हैं। साथ ही सभी प्रवेश द्वारों और गैलरी में भी अत्यधिक सुरक्षा का के उपकरण लगाए जा सकते हैं अपर पुलिस महानिदेशक रघुवीर लाल की अध्यक्षता में बनी कमेटी में सचिवालय प्रशासन विभाग के संयुक्त सचिव, विधानसभा के एसपी, विधान सभा के मार्शल और एसपी आर सदस्य बनाए गए हैं।

याद रखा जाएगा ये दौर

तानाशाहों को बकरी-मेमने जैसे सांसद चाहिए, 78 सांसदों को निलंबित किए जाने पर भड़के मनोज झा

पटना, 19 दिसंबर (एजेंसियां)। संसद की कार्यवाही में बाधा डालने को लेकर 78 विपक्षी सांसदों को संसद से निलंबित कर दिया गया है। पिछले सप्ताह 14 सांसदों के खिलाफ इसी तरह की कार्रवाई की गई थी। सांसदों ने पिछले सप्ताह सदन की सुरक्षा उल्लंघन पर एक सरकारी बयान और चर्चा की मांग की थी। अब इसको लेकर राजनीतिक सरगर्मी तेज हो गई है। विपक्षी नेता लगातार भाजपा पर हमला बोल रहे हैं।

राजद नेता और राज्यसभा सांसद मनोज झा ने कहा कि जब काला दौर होता है तो तानाशाहों को ऐसी ही संसद चाहिए। जहां लोग बकरी-मेमने की तरह बकते रहे। उन्होंने कहा कि हम आपसे सवाल पूछ रहे हैं, मसला संसद की इमारत का नहीं, यह देश की सुरक्षा सवाल है। मनोज झा ने कहा कि आप एक आधिकारिक बयान नहीं दे सकते? आप क्या चाहते हैं? विपक्ष मुक्त संसद आपने बना लिया। जो बचे हैं उन्हें भी निलंबित कर दें।

मनोज झा का बयान

उन्होंने कहा कि ये दौर याद रखा जाएगा कि जबसे प्रधानमंत्री मोदी अपने दूसरे कार्यकाल में आए हैं, बहुत कमजोर हो गए हैं। कमजोर व्यक्ति ही संसदीय कार्य मंत्री द्वारा इस प्रकार की हरकतों को प्रोत्साहित करता है और करवाता है। अब कहा जा रहा है कि निलंबित किए गए सांसदों समेत इंडी गठबंधन के सदस्य अपने निलंबन और 'सुरक्षा उल्लंघन' की घटना को लेकर मंगलवार सुबह संसद परिसर में गांधी प्रतिमा के सामने विरोध प्रदर्शन करेंगे। हालांकि, इस बात की आधिकारिक पुष्टि नहीं हो पाई है। गौरतलब है कि सोमवार को कुल 78 सांसदों - लोकसभा से 33 और राज्यसभा से 45 को निलंबित कर दिया गया।

संपत्ति की सूचना व फाइल नहीं देने पर बाबू निलंबित, 21 दिसंबर को हाई कोर्ट में सुनवाई

आगरा, 19 दिसंबर (एजेंसियां)। एडीए के संपत्ति अनुभाग के कर्मचारियों पर आय से अधिक संपत्ति के अर्जन और स्वजन के नाम पर संपत्तियों का आवंटन कराने के आरोप लगने के बाद एक बाबू को निलंबित कर दिया गया है। संपत्ति की सूचना व फाइलें उपलब्ध नहीं कराने पर बाबू के विरुद्ध कार्रवाई की गई है। हाई कोर्ट में 21 दिसंबर को मामले पर सुनवाई प्रस्तावित है। सुल्तानगंज के रहने वाले रवि गांधी ने एडीए के संपत्ति अनुभाग के आधा दर्जन कर्मचारियों पर आय से अधिक संपत्ति के अर्जन व स्वजन के नाम पर संपत्तियों का आवंटन करने के आरोप लगाए हैं। आवास एवं शहरी नियोजन विभाग के अनु सचिव और मंडलायुक्त ने शिकायत की जांच कराने के निर्देश दिए थे। एक सप्ताह में होने वाली जांच डेढ़ माह में नहीं हो सकी है।

डीएम दुर्गा शक्ति का बड़ा एक्शन

2 ग्राम प्रधान सहित अधिकारियों पर एफआईआर दर्ज

बांदा, 19 दिसंबर (एजेंसियां)। बांदा जिले की जिलाधिकारी और तेजतर्रार आईएएस दुर्गा शक्ति नागपाल एक्शन मोड में नजर आ रही हैं। स्वच्छ भारत मिशन योजना में लाखों रुपये के गबन के मामले में चल रही जांच में दोषी पाए जाने पर 2 ग्राम प्रधान, सचिव और 2 विकास अधिकारियों पर कड़ी कार्रवाई करते हुए 420 और 120 बी के तहत केस दर्ज कराया है। इन सभी पर स्वच्छ भारत योजना में मनमाने तरीके से 19 लाख रुपये की राशि ट्रांसफर करने का आरोप है। योजना में धांधली की शिकायत मिलने पर डीएम ने जांच के आदेश दिए थे। उसके बाद प्रधान, सचिव और विकास अधिकारी को जांच में दोषी पाए जाने पर एफआईआर दर्ज कराई गई है। उल्लेखनीय है कि बबेरू विकासखंड की ब्योजा व अछाह ग्राम पंचायत में स्वच्छ भारत मिशन के तहत राशि ट्रांसफर की गई थी। इसके तहत ग्राम पंचायतों में कचरा वाहन, कूड़ा निस्तारण केंद्र सहित व्यक्तिगत शौचालयों की मरम्मत आदि कार्य किए जाने थे। लेकिन दोनों पंचायतों के ग्राम प्रधान और सचिव, विकास अधिकारियों की मिलीभगत से पूरी राशि डकार गए।

चहेती फर्म को पैसा देने का आरोप

बबेरू कोतवाली थाने के एसएचओ पंकज कुमार सिंह के मुताबिक डीएम के आदेश पर जिले के पंचायती राज अधिकारी ने 7 लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया है। पंचायती राज अधिकारी द्वारा दर्ज शिकायत में बताया गया है कि सितंबर 2023 तक 2 ग्राम पंचायतों में प्रधान, सचिव और विकास अधिकारियों ने मिलकर 19 लाख रुपये का गबन किया है और यह राशि अपनी चहेती फर्म को दी गई है। फिलहाल पुलिस इस पूरे मामले की जांच में जुटी है।

अक्सर सुर्खियों में रहती हैं आईएएस दुर्गा शक्ति नागपाल

उत्तर प्रदेश कैडर की 2010 बैच की आईएएस और वर्तमान में बांदा जिले की डीएम दुर्गा शक्ति नागपाल अपनी कार्यशैली के चलते अक्सर चर्चा में रहती हैं। बांदा की जिलाधिकारी बनने से पहले वे चिकित्सा शिक्षा विभाग में विशेष सचिव के रूप में पदस्थ थीं। उनके पति अभिषेक सिंह भी यूपी कैडर के 2010 बैच के आईएएस अधिकारी रहे हैं। अभिषेक सिंह को फरवरी 2023 में किन्हीं कारणों के चलते सस्पेंड कर दिया गया था। उसके बाद उन्होंने अपनी नौकरी से इस्तीफा दे दिया था।

जिले में 50 उपनिरीक्षकों का तबादला, तीन थाना प्रभारी बदले; एसपी ने चौकी प्रभारी को किया लाइन हाजिर

शाहजहांपुर, 19 दिसंबर (एजेंसियां)। एसपी अशोक कुमार मीणा ने लापरवाही में चौकी प्रभारी को लाइन हाजिर कर दिया। जबकि तीन प्रभारियों व 50 उपनिरीक्षकों के थाने बदले दिए। शाहजहांपुर जिले के सदर की उस्मानबाग चौकी प्रभारी परमित कुमार की मनमानी को लेकर एसपी के पास शिकायतें पहुंच रहीं थीं। विभागीय काम मे लापरवाही बरतने पर उन्हें लाइन हाजिर कर दिया गया। सिंधौली के कोरोकुइयां चौकी प्रभारी रणजीत सिंह को यहां भेजा गया हैं। आइजीआरएस सेल के प्रभारी निरीक्षक चंद्रप्रकाश शुक्ला को रामचंद्र मिशन थाने का प्रभारी निरीक्षक बनाया गया है। जबकि खुटार के एसओ ओमप्रकाश को अल्हागंज थाने की जिम्मेदारी दी गई है। एसओ अल्हागंज संजय कुमार को खुटार भेजे गए हैं। इसके अतिरिक्त 50 अन्य उपनिरीक्षकों को भी इधर से उधर किया गया। पुलिस लाइंस में तैनात सत्य सिंह को अपराध निरीक्षक रोजा बनाया गया। पुलिस लाइंस में तैनात राकेश सिंह को आइजीआरएस सेल का प्रभारी बनाया गया। एसपी अशोक कुमार मीणा ने बताया कानून व्यवस्था को और ज्यादा बेहतर करने के उद्देश्य से फेरबदल किया गया है।

तेंदुए के हमले से मासूम छात्रा की मौत, परिजनों का रो-रोकर हुआ बुरा हाल गांव के लोगों में दहशत

बिजनोर, 19 दिसंबर (एजेंसियां)। बिजनौर जिले में नहटौर थाना क्षेत्र के गांव बढ़ियोवाला में तेंदुए ने हमला कर नौ वर्षीय बच्ची नैना को मौत के घाट उतार दिया। हादसा तब हुआ जब बच्ची अपने पिता के पास जंगल में जा रही थी। घटना से क्षेत्र में दहशत है। वन विभाग के अधिकारियों से ग्रामीणों ने तेंदुए को पकड़ने की मांग की है। इस साल तेंदुए के हमले में जिले में 19वीं मौत हुई है। ग्रामीणों ने बताया कि पिछले कई सालों से झारखंड निवासी महेंद्र सिंह गन्ने के सीजन में उनके यहां नौकरी करने के लिए आ रहा है। एक साल पहले महेंद्र सिंह की झारखंड में पत्नी की मौत हो गई। इस बार महेंद्र सिंह झारखंड से अपने 12 वर्षीय पुत्र और नौ वर्षीय पुत्री नैना को भी यहां लेकर के आया।

प्राण प्रतिष्ठा समारोह में कृपया न आएं आडवाणी और मुरली मनोहर जोशी, चंपत राय ने दिया यह तर्क

अयोध्या, 19 दिसंबर (एजेंसियां)। अयोध्या में राम मंदिर के लिए आंदोलन में सबसे आगे रहने वाले भाजपा के वरिष्ठ नेता लालकृष्ण आडवाणी और मुरली मनोहर जोशी से राम मंदिर ट्रस्ट ने अपील की है कि वो प्राण प्रतिष्ठा समारोह में न आए। मंदिर ट्रस्ट ने कहा है कहा कि दोनों बुजुर्ग हैं और उनकी उम्र को देखते हुए उनसे न आने का अनुरोध किया गया है, जिसे दोनों ने स्वीकार कर लिया है। राम मंदिर ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय ने कहा 22 जनवरी को अभिषेक समारोह की तैयारियां जोरों पर हैं, जिसमें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शामिल होंगे। तैयारियां 15 जनवरी तक पूरी हो जाएंगी और प्राण प्रतिष्ठा के लिए पूजा 16 जनवरी से शुरू होगी, यह 22 जनवरी तक चलेगी।

प्राण प्रतिष्ठा समारोह में कृपया न आएं आडवाणी

समारोह में आडवाणी और मुरली मनोहर जोशी को आमंत्रित किए जाने के सवाल पर चंपत राय ने कहा कि समारोह के लिए उन्हें आमंत्रित किया गया है, लेकिन अपील यही है कि कृपया वह ना आएं। क्योंकि उनकी उम्र बहुत ज्यादा है। ठंड का मौसम रहेगा, जो उनके स्वास्थ्य के लिए अनुकूल नहीं होगा। आडवाणी के बारे में बार बार सवाल पूछना उनका मजाक उड़ाना है। आडवाणी अब 96 साल के हैं और जोशी अगले महीने 90 साल के हो जाएंगे।

चंपत राय ने बताया कि प्राण प्रतिष्ठा समारोह में देश की 125 परंपराओं के संत आमंत्रित किए गए हैं। जैन, बौद्ध सिख धर्म के धर्म गुरुओं को भी आमंत्रित किया गया है। शंकराचार्य वासुदेवानंद सरस्वती, भारती कृष्ण तीर्थ, अवधेशानंद गिरी, ज्ञान देव महाराज, गुरु शरणानंद, बाबा रामदेव, केरल की अम्मा आनंदमाई, दलाई लामा, जैन मुनि रविंद्र कीर्ति, जगदगुरु रामभद्राचार्य सहित पटना साहिब के जत्थेदार, बौद्धों के धर्मगुरु मुंबई के राहुल बोधी, स्वामीनारायण, आर्ट ऑफ लिविंग के श्रीश्री रविशंकर, गायत्री परिवार के प्रमुख समारोह में शामिल होंगे।

सिने स्टार रजनीकांत, अमिताभ बच्चन, माधुरी दीक्षित, अरुण गोविल, फिल्म निर्देशक मधुर भंडारकर और प्रमुख उद्योगपति जैसे मुकेश अंबानी, अनिल अंबानी, प्रसिद्ध चित्रकार वासुदेव कामत, इसरो निदेशक राय ने कहा, नीलेश देसाई और कई अन्य प्रतिष्ठित हस्तियों को समारोह में आमंत्रित किया गया है।

खेल जगत की हस्तियों को आमंत्रित किया

इसके अलावा पदम श्री, पदम भूषण और खेल जगत की हस्तियों को आमंत्रित किया जा रहा है। फिल्म जगत की हस्तियां भी समारोह की साक्षी बनेंगी। राम मंदिर निर्माण में अहम भूमिका निभाने वाली संस्था इसरो के निदेशक निलेश देसाई भी आएंगे। सीबीआरआई के डायरेक्टर को बुलाया गया है। समारोह में संघ के अधिक से अधिक 25 लोग रहेंगे, जबकि विश्व हिंदू परिषद के 100 लोग रहेंगे। इसके अलावा तिरुपति बालाजी, वैष्णो देवी मंदिर, काशी विश्वनाथ मंदिर के प्रतिनिधि भी मौजूद रहेंगे। सेना व सीआरपीएफ के अधिकारी शामिल होंगे। 1992 में अयोध्या में जो अधिकारी तैनात थे, वे अब रिटायर हो गए हैं, उनको भी बुलाया जा रहा है। राम मंदिर निर्माण में विभिन्न एजेंसियों के अधिकारियों को भी आमंत्रित किया जा रहा है।

एचडी देवगौड़ा भी किए गए आमंत्रित

चंपत राय ने बताया की समारोह में अंडमान निकोबार में रहने वाले धर्मगुरु भी आएंगे। पूर्व प्रधानमंत्री देवगौड़ा से नृपेन्द्र मिश्रा, विहिप के कार्यकारी अध्यक्ष आलोक कुमार और संघ के रामलाल की टीम मुलाकात करेगी। बैडमिंटन खिलाड़ी गोपीचंद, गायक गुरदास मान, फिल्म निर्माता मधुर भंडारकर, महाभारत में कृष्ण की भूमिका निभाने वाले नितीश भारद्वाज, फिल्म सेंसर बोर्ड के प्रसून जोशी को भी बुलाया गया है।

तू तो बेवफा निकली: शादी के बाद प्रोफेसर ने पढ़ा लिखाकर बनाया अफसर, पत्नी का चतुर्थ श्रेणी कर्मी से अफेयर

हमीरपुर, 19 दिसंबर (एजेंसियां)। हमीरपुर जिले से एक हैरान करने वाला मामला सामने आया है। शादी के बाद पढ़ा-लिखाकर अफसर बनाने वाले पति के साथ उसकी पत्नी और उसके साथ रहने वाले चतुर्थ श्रेणी के कर्मचारी ने मारपीट की। मारपीट में पति को चोट आई है। उसकी मां के साथ भी धक्का-मुक्की की गई है। पति ने मामले की शिकायत कोतवाली में की है। पुलिस ने मारपीट का मामला दर्ज करते हुए घायल का मेडिकल कराया है। बांदा जनपद का रहने वाला 35 वर्षीय युवक लखनऊ के सरकारी कॉलेज में असिस्टेंट प्रोफेसर हैं। उसकी शादी दस साल पहले हुई थी। मौजूदा समय में पत्नी भरुआ सुमेरपुर में रहती है। पति का आरोप है कि शादी के बाद भी उन्होंने अपनी पत्नी की पढ़ाई-लिखाई जारी रखी, ताकि वह आत्मनिर्भर हो सके। दो साल पहले ही पत्नी का चयन एक सरकारी विभाग में ब्लॉक स्तरीय अधिकारी के पद पर हुआ है। इस पद पर तैनात होते ही पत्नी के रंग-ढंग बदलने शुरू हो गए। एक चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी जो उसे हेल्प के लिए मिला था, उसके साथ उसकी मित्रता हो गई। पति का कहना है कि जब से उक्त कर्मचारी उसकी पत्नी के साथ ड्यूटी पर आया, उसी दिन से उनके परिवार में विवाद होने शुरू हो गए।

डेढ़ वर्षों से विवाद इतना ज्यादा बढ़ चुका है कि मामला कोर्ट तक पहुंच गया है। उनकी तीन साल की बेटी भी है, जिससे पत्नी मिलने नहीं देती है। उससे मिलने के लिए सोमवार को वह अपनी मां के साथ बांदा से आए थे। लेकिन विकास भवन के पास उक्त कर्मचारी मिल गया। उसके साथ उसकी पत्नी भी थी। इन दोनों ने उसके साथ हाथापाई करते हुए मारपीट की। उसकी मां के साथ भी धक्का-मुक्की की। पिटाई से असिस्टेंट प्रोफेसर के चेहरे पर नाखून लगने से खून निकल आया है। पीड़ित की तहरीर पर पुलिस ने मारपीट में शामिल कर्मचारी को हिरासत में ले लिया है। कोतवाल अनूप सिंह का कहना है कि दंपति का पारिवारिक विवाद है। मारपीट की तहरीर मिली है। जांच कर कार्रवाई की जा रही है।

बिहार के सभी मंदिरों में बलि पर रोक, राज्य धार्मिक न्यास परिषद ने दी जानकारी

दरभंगा, 19 दिसंबर (एजेंसियां)। श्यामा माई मंदिर में बलि पर रोक का मामले पर बयान सामने आया है। बिहार राज्य धार्मिक न्यास परिषद ए।के जैन ने इस मामले पर अपना बयान दिया है। उन्होंने इस मामले पर कहा कि, श्यामा माई मंदिर के लिए कोई अलग से आदेश जारी नहीं किया गया है। जो आदेश निर्गत हुआ है वह बिहार के सभी मंदिरों के लिए है। पशु क्रूरता कानून अपराध है और श्यामा माई मंदिर में बलि देने के लिए वहां के प्रशासन और मंदिर समिति देखेगी।

जमुई में सीएम नीतीश की पार्टी के नेता पर फायरिंग, छाती और कनपटी में मारी गोली

जमुई, 19 दिसंबर (एजेंसियां)। बिहार में बेखौफ बदमाशों ने जमुई में जेडीयू नेता को गोली मारी दी। घटना महिसौड़ी चौक के पास रात की है। जेडीयू नेता पवन साह को गंभीर हालत में एक निजी क्लीनिक में लाया गया। यहां से पीएमसीएच रेफर कर दिया गया। छाती और कनपटी में बदमाशों ने गोली मारी है। घटना को लेकर कारण पता नहीं चला है। दरअसल, पवन साह जेडीयू युवा नगर के अध्यक्ष हैं। महिसौड़ी निवासी पवन साह अपनी श्रृंगार की दुकान से रात में करीब 10 बजे पैदल ही घर लौट रहे थे। इसी दौरान महिसौड़ी चौक के पास बेखौफ बदमाशों ने पवन साह को गोली मार दी। घटना के बाद स्थानीय लोगों की मदद से स्वजनों ने निजी क्लीनिक में भर्ती कराया। यहां से गंभीर हालत को देखते हुए पटना रेफर कर दिया गया। बताया जाता है कि घात लगाए बदमाशों ने पवन साह को देखते ही ताबड़तोड़ गोली चला दी। एक गोली कनपटी तो दूसरी छाती में लगी है। गोली लगने के बाद पवन साह जमीन पर गिर गए। जब तक स्थानीय लोग समझ पाते गोली मारकर बदमाश फरार हो गए। घटना के बाद परिजनों में कोहराम मच गया है। घटना की जानकारी मिलते ही तुरंत बाद जमुई एसपी शौर्य सुमन और टाउन थाना अध्यक्ष राजीव कुमार तिवारी निजी क्लीनिक पहुंचे। गंभीर रूप से घायल पवन साह से घटना की जानकारी ली। फिलहाल हमला क्यों किया गया है यह अब तक साफ नहीं हुआ है। एसपी शौर्य सुमन ने बताया कि पवन साह को दो गोली मारी गई है। घटना के कारण का पता लगाया जा रहा है। बदमाशों की गिरफ्तारी के लिए पुलिस छापेमारी कर रही है। जल्द घटना का खुलासा कर लिया जाएगा। बदमाशों को गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

भ्रष्टाचार के मामले में सीएम स्टालिन के मंत्री पोनमुडी दोषी करार

निचली अदालत ने कर दिया था बरी, अब मद्रास एचसी देगी सजा

चेन्नई, 19 दिसंबर (एजेंसियां)। मद्रास उच्च न्यायालय ने आय से अधिक संपत्ति के मामले में तमिलनाडु के मंत्री के पोनमुडी को दोषी करार दे दिया है, जिससे उनकी बरी का फैसला पलट गया है। दरअसल, 28 जून को वेल्लोर की एक प्रमुख सत्र अदालत ने आय से अधिक संपत्ति के मामले में पोनमुडी और उनकी पत्नी को यह कहते हुए बरी कर दिया कि अभियोजन पक्ष पर्याप्त सबूत पेश करने में नाकाम रहा। मद्रास उच्च न्यायालय ने अब ट्रायल कोर्ट के फैसले को पलट दिया है और सजा इस सप्ताह के अंत में सुनाई जाएगी। बता दें कि, वेल्लोर के प्रधान जिला न्यायाधीश एन वसंतलीला ने सतर्कता और भ्रष्टाचार निरोधक निदेशालय द्वारा दर्ज आय से अधिक संपत्ति के मामले में तमिलनाडु के उच्च शिक्षा मंत्री और वरिष्ठ द्रमुक नेता के पोनमुडी और उनकी पत्नी को बरी कर दिया था। मद्रास हाई कोर्ट ने जून में वेल्लोर की एक अदालत द्वारा बरी किए जाने के बाद आय से अधिक संपत्ति के मामले में तमिलनाडु के मंत्री के पोनमुडी और उनकी पत्नी को बरी करने के फैसले पर स्वतः संज्ञान लेते हुए अगस्त में पुनर्विचार करने का फैसला किया था। सतर्कता और भ्रष्टाचार निरोधक निदेशालय (डीवीएसी) द्वारा पोनमुडी और उनकी पत्नी के खिलाफ मामला 1996 से 2001 तक अन्नाद्रमुक सरकार के कार्यकाल के दौरान 2002 में दायर किया गया था। डीवीएसी ने दावा किया था कि पोनमुडी ने 1996-2001 तक राज्य सरकार में मंत्री के रूप में अपने कार्यकाल के दौरान अवैध संपत्ति अर्जित की थी। आरोप यह था कि उनकी 1।4 करोड़ रुपये की आय उस समय उनकी आय के ज्ञात स्रोतों से बताई गई तुलना से अधिक थी।

लोकतंत्र की जननी ने इसे अनाथ कर दिया'

कपिल सिब्बल ने सांसदों के निलंबन पर निकाली दिल की भड़ास

नई दिल्ली, 19 दिसंबर (एजेंसियां)। सोमवार को दोनों सदनों से 78 सांसदों को निलंबित किए जाने के बाद इसे भारत की संसद के इतिहास में सबसे बड़ा एक दिवसीय निष्कासन बना दिया गया, जिसमें पहले हटाए गए 14 सदस्यों को मिलाकर इसकी संख्या 92 हो गई। दोनों सदनों के सदस्यों के निलंबन पर मंगलवार को राज्यसभा सांसद कपिल सिब्बल ने कहा, लोकतंत्र की जननी ने इसे अनाथ कर दिया। संसद सुरक्षा उल्लंघन को लेकर दोनों सदनों में सभापति, वित्त मंत्रालय और विपक्ष के बीच विस्फोटक झड़प के बीच 13 दिसंबर की घटना पर केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के बयान की मांग को लेकर हंगामा करने और कार्यवाही बाधित करने के लिए 78 सदस्यों को निलंबित कर दिया गया। राज्यसभा सांसद ने नागरिकों से 'लोकतंत्र के अस्तित्व' को सुनिश्चित करने की जिम्मेदारी लेने का भी आग्रह किया।

सांसदों के निलंबन पर कपिल सिब्बल ने क्या कहा?

मंगलवार को 'एक्स' पर अपने आधिकारिक हैंडल पर पूर्व केंद्रीय कानून मंत्री ने पोस्ट किया, लोकतंत्र की जननी ने इसे अनाथ कर दिया है! भारत के लोगों को इसका ध्यान रखना चाहिए और इसके अस्तित्व को सुनिश्चित करना चाहिए।

सांसदों के सस्पेंशन के टूट गए सभी रिकॉर्ड

सोमवार को 78 सांसदों के निलंबन के साथ कदाचार और अध्यक्षों के निर्देशों का पालन नहीं करने के लिए दोनों सदनों से निलंबित विधायकों की संख्या बढ़कर 92 हो गई। सांसदों के निलंबन का प्रस्ताव संसदीय कार्य मंत्री प्रल्हाद जोशी ने पेश किया था। पहले स्थगन के बाद दोपहर तीन बजे जब सदन की बैठक दोबारा शुरू हुई तो सभापति के तौर पर मौजूद भाजपा सांसद राजेंद्र अग्रवाल ने कहा कि सदस्य नियमों का उल्लंघन कर रहे हैं। सदन ने पहले तख्तियां प्रदर्शित करने और सभापति के निर्देशों का उल्लंघन करने के लिए 13 सदस्यों को निलंबित कर दिया था। इस बीच, राज्यसभा में टीएमसी सांसद डेरेक ओ'ब्रायन का निलंबन भी देखने को मिला है। 14 दिसंबर को टीएमसी के डेरेक ओ ब्रायन समेत अब कुल 46 सांसदों को राज्यसभा से निलंबित कर दिया गया है। इस बीच, कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने भी सांसदों के निलंबन पर केंद्र की आलोचना की।

सांसदों के निलंबन पर मल्लिकार्जुन खरगे भड़के

खरगे ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में लिखा, विपक्ष-रहित संसद में मोदी सरकार अब महत्वपूर्ण लंबित कानूनों को बिना किसी चर्चा-बहस या असहमति से बहुमत के बाहुबल से पारित करवा सकती है! उन्होंने आगे पोस्ट में कहा, ₹13 दिसंबर 2023 को संसद पर एक हमला हुआ, आज फिर मोदी सरकार ने संसद और लोकतंत्र पर हमला किया है। तानाशाही मोदी सरकार द्वारा अभी तक 92 विपक्षी सांसदों को निलंबित कर, सभी लोकतांत्रिक प्रणालियों को कूड़ेदान में फेंक दिया गया है।

फर्जी पैन-आधार बनाकर

सरकारी योजनाओं का लाभ ले रहे थे रोहिंग्या जम्मू में पनाह देने वालों पर भी एक्शन

जम्मू, 19 दिसंबर (एजेंसियां)। कश्मीर में रोहिंग्याओं को पनाह देने वालों पर एक्शन लिया जा रहा है। उन सभी लोगों के खिलाफ कार्रवाई शुरू की गई है जो दूसरे देशों के नागरिकों और रोहिंग्याओं को शरण देने और सरकारी लाभ दिलाने में मदद कर रहे हैं। इन मामलों में जम्मू-कश्मीर के कई पुलिस थानों में एफआईआर दर्ज की गई है। किश्तवाड़ और पुंछ जिलों के बाद, फर्जी सरकारी कार्ड हासिल करने वाले रोहिंग्याओं पर कार्रवाई जारी है। इस बार जम्मू जिले में रोहिंग्याओं के मददगारों पर कार्रवाई की गई है। म्यांमार का रहने वाला एक रोहिंग्या मुस्लिम साल 2013 से जम्मू-कश्मीर के पुंछ जिले में रह रहा था। उसने साल 2013 में स्थानीय महिला से शादी भी कर ली। इसके साथ ही उसने अपने ससुर और अन्य दो लोगों के साथ मिलकर फर्जी आधार कार्ड और राशन कार्ड बनवाकर सरकारी योजनाओं का लाभ दिलाया।

इस मामले में आईपीसी की कई धाराओं के तहत पुंछ जिले के गुरसाय पुलिस थाने में एफआईआर दर्ज हुई। जांच के दौरान 30 नवंबर को आरोपी शख्स को गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस ने आरोपी शख्स के ससुर और फर्जी दस्तावेज बनाने वाले दो अन्य लोगों को भी हिरासत में लिया है। जम्मू जिले में जिन जगहों पर गैर नागरिकों को ठहराया जाता है, वहां मजिस्ट्रेट की उपस्थिति में तलाशी ली गई। इस दौरान अवैध रूप से भारतीय दस्तावेज जैसे पैन कार्ड, आधार कार्ड, बैंक दस्तावेज और अन्य आपत्तिजनक सामग्री जब्त की गई है।

कड़ाके की ठंड के लिए तैयार हो जाओ दिल्ली वालों

दिन में हल्की धूप, सुबह-शाम सताएगी सर्दी

नई दिल्ली, 19 दिसंबर (एजेंसियां)। दिल्लीः मौसम विभाग ने कहा है कि दिल्ली में आने वाले कुछ दिनों में सर्द हवाओं का कहर बढ़ेगा और ठंड बढ़ जाएगी। सुबह और शाम सर्द हवाओं के चलते तापमान में भी कमी दर्ज की जाएगी। मौसम विभाग की मानें तो आनेवाले दिनों में तापमान में और गिरावट दर्ज की जाएगी। सोमवार को दिल्ली में अधिकतम तापमान 22.3 दर्ज किया गया था। मंगलवार की सुबह भी धुंध की मोटी चादर दिखाई दी लेकिन दिन होते ही धूप खिल आई जिससे लोगों ने राहत महसूस की। बता दें कि बीते कई दिनों से पहाड़ों में हो रही बर्फबारी का असर दिल्ली में अब दिखने लगा है। सोमवार को उत्तर-पश्चिम दिशा की तरफ आनेवाली ठंडी हवाओं की रफ्तार भी बढ़ गई है और इसी के चलते दिल्ली में सुबह और शाम के वक्त दिल्ली में लोगों को ठिठुरन का भी एहसास होने लगा है। सोमवार को दिन में धूप निकलने के बाद भी दिल्ली में अधिकतम तापमान 7.1 दर्ज किया गया, जो सामान्य से एक डिग्री कम है। मौसम विभाग के मुताबिक, सोमवार को दिल्ली का मुंगेशपुर इलाका सबसे ठंडा रहा। यहां अधिकतम तापमान 19.8 डिग्री दर्ज किया गया तो वहीं पालम में सोमवार को अधिकतम तापमान 20 डिग्री दर्ज किया गया। दिल्ली में सबसे कम न्यूनतम तापमान दिल्ली के लोधी रोड का रहा।

पड़ने वाली है कड़ाके की ठंड

मौसम विभाग के मुताबिक, गुरुवार 21 दिसंबर से शनिवार 23 दिसंबर तक नई दिल्ली में न्यूनतम तापमान 5 डिग्री दर्ज किया जा सकता है तो वहीं, अधिकतम तापमान 22 से 23 डिग्री तक रह सकता है। इन दिनों दिल्ली में सुबह के वक्त कुहासा देखने को मिलेगा। 21 और 22 दिसंबर को हल्का कोहरा छाया रहेगा और रविवार से लेकर सोमवार तक दिल्ली का न्यूनतम तापमान 07 डिग्री और अधिकतम तापमान 24 डिग्री रह सकता है। वहीं, रविवार और सोमवार को भी घना कोहरा देखने को मिलेगा।

दिल्ली में प्रदूषण का स्तर

दिल्ली के ज्यादातर इलाकों में वायु गुणवत्ता सूचकांक बहुत खराब श्रेणी में बना हुआ है, जिसमें मंगलवार को पंजाबी बाग इलाके में सुबह 9 बजे के करीब एक्यूआई 207 दर्ज किया गया। तो वहीं, आईटीआई जहांगीरपुरी में एक्यूआई 233 दर्ज किया गया। नरेला में एक्यूआई 218, मंदिर मार्ग में 215, आनंदविहार में एक्यूआई 201 दर्ज किया गया।

पांच साल बाद हाई कोर्ट ने दी खिड़की खोलने की इजाजत

अगर आप बनवा रहे हैं घर तो पढ़ लें ये खबर

जम्मू, 19 दिसंबर (एजेंसियां)। कश्मीर और लद्दाख हाई कोर्ट ने हाल ही में एक कश्मीर निवासी को पांच साल से भी अधिक समय बाद अपने घर की खिड़की खोलने की इजाजत दी है। इससे पहले जिला अदालत ने एक सिविल मामले में उसके पड़ोसी के दावे को बरकरार रखते हुए उसे ऐसा करने से रोक दिया था। गुलाम नबी शाह बनाम अब्दुल गनी शेख और अन्य के मुकदमे की सुनवाई करते हुए हाई कोर्ट के जस्टिस अतुल श्रीधरन ने कहा कि सिविल कोर्ट का आदेश यह प्रतिबिंबित करने में विफल रहा है कि याचिकाकर्ता के पड़ोसी के कौन से अधिकारों का कैसे और किस तरह उल्लंघन किया जा रहा है। जस्टिस श्रीधरन ने अपने फैसले में कहा, "निस्संदेह, याचिकाकर्ता को अपनी संपत्ति पर खिड़कियां खोलने का अधिकार है,

बिहार के बोधगया में पहला अंतरराष्ट्रीय संघ फोरम 20 से 23 दिसम्बर तक, दलाई लामा करेंगे उद्घाटन

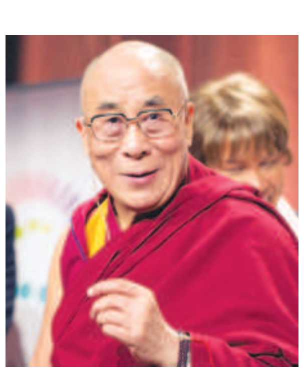

गया, 19 दिसंबर (एजेंसियां)। बौद्ध धर्म गुरु सह तिब्बती आध्यात्मिक नेता दलाई लामा और बौद्ध केंद्र के सहयोग से 20 से 23 दिसम्बर के मध्य प्रथम अंतरराष्ट्रीय संघ फोरम (आईएसएफ) का आयोजन होगा। यह कार्यक्रम बिहार के बोधगया में आयोजित होगा, जिसमें 33 देशों के दो हजार बौद्ध धर्म के विद्वान विचार रखेंगे। इसका उद्घाटन दलाई लामा करेंगे। आईएसएफ ने एक प्रेस रिलीज में कहा कि दलाई लामा और बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार सहित बौद्ध नेताओं की मौजूदगी में एक सभा होगी। यह आयोजन भारत, थाईलैंड, म्यांमार, कंबोडिया, लाओस, श्रीलंका, बांग्लादेश और इंडोनेशिया के दक्षिणपूर्व और दक्षिण एशियाई देशों के पाली परंपराओं के कलाकारों के साथ-साथ तिब्बत से संस्कृत परंपरा के कलाकारों के एक साथ आने का भी गवाह बनेगा। इसके अलावा भूटान, नेपाल, वियतनाम, चीन, ताइवान, जापान, कोरिया, रूस, मंगोलिया और दुनिया के अन्य हिस्सों से भी कलाकार शामिल होंगे। कहा गया है कि आईएसएफ का लक्ष्य विनय नियमों के जटिल पहलुओं पर बातचीत को बढ़ावा देना और 21वीं सदी में बौद्ध धर्म की विकसित भूमिका का पता लगाना है। कार्यक्रम के पहले तीन दिनों में भिक्षुओं, ननों और भिक्षु विद्वानों के बीच चर्चा होगी। इसमें बौद्ध धर्म की गहन शिक्षाओं पर चर्चा होगी। चर्चाओं के बाद मंच के समापन के अंतिम दिन बोधगया के प्रतिष्ठित महाबोधि मंदिर में प्रार्थना सभा होगी। उल्लेखनीय है कि इससे पहले दिसंबर में भारत सहित दुनिया भर से लगभग 5,000 भिक्षु और नन दो से 12 दिसंबर तक 18वें अंतरराष्ट्रीय टिपिटका जप कार्यक्रम के लिए बोधगया में एकत्र हुए थे। संगठन अंतरराष्ट्रीय भिक्षुओं को लाकर और उनकी शिक्षाओं को उनके मूल रूप में सुनाकर भगवान बुद्ध से जुड़े पवित्र स्थानों के पुनरुद्धार की दिशा में काम करता है। यह संघ को एक साथ लाने और प्रतिष्ठित बौद्धों द्वारा धम्म वार्ता आयोजित करने का भी एक प्रयास है।

बेमौसम बारिश से नुकसान ग्रस्त किसानों को मुख्यमंत्री द्वारा मदद

नागपुर, 19 दिसंबर (एजेंसियां)। बेमौसम बारिश से हुए नुकसान से प्रभावित किसानों को सहायता वितरण की शुरुआत मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे द्वारा की गई। ये बेमौसम बारिश नवंबर में हुई थी। इस बारिश से फसल को हुए नुकसान से राहत मिल सके, इसलिए प्रभावित किसानों को आज प्रतिनिधिक स्वरूप में चेक दिए गए। विधान भवन के मंत्रिमंडल सभागृह में आयोजित किए गए कार्यक्रम में उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस, उपमुख्यमंत्री अजित पवार, उच्च व तकनीकी शिक्षा मंत्री चंद्रकांत पाटिल, मदद व पुनर्वास मंत्री अनिल पाटिल, राजस्व मंत्री राधाकृष्ण विखे पाटिल, वन मंत्री सुधीर मुनगंटीवार, राज्य उत्पादन शुल्क मंत्री शंभूराज देसाई, ग्रामीण विकास मंत्री गिरीश महाजन, लोक निर्माण मंत्री दादाजी भुसे, मुख्य सचिव मनोज सौनिक सहित वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी उपस्थित थे।

आज हुए सहायता आवंटन कार्यक्रम में धान की फसल के लिए मौदा तहसील के गोविंदा गोपाल डांगरे (बाबदेव), राघू सदाशिव आखरे (बाबदेव), सूर्यभान विठोबा डांगरे (बाबदेव), श्रीकांत जागो किरपान (चिरवा), योगेश यादवराव पत्रे (धानला), अंकित मनोहर चामट (गोवरी), धर्मपाल नागोजी तेलंगराव (मारोडी), शरद सुमदेव किरपान (पिपरी), श्रीनिवास शामशिवराव देवानेनी (पिपरी), सुदेश मोडकू चव्हाण (पिपरी), नथू काशीराम चकोले (सिंगोरी), कवडू सीताराम नाकाडे (बोरी सिंगोरी), प्रभाकर भोपाल नागपुरे (बोरी सिंगोरी) और सुरेश महादेव पोटभरे (बोरी कांद्री) को मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने प्रातिनिधिक स्वरूप में मदद का चेक वितरित किया। नवंबर 2023 में बेमौसम बारिश के कारण फसल की क्षति का भुगतान संबंधित किसान के खाते में ऑनलाइन (डीबीटी) मोड के माध्यम से किया जाएगा। इस अवसर पर बताया गया कि 3 हेक्टेयर क्षेत्र सीमा तक कृषि योग्य फसल के लिए 13600 रुपये प्रति हेक्टेयर, बागवानी फसलों के लिए 27,000 रुपये प्रति हेक्टेयर और बारहमासी फसलों के लिए 36,000 रुपये प्रति हेक्टेयर मदद दी जा रही है।

विशाल मेगामार्ट में लगी भीषण आग लाखों का सामान जलकर खाक

गुरुग्राम, 19 दिसंबर (एजेंसियां)। गुरुग्राम के बादशाहपुर इलाके में विशाल मेगा मार्ट की पहली मंजिल पर मंगलवार को भीषण आग लग गई। एक अग्निशमन अधिकारी ने यह जानकारी दी। एसीपी (बादशाहपुर) प्रियांशु दीवान ने कहा, 'बादशाहपुर में विशाल मेगा मार्ट की पहली मंजिल पर आग लगी। आग लगने का कारण अभी पता नहीं चला है।' दमकल विभाग के मुताबिक, उन्हें मंगलवार सुबह करीब 8.30 बजे सूचना मिली कि बादशाहपुर स्थित विशाल मेगा मार्ट की पहली मंजिल पर आग लग गई, जो बाद में मार्ट की दूसरी मंजिल तक फैल गई। अग्निशमन विभाग के उप निदेशक तकनीकी गुलशन कालरा ने कहा, 'सूचना के तुरंत बाद सेक्टर-29 फायर स्टेशन, मानेसर, उद्योग विहार और भीम नगर से लगभग एक दर्जन दमकल गाड़ियां आग बुझाने के लिए मौके पर पहुंचीं।

मणिपुर में बढ़ रही है टेंशन ! सुरक्षा बलों ने संभाले हुए हैं हालात

इंफाल, 19 दिसंबर (एजेंसियां)। जहां हिंसा की सबसे खतरनाक दृश्य देखे गये। मणिपुर के बारे में भले ही खबरें कम आती है लेकिन वहां के हालात ठीक नहीं है लगभग 8-9 महीनों से मणिपुर हिंसा की आग में जल रहा है। आदिवासी बहुल जिले में छिटपुट हिंसा की ताजा रिपोर्ट के बाद मणिपुर सरकार ने मंगलवार को चुराचांदपुर जिले में सीआरपीसी की धारा 144 के तहत दो महीने के लिए निषेधाज्ञा लागू कर दी। 18 दिसंबर से धारा 144 लागू कर दी गई है और 18 फरवरी 2024 तक जारी रहेगी। निषेधाज्ञा के आदेश एक जनजातीय निकाय की उस घोषणा के बाद आए हैं जिसमें उन्होंने कहा था कि वे मंगलवार को जातीय संघर्ष के दौरान मारे गए जनजातीय लोगों को सामूहिक रूप से दफनाएंगे। चुराचांदपुर स्थित एक प्रभावशाली आदिवासी निकाय, इंडिजिनस ट्राइबल लीडर्स फोरम (आईटीएफएल) ने राज्य में जातीय संघर्ष के दौरान मारे गए 60 से अधिक लोगों को सामूहिक रूप से दफनाने की घोषणा की। हिंसा में मारे गए 64 लोगों के शव गुरुवार को उनके परिवारों को सौंप दिए गए। मई की शुरुआत से ही शवों को सरकारी मुर्दाघरों में रखा गया था।

मणिपुर हिंसा

अनुसूचित जनजाति (एसटी) का दर्जा देने की मैतेई समुदाय की मांग के विरोध में 3 मई को पहाड़ी जिलों में 'आदिवासी एकजुटता मार्च' आयोजित किए जाने के बाद भड़की जातीय हिंसा के बाद से 150 से अधिक लोगों की जान चली गई है और 3,000 से अधिक घायल हुए हैं। हिंसा को नियंत्रित करने और राज्य में सामान्य स्थिति वापस लाने के लिए मणिपुर पुलिस के अलावा लगभग 40,000 केंद्रीय सुरक्षा कर्मियों को तैनात किया गया था। अगस्त में, सुप्रीम कोर्ट ने राज्य में राहत और पुनर्वास पर गौर करने के लिए उच्च न्यायालय के तीन पूर्व न्यायाधीशों की एक समिति गठित की। समिति की रिपोर्ट में कहा गया है कि हिंसा के दौरान हुई कुल मौतों में से केवल 81 शवों का दावा किया गया था।

'बचा लो हमें मार देंगे', युवक-युवती ने मुख्यमंत्री से लगाई मदद की गुहार, क्या है मामला

शिवपुरी, 19 दिसंबर (एजेंसियां)। शिवपुरी के प्रेमी जोड़े ने मुख्यमंत्री डॉ। मोहन यादव से अपनी जान बचाने की गुहार लगाई है। इस प्रेमी जोड़े ने एक वीडियो जारी करके सीएम से मदद मांगी है। इस प्रेमी जोड़े ने घर से भाग का शादी कर ली। दोनों ही युवक-युवती अलग-अलग जाति से हैं, इसलिए इस शादी से लड़की के परिवारजन खुश नहीं हैं। उन्होंने दोनों को मारने की धमकी दी है। अब दोनों प्रेमी जोड़े ने मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री से वीडियो जारी कर मदद की अपील की है।

वीडियो जारी कर मांगी मदद

शिवपुरी जिले के इंदार थाना क्षेत्र के ऐजवारा गांव अरविंद जाटव (23) ने अपने ही गांव की संध्या ओझा (21) से प्रेम विवाह कर लिया। अरविंद ने बताया कि गांव की ही रहने वाली संध्या ओझा से मेरी बचपन की दोस्ती थी। दोनों एक ही स्कूल में पढ़े। स्कूल में पढ़ते रहने से पहले दोस्ती हुई, इसके बाद प्यार हो गया और इसके बाद मैं नौकरी करने बाहर चला गया। इस दौरान हम दोनों में लगातार फोन से बातचीत होती रही। अरविंद ने बताया कि संध्या के परिजन शादी करने के लिए राजी नहीं थे। इसी के चलते हम दोनों ने भागकर शादी करने का फैसला किया। 12 दिसंबर को मैं गुना पहुंच गया था और संध्या गुना आ गई थी। हम दोनों ने पहले मंदिर में शादी की। इसके बाद गुना कोर्ट पहुंचकर शादी कर ली थी।

लड़की के घर वाले नाराज, मिल रही धमकियां

इस शादी के बाद अब लड़की के परिजन नाराज हैं। शादी करने वाले दोनों युवक-युवती अलग-अलग जाति के हैं, इसलिए लड़की के परिवार को शादी नागवार गुजरी। इंदार थाना प्रभारी दिनेश नरवरिया ने बताया कि युवती के परिजन ने गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कराई थी। जांच के दौरान हमें जानकारी मिली कि उसने प्रेम विवाह कर लिया है। वह बालिग है। युवती को थाने आकर बयान दर्ज कराना होगा। बयान के बाद मामला साफ हो सकेगा कि वह किसके साथ रहना चाहती है। अगर वह हमसे सुरक्षा मांगी तो पूरी मदद की जाएगी।

पांच हजार मिनी आंगनबाड़ी केंद्र होंगे उच्चीकृत, मंत्री रेखा आर्य ने कहा-महिलाओं को मिलेगा रोजगार

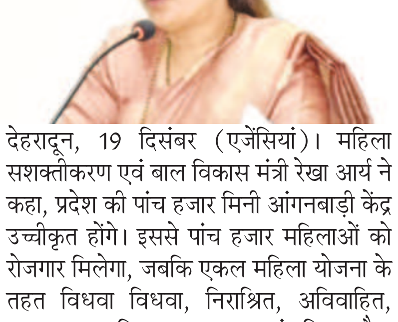

देहरादून, 19 दिसंबर (एजेंसियां)। महिला सशक्तीकरण एवं बाल विकास मंत्री रेखा आर्य ने कहा, प्रदेश की पांच हजार मिनी आंगनबाड़ी केंद्र उच्चीकृत होंगे। इससे पांच हजार महिलाओं को रोजगार मिलेगा, जबकि एकल महिला योजना के तहत विधवा विधवा, निराश्रित, अविवाहित, तलाकशुदा, परित्यकता, आपदा एवं एसिड अटैक से प्रभावित महिलाओं को स्वरोजगार के लिए 75 प्रतिशत सब्सिडी का प्रस्ताव कैबिनेट में लाया जाएगा। विधानसभा स्थित सभागार में विभागीय अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक में मंत्री ने कहा, सीएम की घोषणा के तहत एकल महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने को उन्हें स्वरोजगार से जोड़ा जाना है। इसका प्रस्ताव वित्त विभाग को भेजा गया है। अधिकारियों को निर्देश दिए गए कि प्रस्ताव को कैबिनेट में लाया जाए। विभागीय मंत्री ने कहा, महिला सशक्तीकरण एवं बाल विकास विभाग को इस बार आबकारी विभाग से प्रति बोतल एक रुपये अतिरिक्त शुल्क के रूप में आठ करोड़ रुपये मिले हैं। मंत्री रेखा आर्य ने कहा, सरकार जरूरतमंद महिलाओं को छत उपलब्ध कराएगी। आपदाग्रस्त एवं छत विहीन महिलाओं के लिए छत देने की योजना पर काम किया जाएगा। इसकी रूपरेखा तैयार करने के लिए अधिकारियों को निर्देश दिए गए हैं। कहा, प्रदेशभर के आंगनबाड़ी, सहायिकाओं एवं मिनी आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं की नियुक्ति समय करने के संबंध में अधिकारियों को प्रस्ताव तैयार करने के निर्देश दिए गए हैं, ताकि प्रदेश के किसी भी आंगनबाड़ी केंद्र के संचालन में परेशानी न हो। महिला सशक्तीकरण एवं बाल विकास मंत्री रेखा आर्य ने कहा, 24 जनवरी 2024 को राष्ट्रीय बालिका दिवस पर प्रदेश की सभी मेधावी बालिकाओं को सम्मानित किया जाएगा। इस संबंध में विभाग के अधिकारियों को बालिकाओं की सूची तैयार करने के निर्देश दिए गए हैं। बैठक में सचिव, महिला सशक्तीकरण एवं बाल विकास विभाग एचसी सेमवाल, अपर सचिव महिला सशक्तीकरण एवं बाल विकास विभाग प्रशांत आर्य, उपनिदेशक विक्रम सिंह आदि मौजूद रहे।

आरएसएस के कार्यक्रम में नहीं पहुंचे मुख्यमंत्री और उपमुख्यमंत्री

एनसीपी के विधायक भी नहीं हुए शामिल

नागपुर, 19 दिसंबर (एजेंसियां)। इन दिनों नागपुर में महाराष्ट्र का विधानमंडल का शीतकालीन सत्र चल रहा है। भारतीय जनता पार्टी की तरफ से एक पत्र जारी किया गया था कि भारतीय जनता पार्टी सहित एनसीपी ,शिवसेना ,पार्टी के सभी विधायकों को आरएसएस के संस्थापक डॉक्टर हेडगेवार स्मारक में अभिवादन करने के लिए पहुंचना है। साथ ही पत्र में जिक्र किया गया था कि सुबह 8:00 बजे डॉ। हेडगेवार और गोलवलकर गुरुजी का अभिवादन करने हेतु नागपुर स्थित रेशम बाग हेडगेवार स्मारक समिति में पहुंचना है। साथ ही संघ के इस उद्बोधन कार्यक्रम में राष्ट्रवादी कांग्रेस को भी निमंत्रित किया गया था। पर किसी कारणवश राष्ट्रवादी कांग्रेस के न कोई विधायक पहुंचे न कोई मंत्री इस कार्यक्रम में पहुंचे। भारतीय जनता पार्टी और शिवसेना की तरफ से विधायक और मंत्री तो पहुंचे, पर मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे और उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस भी अनुपस्थित रहे। इस अनुपस्थिति का क्या कारण था इस संबंध में बीजेपी के प्रदेश अध्यक्ष ने कुछ भी बोलने से इनकार कर दिया तो वहीं बीजेपी के एवं शिवसेना के कुछ विधायकों ने कहा कि अन्य जगहों पर नियोजित उनका कार्यक्रम होगा।

स्वतंत्र वार्ता

बुधवार, 20 दिसंबर - 2023

चीनी निर्यात पर रोक

इस वर्ष चीनी उत्पादन में आई भारी कमी को देखते हुए कीमतें बढ़ना तय माना जा रहा है। इसी आशंका को देखते हुए इस वर्ष भी चीनी के निर्यात पर रोक लगाने के अलावा कोई रास्ता नहीं बचाा था। भारतीय चीनी मिल संघ की तरफ से जो आंकडे जारी किए गए हैं उसके अनुसार चालू विपणन वर्ष 2023-24 में 15 दिसंबर तक चीनी उत्पादन 74.05 लाख टन हुआ, जबकि पिछले वर्ष की इसी अवधि में 82.95 लाख टन उत्पादन हुआ था। जाहिर है इस वर्ष ग्यारह फीसद चीनी का उत्पादन कम हुआ है। इसका सबसे बडा कारण महाराष्ट्र और कर्नाटक में चीनी का उत्पादन कम होना बताया जा रहा है। इस वर्ष पेराई सत्र भी लगभग पंद्रह दिन देरी से शुरू हुआ है। इस बीच यूपी से खुशखबरी आई है कि वहां चीनी उत्पादन पिछले वर्ष की तुलना में अधिक हुआ। वहां उत्पादन 15 दिसंबर तक बढ़ कर 22.11 लाख टन हो गया, जबकि पिछले वर्ष इसी अवधि में यह 20.26 लाख टन था। इस वर्ष महाराष्ट्र में चीनी उत्पादन 33.02 लाख टन से घटकर 24.45 लाख टन और कर्नाटक में 19.20 लाख टन से घटकर 16.95 लाख टन रह गया है। बता दें कि चीनी उत्पादन के मामले में भारत दुनिया का सबसे बड़ा देश बन गया है। मगर पिछले कुछ वर्षों से जिस तरह इस क्षेत्र में गतिरोध पैदा हो रहा है, उसे देखते हुए चीनी के निर्यात में कमी करनी पड़ रही है। घरेलू आपूर्ति को बढ़ावा देने और कीमतों को नियंत्रित करने के लिए सरकार ने चालू वर्ष में चीनी निर्यात की अनुमति नहीं दी है। इस वर्ष चीनी का उत्पादन 325 लाख टन होने की उम्मीद है। इसके अलावा 56 लाख टन चीनी का भंडारण है। जबकि खपत 285 लाख टन रहने का अनुमान है। इस तरह सुरक्षित भंडार में चीनी रखने के बाद निर्यात की गुंजाइश खत्म हो जाती है। देखा जाए तो अंतरराष्ट्रीय बाजार में चीनी की कीमतें पहले ही काफी ऊंची हैं। इसलिए वहां से चीनी मंगाने का फैसला करना मूल्य नियंत्रण के मामले में परेशानी पैदा करने वाला होगा। कुछ दिनों पहले चीनी उत्पादन में गिरावट को देखते हुए सरकार ने गन्ने के रस से एथेनाल बनाने पर रोक लगा दी थी, हालांकि अब वह रोक हटा ली गई है। लेकिन इस तरह की उहापोह की स्थिति में एथेनाल के उत्पादन पर भी बुरा असर पड़ा है। इस साल गन्ने की बुआई का रकबा घटने की वजह से पेराई सत्र भी देर से शुरू हुआ, इसके साथ ही चीनी उत्पादन पर भी बुरा असर पडा है। किसानों का कहना है कि गन्ना सबसे सुरक्षित नगदी फसल मानी जाती है। इस पर मौसम की मार का भी कोई खास असर नहीं पड़ता है। फिर भी किसान गन्ना बोने में रुचि कम लेने लगे हैं तो इसकी बड़ी वजह यही सामने आई है कि चीनी मिलों द्वारा समय पर गन्ना उत्पादकों को भुगतान नहीं किया जाता। इसके गन्ना खेत में खडा रहता है तभी पेराई सत्र समय से पहले ही समाप्त कर किसानों का शोषण किया जा रहा है। मिलें गन्ना नहीं खरीद पातीं, इसलिए हर वर्ष बहुत सारे किसानों को खेत में ही खड़ी फसल जलाने को मजबूर होना पड रहा है। देखा जाए तो चालू चीनी मिलों की संख्या पिछले वर्ष की तुलना में उतनी ही है जितनी की हर साल होती रही है। इसके बाद भी उनकी पेराई क्षमता कम क्यों हुई है, इसकी जानकारी न तो सरकारें देती हैं और न ही चीनी मिलें। अधिकतर सरकारी और सहकारी चीनी मिलें बीमारू हैं। उनके रखरखाव और क्षमता विकास पर भी प्रबंधन का कोई ध्यान नहीं रहता है। इसलिए उनकी उत्पदान क्षमता प्रभावित हो रही है। इसके अलावा उत्तर प्रदेश, महाराष्ट्र आदि के गन्ना किसानों को काफी संघर्ष के बाद आधा-अधूरा भुगतान ही मिल पाता है, जबकि सरकारी नियमानुसार पंद्रह दिन में भुगतान हो जाना चाहिए। इस लचर व्यवस्था में जबतक सुधार नहीं होगा तब तक चीनी उत्पादन की क्षमता को बढ़ा पाना मुश्किल ही होगा।

उसे क्या लूटोगे

डॉ. सुरेश कुमार

धर्मस्व विभाग में चपरासी से अधिकारी का लांगकट सफर शार्टकट में तय करने वाले धर्मराज जी किसी फाइल में ध्यान धरे बैठे थे। दो लाख रुपए की बेशकीमती साड़ी पहने और बदन पर गहने की शोरूम खोले पत्नी बोल उठी - 'सुनते हो बिटिया और मैं खरीददारी के लिए बाहर जा रहे हैं। हाथ में फुटकर पैसे ही हैं। लगता है कम पड़ेंगे।'

'क्या दस भी बस नहीं होगें।' धर्मराज चौंकते हुए बोले।

'कमाल करते हैं आप। ऐसे कह रहे हैं जैसे आपने खर्च के लिए दस करोड़ दिए हैं। दस लाख ही तो हैं। इतना भला कैसे बस होगा?'

'अरे भाग्यवान अब ऑफिस का समय हो रहा है। अभी अरेंज करना मुश्किल है।' अपनी मजबूरी बताते हुए साहब घड़ी की ओर देखने लगे।

'भगवान का तो दिया हुआ है। देने में क्या तकलीफ है?' कहते हुए पत्नी हँस पड़ी।

'अरे धीरे बोलो। चालक कहीं सुन न ले।' मुँह पर अंगुली रखते हुए साहब ने कहा।

'आप को क्या लगता है कि चालक को कुछ नहीं पता। वह सब जानता है। बस मासूम होने का ढोंग करता है।' इतना कहते हुए पत्नी मुस्कुराने लगी।

'ठीक है। तुम लोग जाओ। कम पड़े तो फोन कर देना।' कहते हुए साहब फिर से फाइल में सिर खपाने लगे।

पत्नी और बेटी खरीददारी के लिए निकलते तभी पाँच लोग जबरन भीतर घुस आए। साहब कुछ कहते उन लोगों ने अपना परिचय 'एसीबी' कहकर दिया। साहब की घिग्घी बंध चुकी थी। दिल की धड़कने बढ़ चुकी थी। हाथ-पैर काँपने लगे थे। कुल मिलाकर डरपोक बिल्ली की तरह एक कोने में दुबककर बैठ गए।

एसीबी अधिकारी ने घरवालों के फोन जब्त करते हुए खोजबीन में अड़चन पैदा न करने के सख्त निर्देश दिए। एक ओर खोजबीन में करोड़ों रुपयों की संपत्ति बाहर निकल रही थी उधर दूसरी ओर धर्मराज जी मन ही मन कहने लगे - खत्म। सब कुछ खत्म हो गया। कल से जेल की रोटी तोड़नी पड़ेगी। रुपए गिनने वाले हाथों से अब जेल की सलाखें गिननी पड़ेंगी।' वह अपने में तिल-तिल होकर रो रहे थे कि पत्नी कहने लगी - छीः-छीः। मुझे आप पर शर्म आती है। अब अपनी सहेलियों को क्या मुँह दिखाऊँगी। किटी पार्टी में जाने लायक नहीं छोड़ा। तभी मैनेजमेंट कोटा में डेढ़ करोड़ देकर मेडिकल की पढ़ाई पूरी करने वाली बेटी पिता को धिक्कारने लगी- 'दोस्तों में अब मेरी क्या इज्जत रहेगी। डैड यू स्पाइल्ड एव्रीथिंग। शेम ऑन यू।'

एसीबी अधिकारियों ने कहा – 'तुम लोग अपना रोना बाद में रोना। पहले यह बताओ घर की तलाशी लेने पर मात्र दस करोड़ की रिकवरी हुई है। जबकि हमें सूचना सौ करोड़ की मिली है।'

किसी ने कुछ जवाब नहीं दिया। साहब के चालक ने एसीबी के अधिकारियों से कहा – 'यहीं से कुछ दूरी पर एक अनाथाश्रम है। वहीं धर्मराज जी की माँ रहती हैं। शायद उनसे कुछ जानकारी मिल जाए।'

एसीबी अधिकारी अनाथाश्रम पहुँचे। पहुँचने पर पता चला कि धर्मराज जी की माँ उन्हें यह कहते हुए हमेशा कोसती थी कि भगवान के पैसे खाने वाला किसी न किसी दिन उसके हत्थे चढ़ता ही है। इन्हीं तानों के चलते उसने उन्हें यहाँ छोड़ दिया है। एसीबी अधिकारियों ने देखा कि धर्मराज जी ने माँ के लिए एक ऐसा पलंग बनवाया था जिसमें न दिखाई देने वाला अजीबोगरीब बक्सा है।

संसद की सुरक्षा पर राजनीति

विजय सहगल

22 वर्ष पूर्व 13 दिसम्बर 2001 को दुनियाँ मे अतिवादियों की पनाहगाह और आश्रयस्थली पाकिस्तान के आतंकवादियों द्वारा भारतीय लोकतन्त्र के आस्था और विश्वास के सबसे बड़े और सबसे महत्वपूर्ण मंदिर ₹भारतीय संसद₹ पर हमले की 22वी बरसी पर एक बार पुनः कुछ देश विरोधी मानसिकता के देशद्रोहियों ने 13 दिसम्बर 2023 को लोकसभा के केन्द्रीय कक्ष मे हमला कर दिया जब लोकसभा की कार्यवाही चल रही थी। मेरा तो ये मानना है कि कई मायनों मे आज 13 दिसम्बर 2023 को संसद पर हुए आतंकवादी हमले की तीव्रता और गंभीरता, 2001 को संसद मे हुए इस हमले से ज्यादा गहन, गहरी और गंभीर थी क्योंकि 13 दिसम्बर 2001 मे यद्यपि आतंकवादियों ने सुरक्षा की पहली परत के भेद संसद के मुख्य भवन मे घुसने के प्रयास किए थे पर उनके नापाक इरादों को सुरक्षा बलों के साहसी जवानों ने केंद्रीय सभा कक्ष तो दूर, संसद भवन मे प्रवेश के पूर्व ही अपनी जान की बाजी लगा कर पांचों आतंकवादियों को मौत की नींद सुला कर खंडित कर दिया था। इस हमले मे हमारी सुरक्षा बालों के नौ जवान शहीद हुए थे पर आज 2023 के हमले की गूढ़ता और जटिलता इस लिये गंभीर और चिंतनीय है क्योंकि सुरक्षा व्यवस्था कई गुना चाक चौबन्द के बावजूद ये हमलावर संसद के केंद्रीय कक्ष तक मे धुआँ करने वाले स्प्रे यंत्र के साथ प्रवेश कर गये जबकि संसद का सत्र जारी था जिसमे मंत्रिमण्डल के सदस्यों के साथ सैकड़ों की संख्या मे माननीय सदस्य उपस्थित थे। ये संसद की सुरक्षा मे बड़ी भारी चूक थी और ये चूक तब थी जब कुछ दिन पूर्व ही कनाडा मे बैठे भारत विरोधी आतंकवादी पन्नू ने वीडियो के माध्यम से खुले आम संसद पर हमले की धमकी दी थी। खेद और अफसोस तो इस बात का है कि जिस दिन संसद पर हमले की 22वी बरसी हो, आतंकवादी पन्नू की खुले आम चुनौती हो, खुफियाँ तंत्र की गुप्त सूचनाओं के बावजूद भी भी हमारे सुरक्षा बलों ने क्यों सुरक्षा व्यवस्था मे कमी रखी कि ये दो द्रोही युवा, प्रत्यक्ष रूप से, न केवल संसद भवन की दर्शक दीर्घा मे स्प्रे यंत्र के साथ प्रवेश करने मे सफल हुए अपितु दर्शक दीर्घा से छलांग लगा कर चलती हुई संसद भवन की कार्यवाही मे छलांग लगाने मे कामयाब रहे। यदि ये षड्यंत्रकारी लड़के बारूद, असलहों के साथ प्रवेश कर गये होते तो उस भयावह दृश्य की कल्पना से ही शरीर मे कंपन और सिहरन होने लगती है. संसद पर कुछ सिरफिरे युवकों के इस हमले को संयोग बताना भारी भूल होगी, इतने संयोगों का एक साथ होने के पीछे देशद्रोहियों की बड़ी साजिश प्रतीत होती हैं जिसकी सुरक्षा एजेंसियों द्वारा गहन जाँच करने की आवश्यकता हैं ताकि इस हमले के पीछे की साजिश और षड्यंत्रकारियों के चेहरों से छद्म नकाबों को उतारा जा सके।

भारतीय लोकतन्त्र के मंदिर मे घटी इस गंभीर और चिंताजनक घटना के बावजूद पक्ष और विपक्ष के राजनैतिक दलों की क्रिया और प्रतिक्रिया बेहद अफसोसजनक रही जिसने इस चिंताजनक, गंभीर घटना से मन को वेदना और क्षोभ से भर दिया। संसद मे घटी इस संगीन घटना पर माननीय संसद सदस्यों को राजनैतिक विचारधारा को दरकिनार कर एक मत से मिल बैठ कर घटित घटना पर चिंतन-मनन कर अफसोस प्रकट करना चाहिये था और सर्वसम्मति से संसद की सुरक्षा के कड़े प्रबंध करने के प्रस्ताव और सुझावों को पारित करना चाहिये था परंतु खेद और संताप हैं कि माननीयों सांसदों ने संसद मे नारेबाजी, हो-हल्ला और शोरगुल कर संसद की कार्यवाही के इस अमूल्य समय मे बाधा उत्पन्न कर इस समय को व्यर्थ गंवा दिया। काँग्रेस के युवा हृदय सम्राट सांसद राहुल गांधी ने इस घटना मे संसद की सुरक्षा मे चूक के पीछे मोदी सरकार की रोजगार व महंगाई विरोधी नीतियों के विरुद्ध युवाओं के आक्रोश के उबाल रूप मे निरूपित किया जो अचंभित और विस्मय करने वाला था?

स्वतन्त्रता के बाद से ही क्या देश मे बेरोजगारी, महंगाई भ्रष्टाचार, बेईमानी और कानून व्यवस्था मे कमी जैसे मुद्दे कभी नहीं रहे? क्या 1947 मे काँग्रेस के राष्ट्र विभाजन से उपजी विभिषका के परिणाम स्वरूप लाखों लोगो की हत्याओं, करोड़ो परिवारों का पूरे जीवन की जमापूंजी के खो देने के दंश जैसे सवालों पर क्या ऐसे पीड़ितों ने कभी कानून व्यवस्था तोड़ कर कानून को चुनौती दी? जहां एक ओर काँग्रेस, देश मे बढ़ती बेरोजगारी और महंगाई का आँसू बहाती है, वही इन समस्याओं के मूल कारक ₹बढ़ती आबादी₹ को नियंत्रित करने के लिये ₹जनसंख्या नियंत्रण कानून₹ के विरुद्ध खड़ी होती हैं. ऐसी दोमुंही बाते देश के सबसे पुराने राजनैतिक दल को शोभा नहीं देती। जहां तक संसद पर हमले पर राहुल गांधी द्वारा बेरोजगारी और महंगाई की आड़ लेकर इन पांचों उन्मादी युवकों का पक्ष लेने की बात हैं तो देश के किशोर और युवाओं के गुस्से का उबाल हाल ही राजस्थान, मध्यप्रदेश और छत्तीसगर्ध के विधान सभाओं के चुनावों मे क्यों परिलक्षित नहीं हुआ? ऐसा प्रतीत होता हैं राहुल गांधी और उनके सलाहकारों का हिन्दी भाषा मे शब्दों के उपयोग मे हाथ तंग हैं अन्यथा उनके वक्तव्यों मे, संसद पर हमले का कारण महंगाई और बेरोजगारी पर युबाओं के क्रोध का उबाल बताना, या नोटबंदी पर 9 दिसम्बर 2016 को, ₹मै बोलूँगा तो भूकंप आ जाएगा? जैसे शब्द या वाक्यांशों का उपयोग न करते?

1992 मे मुझे भी लोकतन्त्र के सबसे बड़े पवित्र स्थल, देश के संसद भवन के दर्शन का सौभाग्य प्राप्त हुआ। आज की तरह उन दिनों सूचना तकनीक इतनी विकसित नहीं थी, फिर भी लोकसभा सत्र की कार्यवाही देखने के लिये दर्शक दीर्घा तक पहुँचने के पूर्व मेरी और मेरे साथी हरज्ञान सिंह सीसोधिया की पाँच स्तरों पर सुरक्षा जाँच की गयी थी। हमारे मित्र की सिगरेट और माचिस की डिब्बियों को बाहर ही रखवा दिया गया था यहाँ तक कि दीर्घा मे प्रवेश के पूर्व हम लोगो के जूते-मोजे भी उतरवा कर जाँच की गयी थी। कुछ सुरक्षा अधिकारी बातचीत और परिचय प्राप्त करने के साथ मनोवैज्ञानिक तरीके से हमारे चेहरे के भावों को पढ़ने और भाँपने का प्रयास कर रहे थे। दर्शक दीर्घा मे पड़ी बेंचों के दोनों सिरों पर सुरक्षा कर्मी साधारण वेश-भूषा मे बैठे थे।

किसी भी सुग-बुगाहट पर इशारों से चुप रहने के संकेत दे कर पैनी निगाहों से दर्शकों पर निगरानी की जा रही थी। तब 13 दिसम्बर 2023 को कैसे दो युवक दर्शक दीर्घा से संसद के कक्ष मे कूंद गये? लोक सभा अध्यक्ष श्री ओम बिड़ला और प्रधानमंत्री द्वारा 13 दिसम्बर 2023 की घटना को गंभीर और चुनौतीपूर्ण बता कर सभी माननीय सदस्यों से सुझाव आमंत्रण एक अच्छी पहल की हैं जिस देश के सभी राजनैतिक दलों और उनके सदस्यों के विचारों और प्रस्तावों पर सुरक्षा विशेषज्ञों से सलाह मशविरा कर एक कठोर नीति बनाने और उसका अनुपालन सुनिश्चित करने की कवायत की जानी चाहिये ताकि फिर से देश के लोकतन्त्र के सर्वोच्च मंदिर की सुरक्षा मे सेंध न लगाई जा सके।

अब रेवड़ियां बांटने की चुनौती

आशीष वशिष्ठ

पांच राज्यों के विधानसभा चुनाव सम्पन्न होने के बाद मुख्यमंत्री भी शपथ ले चुके हैं। हिन्दी पट्टी के तीन अहम राज्यों मध्य प्रदेश, राजस्थान और छत्तीसगढ़ में भाजपा ने विजय हासिल की। कांग्रेस के हिस्से में दक्षिण का राज्य तेलंगाना आया। पूर्वोत्तर के मिजोरम में क्षेत्रीय दल ने सत्ता हासिल की। जिन पांच राज्यों में चुनाव संपन्न हुए है, उनमें मिजोरम को छोड़कर बाकी चार राज्यों में राजनीतिक दलों ने मुफ्त और नगद राशि देने वाली योजनाओं की होड़ लगी थी। पांचों राज्यों में नव गठित सरकारें काम काज की शुरुआत कर चुकी हैं। ऐसे में मध्य प्रदेश, राजस्थान, छत्तीसगढ़ और तेलंगाना की राज्य सरकारों के समक्ष सबसे बड़ी चुनौती लोकलुभावन और वोट बटोरू वायदों को पूरा करने की है। मध्य प्रदेश, राजस्थान, छत्तीसगढ़ और तेलंगाना इन चारों राज्यों की सरकारों ने जनकल्याण की आड़ में जिस प्रकार मुफ्त की रेवड़ियां बांटी, उसकी वजह से सरकारी खजाने पर अत्यधिक बोझ पड़ा। रही-सही कसर चुनावी वायदों ने पूरी कर दी हालांकि चुनाव नतीजों से मिले संकेत विरोधाभासी हैं। उदाहरण के लिए मध्य प्रदेश अकेला राज्य है जहां फ्रीबीज और नगद राशि देने वाली योजनाओं ने भाजपा का राज कायम रखा किंतु तेलंगाना, राजस्थान और छत्तीसगढ़ की सरकारें दोनों हाथों से खजाना लुटाए जाने के बावजूद सत्ता बचाने में असफल रहीं। इसका सीधा मतलब ये हुआ कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के द्वारा चला गया मोदी की गारंटी वाला दांव ज्यादा कारगर साबित हुआ। तेलंगाना में चूंकि भाजपा का संगठन उतना मजबूत नहीं है वरना वहां भी भाजपा को सत्ता मिलती। अब चुनाव नतीजे आने के बाद भाजपा और कांग्रेस दोनों भारी भरकम और लुभावने वायदों को कैसे पूरा करेंगे जबकि खजाने की हालत तो पहले ही खस्ता है। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार मध्य प्रदेश, राजस्थान, छत्तीसगढ़ और तेलंगाना में कर्मचारियों को वेतन और पेंशन बांटने में दिक्कतें पेष आ रही हैं। विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं के अन्तर्गत मिलने वाली धनराशि महीनों से लाभार्थियों के खातों में ट्रांसफर नहीं हो सकी है। विधानसभा चुनावों में राजनीतिक दलों ने जिस तरह के मुफ्त उपहारों का वायदा किया, उनको पूरा करने के लिए संसाधन कहां से आयेंगे, इसका उत्तर किसी के पास नहीं है। इसमें कोई दो राय नहीं है कि मुफ्त की रेवड़ियां बांटने की वजह से देश में राज्य सरकारों का कर्जा बढ़ता जा रहा है। इस हमाम में सभी नंगे हैं। सरकारें सब्सिडी के नाम पर फ्रीबीज पर बेतहाशा खर्च कर रही हैं। इन्हें दो आंकड़ों से समझिए। पहला कि पांच साल में राज्य सरकारों का सब्सिडी पर खर्च 60 फीसदी से ज्यादा बढ़ गया है। और दूसरा कि पांच साल में ही राज्य सरकारों पर कर्ज भी लगभग 60 फीसदी तक बढ़ा है।

भारतीय रिजर्व बैंक के मुताबिक, 2018-19 में सभी राज्य सरकारों ने सब्सिडी पर 1.87 लाख करोड़ रुपये खर्च किए थे। ये खर्च 2022-23 में बढ़कर 3 लाख करोड़ रुपये के पार चला गया है। इसी तरह से मार्च 2019 तक सभी राज्य सरकारों पर 47.86 लाख करोड़ रुपये का कर्ज था, जो मार्च 2023 तक बढ़कर 76 लाख करोड़ से ज्यादा हो गया। अकेले कर्नाटक का सब्सिडी पर खर्च चार साल में 12 फीसदी तक बढ़ गया है। इतना ही नहीं, पांच साल में ही कर्नाटक का कर्ज 87 फीसदी बढ़ गया है। मार्च 2019 तक कर्नाटक पर 2.86 लाख करोड़ रुपये का कर्ज था, जो मार्च 2023 तक बढ़कर 5.35 लाख करोड़ रुपये हो गया।

राजनीतिक पार्टियां चुनाव जीतने के लिए वादों की बौछार तो कर देती हैं, लेकिन इसका बोझ सरकारी खजाने पर पड़ता है। सुप्रीम कोर्ट ने भी कहा था कि टैक्सपेयर के पैसे का इस्तेमाल कर बांटी जा रहीं फ्रीबीज सरकार को 'दिवालियेपन' की ओर धकेल सकती हैं। इतना ही नहीं, साल 2022 में रिजर्व बैंक की भी एक रिपोर्ट आई थी। इसमें कहा गया था कि राज्य सरकारें मुफ्त की योजनाओं पर जमकर खर्च कर रही हैं, जिससे वो कर्ज के जाल में फंसती जा रही हैं।

'स्टेट फाइनेंसेसः अ रिस्क एनालिसिस' नाम से आई रिजर्व बैंक की इस रिपोर्ट में उन पांच राज्यों के नाम दिए गए हैं, जिनकी स्थिति बिगड़ रही है। इनमें पंजाब, राजस्थान, बिहार, केरल और पश्चिम बंगाल शामिल हैं। रिजर्व बैंक ने अपनी इस रिपोर्ट में भारत का नियंत्रक और महालेखापरीक्षक यानी कैग के डेटा के हवाले से बताया है कि राज्य सरकारों का सब्सिडी पर खर्च लगातार बढ़ रहा है। 2020-21 में सब्सिडी पर कुल खर्च का 11.2 फीसदी खर्च हुआ था, जबकि 2021-22 में 12.9 फीसदी खर्च किया गया। रिपोर्ट में कहा गया था कि अब राज्य सरकारें सब्सिडी की बजाय मुफ्त ही दे रही हैं. सरकारें ऐसी जगह पैसा खर्च कर रही हैं, जहां से उन्हें कोई कमाई नहीं हो रही। फ्री बिजली, फ्री पानी, फ्री यात्रा, बिल माफी और कर्ज माफी, ये सब 'फ्रीबीज' हैं, जिन पर राज्य सरकारें खर्च कर रही हैं।

राज्यों के घटते राजस्व में इजाफे के लिए एन.के. सिंह की अगुआई वाले 15वें वित्त आयोग ने संपत्ति कर में धीरे-धीरे बढ़ोतरी, पानी जैसी विभिन्न सरकारी सेवाओं का शुल्क नियमित तौर पर बढ़ाने के साथ शराब पर उत्पाद कर बढ़ाने और स्थानीय निकायों तथा खाता-बही में सुधार करने की सलाह दी है। पिछले साल जून में आरबीआई ने अपनी रिपोर्ट में श्रीलंका के आर्थिक संकट का उदाहरण देते हुए सुझाव दिया है कि राज्य सरकारों को अपने कर्ज में स्थिरता लाने की जरूरत है क्योंकि कई राज्यों के हालात अच्छे संकेत नहीं हैं। रिजर्व बैंक का सुझाव है कि सरकारों को गैर-जरूरी जगहों पर पैसा खर्च करने से बचना चाहिए और अपने कर्ज में स्थिरता लानी चाहिए। इसके अलावा बिजली कंपनियों को घाटे से उबारने की जरूरत है। इसमें सुझाव दिया गया है कि सरकारों को पूंजीगत निवेश करना चाहिए, ताकि आने वाले समय में इससे कमाई हो सके।

फ्रीबीज और कल्याणकारी योजनाओं का अलग अलग मतलब है। जरूरत इस बात की है कि कल्याणकारी शब्द की भी व्याख्या होनी चाहिए। व्यावहारिक दृष्टि से जनता के लिए कल्याणकारी लाभ का मतलब है उसकी बुनियादी दिक्कतों का दूर होना, मसलन उसकी गरीबी, बेरोजगारी, आवास, शिक्षा और स्वास्थ्य जैसी समस्याओं का दीर्घकालीन समाधान।

चिंता है रोजगार की

डॉ टी महादेव राव

"जो सही बात है, उसे सुनकर क्यों इस तरह तीन तेरह कर रहे हो? मंत्री जी ने सही तो कहा है - सारे शिक्षितों के लिए सरकारी रोजगार संभव नहीं है. इसमें क्या गलत कहा उन्होंने?"

"अरे भैया! क्या बोल रहे हो आप?""सही तो है. फसल काटते समय मिलने वाले रोजगार को अपनाने कहा गया तो इसमें इतना गुस्सा क्यों? अरे हमारे बच्चे अमेरिका, ऑस्ट्रेलिया जाकर वहां के पेट्रोल पंपों पर, सुपर मार्केट में, रेस्टोरेंटों में खाली समय में काम करें तो हमारे लिए गर्व की बात है? वही अपने देश में करें तो छोटा या गलत कैसे हो जाता है?"

"मतलब उन्होंने कहा था न बहुत सारे रोजगार उपलब्ध कराए जाएंगे."

"मतलब रोजगार मुहैया कराएंगे कहा न, सरकारी नौकरियां देने की बात तो नहीं थी न?" "केंद्र में सत्ता वाली पार्टी ने कहा था कि हर साल एक करोड़ रोजगार मुहैया कराए जाएंगे। वे रोजगार कहां है?"

"अरे यह सब कैसे कह सकते हो छोटू! अब देखो हर गांव शहर में सुपर बाजार, मॉल, चैन शोप्स कितने हजार लोगों को रोजगार दे रहे हैं, क्या तुम नहीं जानते? यह मेरा कहना नहीं है। लेकिन सोच कितना अधिक बिजनेस किया होगा वरना जोमैटो का पब्लिक इश्यू अड़तीस गुना अधिक ओवर सब्सक्राइब हुआ कि नहीं? तुम ही बोलो."

"भैया! आप ऐसा कहोगे तो मैं क्या कहूंगा? अब क्या सोचते हो कि सरकारी नौकरियां कितनी होती होंगी? एक सौ पैंतीस करोड़ जनसंख्या में, सरकारी चाहे वह केंद्र में हो या राज्यों में सब मिलाकर तीन करोड़ से अधिक नौकरियां नहीं होंगी उनमें भी आधे से अधिक रिक्त रहती हैं क्योंकि चुनाव जब भी हो तो कुछ पदों को भरने की स्थिति दिखानी पड़ती है न? इतने कम अवसरों के लिए इतनी चिल्ल पों क्यों?" भैया! कुछ भी कहो सरकारी नौकरी की अपनी अलग महत्ता होती है अलग ओहदा होता है और मजा होता है। अब इससे अधिक क्या कहूँ?"

"यह बात यूं ही नहीं कही गई कि आवश्यकता ही आविष्कार की जननी है. हम बड़े-बड़े सपने देखते हुए अपने बच्चों को भारी फीस देकर बड़ी-बड़ी स्कूलों में, निजी स्कूलों में भेजते हैं न? वही बड़े-बड़े स्कूल कोरोना के नाम पर अपने यहां काम करने वाले शिक्षकों को बिना वेतन सताया कि नहीं? ये सारे शिक्षक अपने लिए दूसरे रोजगार ढूंढने निकल पड़े. कोई सब्जी बेच रहा है। कोई मजदूरी कर रहा है. कोई किराए की टैक्सी चला रहा है। कोई पकौड़े बेच रहा है। इस तरह कई काम धाम खोज लिए गए हैं और अपने पेट पाले जा रहे हैं। हमारे मोहल्ले में सब्जी बेचने वाला एक शिक्षक तो यहां तक कहता है कि अब स्कूल खुल भी जाएं तो वह नहीं जाएगा। यही धंधा करेगा। इसमें से श्रम की महत्ता, आजादी और कमाई दिखाई पड़ती है. वह कहता है कि बेकार में काम के लिए मारा मारा फिर रहा था।""भैया! मैं भी वही कह रहा हूं। मंत्री जी ने नहीं कहा या सरकार ने नहीं कहा इसलिए कोई भी बिना नौकरी, रोजगार, काम तलाशे खाली नहीं बैठा है। पकोड़े, आमलेट या समोसे बनाते हुए या पानी पुरी और पाव भाजी के ठेले लगा कर जिए जा रहे हैं। कुछ लोग तो सेलफोन मरम्मत भी कर रहे हैं। जो यह सब नहीं कर पाए तो छोटे-मोटे काम और मजदूरी करके जीवन यापन कर रहे हैं।

प्रदूषण को नहीं कर सकते अनदेखा

मिथिलेश कुमार सिंह

त्योहार तो हमारे लिए खुशियों का अवसर लेकर आता है, सामाजिक समरसता बढ़ाने की उम्मीद जगाता है और हम जो करते हैं वह खुद के साथ सबके लिए नुकसान ही होता है। दीपावली में वायु प्रदूषण के साथ-साथ ध्वनि प्रदूषण भी काफी हद तक बढ़ा, इस बात में दो राय नहीं। ऐसी भी खबरें आईं कि दिवाली और उसके तुरंत बाद देशभर के विभिन्न अस्पतालों और निजी डाक्टर के पास आने वाले मरीजों में दमा, खांसी, इंफेक्शन, आंखों में जलन इत्यादि के मरीजों की संख्या आश्चर्यजनक रूप से बढ़ गई। इस संबंध में कई कुतर्क करने वाले लोग सोशल मीडिया पर यह संदेश फैलाते दिखे कि अगर बकरीद पर बकरे काटे जा सकते हैं, क्रिसमस के दिन पटाखे फोड़े जा सकते हैं और दूसरे त्यौहारों पर दूसरे कार्य किए जा सकते हैं तो सिर्फ दीपावली पर हम पटाखों पर नियंत्राण क्यों करें? क्या अजीब तर्क है? इतना ही नहीं, पटाखों के समर्थन में यह संदेश भी फैलाया गया कि ओलंपिक या कामनवेल्थ गेम के उद्घाटन में जब पटाखें छोड़े जाते हैं तो दीपावली में हम क्यों न छोडें.? समझा जा सकता है कि ऐसे लोग अपनी बुद्धि को किसी अलमारी में बंद किए बैठे हैं। किसी भी समुदाय का कोई भी त्यौहार हो, या कोई भी ऐसा अवसर हो, उसे मनाने के नाम पर समाज और पर्यावरण विरोधी कार्य नहीं किए जाने चाहिए किंतु इस आधार पर हम किसी कुतर्क का समर्थन नहीं कर सकते।

वैसे भी अन्य अवसरों पर जो पटाखे चलाए जाते हैं वह 10 मिनट 20 मिनट या आधे घंटे तक सीमित मात्रा में चलाये गए पटाखे होते हैं किंतु दीपावली पर 1 दिन 2 दिन पहले से लेकर दीपावली के एक या दो दिन बाद तक जिस तरह से अनवरत पटाखे चलाये जाते हैं, वह जल्द ही हमारे देश में स्वास्थ्य की गंभीर समस्याएं उत्पन्न कर देगें जिसे नियंत्राण करना लगभग असंभव होगा।

हमें यह भी समझना चाहिए कि लगभग एक दशक पहले तक ज्यादा घातक, तेज आवाज करने वाले और ज्यादा प्रदूषण फैलाने वाले पटाखे नहीं थे तो लोगों के पास पैसे भी कम मात्रा में थे।

तब प्रदूषण शायद पता नहीं चलता था किंतु अब तो हद हो गई है। ऐसे-ऐसे पटाखों की पेटी आ रही है कि एक बार उसे आग लगाकर छोड़ दो तो वह आधे घंटे तक आटोमेटिक बजते रहते हैं। कई-कई मीटर के चटाई बम आ रहे हैं, जो कई मिनटों तक जलते हैं और भयानक रूप से प्रदूषण फैलाते हैं। इसी तरह रोशनी फैलाने वाले अनार-पटाखे तो इस कदर धुंआ देते हैं कि उतना धुंआ बिजली बनाने वाली फैक्ट्री भी न छोड़े। देखा जाए तो पहले से ही औद्योगिक विकास, वाहनों की बेतहाशा संख्या और प्रदूषण को लेकर नागरिकों में जागरूकता की कमी जैसी समस्याओं से जूझ रहा हमारा देश प्रत्येक वर्ष लगभग 6 लाख लोगों की मौत का कारण बनता है। ये मौतें सिर्फ वायु प्रदूषण के कारण ही हो जाती हैं। सवाल उठता है कि दिवाली के बहाने शुरु हुई इस प्रदूषण-चर्चा का हल आखिर क्या है? अगर अनुभव से बात करें तो दिल्ली जैसे महानगरों में प्राइवेट गाड़ियों को पूरी तरह प्रतिबंधित कर दिया जाना एक स्थाई विकल्प दिखता है किन्तु एनजीटी और सभी संबंधित अथारिटीज की सहमति के बावजूद 10 साल पुरानी डीजल गाड़ियां तक सड़कों से नहीं हट पाई हैं तो सभी प्राइवेट गाड़ियों की बात दिवास्वप्न ही है। वैसे भी प्राइवेट गाड़ियों को पूरी तरह सड़कों से हटाना कई लोगों को व्यावहारिक निर्णय नहीं लग सकता है पर आप इस बात को यूं समझ सकते हैं कि इसके अतिरिक्त हमारे पास कोई दूसरा रास्ता ही नहीं बचा है!

अगर दिल्ली जैसे शहरों में रह रहे करोड़ों लोगों को बीमारियों से बचाना है तो हमें इस तरह के सख्त कदम उठाने की ही आवश्यकता है। हाँ, इस बीच इससे उत्पन्न होने वाली अन्य समस्याओं के निराकरण के लिए हमें पब्लिक ट्रांसपोर्ट और शेयरिंग टैक्सी माडल को पूरी तरह से प्रमोट और व्यवस्थित जरूर करना होगा जिससे यातायात और आवागमन की समस्याएं बाधित ना हों।

ध्यान रहे अगर प्राइवेट गाड़ियों पर दिल्ली जैसे महानगरों में पूरी तरह प्रतिबंध नहीं लगाया जाता है तो आने वाले कुछ सालों में प्रदूषण के कारण उत्पन्न होने वाले रोगों की संख्या भयानक रुप से बढ़ेगी और तब हमारे पास किसी आड-ईवन फार्मूले के लिए कोई जगह नहीं होगी। दिल्ली में हालाँकि दो बार आड-ईवन फार्मूला अप्लाई करने की कोशिश की गई पर उसका कितना असर हुआ, यह बात हम सब जानते हैं।

बस पंफलेट बैनर छपवा कर वाहवाही ले ली गयी और दिल्ली हो गई प्रदूषण मुक्त।

उस अवसर से जो चर्चा उत्पन्न हुई थी, उस चर्चा को केजरीवाल सरकार ने पीछे छोड़ दिया और प्रदूषण दूर करने का जो उदाहरण वह समूचे देश के सामने प्रदर्शित कर सकती थी, उस से वंचित रह गई पर सवाल वही है कि केजरीवाल को देश भर की राजनीति करने से फुरसत मिले, तब तो वह दिल्ली पर ध्यान दें।

क्या ! ये दुनिया का पहला गणेश मंदिर है

गणेश जी का यह मंदिर कई मामलों में अनूठा है। इस मंदिर को भारतवर्ष का ही नहीं विश्व का पहला गणेश मंदिर माना जाता है। यहां गणेश जी की पहली त्रिनेत्री प्रतिमा विराजमान है। यह प्रतिमा स्वयंभू प्रकट है। देश में ऐसी केवल चार गणेश प्रतिमाएं ही हैं। हम आपको इस मंदिर के और करीब लिए चलते हैं...

अरावली और विंध्याचल की पहाड़ियों के बीच रहते हैं ये गणेशजी

त्रिनेत्र गणेशजी का मंदिर

हम बात कर रहे हैं राजस्थान के सवाई माधोपुर जिले के रणथंभौर में स्थित प्रसिद्ध त्रिनेत्र गणेश जी मंदिर की। इसे रणतभंवर मंदिर भी कहा जाता है। यह मंदिर 1579 फीट ऊंचाई पर अरावली और विंध्याचल की पहाड़ियों में स्थित है। सबसे बड़ी खासियत यह यहां आने वाले पत्र। घर में शुभ काम हो तो प्रथम पूज्य को निमंत्रण भेजा जाता है। इतना ही नहीं परेशानी होने पर उसे दूर करने की अरदास भक्त यहां पत्र भेजकर लगाते है। रोजाना हजारों निमंत्रण पत्र और चिट्ठियां यहां डाक से पहुंचती हैं। कहते है यहां सच्चे मन से मांगी मुराद पूरी होती है।

रणथंभौर किला

महाराजा हम्मीरदेव चौहान व दिल्ली शासक अलाउद्दीन खिलजी का युद्ध 1299-1301 ईस्वी के बीच रणथम्भौर में हुआ। इस दौरान नौ महीने से भी ज्यादा समय तक यह किला दुश्मनों ने घेरे रखा।

दुर्ग में राशन सामग्री समाप्त होने लगी तब गणेशजी ने हमीरदेव चौहान को स्वप्न में दर्शन दिए और उस स्थान पर पूजा करने के लिए कहा जहां आज यह गणेशजी की प्रतिमा है। हमीर देव वहां पहुंचे तो उन्हे वहां स्वयंभू प्रकट गणेशजी की प्रतिमा मिली। हमीर देव ने फिर यहां मंदिर का निर्माण कराया।

इसलिए कहा जाता है भारत का पहला गणेश मंदिर

त्रिनेत्र गणेशजी

त्रिनेत्र गणेश जी का उल्लेख रामायण काल और द्वापर युग में भी मिलता है। कहा जाता हैं कि भगवान राम ने लंका कूच से पहले गणेशजी के इसी रूप का अभिषेक किया था। एक और मान्यता के अनुसार द्वापर युग में भगवान कृष्ण का विवाह रूकमणी से हुआ था। इस विवाह में वे गणेशजी को बुलाना भूल गए। गणेशजी के वाहन मूषकों ने कृष्ण के रथ के आगे—पीछे सब जगह खोद दिया। कृष्ण को अपनी गलती का अहसास हुआ और उन्होंने गणेशजी को मनाया। तब गणेशजी हर मंगल कार्य करने से पहले पूजते है। कृष्ण ने जहां गणेशजी को मनाया वह स्थान रणथंभौर था। यही कारण है कि रणथम्भौर गणेश को भारत का प्रथम गणेश कहते है। मान्यता है कि विक्रमादित्य भी हर बुधवार को यहां पूजा करने आते थे।

पहला मंदिर जहां विराजमान है गणेशजी की पूरी फैमिली

गणेशजी की फैमिली

इस मंदिर में भगवान गणेश त्रिनेत्र रूप में विराजमान

रणथंभौर टाइगर रिजर्व एरिया

रणथंभौर गणेशजी का मंदिर प्रसिद्ध रणथंभौर टाइगर रिजर्व एरिया में स्थित है। यहां की प्राकृतिक सुंदरता देखते ही बनती है। बारिश के दौरान यहां कई जगह झरने फूट पड़ते है और पूरा इलाका रमणीय हो जाता है। यह मंदिर किले में स्थित है और यह किला संरक्षित धरोहर है। जब यहां गणेशजी का मेला आयोजित होता है तो आस्था देखते ही बनती है। आसपास के जिलों से कई किलोमीटर की पैदल यात्रा कर भक्त मंदिर के दर्शन के लिए आते है।

सागर कितना ही दूर हो, कितना ही छिपा हो, खोज ही लेगी

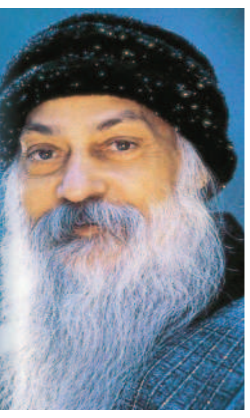

इसलिए यह बात गलत है कि मनुष्य को समझाया जाए कि तुम प्रेम पैदा करो। सोचना यह है कि प्रेम पैदा क्यों नहीं हो पा रहा है? बाधा क्या है? अड़चन क्या है? कहां रुकावट डाल दी गई है? अगर कोई भी रुकावट न हो तो प्रेम प्रकट होगा ही, उसे सिखाने की और समझाने की कोई भी जरूरत नहीं है। अगर मनुष्य के ऊपर गलत संस्कृति और गलत संस्कार की धाराएं और बाधाएं न हों, तो हर आदमी प्रेम को उपलब्ध होगा ही। यह अनिवार्यता है। प्रेम से कोई बच ही नहीं सकता। प्रेम स्वभाव है। गंगा बहती है हिमालय से। बहेगी गंगा, उसके प्राण हैं, उसके पास जल है। वह बहेगी और सागर को खोज ही लेगी। न किसी पुलिसवाले से पूछेगी, न किसी पुरोहित से पूछेगी कि सागर कहां है? देखा किसी गंगा को चैरस्ते पर खड़े होकर पूछते कि सागर कहां है? उसके प्राणों में है छिपी सागर की खोज और ऊर्जा है, तो पहाड़ तोड़ेगी, मैदान तोड़ेगी और पहुंच जाएगी सागर तक। सागर कितना ही दूर हो, कितना ही छिपा हो, खोज ही लेगी। और कोई रास्ता नहीं है, कोई गाइड-बुक नहीं है कि जिससे पता लगा ले कि कहां से जाना है, लेकिन पहुंच जाती है।

लेकिन बांध बांध दिए जाएं, चारों तरफ परकोटे उठा दिए जाएं। प्रकृति की बाधाओं को तोड़ कर तो गंगा सागर तक पहुंच जाती है, लेकिन अगर आदमी की इंजीनियरिंग की बाधाएं खड़ी कर दी जाएं, तो हो सकता है गंगा सागर तक न पहुंच पाए। यह भेद समझ लेना जरूरी है।

प्रकृति की कोई भी बाधा असल में बाधा नहीं है, इसलिए गंगा सागर तक पहुंच जाती है, हिमालय को काट कर पहुंच जाती है। लेकिन अगर आदमी ईजाद करे, इंतजाम करे, तो गंगा को सागर तक नहीं भी पहुंचने दे सकता है।

प्रकृति का तो एक सहयोग है, प्रकृति तो एक हार्मनी है। वहां जो बाधा भी दिखाई पड़ती है, वह भी शायद शक्ति को जगाने के लिए चुनौती है। वहां जो विरोध भी दिखाई पड़ता है, वह भी शायद भीतर प्राणों में जो छिपा है, उसे प्रकट करने के लिए बुलावा है। वहां शायद कोई बाधा नहीं है। वहां हम बीज को दबाते हैं जमीन में; दिखाई पड़ता है कि जमीन की एक पर्त बीज के ऊपर पड़ी है, बाधा दे रही है। लेकिन वह बाधा नहीं दे रही। अगर वह पर्त न होगी, तो बीज अंकुरित भी नहीं हो पाएगा। ऐसे दिखाई पड़ता है कि एक पर्त जमीन की बीज को नीचे दबा रही है। लेकिन वह पर्त दबा इसलिए रही है, ताकि बीज दबे, गले और टूट जाए और अंकुर बन जाए। ऊपर से दिखाई पड़ता है कि वह जमीन बाधा दे रही है, लेकिन वह जमीन मित्र है और सहयोग कर रही है बीज को प्रकट करने में। प्रकृति तो एक हार्मनी है, एक संगीतपूर्ण लयबद्धता है।

श्रीराम से बिछड़ने का कारण बनी थी देवी सीता की ये भूल !

ऋषि वाल्मीकि जी द्वारा महाग्रंथ श्रीरामायण की रचना उसके होंद में आने से पूर्व ही कर दी गई थी। जब प्रभु श्री राम का मां सीता से विवाह भी नहीं हुआ था, उससे पूर्व उनके भविष्य का समस्त वर्णन लिखा जा चुका था। ऋषि वाल्मीकि जी द्वारा महाग्रंथ श्रीरामायण की रचना उसके होंद में आने से पूर्व ही कर दी गई थी। जब प्रभु श्री राम का मां सीता से विवाह भी नहीं हुआ था, उससे पूर्व उनके भविष्य का समस्त वर्णन लिखा जा चुका था।

आईए जानें, मां सीता से ऐसी क्या भूल हुई जिस वजह से उन्हें श्रीराम से अलग होना पड़ा ?

मां जानकी अपनी सखियों के साथ उपवन में घुम रही थी, तभी उनकी दृष्टि एक पेड़ पर बैठे तोते और मैना पर पड़ी। वे दोनों एक वृक्ष पर बैठे थे और दोनों आपस में श्री राम के बारे में बातें कर रहे थे। जब मां सीता ने श्रीराम जी का वर्णन सुना तो अपनी सखी से कहा जाओ इस तोता-मैना को मेरे

पास पकड़ कर ले आओ। सखी गई और दोनों को पकड़ कर ले आई और मां सीता के हाथ में दे दिया। मां सीता ने उनसे पूछा, तुम कौन हो ? कहां रहते हो ? और जिस व्यक्ति के बारे में तुम बातें कर रहे थे, वो कौन हैं ? शुक पक्षी बोला, हम ऋषि वाल्मीकि जी के आश्रम के तोता-मैना हैं। हम वहीं पर रहते हैं। हमने देखा वाल्मीकि जी एक ग्रंथ की रचना कर रहे हैं जिसका नाम उन्होंने श्री रामायण रखा है। उसमें भगवान श्री रामचन्द्र हैं, उनका विवाह मां जानकी यानि मां सीता जी के साथ होना तय है। ऋषि वाल्मीकि ने जो श्री रामायण लिखी है, उसे उन्होंने घटनाएं वापरणे से पहले ही लिख दिया है। मां सीता ने उनसे पूछा, बताओ श्री राम का स्वरूप कैसा है ? तोता बोला, आपकी बातों से मालुम होता है जैसे आप ही देवी सीता हो। सीता जी बोली, हां मैं ही सीता हूं। तुमने कहा है मेरा विवाह श्रीराम के साथ होगा लेकिन अब तक मेरा विवाह नहीं हुआ लेकिन जब तक मेरा विवाह नहीं हो जाता तब तक तुम दोनों मेरे साथ रहोगे।

तोता बोला, हम वन के पक्षी हैं। खुले आसमान में विचरन करते हैं, हम महल में कैसे रह सकते हैं ? हमें छोड़ दो। सीता जी ने जिद पकड़ ली वह नहीं मानी। दोनों पति-पत्नी बहुत गिड़गिड़ाए इस पर मां सीता बोली,₹अगर यह तोता जाना चाहता है तो जाए लेकिन मैं तुम्हें नहीं जाने दूंगी।

मैना जोर-जोर से रोने लगी वह गर्भवती थी। उसने क्रोध में आकर सीता जी को श्राप दिया, हे सीता! आज तू मुझे मेरे पति से अलग कर रही है। जब भविष्य में तू गर्भवती होगी तू भी अपने पति से अलग हो जाएगी, यह कहकर मैना ने अपने प्राण त्याग दिए। उसके बाद तोता रोते हुए बोला, आज तूने मुझे मेरी पत्नी से अलग किया है। अब मैं भी अपने प्राण त्याग दूंगा लेकिन याद रहे अगले जन्म में मैं धोबी के रूप में जन्म लूंगा और तब तुम्हारे बारे में ऐसी अफवाह फैलाऊंगा की भगवान श्री राम को भी तुम्हें त्यागना ही पड़ेगा।

यही तोता- मैना अयोध्या में धोबी-धोबन के रूप में जन्म लेते हैं और श्री सीताराम के बिछड़ने का कारण बनें।

श्री कटासराज मंदिर नमक कोह पर्वत शृंखला में स्थित

कटास राज पाकिस्तान के पाकिस्तानी पंजाब के उत्तरी भाग में नमक कोह पर्वत श्रृंखला में स्थित हिन्दुओं का प्रसिद्ध तीर्थ स्थान है। कटास राज मंदिर का निर्माण खटाना गुर्जर राजवंश ने करवाया था। यहां एक प्राचीन शिव मंदिर है। अतिरिक्त और भी मंदिरों की श्रृंखला है जो दसवीं शताब्दी के बताये जाते हैं। ये इतिहास को दर्शाते हैं। इतिहासकारों एवं पुरातत्व विभाग के अनुसार, इस स्थान को शिव नेत्र माना जाता है। जब माँ पार्वती सती हुई तो भगवान शिव की आँखों से दो आंसू टपके। एक आंसू कटास पर टपका जहाँ अमृत बन गया यह आज भी महान सरोवर अमृत कुण्ड तीर्थ स्थान कटास राज के रूप में है दूसरा आंसू अजमेर राजस्थान में टपका और यहाँ पर पुष्करराज तीर्थ स्थान है। इसके अतिरिक्त महाभारत काल में पांडव बनवास के दिनों में इन्ही पहाड़ियों में अज्ञातवास में रहे। यहीं वह कुण्ड है जहाँ पांडव प्यास लगने पर पानी की खोज में पहुंचे थे। इस कुण्ड पर यक्ष का अधिकार था सर्वप्रथम नकुल पानी लेने गया जब पानी पीने लगा तो यक्ष ने आवाज़ दी की इस पानी पर उसका अधिकार है पीने की चेष्टा मत करो अगर पानी लेना है तो पहले मेरे प्रश्नों का उत्तर दो लेकिन वह उसके प्रश्नों का उत्तर न दे सका और पानी पीने लगा। यक्ष ने उसको मूर्छित कर दिया ठीक इसी प्रकार सहदेव, अर्जुन व भीम चारों भाई एक एक करके पानी लेने गये लेकिन कोई भी यक्ष के प्रश्नों का उत्तर न दे सका और फिर भी पानी लेने का प्रयास किया यक्ष ने चारों भाइयों को मूर्छित कर दिया अंत में चारों भाइयों को खोजते हुए युधिष्ठिर कुण्ड के किनारे पहुंचा और चारों भाइयों को मूर्छित पड़े देखा वह बोला की मेरे भाइयों को किसने मूर्छित किया है वह सामने आये, यक्ष आया और उसने कहा कि इन्होने बिना मेरे प्रश्नों का उत्तर दिए पानी लेना चाहा अतः इनकी यह दुर्दशा हुई अगर तुम ने भी ऐसा व्यवहार किया तो तुम्हारा भी यही हाल होगा।

युधिष्ठिर ने नम्रतापूर्वक कहा की तुम प्रश्न पूछो मैं अपने विवेक से उनका उत्तर दूँगा यक्ष ने कई प्रश्न पूछे उनमे से एक मुख्य प्रश्न था-

कौन प्रसन्न है? आश्चर्य क्या है? मार्ग क्या है? वार्ता क्या है? मेरे चार प्रश्नों का उत्तर दे तो तुम्हारे मृत भाई जीवित हो जायेंगे।

युधिष्ठिर ने उत्तर दिया-

प्रसन्न : जो व्यक्ति पांचवे छठे दिन घर में स्वादु साग पका ले, जो ऋणी नहीं हो, जो प्रवास में न रहता हो वह प्रसन्न है।

आश्चर्य : प्रतिदिन प्राणी मृत्यु को प्राप्त होते हैं यह सब देखकर भी संसार के प्राणी हमेशा जीवित रहने की कामना करते हैं इससे बदकर आश्चर्य क्या होगा।

मार्ग : तर्क प्रतिष्ठित नहीं होता श्रुतियाँ (वेद) विभिन्न हैं कोई एक ऐसा मुनि नहीं जिसकी बात को प्रामाणिक माना जा सके अतः महापुरूष धर्म के विषय में जिस मार्ग का अनुसरण करें सबके लिए वही मार्ग चलने योग्य है।

वार्ता (समाचार) : महामोह रूपी कड़ाहे में, सूर्य रूपी आग से, रात दिन रूपी (ईंधन) से, मास ऋतु रूपी कड़छी के द्वारा यह काल प्राणियों को भोजन के सामान पका रहा है, यही वार्ता है।

इस प्रकार युधिष्ठिर ने अपने विवेक से यक्ष के सभी प्रश्नों का उत्तर दे दिया और यक्ष ने प्रसन्न होकर पांडवों को जीवित कर दिया तत्पश्चात ये पांडव अपने गंतव्य की और चले गए।

दक्षिण दिशा में नहीं लगाना चाहिए तुलसी का पौधा

घर में पेड़-पौधे लगाने से सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है और घर का वातावरण भी शुद्ध रहता है। वास्तु में पेड़-पौधों को घर की सुख-समृद्धि का कारक माना गया है।

मान्यता है कि गलत तरीके से पौधे लगाने से सकारात्मकता (पॉजिटिविटी) के बजाए घर में नकारात्मकता (नेगेटिविटी) बढ़ने लगती है।

जिससे घर में अक्सर गृह-क्लेश की स्थिति बनी रहती है। धन की तंगी का सामना करना पड़ता है और व्यक्ति के मन में नकारात्मक विचार ज्यादा आते हैं। इसलिए कुछ पौधों को लगाते समय वास्तु के कुछ नियमों का खास ध्यान रखना चाहिए।

तुलसी का पौधा

वास्तु के अनुसार, घर की दक्षिण दिशा में तुलसी का पौधा नहीं लगाना चाहिए। इससे घर का वास्तु दोष बढ़ता है। जिससे परिवार के सदस्यों को आर्थिक तंगी का सामना करना पड़ सकता है। व्यापार में धन-हानि हो सकता है।

इसलिए तुलसी के पौधे को हमेशा उत्तर या उत्तर-पूर्व दिशा में लगाएं।

मनी प्लांट

वास्तु के अनुसार, घर के दक्षिण दिशा में मनी प्लांट का भी पौधा नहीं लगाना चाहिए। इससे व्यक्ति की आर्थिक स्थिति पर बुरा प्रभाव पड़ता है। मनी प्लांट को दक्षिण-पूर्व दिशा में लगा सकते हैं। मान्यता है कि इस दिशा में मनी प्लांट लगाने के धन आगमन के नए मार्ग बनते हैं।

शमी का पौधा

दक्षिण दिशा में शमी का पौधा लगाना शुभ नहीं माना जाता है। मान्यता है कि इससे वास्तु दोष बढ़ता है। इसलिए शमी का पौधा हमेशा पूर्व दिशा या ईशान कोण में लगाना चाहिए।

केले का पेड़

वास्तु के अनुसार, घर के दक्षिण दिशा में केले का पेड़ लगाने से बचना चाहिए। इस पौधे को घर के अंदर भी नहीं लगाना चाहिए। घर के बाहर उत्तर या पूर्व दिशा में यह पौधा लगाना लाभकारी माना गया है।

किचन में लगाएं इन रंगों के वॉलपेपर, अन्न-धन से भरें रहेंगे भंडार

आज-कल के समय में घर की सुंदरता में इजाफा करने के लिए वॉलपेपर का प्रचलन काफी बढ़ गया है। बेजान सी दीवारों को रंगीन बनाने के लिए ये वॉलपेपर बहुत ही अहम भूमिका निभाते हैं। बजट फ्रेंडली के साथ घर की साज-सज्जा के लिए इन वॉलपेपर को पहली तर्जी दी जाती है। इसी के साथ आपको बता दें कि कुछ लोग बिना किसी सलाह के अलग-अलग तरह के वॉलपेपर घर में लगाना शुरू कर देते हैं लेकिन वास्तु के अनुसार ऐसा करना शुभ नहीं माना जाता है। घर के साथ-साथ किचन में इसे लगाने का बहुत चलन है लेकिन अगर किचन में इन्हें लगाने जा रहे हैं तो वास्तु टिप्स का बेहद ही ध्यान रखना चाहिए। अगर ऐसा नहीं किया जाए तो किचन में नेगेटिविटी बढ़ने लग जाती है और वहीं दूसरी तरफ नियमों का पालन करने से मां अन्नपूर्णा कभी भी अन्न के भंडार खाली नहीं होने देती हैं। तो चलिए ज्यादा देर न करते हुए जानते हैं कि किचन में वॉलपेपर लगवाते समय किन बातों का ध्यान रखना चाहिए।

इस रंग का न हो वॉलपेपर

किचन के वॉलपेपर लगाते समय कलर को कभी भी नजरअंदाज नहीं करना चाहिए। वास्तु के अनुसार बता दें कि कभी भी ऐसे रंग का यूज़ न करें जिसका रंग नीला हो। ऐसा इस वजह से किचन में अग्नि तत्व प्रमुख होता है और नीला रंग जल तत्व को दर्शाता है। इस वजह से ऐसा करने से परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है।

गैस के आसपास न हो वॉलपेपर

वैसे तो वॉलपेपर को किसी भी जगह लगाया जा सकता है लेकिन वास्तु शास्त्रों के मुताबिक इन्हें कभी भी गैस के आसपास नहीं लगाना चाहिए। अग्नि के पास इन्हें लगाने से वास्तु दोष उत्पन्न होने की सम्भावना बढ़ जाती है।

डिजाइन का रखें बेहद ध्यान

आज-कल बाजार में तरह-तरह के वॉलपेपर डिजाइन देखने को मिलते हैं। किचन के लिए इनका चुनाव करते समय वास्तु टिप्स को हमेशा माइंड में रखना चाहिए। इस बात का ध्यान रखें डिज़ाइन चाहे कैसा भी हो लेकिन वह होरिजोन्टल नहीं होना चाहिए। हो सके तो वर्टिकल डिजाइन के वॉलपेपर का ही इस्तेमाल करें।

साफ-सुथरा हो वॉलपेपर

बहुत दिनों से लगा हुआ वॉलपेपर गलती से कट और फट जाता है। लेकिन जानते हुए भी हम इस बात को नजरअंदाज कर देते हैं। वास्तु के मुताबिक ऐसा करना बहुत ही अशुभ माना गया है। ऐसा करने से घर की नकारात्मक ऊर्जा में बढ़ोतरी होती है और वही एनर्जी धीरे-धीरे पुरे घर में फ़ैल जाती है।

ऑफ व्हाइट लहंगे में 'एनिमल' फेम तृप्ति ने ढाई कयामत, सिर्फ दो मोतियों से बंधी चोली में 'भाभी 2' ने फ्लॉन्ट की बोल्डनेस

एक्ट्रेस तृप्ति डिमरी इन दिनों हालिया रिलीज हुई फिल्म 'एनिमल' में अपनी परफॉर्मेंस को लेकर खूब चर्चा में बनी हुई हैं। फिल्म में एक्ट्रेस के 'भाभी 2' के किरदार को फैंस ने खूब पसंद कर रहे हैं। ऐसे में एक्ट्रेस इन दिनों एनिमल की सक्सेस को एंजॉय कर रही हैं। इसी बीच उन्होंने एक बेहद स्टनिंग फोटोशूट करवाया है, जिसकी तस्वीरें इंटरनेट पर आते ही छा गई हैं। फैंस तृप्ति की लेटेस्ट तस्वीरों पर खूब प्यार बरसा रहे हैं। इन तस्वीरों को तृप्ति डिमरी ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर शेयर किया है।

तस्वीरों में देखा जा सकता है कि एक्ट्रेस ट्रेडिशनल आउटफीट में गजब की खूबसूरत लग रही हैं। मोतियों वाले ऑफ व्हाइट लहंगे के साथ नेट वाला दुपट्टा, गले में नेकलेस और मैसी हेयरस्टाइल बनाए तृप्ति अपनी खूबसूरती से लोगों को इम्प्रेस कर रही हैं। सिर्फ दो मोतियों से बंधी चोली में एक्ट्रेस के क्लीवेज साफ नजर आ रहे हैं।

फैंस को अपने हुस्न से दीवाना बनाते हुए वह कैमरे के सामने एक से बढ़कर एक मस्त पोज दे रही हैं। बता दें, एनिमल के बाद अब तृप्ति डिमरी एक्टर विक्की कौशल के साथ बड़े पर्दे पर आने के लिए तैयार हैं। हाल ही में उनकी एक्टर संग कुछ रोमांटिक तस्वीरें भी सोशल मीडिया पर वायरल हुई थीं।

'सीधी सादी लड़की को ठगने का जमाना गया, अब पलटवार का जमाना', अभिनेत्री नयना मुके के बिंदास बोल

मोस्ट डिजायरेबल वूमन का तमगा जीत चुकीं अभिनेत्री नयना मुके अभिनय के अलावा सामाजिक और सांस्कृतिक कार्यक्रमों में भी खूब सक्रिय रहती हैं। इन दिनों कलर्स के धारावाहिक 'काव्यांजलि' में नजर आ रहीं नयना का किरदार निकिता दर्शकों को खूब भा रहा है। निकिता का इस कहानी में किरदार नायक की उस प्रेमिका का है जो अपनी होने वाली सास के बहकावे में आकर ये रिश्ता छोड़कर अमेरिका चली जाती है। लेकिन, सच्चाई पता चलने पर वह वापस लौटती है और अपना हक पाने की कोशिशें शुरू करती है।

धारावाहिक 'काव्यांजलि' में निकिता का किरदार निभा रहीं नयना मुके 'अमर उजाला' से एक खास बातचीत में बताती हैं, 'परदा छोटा हो या बड़ा, महिला चरित्रों की लिखावट अब पूरी तरह बदल चुकी है। मेरा किरदार निकिता जो मैं इस धारावाहिक में निभा रही हूं, एक आधुनिक युवती का किरदार है। वह भावनाओं की कद्र करना जानती है और प्रेम के असली मंतव्य को भी जानती है। अपनी होने वाली सास का उसने कहना माना और परिवार की भलाई के लिए उसने देश त्यागा। लेकिन, अब युवतियां अन्याय नहीं सहन कर सकतीं।'

अपने इस लोकप्रिय किरदार के बारे में बातें करते हुए नयना उन संदर्भों की तरफ भी इशारा करती हैं, जिसमें सिनेमा और धारावाहिक बनाने वाले रचयिता अब महिला किरदारों को मजबूती दे रहे हैं। वह कहती हैं, 'फिल्म 'एनिमल' में गीतांजलि का अपने पति रणविजय को थप्पड़ मारना नई सदी की युवती की पहचान है। वह रिश्तों को निभाने के लिए एक सीमा तक ही त्याग कर सकती है। लेकिन, यदि इस त्याग से उसका स्वाभिमान चोटिल होता है तो वह पलटवार करना भी बखूबी जानती है।'

नयना मुके का धारावाहिक 'काव्यांजलि' इन दिनों खूब चर्चा में है। निकिता के उनके किरदार की लोग तरह तरह से व्याख्या कर रहे हैं। वह अपने अतीत की बातें याद दिलाकर प्रीतम को सच भी बताने की कोशिश कर रही है। लेकिन, प्रीतम की आंखों पर वात्सल्य की पट्टी बंधी हुई है। वह ये नहीं देख पा रहा कि उसकी मां का असल इरादा क्या है। नयना कहती हैं, 'रिश्तों में वैसे तर्क काम करता नहीं है लेकिन बदलते दौर में ये जानना भी जरूरी हो चला है कि किसी भी निर्देश के पीछे इसे देने वाले का स्वार्थ तो नहीं है।'

ओटीटी और धारावाहिकों समान रूप से सक्रिय नयना मुके रंगमंच की प्रशिक्षित कलाकार हैं। वह अभिनय के अलावा म्यूजिक वीडियोज के निर्देशन और निर्माण में भी सक्रिय रही हैं। इन दिनों वह एक बहुत ही मर्मस्पर्शी कहानी भी लिख रही है जिसका निर्देशन वह खुद करने वाली हैं।

समाज में हाशिये पर पड़े लोगों की कहानियों पर लगातार काम कर रहीं नयना मुके चाहती हैं कि सिनेमा सामाजिक बदलाव को भी कैमरे के जरिये परदे पर दिखाए और लोगों को सोचने पर मजबूर करे कि आखिर वह इस बदलाव को देख क्यों नहीं पा रहे हैं?

शूटिंग के वक्त वरुण धवन के पैर में लगी चोट : अपकमिंग फिल्म के सेट पर हादसा हुआ, इंस्टाग्राम स्टोरी शेयर कर खुद दी जानकारी

वरुण धवन के पैर में चोट लग गई है। वो अपकमिंग फिल्म वीडी 18 की शूटिंग कर रहे थे, जब उनके साथ यह हादसा हुआ। इस बात की जानकारी उन्होंने इंस्टाग्राम स्टोरी के जरिए दी है। स्टोरी के साथ उन्होंने कैप्शन में लिखा- मेरे शिन (पिंडली) में चोट लग गई, जब पैर लोहे के रॉड से टकरा गया।

मार्च 2024 में खत्म को सकती है फिल्म की शूटिंग

इस अनटाइल्ड फिल्म का डायरेक्शन कलीस कर रहे हैं। वहीं फिल्म को एटली और मुराद खेतानी प्रोड्यूस कर रहे हैं। फिल्म में वरुण के अलावा कीर्ति सुरेश और वामिका गब्बी भी हैं। फिल्म में वरुण फुल एक्शन अवतार में देखने को मिलेंगे। यह सुपरहिट तमिल फिल्म थेरी की रीमेक है। उम्मीद है कि फिल्म की शूटिंग 2004 मार्च तक पूरी होजाएगी। इसके बाद फिल्म उसी साल की गर्मियों में सिनेमाघरों में दस्तक दे सकती है।

जाह्नवी के साथ फिल्म बवाल में दिखे थे वरुण

हाल में वरुण को फिल्म बवाल में देखा गया था। इस फिल्म में उनके अपोजिट जाह्नवी कपूर नजर आई थीं। फिल्म ओटीटी पर रिलीज हुई थी और इसे फैंस का मिक्स रिस्पॉन्स मिला था। वहीं इस फिल्म का डायरेक्शन नितेश तिवारी ने किया था।

हॉलीवुड सीरीज सिटाडेल के हिंदी रीमेक में दिखेगी वरुण-सामंथा की जोड़ी

रिपोर्ट्स के मुताबिक, वरुण आने वाले दिनों में हॉलीवुड सीरीज सिटाडेल के हिंदी रीमेक में दिखेंगे। उनके साथ सामंथा रुथ प्रभु भी दिखाई देंगी। हालांकि रिलीज डेट को लेकर अभी कोई जानकारी सामने नहीं आई है। इसे राज एंड डीके द्वारा बनाया जा रहा है। हॉलीवुड सीरीज सिटाडेल में प्रियंका चोपड़ा और रिचर्ड मैडेन को लीड रोल में देखा गया था। इंटरनेशनल लेवल पर इस सीरीज को दर्शकों ने खूब पसंद किया था।

'पहले हिंदी सीख लो...', बॉलीवुड में डेब्यू से पहले बॉबी देओल ने दी बेटों को नसीहत

अभिनेता बॉबी देओल इन दिनों हालिया रिलीज फिल्म 'एनिमल' की सफलता का आनंद ले रहे हैं। इस फिल्म की सफलता के बाद ही अभिनेता को साउथ सिनेमा के दिग्गज निर्देशक रविंद्र बॉबी की फिल्म में काम करने का मौका मिला है। बॉबी की इस आगामी फिल्म का नाम 'एनबीके 109' है। हाल ही में दिए एक इंटरव्यू में बॉबी ने अपने बेटे, आर्यमन और धरम देओल के डेब्यू पर चर्चा की। वे चाहते हैं कि उनके बेटे बॉलीवुड में कदम रखने से पहले अपनी हिंदी भाषा में सुधार करें।

बॉबी ने अपने बेटों को लेकर कहा कि वे दोनों अभिनेता बनना चाहते हैं। उन्होंने कहा, 'मेरे दोनों बेटे बॉलीवुड में अपना करियर बनाना चाहते हैं। वे दोनों ही एक-दूसरे से अंग्रेजी में बात करते है। आर्यमन और धरम की हिंदी

पर मजबूत पकड़ नहीं हैं, क्योंकि दोनों ऐसे माहौल में रहे है, जहां अंग्रेजी ज्यादा बोली जाती है। मैं उनसे कहता हूं कि बॉलीवुड में डेब्यू करने से पहले आप दोनों हिंदी का उच्चारण सही करें।

अभिनेता ने आगे कहा, 'मैं उन दोनों से हिंदी को मजबूत करने के लिए इसलिए कहता हूं, क्योंकि हिंदी का उच्चारण सही होगी, तो वे हर डायलॉग को अच्छे से बोल सकते हैं। अभिनेता अपने डायलॉग और अभिनय से ही दर्शकों को प्रभावित करता है। आर्यमन और धरम की हिंदी सही होगी, तो उन्हें ज्यादा कुछ सोचने की जरूरत नहीं पड़ेगी और फिर बस उन्हें किरदार में ढलना होगा।'

बीते दिनों बॉबी ने एक इंटरव्यू में इस बात का खुलासा किया था कि उनके दोनों बेटे बॉलीवुड इंडस्ट्री में अपना करियर बनाना चाहते हैं। हालांकि, आर्यमन और धरम को बॉलीवुड डेब्यू करने के लिए तीन से चार साल लगेंगे। उन्होंने आगे बताया था कि बड़े बेटे आर्यमान बड़े पर्दे पर आने के लिए ट्रेनिंग ले रहे हैं।

बॉबी देओल का वर्कफ्रंट की बात करें तो अभिनेता अपनी आगामी फिल्म 'एनबीके 109' में नजर आएंगे। इस फिल्म का निर्देशन साउथ सिनेमा स्टार नंदमुरी बालकृष्ण करने वाले हैं। यह फिल्म नंदमुरी बालकृष्ण के करियर की 109वीं फिल्म है। इसलिए इस फिल्म का शीर्षक 'एनबीके 109' रखा गया है। बताया जा रहा है कि इस फिल्म में बॉबी देओल का काफी अहम किरदार होगा।

बेटी राहा से दूर होने पर होती है 'एंग्जाइटी'

इंस्टाग्राम पर 'आस्क मी एनीथिंग' सेशन में बोलीं आलिया, बच्ची को घर पर छोड़ना गिल्ट से कम नहीं

आलिया भट्ट ने इंस्टाग्राम पर फैंस के साथ एक मजेदार सेशन रखा। एक्ट्रेस ने 'आस्क मी एनीथिंग' सेशन के दौरान अपने फैंस को उनसे सवाल पूछने का मौका दिया। इस दौरान एक फैन ने आलिया से पूछा- आप एंग्जाइटी से कैसे डील करती हैं? वहीं एक्ट्रेस ने इस सवाल का जवाब देते हुए लिखा- हम सभी की जिंदगी में कुछ ऐसी चीजें होती हैं जो हमारी एंग्जायटी को ट्रिगर करती हैं। जैसे- अचानक जब लाइफ में कोई बड़ा बदलाव हो जिसके ऊपर मेरा कंट्रोल नहीं है। ऐसे में मैं परेशान हो जाती हूं। इस पर मेरा कोई जोर नहीं है, लेकिन ये समझने में मुझे काफी वक्त लग गया। ऐसी कंडीशन में मैं बस कोशिश करना बंद नहीं करती हूं।

एक्ट्रेस ने कहा- हां अगर ये ज्यादा हो जाता है तो मैं वो चीजें करने लगती हूं जो मुझे बहुत पसंद हो। जो करने से मुझे अच्छा महसूस हो। आपको अपनी भावनाओं पर ज्यादा कंट्रोल नहीं करना चाहिए। ये आपके लिए हार्मफुल हो सकता है। आप अपनी एंग्जाइटी के बारे में अपने किसी करीबी व्यक्ति से बात कर सकते हैं जिसके ऊपर आपको भरोसा हो।

यूजर्स ने पूछा- बेटी राहा से दूर होने से आपको एंग्जाइटी होती है?

आलिया ने इसका जवाब देते हुए कहा- राहा को छोड़कर जाना मेरे लिए आसान नहीं होता है। लेकिन इसकी आदत डालने में मुझे थोड़ा वक्त लगेगा। बस ये सोचकर थोड़ा गिल्ट कम होता है कि कम से कम वो घर वालों के साथ है। एक यूजर ने आलिया से पूछा वो राहा को क्या कहकर बुलाती हैं। इसपर आलिया ने कहा राहा को हम प्यार से राहू,रारा और लॉलीपॉप कहकर बुलाते हैं।

आलिया भट्ट ने अपना वर्कआउट रूटीन शेयर किया

आलिया ने अपनी फिटनेस दिनचर्या के बारे में जानकारी देते हुए कहा- मैं सप्ताह में 6 दिन वर्कआउट करती हूं! जब तक कि मैं ट्रैवलिंग नहीं कर रही हूं या ठीक नहीं हूं। मैं हफ्ते में 4 बार योगा और सप्ताह के बाकी दिनों में कार्डियो के साथ पिलाटे करती हूं। मैं हमेशा इसमें फेर-बदल करती रहती हूं। क्योंकि कई बार हमारे शरीर को एक ही एक्सरसाइज की आदत पड़ जाती है।शरीर को आदत पड़ने के बाद वो हमारे शरीर पर कम प्रभाव करता है। वहीं अपने फैंस के कहने पर एक्ट्रेस अपनी मिरर सेल्फी भी शेयर की।

आलिया भट्ट ने अपने पसंदीदा डिश के बारे में बताया

आलिया ने अपने पसंदीदा खाने के बारे में बताया कि उन्हें पोहा और छास, फ्रेंच फ्राइज, दाल चावल + भिंडी + टमाटर की सब्जी + तड़का दही, स्पेगेटी बहुत पसंद है। हॉलिडे डेस्टिनेशन के बारे में एक्ट्रेस ने बताया कि उनकी पसंदीदा डेस्टिनेशन 'मसाई मारा' है, ये वही जगह है जहां उनके पति रणबीर कपूर ने उन्हें प्रपोज किया था।

यूजर ने आलिया से उनके फोन की तीसरी फोटो शेयर करने को कहा..आलिया के एक फैन ने उनके फोन की तीसरी फोटो शेयर करने के लिए कहा। एक्ट्रेस ने वो फोटो शेयर की तो वो फोटो उनकी बेस्टफ्रेंड की शादी की थी। दरअसल आलिया हाल ही में अपनी दोस्त की शादी में नजर आई थीं। आलिया पीले रंग की साड़ी में बेहद खूबसूरत लग रही थीं।

उर्वशी रौतेला ने लिया बॉडी डिटॉक्सीफाई ट्रीटमेंट, सोशल मीडिया पर दिखाई झलक

बॉलीवुड एक्ट्रेस उर्वशी रौतेला पिछले कुछ समय से लाइमलाइट में छाई हुई थीं। एक्ट्रेस कभी अपनी कीमती ड्रेस तो कभी कीमती पर्स को लेकर सोशल मीडिया पर वायरल होती रहती हैं। फिलहाल उर्वशी रौतेला अपनी लेटेस्ट इंस्टाग्राम पोस्ट को लेकर सुर्खियो में छा गई हैं। उर्वशी रौतेला ने सोशल मीडिया पर अपनी दो तस्वीरें शेयर की हैं, जिसे देखकर हर कोई हैरान हो रहा है। इन दोनों तस्वीरें में उर्वशी रौतेला की बॉडी को एक मशीन के साथ अटैच किया गया है। उर्वशी रौतेला की तस्वीरों को देखने के बाद उनके फैंस काफी परेशान हो गए थे और सोशल मीडिया पर उनका हालचाल ले रहे थे। ऐसे में आपको बता दें कि उर्वशी रौतेला प्रेसोथेरेपी करवा रही हैं। एक्ट्रेस की मानें तो काम मेंबिजी रहने के कारण उन्हें अपना ध्यान रखने का मौका नहीं मिलता। ऐसे में उन्होंने खुद को रिलैक्स करने के लिए प्रेसोथेरेपी का सेशन लिया है।

जानकारी के अनुसार प्रेसोथेरेपी एक गैर-आक्रामक ट्रीटमेंट है जिससे शरीर के कुछ हिस्सों पर एयर प्रेशर-कम्प्रेशन और डीकम्प्रेसन से मसाज की जाती है। उर्वशी रौतेला ने इसे अपने पूरे शरीर पर लगाया और यह थेरेपी बॉडी डिटॉक्सिफिकेशन में मदद करती है। साथ ही वॉटर रिटेंशन को कम कर लिम्फेटिक फ्लो को भी बढ़ावा देती है। इस थेरेपी से अब तक कई लोगों को काफी राहत मिली है।

अब उर्वशी रौतेला ने भी बॉडी डिटॉक्सीफाई ट्रीटमेंट लिया है और साथ ही इसकी तस्वीरें सोशल मीडिया पर शेयर की हैं। उन्होंने अपने इस पोस्ट को शेयर करते हुए कैप्शन में लिखा है- (प्रेसोथेरेपी का समय। शरीर को डिटॉक्स करना, शरीर की लसीका प्रणाली को उत्तेजित करना, टॉक्सिन्स को निकालना, मजबूत इम्यून सिस्टम) उर्वशी रौतेला का ये पोस्ट सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है।

आपको बता दें कि इस थेरेपी के एक सेशन की कीमत आपके होश उड़ा सकती है। ये थेरेपी इतनी महंगी है कि इसके एक सेशन की कीमत में आप एक आईफोन भी खरीद सकते हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार ये थेरेपी तनाव-मुक्त रहने, स्किन के ग्लो को बरकरार रखने और इम्यून सिस्टम को बूस्ट करने में मदद करती है। ये शरीर की एनर्जी को भी बढ़ाती है। इसे हर महीने कम से कम 2-3 बार लेने की जरूरत होती है।

टॉपलेस होकर सिल्वर पैंट सूट में कृति ने दिखाया किलर अंदाज

साल 2014 में फिल्म 'हीरोपंती' से बॉलीवुड में डेब्यू करने वाली एक्ट्रेस कृति सेनन ने बहुत कम समय में फैंस के बीच अपनी खास पहचान बनाई है। वह न सिर्फ अपनी एक्टिंग बल्कि ग्लैमरस लुक्स से भी फैंस का खूब दिल जीतती हैं। उनका हर नया लुक सोशल मीडिया पर आते ही वायरल हो जाता है। अब हाल ही में कृति ने हैलो मैगजीन के लिए स्टनिंग फोटोशूट करवाया, जिसकी तस्वीरें इंटरनेट पर खूब तहलका मचा रही हैं।

इन तस्वीरों में देखा जा सकता है कि कृति दो अलग-अलग आउटफिट्स में हुस्न का कहर बरपा रही हैं। कुछ तस्वीरों के लिए एक्ट्रेस ने टॉपलेस होकर ब्लेजर और ट्राउजर पहना है, जिस पर सिल्वर सीक्वेंस वर्क किया गया है। इस लुक में अपनी बोल्डनेस फ्लॉन्ट करते हुए कृति कैमरे के सामने किलर पोज दे रही हैं।

वहीं, अन्य तस्वीरों में मिमी एक्ट्रेस गोल्डन गर्ल बन लोगों को इम्प्रेस कर रही हैं। गोल्डन कलर के क्रॉप टॉप के साथ मैचिंग स्कर्ट और सैंडल में कृति स्टाइल देखते ही बन रहा है।फैंस एक्ट्रेस की इन तस्वीरों को खूब लाइक कर रहे हैं और कमेंट कर उनकी तारीफ भी कर रहे हैं। काम की बात करें तो कृति सेनन आगामी फिल्म 'दो पत्ती' में नजर आने वाली हैं। फिल्म में एक्ट्रेस काजोल के साथ स्क्रीन शेयर करती नजर आएंगी।

40 की उम्र में दिखना है 30 की तो इन मेकअप टिप्स को करें फॉलो

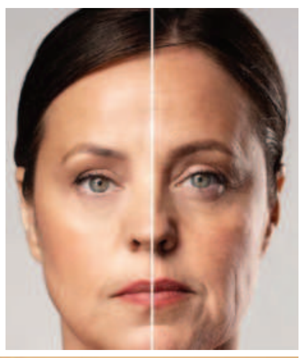

मेकअप करने के लिए आपको सबसे पहले स्किन केयर पर ध्यान देना चाहिए ताकि चेहरे पर किया हुआ मेकअप फ्लॉलेस नजर आए। इसके लिए आप सबसे पहले अपनी स्किन टाइप को जरूर जान लें।

उम्र चाहे कोई भी हो या फंक्शन चाहे कोई भी हो, मेकअप करना हम सभी काफी पसंद करते हैं। इसके लिए हमें ढेर सारे लुक्स भी

आसानी से मिल जाएंगे। वहीं क्या आप जानती हैं कि बढ़ती उम्र में मेकअप करने के लिए कुछ टिप्स और ट्रिक्स होती हैं, जिसे सही तरीके से फॉलो न करने पर आपका मेकअप लुक बिगड़ सकता है।

हम आपको बताने वाले हैं कुछ ऐसे मेकअप टिप्स जिसे फॉलो कर 40 की उम्र में आप 30 साल की नजर आ सकती हैं। साथ ही बताएंगे मेकअप से जुड़े कुछ खास टिप्स जिसे आपका लुक दिखेगा बेहद खूबसूरत।

कलर के लिए

चेहरे पर मेकअप करने के लिए अक्सर हम सबसे पहले आउटफिट के कलर से मिलता-जुलता कलर पैलेट लेकर मेकअप करते हैं। बता दें कि अब वो दौर जा चुका है, जब आउटफिट के कलर का आई शैडो हम आंखों के ऊपर लगाया करते थे। आजकल नेचुरल लूकिंग मेकअप या न्यूड मेकअप ही ट्रेंड में नजर आ रहा है। इसके अलावा आप चाहे तो पीच कलर पैलेट से भी कई तरह के मेकअप लुक क्रिएट कर सकती हैं।

इस तरह करें ब्लेंड

मेकअप में ब्लेंडिंग का रोल बेहद अहम होता है। ऐसा इसलिए क्योंकि चेहरे पर जब हम किसी भी मेकअप प्रोडक्ट्स का इस्तेमाल करते हैं तो उसे ब्लेंड करना बेहद जरूरी होता है ताकि प्रोडक्ट की लाइन्स चेहरे के ऊपर न नजर आए और आपका मेकअप लुक फ्लॉलेस नजर आए। इसके लिए आप ब्यूटी ब्लेंडर का इस्तेमाल कर सकती हैं। वहीं ब्यूटी ब्लेंडर को आप पानी की मदद से गिला कर निचोड़ कर यानी डेब करके ही इस्तेमाल करें। इसके आलावा आई मेकअप को आप ब्लेंडिंग ब्रश यानी फ्लफी ब्रश की मदद से ब्लेंड कर लें।

शिमर को करें अवॉयड

एक समय के बाद आंखों के ऊपर फिनर लाइन्स नजर आने लगती हैं, जिसके कारण हैवी आई मेकअप आंखों पर लम्बे समय तक नहीं टिक पाता है। वहीं अगर आप ऐसी आई लिड पर शिमर पार्टिकल्स का इस्तेमाल करेंगी तो मेकअप खूबसूरत दिखने की जगह भद्दा नजर आने लगेगा। अगर आप थोड़ा-बहुत शिमर आंखों के ऊपर इस्तेमाल करना चाहती हैं तो बारीक साइज के शिमर को चुन सकती हैं। इसे आप ग्लिटर ग्लू की मदद लेकर अपने हाथों की उंगलियों की टिप्स के जरिये आई लिड्स पर लगा सकती हैं।

अगर आपको 40 साल की उम्र में 30 की दिखने के लिए मेकअप करने के आसान टिप्स पसंद आए हों तो इस आर्टिकल को शेयर करना न भूलें। साथ ही, इस आर्टिकल पर अपनी राय हमें नीचे दिए गए कमेंट सेक्शन में जरूर बताएं। ऐसे अन्य आर्टिकल पढ़ने के लिए हरजिंदगी को फॉलो करें।

बढ़े हुए कॉलेस्ट्रोल को कम करने के लिए लहसुन के घरेलू उपाय

खाने में लहसुन का जरा सा इस्तेमाल हो जाए तो खाने का स्वाद, सुगंध सब कुछ बदल जाता है. ये खाने को काफी स्वादिष्ट बना देता है. इतना ही नहीं ये लहसुन सेहत के लिए भी काफी फायदेमंद है. कोलेस्ट्रॉल लेवल कंट्रोल करने से लेकर डायबिटीज को काबू में रखने के लिए इस जबरदस्त इनग्रेडिएंट्स का सालों से इस्तेमाल हो रहा है. आप भी इसे अपने डाइट का हिस्सा बनाकर कोलेस्ट्रॉल लेवल को कम कर सकते हैं. आइए जानते हैं किस तरह से आप गार्लिक को अपने खाने का हिस्सा बना सकते हैं.

लहसुन को किस तरह से डाइट का हिस्सा बनाएं

कच्चा लहसुन खाएं-

खाली पेट कच्चा लहसुन खाने से कोलेस्ट्रॉल के स्तर को कम करने और हृदय स्वास्थ्य को बढ़ावा देने में मदद मिल सकती है.वहीं इसे डायबिटीज के मरीजों के लिए भी अच्छा माना जाता है.कच्चे लहसुन में पाया जाने वाला एक यौगिक एलिसिन, कोलेस्ट्रॉल कम करने और रक्त को पतला करने वाले गुणों के लिए जाना जाता है. इन लाभों को पाने के लिए, बस सुबह एक गिलास पानी के साथ कच्चे लहसुन की कुछ कलियां खाएं.

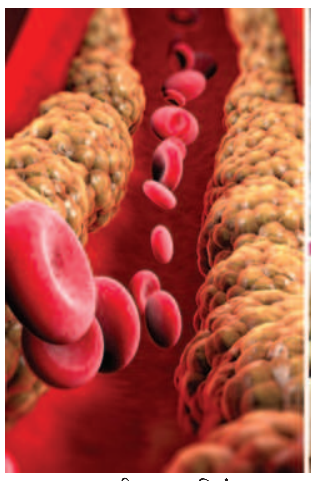

लहसुन की चाय पिएं- आप लहसुन की चाय पी सकते हैं. लहसुन की चाय बनाने के लिए लहसुन की एक कली को कूटकर एक कप पानी में मिला लें. फिर इसे कुछ देर तक गैस पर उबालें. इसमें एक से दो चम्मच दालचीनी डालें. इसे थोड़ा उबलने दें. आखिर में इसे कप में निकालें.इसमें शहद और आधा चम्मच नींबू का रस मिलाएं.

लहसुन और शहद- लहसुन को खाने का एक और बेहतरीन तरीका ये है कि आप लहसुन की एक कली को तीन से चार टुकड़ों में काट लें. इन्हें चम्मच पर रखें.शहद की कुछ बूंद डाले हैं और इसे कुछ मिनट तक ऐसे ही रखें. फिर लहसुन को चबाकर निगल जाएं. अगर आपको इसका स्वाद कड़वा लग रहा है तो कुछ घूंट गर्म पानी भी पी सकते हैं. ये ना सिर्फ कोलेस्ट्रॉल और डायबिटीज़ से आपको राहत दिला सकता है बल्कि एसिड रिफ्लक्स और उल्टी के लक्षणों से भी राहत मिल सकता है.

रोस्टेड लहसुन-अगर आपको लहसुन का स्वाद कड़वा लगता है तो आप इसे रोस्ट करके भी खा सकते हैं. इससे इसका स्वास्थ्य लाभ भी बरकरार रहता है और इसमें थोड़ा मीठा पन भी आ जाता है.भुने हुए लहसुन को आप ब्रेड पर डिप के साथ लगा कर खा सकते हैं.

लहसुन का तेल-लहसुन का फायदा लेने के लिए आप इसके तेल को भी इस्तेमाल कर सकते हैं. आप लहसुन का तेल सलाद ड्रेसिंग या भुनी हुई सब्जियों या ब्रेड पर स्वाद बढ़ाने के लिए इस्तेमाल कर सकते हैं. लहसुन का तेल बनाने के लिए लहसुन की कलियों को छील लें और इसे कूट लें. फिर उन्हें एक सौस्पेन में एक कप अच्छे कुकिंग ऑयल जैसे जैतून या एवोकैडो तेल के साथ मिलाएं. इसे धीमी आंच पर लगभग 10 मिनट तक गर्म करें. ध्यान रहे कि लहसुन जले नहीं. आंच से उतारकर तेल को ठंडा होने दें. फिर इस तेल को छान के इस्तेमाल होने के लिए रख लें.

जरा सा वर्कआउट करके थक जाते हैं तो अपनी डाइट में शामिल करें चार सुपर फूड

क्या आप भी इंटेस वर्कआउट करना चाहते हैं, लेकिन थोड़ी सी एक्सरसाइज करने के बाद आप थकान से चूर चूर हो जाते हैं? तो आपको बताते हैं ऐसे सुपरफूड्स जिनसे आप स्टैमिना बढ़ा सकते हैं.

एक्सरसाइज के दौरान होती है थकान तो डाइट में करें बदलाव

हमारा स्टैमिना जितना ज्यादा होगा उतने ही एनर्जेटिक हम होंगे और हम उतना ही ज्यादा काम कर पाएंगे. ऐसे में अपने स्टैमिना को बढ़ाने के लिए लोग तरह-तरह की एक्सरसाइज करते हैं, लेकिन कई बार एक्सरसाइज करने के बाद भी उनके शरीर में थकावट बनी रहती है और वो बहुत कमजोर महसूस करने लगते हैं. ऐसे में फिजिकल एक्टिविटी के अलावा आपको अंदर से न्यूट्रिशन देने की भी बहुत ज्यादा जरूरत होती है. तो चलिए हम आपको बताते हैं चार ऐसे सुपरफूड्स, जो स्टैमिना को बढ़ाने का काम करते हैं.

केला

वर्कआउट से पहले या वर्कआउट के बाद केला खाने से शरीर को जरूरी विटामिन और मिनरल्स मिलते हैं, जो आपको इंस्टेंट एनर्जी देता है और आपकी थकान को छूमंतर कर सकता है. इतना ही नहीं केला खाने से वजन कम भी होता है और अगर दूध के साथ इसका सेवन किया जाए तो यह वजन को बढ़ाने में भी फायदेमंद होता है.

किनोआ

किनोआ एक सुपरफूड है जिसका इस्तेमाल आप कई तरह से कर सकते हैं. आप किनोआ की पुडिंग बना सकते हैं या किनोआ का सलाद बनाकर इसका सेवन कर सकते हैं. यह होल ग्रेन फूड है, जो शरीर का स्टैमिना बढ़ाने में मदद करता है. साथ ही क्रॉनिक डिजीज के खतरे को भी कम करता है. यह प्रोटीन से भरपूर होता है इसलिए आपको लंबे समय तक एनर्जेटिक बनाए रखता है.

दालें

किसी भी प्रकार की दाल जैसे- मूंग दाल, राजमा, चना, अरहर की दाल प्रोटीन फाइबर और आयरन से भरपूर होती है. यह आपको हेल्दी और फिट रखती है. साथ ही शरीर को प्रोटीन भी देती है. ऐसे आप रोजाना किसी ना किसी दाल का सेवन कर सकते हैं.

नट्स और सीड्स

नट्स और सीड्स जैसे बादाम, अखरोट, चिया सीड्स, अलसी के बीज, सनफ्लावर सीड्स स्टैमिना को बढ़ाने में मदद करते हैं और इसमें हेल्दी फैट्स भी पाए जाते हैं, जो आपकी एनर्जी को बूस्ट करते हैं. आप नट्स और सीड्स को मिलाकर प्रोटीन बार बनाकर उसका सेवन कर सकते हैं.

कटे हुए नींबू को रखने के बजाए इन चीजों के लिए करें इस्तेमाल नहीं होंगे वेस्ट

सभी घरों में नींबू का उपयोग किया जाता है। यह तो ज्यादातर सभी घरों में होता है कि नींबू काटकर आधे भाग को उपयोग कर रख दिया जाता है। ऐसे में इसे ऐसे ही रखने के बाए इन चीजों के लिए यूज कर सकते हैं।

आमतौर पर गर्मियों में नींबू के रस क्या इस्तेमाल ज्यादा किया जाता है। किचन में सुबह नींबू पानी से लेकर रात में सलाद या दाल के साथ नींबू के रस का उपयोग किया जाता है। ऐसे में आपने यह हमेशा देखा होगा कि एक नींबू काटने के बाद उसके आधे स्लाइस का उपयोग कर बाकी बचे हुए स्लाइस को फ्रिज में रख दिया जाता है। ये रखे हुए नींबू के आधे टुकड़े ऐसे ही खराब हो जाते हैं। इसलिए आज हम आपके इन नींबू के टुकड़ों को रीयूज करने के तरीके बताएंगे।

तांबे और पीतल के बर्तनों की सफाई

तांबे और पीतल के बर्तनों को

साफ करने के लिए खट्टी चीजों की जरूरत होती है, ऐसे में आप इन बचे हुए नींबू को तांबे के बर्तन चमकाने के लिए उपयोग कर सकती हैं। इससे नींबू यूज भी हो जाएंगे और वेस्ट भी नहीं होंगे।

सलाद के लिए यूज करें

बचे हुए नींबू के रस का उपयोग आप सलाद में स्वाद बढ़ाने के लिए उपयोग कर सकते हैं। सलाद (सलाद रेसिपीज) में 3-4 बूंद नींबू के रस मिलाने से इसका स्वाद बढ़ जाता है, इसलिए यदि फ्रिज में कटे हुए नींबू रखे हैं, तो उसे आप सलाद के लिए उपयोग कर सकते हैं।

किचन की सफाई के लिए

नींबू प्राकृतिक तरीके से बैक्टीरिया मारने के लिए जाना जाता है, जिसे आप किचन क्लीनिंग एजेंट के जैसे उपयोग कर सकते हैं। कटे हुए नींबू में थोड़ा नमक लगाकरकटिंग बोर्डको अच्छे से रगड़कर साफ करें। कटिंग बोर्ड के अलावा इससे चिपचिपे बर्तन, काउंटर टॉप्स, सिंक और स्लेब की गंदगी और दाग को हटा सकते हैं।

किचन के कपड़ों को साफ करने के लिए

जब आप किचन के कपड़े साफ कर रहे हो तब उसमें नींबू के रसको डिटर्जेंट के साथ निचोड़कर डालें। नींबू के रस को डिटर्जेंट के साथ मिक्स कर कपड़े साफ करने से गंदगी तो साफ होती ही है, साथ ही बैक्टीरिया भी क्लीन होते हैं।

सूप और सॉस के स्वाद को बढ़ाएं

बचे हुए नींबू के टुकड़े के रस को निकालकर इसे सूप, सॉस और तले हुए हरे मिर्च में डालकर खाने से स्वाद बढ़ता है। साथ ही लंबे समय तक स्टोर करने में मदद मिलती है। इन तरीकों से आप कटे हुए नींबू को फेंकने के बजाए इस्तेमाल कर सकते हैं। इसके अलावा यदि आपके घर में कटे नींबू का कोई दूसरा इस्तेमाल किया जाता है, तो हमें कमेंट कर बताएं और इस लेख को लाइक और शेयर जरूर करें। ऐसे ही लेख पढ़ते रहने के लिए जुड़े रहें हर जिंदगी के साथ।

फेशियल के बाद भूलकर भी न करें ये गलतियां वरना चेहरे पर चमक हो सकती है खराब

अक्सर हम स्किन का ग्लो बरकरार रखने के लिए फेशियल कराते हैं। लेकिन इसको कराने के बाद कुछ गलतियां कर देते हैं जिसके कारण स्किन की चमक गायब होने लगती है।

जब भी हमारी स्किन डल लगने लगती है तो उसकी केयर करने के लिए हम महंगे ट्रीटमेंट लेना शुरू करते हैं। इनमें से एक है फेशियल जिसको करना हर महिला को पसंद होता है। फेशियल करवाने से स्किन की डीप क्लींजिंग हो जाती है, जिससे चेहरे की चमक वापस आ जाती है। इसको कराने के लिए हम कई हजारों पैसे खर्च करते हैं।

फिर भी चेहरे पर दाने और रैशेज होने लगते हैं। ये फेशियल के कारण नहीं होते बल्कि फेशियल कराने के बाद जिन बातों का हमें ध्यान रखना चाहिए। उन्हें इग्नोर करने के कारण होते हैं। इससे स्किन और ज्यादा बेकार दिखने लगती है। इसलिए जब भी फेशियल कराएं तो इससे पहले इन बातों को जान लें, ताकि आपसे भूलकर भी ये गलतियां न हो।

फेसवॉश न करें

कई बार ऐसा होता है कि हम फेशियल कराने के कुछ समय

बाद ही अपने फेस को वॉश कर लेते हैं। ऐसी गलती भूलकर भी न करें। इससे आपके चेहरे पर दाने हो सकते हैं। इसलिए फेस वॉश करने के लिए कम से कम 24 घंटे का समय लें। इसके बाद फेस पर साबुन का इस्तेमाल करें। अगर आपको स्किन को साफ ही करना है तो इसके लिए आप गुलाब जल का इस्तेमाल कर सकती हैं। इससे आपकी स्किन फ्रेश रहेगी। साथ ही आपको फेस वॉश करने की जरूरत नहीं पड़ेगी।

फेशियल के बाद न कराएं थ्रेडिंग

जब भी हम पार्लर जाते हैं तो सारा काम एक साथ कराकर ही आते हैं। जिसकी वजह से हम ये भूल जाते हैं कि कुछ चीजें हैं जिनके बीच में गैप रखना जरूरी होता है। अगर आप इस बार फेशियल (फेशियल मिस्टेक) कराने जा रही हैं तो इस बात का ध्यान रखें की कभी भी फेशियल को करने के बाद थ्रेडिंग न कराएं। ऐसा इसलिए क्योंकि फेशियल के बाद स्किन सॉफ्ट हो जाती है अगर इसके बाद चेहरे पर थ्रेड का इस्तेमाल होगा तो कट लगने के चांस सबसे ज्यादा हो जाते हैं। कोशिश करें कि इससे पहले आप थ्रेडिंग बनवा लें। वरना थोड़े दिनों के बाद कराएं।

फेशियल कराने के बाद तुरंत धूप में न निकलें

कई बार होता है कि हम फेशियल कराने के बाद बाहर घूमने निकलें जाते हैं। इसकी वजह से भी हमारी स्किन (स्किन को हेल्दी रखने का तरीका) को दिक्कत होने लगती है। धूप और धूल मिट्टी के कारण स्किन पर रैशेज होने शुरू हो जाते हैं। इसलिए कभी भी फेशियल कराने के बाद बाहर तेज धूप में न निकलें। टिप्सः 2 से 3 घंटे के गैप के बाद बाहर जाएं।

ऑनलाइन ट्रांजैक्शन करने से पहले इन बातों का जरूर रखें ध्यान

आजकल हर कोई ऑनलाइन लेनदेन करता है। छोटे मोटे काम से लेकर बच्चों की फीस भरने तक, हर एक काम के लिए हम ऑनलाइन ट्रांजैक्शन करना ज्यादा बेहतर समझते हैं। बता दें कि एक तरफ जहां ऑनलाइन पेमेंट करना सुविधाजनक है। वहीं, इसके कुछ नुकसान भी हैं। आइए जानते हैं सुरक्षित ऑनलाइन ट्रांजैक्शन कैसे करना चाहिए।

ओटीपी जरूर सेट करें

यदि आप लेनदेन को सुरक्षित बनाना चाहते हैं, तो ओटीपी जरूर सेट करें। ओटीपी के बिना कोई भी आपके बैंक से ट्रांजैक्शन नहीं कर पाता है। दरअसल होता यह है कि बहुत बार आपके क्रेडिट कार्ड की डिटेल गलत हाथों में चली जाती है। ओटीपी सेट करने पर आपकी डिटेल हासिल करने के बाद भी आपके साथ कोई फ्रॉड नहीं कर पाएगा।

पोर्टल का रखें ध्यान

आजकल तरह-तरह के ऑनलाइन पोर्टल आपको देखने के लिए मिल जाएंगे। किसी भी पोर्टल पर जाकर ट्रांजैक्शन करने से पहले, यह जरूर चेक करें कि वो विश्वसनीय है या नहीं। गलत पोर्टल पर जानकारी मिलने पर आपके साथ धोखाधड़ी हो सकती है।

डिवाइस का रखें ध्यान

बहुत बार जब हम ट्रांजेक्शन करते हैं, तो एक सवाल पॉप होता है कि क्या आपको जानकारी सेव करनी है। कोशिश करें कि आप डिटेल्स को सेव ना करें। साथ ही पर्सनल डिवाइस के अलावा किसी और डिवाइस से भी ऑनलाइन भुगतान ना करें।

एनईएफटी है बेहतर विकल्प

बता दें कि आजकल अधिकतर लोग यूपीआई की सहायता से ट्रांजैक्शन करते हैं। हालांकि, यूपीआई के मुकाबले एनईएफटी से पेमेंट करना ज्यादा सुरक्षित है।

पासवर्ड ना करें शेयर

इन सभी टिप्स के अलावा बैंक की ऐप से जुड़ा कोई भी पासवर्ड साझा ना करें। साथ ही किसी और के फोन में खुद के बैंक अकाउंट को लॉगिन करने से भी बचें।

अगर हमारी स्टोरी से जुड़े आपके सवाल हैं, तो आप हमें आर्टिकल के नीचे दिए कमेंट बॉक्स में बताएं। हम आप तक सही जानकारी पहुंचाने का प्रयास करते रहेंगे। अगर आपको यह स्टोरी अच्छी लगी है, तो इसे शेयर जरूर करें। ऐसी ही अन्य स्टोरी पढ़ने के लिए जुड़े रहें हर जिंदगी के साथ।

सिम कार्ड के लिए बायोमेट्रिक पहचान जरूरी होगी

नई दिल्ली, 19 दिसंबर (एजेंसियां)। यूनियन कम्युनिकेशन मिनिस्टर अश्विनी वैष्णव ने लोकसभा में टेलीकम्युनिकेशन बिल 2023 के नए वर्जन को पेश किया। वहीं नकदी संकट से जूझ रही एयरलाइन गो फर्स्ट को खरीदने के लिए तीन कंपनियों- स्पाइसजेट, अफ्रीका की सैफ्रिक इन्वेस्टमेंट्स और शारजाह की एविएशन कंपनी स्काई वन ने रुचि दिखाई है।

यूनियन कम्युनिकेशन मिनिस्टर अश्विनी वैष्णव ने 18 दिसंबर को लोकसभा में टेलीकम्युनिकेशन बिल 2023 के नए वर्जन को पेश किया।

सेंसेक्स ने 71623 और निफ्टी ने 21,505 का हाई बनाया

मुंबई, 19 दिसंबर (एजेंसियां)। शेयर बाजार में आज यानी मंगलवार (19 दिसंबर) को नया ऑल टाइम हाई बनाया है। आज कारोबार के दौरान सेंसेक्स ने 71623.71 और निफ्टी ने 21,505.05 का स्तर छुआ। इसके बाद बाजार थोड़ा नीचे आया और सेंसेक्स 122 अंक की तेजी के साथ 71,437 के लेवल पर बंद हुआ।

निफ्टी में भी 27 पॉइंट की तेजी है। ये 21,445 के स्तर पर बंद हुआ। सेंसेक्स के 30 शेयरों में से 15 में तेजी और 15 में ही गिरावट देखने को मिली है। एनर्जी, एफएमसीजी, पावर और पीएसई शेयरों में तेजी रही। जबकि आईटी, ऑटो, मेटल और रियल्टी शेयरों में गिरावट रही। कोल इंडिया के शेयर में आज 6.14% की तेजी रही। रुपया अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 8 पैसे कमजोर होकर 83.19 रुपए पर बंद हुआ।

आईएमएफ ने आर्थिक मोर्चे पर भारत को स्टार परफॉर्मर बताया

वैश्विक विकास में भारत का योगदान 16% रहेगा

नई दिल्ली, 19 दिसंबर (एजेंसियां)। अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) ने आर्थिक मोर्चे पर भारत को स्टार परफॉर्मर बताया है। आईएमएफ ने सोमवार को कहा कि डिजिटलीकरण और बुनियादी ढांचा जैसे प्रमुख क्षेत्रों में आर्थिक सुधारों के कारण मजबूत दर से वृद्धि करते हुए भारत एक स्टार परफॉर्मर के रूप में उभरा है। आईएमएफ के अनुसार वैश्विक वृद्धि में भारत का योगदान 16 प्रतिशत से अधिक रहने का अनुमान है।

आईएमएफ में भारत के मिशन नाडा चौइरी ने एक साक्षात्कार में कहा, हम पिछले कुछ समय से देख रहे हैं कि भारत बहुत मजबूत दर से वृद्धि कर रहा है। जब आप दूसरे देशों से वास्तविक विकास के मोर्चे पर तुलना करें तो भारत एक स्टार परफॉर्मर रहा है। यह सबसे तेजी से बढ़ते बड़े उभरते बाजारों में से एक है और यह हमारे मौजूदा अनुमानों में इस साल वैश्विक वृद्धि में 16 प्रतिशत से अधिक का योगदान दे रहा है। अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) ने सोमवार को भारत पर वार्षिक आर्टिकल IV परामर्श जारी किया। इसके अनुसार विवेकपूर्ण वृहद आर्थिक नीतियों कारण इस साल भारत दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं में से एक बनने की राह पर है। चौइरी ने कहा कि फिर भी, अर्थव्यवस्था वैश्विक चुनौतियों का सामना कर रही है, इसका कारण पूरी दुनिया में अलग-अलग क्षेत्रों में तनाव के कारण बढ़ रही मंदी है। चौइरी के अनुसार सरकार बुनियादी ढांचे में निवेश करने और विकास के लिए ठोस आधार के लिए आवश्यक रसद विकसित करने पर जोर दे रही है।

भारत अपनी युवा आबादी का इस्तेमाल कर तेजी से बढ़ सकता है उन्होंने कहा कि भारत में एक बहुत बड़ी और युवा आबादी है और इसलिए यदि संरचनात्मक सुधारों के माध्यम से इस क्षमता का उपयोग किया जाता है तो इसमें मजबूत दर से बढ़ने की क्षमता है।सरकार ने कई संरचनात्मक सुधार किए हैं, जिनमें से प्रमुख डिजिटलीकरण है। बीते वर्षों में इस पर काफी काम हुआ है और भविष्य में उत्पादकता व विकास में वृद्धि के लिहाज से यह देश को एक मजबूत मंच प्रदान करता है। आईएमएफ ने अपनी वार्षिक रिपोर्ट में सिफारिश की है कि नीतिगत प्राथमिकताओं को राजकोषीय बफर को फिर से भरने, मूल्य स्थिरता हासिल करने, वित्तीय स्थिरता बनाए रखने और ऋण स्थिरता को संरक्षित करते पर केंद्रित किया जाना चाहिए।

रिपोर्ट के अनुसार भारत की अर्थव्यवस्था वैश्विक विकास का एक महत्वपूर्ण चालक बनने के लिए महामारी से मजबूती से उबरी है। वित्त वर्ष 2022-23 के दौरान वृद्धि के बाद, हेडलाइन मुद्रास्फीति में औसत रूप से कमी आई है। हालांकि यह अस्थिर बनी हुई है। इसमें कहा गया है कि रोजगार महामारी से पहले के स्तर को पार कर गया है और अनौपचारिक क्षेत्र का दबदबा बना हुआ है जबकि औपचारिकरण में प्रगति हुई है।

भारत का वित्तीय क्षेत्र वैश्विक वित्तीय तनाव से काफी हद तक अप्रभावित

रिपोर्ट में कहा गया है, वित्तीय क्षेत्र लचीला रहा है, जो 2023 की शुरुआत में वैश्विक वित्तीय तनाव से काफी हद तक अप्रभावित रहा है। जबकि बजट घाटा कम हो गया है, सार्वजनिक ऋण ऊंचा बना हुआ है, और राजकोषीय बफर को फिर से बनाने की आवश्यकता है। वैश्विक स्तर पर, भारत की 2023 की जी-20 अध्यक्षता ने बहुपक्षीय नीति प्राथमिकताओं को आगे बढ़ाने में देश की महत्वपूर्ण भूमिका को प्रदर्शित किया है।

रिपोर्ट के अनुसार राजनीतिक मोर्चे पर आम चुनाव अप्रैल 2024 में होने की उम्मीद है। वृहद आर्थिक नीतियां आंशिक रूप से आईएमएफ के पूर्व कर्मचारियों की सलाह के अनुरूप रही हैं। यदि व्यापक सुधारों को लागू किया जाता है तो भारत में अतिरिक्त श्रम और मानव पूंजी की मदद से उच्च विकास का स्तर हासिल करने की क्षमता है।

सोना हुआ महंगा, चांदी हुई सस्ती

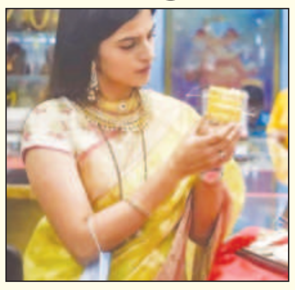

नई दिल्ली, 19 दिसंबर (एजेंसियां)। भारतीय सर्राफा बाजार में आज, 19 दिसंबर 2023 की सुबह सोना महंगा और चांदी सस्ती हुई है. सोना 62 हजार रुपये प्रति 10 ग्राम के पार है तो वहीं, चांदी का भाव 73 हजार रुपये प्रति किलो से अधिक है. राष्ट्रीय स्तर पर 999 शुद्धता वाले 24 कैरेट वाले 10 ग्राम सोने की कीमत 62023 रुपये है. जबकि 999 शुद्धता वाली चांदी की कीमत 73465 रुपये है. इंडिया बुलियन एंड ज्वैलर्स एसोसिएशन के मुताबिक, सोमवार की शाम को 24 कैरेट का शुद्ध सोना 61902 रुपये प्रति 10 ग्राम था, जो आज (मंगलवार) सुबह महंगा होकर 62023 रुपये पर पहुंच गया है. इसी तरह शुद्धता के आधार पर सोना महंगा और चांदी सस्ती हुई है। आधिकारिक वेबसाइट ibjarates.com के मुताबिक, आज 995 शुद्धता वाले सोने की कीमत 61775 रुपये प्रति 10 ग्राम है. वहीं, 916 (22 कैरेट) प्योरिटी वाले गोल्ड प्राइस 56813 रुपये प्रति 10 ग्राम है. 750 (18 कैरेट) प्योरिटी वाले गोल्ड का रेट 46517 रुपये प्रति 10 ग्राम है.

रंग-रूप में बदलाव के साथ एयर इंडिया की नई शुरुआत

सोशल मीडिया पर नए लोगो का इस्तेमाल शुरू

नई दिल्ली, 19 दिसंबर (एजेंसियां)। टाटा समूह के स्वामित्व वाली एयर इंडिया ने मंगलवार को अपने सभी सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म और वेबसाइट पर अपने नए ब्रांड लोगो का इस्तेमाल शुरू कर दिया है। इसके साथ ही विमानन कंपनी ने पुरानी एयर इंडिया₹ से नई एयर इंडिया₹ में इसके पूर्ण परिवर्तन की घोषणा कर दी है। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स (पहले ट्विटर) और इंस्टाग्राम पर एयर इंडिया अब नए लुक में दिख रहा है।

सोशल मीडिया और वेबसाइट पर नए रंग-रूप में दिखा एयर इंडिया

सोशल और वेबसाइट पर नए लोगों को लाइव किए जाने से एक दिन पहले देश भर के हवाई अड्डों पर यात्रियों ने भी एयर इंडिया के काउंटरों पर बदलाव का अनुभव किया। जहां उन्हें अलग-अलग जगहों पर विमानन कंपनी का नया लोगों देखने को मिला।

एयर इंडिया का वेबसाइट नए लोगो के साथ कुछ ऐसा दिखा

नए लोगों को अपनाने के साथ एयर इंडिया ने एक वीडियो पोस्ट किया और लिखा, एयर इंडिया के एक साहसिक, गर्म और जीवंत अध्याय में आपका स्वागत है। संभावनाओं की खिड़कियों के माध्यम से, हम भारतीय विमानन के एक नए युग में प्रवेश का स्वागत करते हैं। वीडियो कई प्रकार की खिड़कियों को दिखाता है जो संभावनाओं की खिड़की के रूप में उनके ब्रांड की सोच को दर्शाता है। बता दें कि अगस्त 2023 में, एयर इंडिया ने एक नई ब्रांड आईडेंटिटी और एयरक्राफ्ट लाइवरी (विमानों पर चिपकाने वाला स्टिकर) का अनावरण किया था। एयरलाइन ने कहा था कि नई एयरक्राफ्ट लाइवरी और डिजाइन में गहरे लाल, ऑबरगिन और गोल्डन हाइलाइट्स के साथ-साथ चक्र से प्रेरित पैटर्न है।

इसी महीने, एयर इंडिया ने अपने केबिन और कॉकपिट क्रू के लिए मनीष मल्होत्रा द्वारा डिजाइन की गई वर्दी की भी पहली झलक दिखाई थी। एयर इंडिया के पहले एयरबस ए350 विमान के उड़ान भरने के बाद नई वर्दी अगले कुछ महीनों में चरणबद्ध तरीके से इस्तेमाल में लाई जाएगी। एयर इंडिया ने दावा किया कि नई वर्दी डिजाइन उसके चालक दल के प्रतिनिधियों और एयरलाइन की इन-फ्लाइट सेवा टीम के साथ गहन परामर्श के बाद विकसित किए गए हैं। इन्हें व्यापक परीक्षण अभ्यास के बाद तैयार किया गया है।

राशन वितरण घोटाले में गिरफ्तार पश्चिम बंगाल के मंत्री के दफ्तर में ईडी का छापा

नई दिल्ली, 19 दिसंबर (एजेंसियां)। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की एक टीम ने करोड़ों रुपये के कथित राशन वितरण घोटाले की जांच के सिलसिले में गिरफ्तार वन मंत्री ज्योतिप्रियो मल्लिक के कार्यालय की मंगलवार को तलाशी ली। एक अधिकारी ने इसकी जानकारी दी। उन्होंने बताया कि केंद्रीय एजेंसी के अधिकारी घोटाले से जुड़े कुछ दस्तावेजों की तलाश में साल्ट लेक में 'अरण य भवन' स्थित मलिक के कार्यालय गए थे। अधिकारी ने कहा, ऐसे संकेत हैं कि मलिक ने अपने वन विभाग कार्यालय में कुछ महत्वपूर्ण दस्तावेज छिपाए होंगे।

आज का तलाशी अभियान उनका पता लगाने के लिए है। पूर्व खाद्य मंत्री को करोड़ों रुपये के कथित राशन वितरण घोटाले में उनकी कथित संलिप्तता से जुड़े मामले में ईडी ने 27 अक्टूबर को तड़के उनके आवास से गिरफ्तार किया था। गिरफ्तार मंत्री का मधुमेह सहित स्वास्थ्य संबंधी कई मुद्दों के लिए सरकारी एसएसकेएम अस्पताल में इलाज चल रहा है।

सरकार ने कच्चे तेल और डीजल के निर्यात पर विंडफॉल टैक्स में की कटौती

नई दिल्ली, 19 दिसंबर (एजेंसियां)। सरकार ने घरेलू स्तर पर उत्पादित कच्चे तेल और डीजल निर्यात पर लागू अप्रत्याशित लाभ कर में बड़ी कटौती की घोषणा की है। इस कदम से इन वस्तुओं पर लगाए गए विशेष अतिरिक्त उत्पाद शुल्क (एसएईडी) में उल्लेखनीय कमी दिखी है।

घरेलू स्तर पर उत्पादित कच्चे तेल पर एसएईडी की दर 5,000 रुपये प्रति टन से घटाकर 1,300 रुपये प्रति टन कर दी गई है। इसके साथ ही डीजल निर्यात पर एसएईडी को एक रुपये प्रति लीटर से घटाकर 0.50 रुपये प्रति लीटर कर दिया गया है। ये बदलाव आज यानी 19 दिसंबर से लागू हैं। हालांकि, इन कटौतियों के बीच सरकार ने एविएशन टर्बाइन फ्यूल (एटीएफ) के निर्यात पर लेवी में इजाफा कर दिया है। इस पर पहले टैक्स नहीं था, लेकिन अब इसे 1 रुपये प्रति लीटर तय किया गया है। यह फैसला भी आज ही यानी 19 दिसंबर से ही प्रभावी होगा। इसके अलावे, पेट्रोल पर एसएईडी शून्य बना रहेगा और हालिया परिवर्तनों से अप्रभावित रहेगा।

पाक्षिक आधार पर होता है कर में संशोधन

अंतरराष्ट्रीय कच्चे तेल और उत्पाद की कीमतों में उतार-चढ़ाव के आधार पर अप्रत्याशित लाभ कर या विंडफॉल टैक्स में पाक्षिक संशोधन होता है। इससे पहले 1 दिसंबर को सरकार ने कच्चे पेट्रोलियम पदार्थों पर अप्रत्याशित लाभ कर को 6,300 रुपये प्रति टन से घटाकर 5,000 रुपये प्रति टन करने की घोषणा की गई थी। इसके अलावा, 16 नवंबर को पिछली समीक्षा के दौरान, सरकार ने क्रूड ऑयल पर अप्रत्याशित लाभ कर को 3,500 रुपये घटाकर 9,800 रुपये प्रति टन से 6,300 रुपये प्रति टन किया था। यह फैसला वैश्विक स्तर पर तेल की कीमतों में गिरावट के कारण लिया गया है।

भारत ने कच्चे तेल की बढ़ती कीमतों से निपटने के लिए जुलाई 2022 में विंडफॉल टैक्स शुरू किया था। यह कर सरकार द्वारा उन उद्योगों पर लगाया जाता है जो अप्रत्याशित रूप से लाभ अर्जित करते हैं। घरेलू स्तर पर उत्पादित कच्चे तेल पर अप्रत्याशित कर तब लगाया जाता है जब वैश्विक बेंचमार्क की दरें 75 डॉलर प्रति बैरल से अधिक हो जाती हैं।

ऑर्गेनिक इंडिया में कंट्रोलिंग हिस्सेदारी खरीदेगी टाटा कंज्यूमर

नई दिल्ली, 19 दिसंबर (एजेंसियां)। फैबइंडिया की ऑर्गेनिक इंडिया में कंट्रोलिंग हिस्सेदारी खरीदने की रेस में टाटा कंज्यूमर प्रोडक्ट्स सबसे आगे है। इस बात की जानकारी मनीकंट्रोल ने मल्टीपल इंडस्ट्री सोर्स के हवाले से दी है।

ऑर्गेनिक इंडिया एक ऑर्गेनिक हर्बल और आयुर्वेदिक हेल्थ प्रोडक्ट्स फर्म है। रिपोर्ट के मुताबिक ऑर्गेनिक इंडिया में कंट्रोलिंग हिस्सेदारी खरीदने के लिए आईटीसी जैसे अन्य दावेदारों में टाटा कंज्यूमर प्रोडक्ट्स सबसे आगे निकल गई है। टाटा कंज्यूमर हेल्थ और ऑर्गेनिक प्रोडक्ट्स सेगमेंट पर फोकस करना चाहती है। ऑर्गेनिक इंडिया कंपनी के इन्वेस्टमेंट थीसिस में फिट बैठती है। दोनों कंपनियों के बीच बातचीत एडवांस स्टेज में है। यह बिजनेस फैबइंडिया के लिए नॉन-कोर है और वे वैल्यू अनलॉक करना चाहते हैं। टाटा कंज्यूमर, ऑर्गेनिक इंडिया को बढ़ाने में मदद कर सकती है। ऑर्गेनिक इंडिया अपनी हर्बल और ग्रीन टी की रेंज के लिए जानी जाती है। यह टाटा के लिए भी एक जरूरी सेगमेंट है। टाटा टी प्रीमियम, टाटा कंज्यूमर का फ्लैगशिप ब्रांड है। एक ईमेल के जवाब में फैबइंडिया के स्पोक्सपर्सन ने कहा, 'हम कई संभावित निवेशकों के साथ बातचीत कर रहे हैं, क्योंकि हमारे कुछ शेयरहोल्डर्स और इन्वेस्टर्स कंपनी से बाहर निकलने की तलाश में हैं। हालांकि, फिलहाल हमारे पास इस बात को लेकर कोई ठोस जानकारी नहीं है।

2023 में 125 बिलियन डॉलर के प्रवाह के साथ भारत वैश्विक प्रेषण सूची में शीर्ष पर

नई दिल्ली, 19 दिसंबर (एजेंसियां)। विश्व बैंक द्वारा जारी नवीनतम आंकड़ों के अनुसार, 2023 में भारत में आवक प्रेषण 12.3 प्रतिशत बढ़कर 125 बिलियन डॉलर हो गया, जो 2022 में 111.22 बिलियन डॉलर था। भारत का आवक प्रेषण अब देश के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) का 3.4 प्रतिशत है।

विश्व बैंक की माइग्रेशन एंड डेवलपमेंट ब्रीफ में कहा गया है कि भारत विश्व स्तर पर प्रेषण का सबसे अधिक प्राप्तकर्ता बना हुआ है, इसके बाद मेक्सिको (67 बिलियन डॉलर) और चीन (50 बिलियन डॉलर) हैं। वर्तमान में दक्षिण एशिया में भेजे जाने वाले कुल प्रेषण में भारत की हिस्सेदारी 66 प्रतिशत है, जो 2022 में 63 प्रतिशत से अधिक है। आंकड़ों के अनुसार, प्रेषण की वृद्धि दर लैटिन अमेरिका और कैरेबियन (8 प्रतिशत) में सबसे अधिक है, इसके बाद दक्षिण एशिया (7.2 प्रतिशत) और पूर्वी एशिया और प्रशांत (3 प्रतिशत) का स्थान है। भारत में बढ़ते प्रेषण के पीछे मुख्य कारक मुद्रास्फीति में गिरावट और उच्च आय वाले देशों में मजबूत श्रम बाजार हैं, जिसने अमेरिका, ब्रिटेन और सिंगापुर में कुशल भारतीयों से प्रेषण को बढ़ावा दिया। भारत में कुल प्रेषण प्रवाह में इन तीन देशों का हिस्सा 36 प्रतिशत है। खाड़ी सहयोग परिषद (जीसीसी) से उच्च प्रवाह ने भी वृद्धि में योगदान दिया, विशेष रूप से संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) से, जो भारत के कुल प्रेषण का 18 प्रतिशत हिस्सा है, जो अमेरिका के बाद दूसरा सबसे बड़ा है।

रिपोर्ट में कहा गया है, भारत में प्रेषण प्रवाह को सीमा पार लेनदेन के लिए स्थानीय मुद्राओं के उपयोग को बढ़ावा देने और भुगतान और मैसेजिंग सिस्टम को इंटरलिंक करने के लिए सहयोग के लिए एक रूपरेखा स्थापित करने के लिए संयुक्त अरब अमीरात के साथ फरवरी 2023 के समझौते से विशेष रूप से लाभ हुआ। सीमा पार लेनदेन में दिरहम और रुपये का उपयोग औपचारिक चैनलों के माध्यम से अधिक प्रेषण को प्रसारित करने में सहायक होगा। एक अन्य महत्वपूर्ण कारक दक्षिण एशिया में कम प्रेषण लागत है। 4.3 प्रतिशत पर, दक्षिण एशिया में 200 डॉलर भेजने की लागत 2023 की दूसरी तिमाही में वैश्विक औसत 6.2 प्रतिशत से 30 प्रतिशत कम है। वास्तव में, मलेशिया से भारत तक प्रेषण लागत दुनिया में सबसे सस्ता 1.9 प्रतिशत है।

निम्न और मध्यम आय वाले देशों (एलएमआईसी) में कुल प्रेषण 2023 में अनुमानित 3.8 प्रतिशत बढ़ गया। विश्व बैंक ने कहा कि वैश्विक मुद्रास्फीति और कम विकास संभावनाओं के कारण प्रवासियों के लिए वास्तविक आय में गिरावट के जोखिम के कारण 2024 में इसके 3.1 प्रतिशत तक नरम होने की उम्मीद है।

दैनिक पंचांग

ग्रह गोचर

श्री पिंगल नामक संवत्सर-विक्रम संवत्- 2080
शक संवत् -1945, सूर्य - दक्षिणायने ,ऋतु- हेमन्त
महावीर निर्वाण संवत् -2550,हिजरी सन् -1444
कलियुग अवधि-432000 (सूर्योदय - 06-44, सूर्यास्त - 17-42)
भोग्य कलि वर्ष-426876
कलियुग संवत् -5124 वर्ष,
कल्पारंभ संवत् -1972949124
सृष्टि ग्रहारंभ संवत्-1955885124
दिशाशूल -- उत्तर - धनिया खाकर घर से निकले
तिथि- अष्टमी - 11 -14 - तक उपरान्त नवमी
मास - मार्गशीर्ष शुक्ल पक्ष , बुधवार 20 December
नक्षत्र - उ.भाद्रपद - 22- 57 - तक उपरान्त रेवती
योग - व्यतिपात - 15 - 56- तक उपरान्त वरियान
करण- बव - 11 -14 - तक उप- बालव
विशेष:-
व्रत -त्योहार - जैन दिवाकर चौथमलजी पुण्य स्था.

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य-	धनु में	धनु....	06-28 बजे
चंद्र-	मीन में	मकर..	08-35 बजे
मंगल	वृश्चिक में	कुंभ...	10-25 बजे
बुध-	धनु पें	मीन...	12-04 बजे
गुरु-	मेष में	मेष--	13-39 बजे
शुक्र-	तुला में	वृष--	15-24 बजे
शनि-	कुंभ में	मिथुन..	17-24 बजे
राहु-	मीन में	कर्क...	19-37 बजे
केतु-	कन्या में	सिंह...	21-48 बजे
		कन्या..	23-55 बजे
		तुला....	02-01 बजे
		वृश्चिक.	04-11 बजे

विशेष:- राशिफल ग्हों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश क लिए जन्म पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति जानने के लिए जन्म कुण्डली दिखाना चाहिए ।

राहुकाल 12:14 से 13:36 तक

श्री पंचागुली ज्योतिष केन्द्र Hyd,Sec

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
लाभ	06:44 - 08:05	शुभ	उत्पात	17:42 - 19:22	अशुभ
अमृत	08:05 - 09:28	शुभ	शुभ.	19:22 - 20:59	शुभ
काल	09:28 - 10:51	अशुभ	अमृत	20:59 - 22:37	शुभ
शुभ.	10:51 - 12:14	शुभ	चंचल	22:37 - 24:14	शुभ
रोग	12:14 - 13:36	अशुभ	रोग	24:14 - 01:51	अशुभ
उत्पात	13:36 - 14:59	अशुभ	काल	01:51 - 03:28	अशुभ
चंचल	14:59 - 16:22	शुभ	लाभ	03:28 - 05:05	शुभ
लाभ	16:22 - 17:42	शुभ	उत्पात	05:05 - 06:44	अशुभ

आपका राशिफल

मेष (चू,चे, चो, ला, ली, लू , ले, लो, अ,) — आपके अहं को आज पूरी तरह से तृप्ति मिलेगी क्योंकि आपके नेतृत्व और संगठन के लिए बहुमूल्य योगदान के लिए आपको पुरस्कृत किया जाएगा । आप परदे के पीछे रहकर अच्छी तरह से काम नहीं कर सकते है , इसलिए आपको अपनी प्रतिभा और क्षमता अपने विभिन्न मुद्दों में जिस पर आप अभी कार्य कर रहे है ।

वृष (ई, उ, ए, जो, वा, वी, वू, वे, वो,) — शिक्षण, लेखन, पत्रकारिता और साहित्य में लगे हुए लोग आज अपने कैरियर में बड़ी सफलता का आनंद ले सकते हैं और आपको अपनी उपलब्धियों के लिए सम्मानित भी किया जा सकता है। आज का दिन शैक्षिक संस्थानों और निर्माण के कारोबार में निवेश के लिए उपयुक्त है। सामान्य रूप से आपको पिछले कुछ दिनों के तनाव को पीछे छोड़ कर एक शांत दिन का आनंद मिलेगा ।

मिथुन (का, की, कू, घ, ड, छ, के, को, ह,) — काम करते हुए आप एक विस्तृत दृष्टिकोण को अपनाते है । यह आपका सकारात्मक पहलू है और इस सप्ताह के अंत में आपका दृष्टिकोण मौद्रिक लाभ में बदलेगा । जोड़-तोड़ से बचें और जो भी करे ईमानदारी से करे । आपके काम की गुणवत्ता आपके काम की मात्रा के बजाय ज्यादा महत्व रखेगी ।

कर्क (ही, हू ,हे , हो, डा , डी, डू, डे, डो,) — यात्रा के अवसरों के लिए बहुत ही खुले दिल से स्वागत करे । ये धन कमाने का एक बेहतरीन मौका है! जो लोग अध्यन कर रहे है उन्हें अप्रत्याशित स्रोतों से अद्भुत अवसर मिल सकते है । आप जिस भी स्थिति मैं है , आप ये याद रखे की एकता में बल है इसलिए सामूहिक प्रयास ही संतोषजनक परिणाम ला सकता है ।

सिंह (मा, मी ,मू ,मे, मो, टा, टी ,टू ,टे,) — यह आपके व्यवसाय के खिलने के लिए के लिए एक शुष्क मौसम है, इसलिए अभी आप अपने व्यक्तित्व को सवारने का प्रयत्न कर सकते हैं। आप एक सक्रिय व्यक्ति हैं और आपकी अच्छी ग्राहक सेवा असंख्य बार आपके ग्राहकों को वापस लाने के लिए प्रेरित करेगी । आपके व्यय नियंत्रण में है क्योंकि आप हमेशा से सरल तरीको से अपने खर्चे का निर्वाह करते हैं ।

कन्या (टो, पा, पी, पू ,ष, ण, ठ, पे ,पो,) — एक दोस्त या एक गाइड के माध्यम से छात्रों को एक नया करियर विकल्प मिल सकता है और आप अपने करियर के रूप में इसे चुन सकते हैं पर आपको एक गहन अनुसंधान की सलाह दी जाती है। आज पेशेवरो में नयी उर्जा का संचार हो सकता है । यह किसी भी परियोजना को शुरू करने के लिए एक अच्छा दिन है।

तुला (रा, री, रू ,रे ,रो , ता, ती, तू ,ते,) — आप में अति आत्मविश्वास पैदा होगा क्योंकि आपके सारे कार्य बड़ी खूबसूरती के साथ क्रियान्वयन हो रहे है। आज समय है की आप अपना कदम पीछे ले और सोचे की वास्तव में आप के लिए क्या आवश्यक है , उसका मूल्यांकन करे और ध्यान दे की आप अपनी क्षमताओ से क्या हासिल कर सकते हैं ।

वृश्चिक (तो,ना,नी, ने,नू, नो, या, यी ,यू,) — आप एक लंबे समय से सीधे और संकीर्ण रास्ते में कठिन काम कर रहे है, लेकिन आज आप अपने कार्य को पूरा करने के लिए प्रवंचना या चतुराई का सहारा ले सकते है , हालाँकि ये एक अनावश्यक जोखिम है। लोग आसानी से आपके तंत्र को पहचान लेंगे और इसे अपराध के रूप में लेंगे और आपने सालो से जो प्रतिष्ठा कमाई है वो आप गवां सकते है ।

धनु (ये, यो,भा, भी, भू धा ,फा, ढा, भे) — जिन परियोजनाओं पर आप लम्बे समय से लग्न के साथ कार्य कर रहे थे , इस मोड़ पर आप उन्हें सार्वजनिक कर सकते है, और इस तरह से आप अपनी शैली में मंच पर आगे की और शान से रुख कर सकते है । आपके काम की विशिष्टता आपको सम्मान दिलाएगी जब यह सबके सामने आएगी , हालांकि गोपनीयता बना कर रखना समय की मांग है ।

मकर (भो, जा, जी, खो, खू, खे, खो, गा, गी) — आज के दिन आप अपने आप को प्रौद्योगिकी में पिछड़ा हुआ सा महसूस करेंगे । आपको अपने सहकर्मियों से आगे निकलने के लिए कुछ नयी प्रौद्योगिकी एवं कौशल सीखना होगा । आज आप एक योजनाकार और आत्मा मंथन मुद्रा में रहेंगे । अपने वरिष्ठ सहकर्मियों से मदद लें।

कुंभ (गू, गे ,गो, सा, सी, सू, से, सो, दा,) — आप कुछ समय से अपनी विलम्ब परियोजनाओं के लिए धन संचित कर रहे थे और अब अपनी योजनाओ के क्रियान्वयन का ये सही समय है । जब आप कुछ वस्तु खरीदने जायेंगे तो हो सकता है की आप कुछ बड़ी एवं सुव्यस्थित चीज को देखकर उसे खरीदने की सोचे परन्तु आपको अपने बजट के भीतर रहकर ही काम करना है।

मीन (दी, दू,थ, झ, ञ, दे, दो, चा,ची) — नए और अलग अलग कार्य करने के अवसर आज आपके रास्ते में आएंगे । आज नए ग्राहक और विभिन परियोजनाए आपके पास आ सकती है और कुछ में तो इतनी संभावना होगी की वो आपकी सपनो की या महत्वपूर्ण परियोजना बन सकती है । इस अवसर का फायदा उठाने के लिए, आपको आज अतिरिक्त मेहनत करनी होगी, और आप इसे करते हुए आनंद को महसूस करेंगे ।

पं ।महेशचन्द्र शर्मा 9247132654, 8309517693

मैं बस ड्राइवर, पति कंडक्टर

रोज 13 घंटे 500 किलोमीटर बस चलाने के मिलते सिर्फ 200 रुपए, साथ में सुनती है भद्दी गालियां

नई दिल्ली, 19 दिसंबर (एक्सक्लूसिव डेस्क)। मैं वेद कुमारी बस ड्राइवर हूं। दिल्ली से बदायूं और बदायूं से दिल्ली यूपी रोडवेज की बस से यात्रियों को ले जाती और ले आती हूं। डिपो से बस लेकर बदायूं पहुंचने में 6 घंटे लगते हैं और वापसी में भी इतने ही घंटे। हर दिन 12-13 घंटे बस चलाती हूं। बस चलाते हुए घर-परिवार भी संभालती हूं। दो बच्चों की मां हूं और उनकी परवरिश में कोई कमी नहीं होने देती। बस चलाना आसान नहीं है, एक महिला के लिए कितना कुछ चुनौतीपूर्ण रहा है।

मेरा जन्म बुलंदशहर के दिग्गी में हुआ। जब छोटी थी तब साइकिल चलाने का बहुत शौक था। मेरे घर में साइकिल नहीं थी। मां के पास इतने पैसे नहीं थे कि साइकिल खरीद सकें। तब पड़ोस के लड़के की साइकिल लेकर चलाती। मां ने कभी इस पर बंदिश नहीं लगाई कि लड़की होकर साइकिल क्यों चलाती हो?

जब शादी के बाद ससुराल पहुंची तो वहां एक रिश्तेदार की स्कूटी थी। मैंने उनकी स्कूटी लेकर चलाना सीखा। कुछ समय बाद मेरे देवर को शादी में बाइक मिली तो मुझे बाइक चलाने की इच्छा होती। जब घर के सारे लोग खेतों में चले जाते तो मैं आंगन में ही बाइक चलाने लगती। आंगन बड़ा था और कई राउंड लगाती।

आंगन से गली में पहुंची। कभी साड़ी तो कभी सलवार सूट में ही गली में बाइक से कई राउंड लगाती। कुछ ही दिनों में में गली से होते हुए सड़कों पर निकलने लगी। जैसे बाइक सीखी वैसे ही एक बार एक जान पहचान के व्यक्ति की कार मिल गई तो कार चलाना भी सीख लिया। फिर फोर व्हीलर का लाइसेंस भी बनवा लिया।

कानपुर में रोडवेज की बस चलाने की ट्रेनिंग ली

जब यूपी रोडवेज में वैकेंसी आई तब मैंने भी अप्लाई किया। तब मुझे कई लोगों ने कहा कि कई दूसरे सेक्टर हैं जहां नौकरी कर सकती हो। लेकिन मैं यही चाहती थी कि किसी भी तरह से अपने पैरों पर खड़ी हो जाऊं। गाड़ी चलाने का शौक मेरे अंदर जुनून की तरह भरा हुआ है। इसलिए मैंने मौके को हाथ से नहीं जाने दिया। 2021 में यूपी रोडवेज में सिलेक्शन हुआ और कानपुर में ट्रेनिंग शुरू हो गई। 7 महीने की ट्रेनिंग हुई। चार महीने की लाइट मोटर व्हीकल और 3 महीने की ट्रेनिंग हैवी मोटर व्हीकल की हुई। ट्रेनिंग के बाद डिपो भेजा गया। इसके बाद बस चलाने की ट्रेनिंग शुरू हुई। पहले 7 महीने की ट्रेनिंग हुई। अभी भी ट्रेनिंग में हूं जो कि जनवरी में पूरी हो जाएगी। मेरे साथ सह चालक भी होते हैं जो मुझे गाइड करते हैं। ओवरटेक होने या बीच सड़क पर गाय-भैंस आ जाए तो कैसे बस पर कंट्रोल करना है ये सब ट्रेनिंग का हिस्सा रहा है। ओवरटेक सुरक्षित जगह पर करना है या सड़क पर भीड़ है या लोग जमा हैं तो कैसे साइड लेकर चलना, ये सारी बारीकियां सीखी।

निर्भया फंड से ही ट्रेनिंग कराई गई

कानपुर में मेरी ट्रेनिंग कौशल विकास मिशन के जरिए हुई। इस मिशन के लिए फंड निर्भया फंड से दिया गया। परीक्षा पास करने के बाद मुझे गाजियाबाद क्षेत्र की मॉनिटरिंग के लिए बुलाया गया।

मुख्यमंत्री आदित्यनाथ योगी ने 51 बसों को हरी झंडी दिखाई। जो लिस्ट बनी उसमें सबसे पहले मेरा नाम था। मैं स्टियरिंग सीट पर बैठी तब सीएम ने मुझे आगे बढ़ने की बधाई दी।

जिस बस की मैं ड्राइवर, उसी बस में पति कंडक्टर

मेरे पति 2006 से ही यूपी रोडवेज में नौकरी कर रहे हैं। वो बस में कंडक्टर हैं। जब मैं बस ड्राइवर बनी तो मुझे लोनी डिपो दिया गया। मैंने आवेदन दिया कि मैं और मेरे पति को एक बस में ड्यूटी दी जाए ताकि घर से आने-जाने में सुविधा हो। आज मैं और मेरे पति एक ही बस में रहते हैं। मैं बस चलाती हूं, वह यात्रियों का टिकट काटते हैं। मुझे बस चलाता देख कई लोग वीडियो बनाते हैं, तारीफ करते हैं, सेल्फी लेते हैं। जब यात्रियों को पता चलता है कि बस में टिकट काटने वाला शख्स मेरा पति है तो वे और खुश होते हैं।

बस चलाना आसान नहीं है। कौशांबी से बदायूं एक तरफ से ही जाने में 6 घंटे लग जाते हैं। वापसी में भी फिर इतना समय लगता है। हर दिन 12-13 घंटे ड्राइविंग करने के लिए फोकस जरूरी है। ट्रैफिक का ध्यान रखना होता है। लेकिन कई बार अपनी साइड से पता नहीं चलता। कार वाले कभी लेफ्ट तो कभी राइट रॉन्ग साइड से निकल जाते हैं। हम आगे बैठते हैं तो पीछे वाली गाड़ियों का कई बार पता नहीं चलता। तब बहुत सावधानी से बल चलनी पड़ती है। देहात वाले इलाकों में जोखिम अधिक होता है। कोई कहीं से सड़क पार कर लेता है या कोई कहीं से भी कट मार देता है। हमें ध्यान रखना होता है कि कहीं से कोई भी एक्सीडेंट नहीं हो।

बदायूं से लौटने पर रात हो जाती है। कई बार रात के 2-3 बज जाते हैं। बस डिपो में लगाने के बाद तुरंत घर नहीं लौट पाती। गाजियाबाद अपने घर पर लौटने के लिए ऑटो या कोई दूसरा साधन नहीं मिलता। तब पौ फटने तक बस में ही सो जाती हूं। सुबह घर पहुंच कर बच्चों का खाना तैयार करती हूं। वे टिफिन लेकर चले जाते हैं। कुछ देर रेस्ट करने के बाद लंच तैयार करती हूं फिर वापस डिपो चली जाती हूं। इस शिड्यूल के बीच खुद के लिए कई बार टिफिन पैक नहीं कर पाती। तब कई बार ढाबे पर ही खाना पड़ता है।

हर दिन के 200 रुपए मिलते हैं, किसी तरह गुजारा होता है

बस चलाने की एवज में मुझे हर दिन 200 रुपए मिलते हैं। संविदा पर हूं इसलिए मानदेय काफी कम है। बमुश्किल 6,000 रुपए महीने के होते हैं। पति भी संविदा पर ही हैं। ऐसे में दोनों के पैसे मिलाकर भी घर चलाना मुश्किल होता है। बच्चों की पढ़ाई-लिखाई, राशन, दवा सब कुछ के लिए पैसे कम पड़ जाते हैं। लोग कहते हैं कि यह काम क्यों चुना?

मैं बताती हूं कि अगर मैंने यह काम छोड़ दिया तो सोसाइटी को मैसेज गलत जाएगा। फिर दूसरी लड़की ड्राइविंग में नहीं आएगी। मेरे लिए यह सिर्फ नौकरी नहीं है बल्कि एक मुहिम है। नारी शक्ति की पहचान है।

लड़की हार्ड वर्क नहीं कर सकती, बस-ट्रक तो चला ही नहीं सकती, इन सभी गलतफहमियों को मैंने झुठलाया है। सरकार हमारी नौकरी पक्की कर दे तो पैसे रुपए को लेकर हमारी भी तंगी दूर हो जाएगी।

नई बसें नई टेक्नोलॉजी से लैंस हैं। डिपो से जब गाड़ी लेकर निकलती हूं तो लाइट, इंडिकेटर, टायर सबकुछ चेक करना पड़ता है। बस में सेंसर लगा हुआ है। कहीं भी कोई फॉल्ट दिखने पर पता चल जाता है कि कहां खराबी है। इसलिए टेक्नोलॉजी से हमेशा अपडेट रहना पड़ता है। पॉवर स्टयेरिंग है। 60 किमी प्रति घंटे की स्पीड से बस दौड़ाती हूं। ओवरस्पीड नहीं कर सकते। हर दिन डीजल एवरेज भी देना होता है।

मेरे पापा टीचर थे। उनकी दो शादियां हुईं। बड़ी मम्मी की कोई संतान नहीं होने पर दूसरी शादी हुई। हम तीन भाई और चार बहनें हैं। जब मैं छोटी थी तभी पापा चल बसे। तब दोनों मां ने हम बच्चों को पाला। मां को अनुकंपा पर नौकरी मिली तो किसी तरह घर चल पाता। दसवीं पूरा करते ही मेरी शादी हो गई। ससुराल पहुंचने के बाद मैंने ग्रेजुएशन पूरा किया। जैसे मायके में खुले विचारों वाले लोग हैं वैसे ही ससुराल से भी काफी सपोर्ट मिला।

वेदवती से वेद कुमारी बन गई

कई लोग वेद कुमारी नाम जानने पर सोचते हैं कि कोई पुरुष है। गलती से नाम में कुमारी लग गया होगा। दरअसल, गांवों में लोग कलावती, लीलावती नाम रखते हैं ठीक वैसे ही मेरा नाम वेदवती रखा गया। जब स्कूल में मुझे टीसी दिया गया तो उसमें मेरा नाम वेद कुमारी कर दिया गया। तब से मेरा नाम वेद कुमारी हो गया।

छत्तीसगढ़ विधानसभा अध्यक्ष बने रमन सिंह

5 साल बाद सत्ता में लौटी भाजपा, 15 साल सीएम रहे, अब नई भूमिका में

रायपुर, 19 दिसंबर (एजेंसियां)। तीन बार के मुख्यमंत्री डॉ. रमन सिंह विधानसभा अध्यक्ष चुने गए। वे मुख्यमंत्री की दौड़ में शामिल थे, लेकिन विष्णुदेव साय के सीएम बनने के बाद विधानसभा अध्यक्ष की चर्चा हो गई। छत्तीसगढ़ में अजीत जोगी के बाद डॉ. रमन 2003 से 2018 तक 15 साल प्रदेश के मुखिया रहे। 2018 में भाजपा चुनाव हारी और कांग्रेस के भूपेश बघेल को कमान मिली। अब 5 साल में सत्ता वापसी के बाद रमन सिंह विधानसभा अध्यक्ष बनाए गए हैं।

यह नाम बीजेपी हाईकमान ने लोकसभा चुनाव के मैनेजमेंट को नजर में रखते भी लिया है। पर्यवेक्षकों में झारखंड के पूर्व सीएम अर्जुन मुंडा के अलावा केंद्रीय मंत्री सर्बानंद सोनोवाल और पार्टी नेता दुष्यंत कुमार गौतम को रायपुर भेजा गया था।

रमन सिंह विधानसभा अध्यक्ष क्यों ?

15 सालों तक मुख्यमंत्री रहते हुए रमन सिंह खुद को साबित कर चुके हैं। पार्टी ने इस चुनाव में भी उन्हें चेहरे के तौर पर आगे ही रखा। टिकट वितरण में रमन सिंह की ही चली। बीजेपी हाईकमान की नजर लोकसभा चुनाव पर है। रमन सिंह का मैनेजमेंट भाजपा को जीत की ओर ले जा सकता है। रमन सिंह हिन्दू धर्म से और जाति से राजपूत हैं, लेकिन सभी वर्गों में स्वीकार्य नेता भी हैं। बेहद अनुभवी हैं।

छत्तीसगढ़ निर्माण के बाद 2003 में पहला विधानसभा चुनाव होना था। तीन सालों में अजीत जोगी के नेतृत्व में कांग्रेस और मजबूत हुई थी, लेकिन बीजेपी में बिखराव की स्थिति थी। ऐसे में बीजेपी के तत्कालीन राष्ट्रीय अध्यक्ष वेंकैया नायडू ने दो वरिष्ठ सांसदों रमेश बैस और दिलीप सिंह जूदेव को प्रदेश बीजेपी की कमान देनी चाही, लेकिन वे तैयार नहीं हुए।

इसके बाद नायडू ने फोन कर डॉ. रमन से बात की तो वे तैयार हो गए, लिहाजा उन्हें ये जिम्मेदारी दे दी गई। फिर साल 2003 के चुनाव में बीजेपी को 90 में से 50 सीटों पर जीत मिली। इसके बाद रमन सिंह छत्तीसगढ़ के पहले निर्वाचित मुख्यमंत्री बने। 2018 तक डॉ. रमन सिंह 15 सालों तक प्रदेश के सीएम रहे।

चुनाव आयोग में दिए शपथ पत्र के अनुसार डॉ रमन सिंह पास 4 करोड़ की संपत्ति है। वहीं, उनकी पत्नी के पास 1.21 करोड़ और बच्चों के पास 2.53 करोड़ की प्रॉपर्टी है। उनकी इनकम के सोर्स में सैलरी-भत्ते, खेती, किराया और सेविंग पर ब्याज दर्ज है। उनके पास गोल्ड, सिल्वर के अलावा हीरे हैं। उनकी कुल कीमत 53 लाख रुपए है। वहीं उनकी पत्नी के पास 2 करोड़ रुपए की ज्वेलरी है, पारिवारिक तौर पर 12लाख 40 हजार रुपए की ज्वेलरी का जिक्र किया है। इतनी संपत्ति होने के साथ ही उनके पास 21 लाख रुपए का लोन भी है।

सीएम सोरेन ने साधा पिछली सरकारों पर निशाना

हजारीबाग, 19 दिसंबर (एजेंसियां)। झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने सोमवार को पिछले दो दशकों से राज्य के गरीब लोगों की कथित कुशासन और उपेक्षा के लिए पिछली सरकारों की खिंचाई की।इसके विपरीत, कोयले पर 1.36 लाख करोड़ रुपये की रॉयल्टी का भुगतान करने में केंद्र के टालमटोल के बावजूद झारखंड ने पिछले चार वर्षों में जबरदस्त प्रगति की है। सोरेन ने दावा किया कि दिसंबर, 2019 में राज्य में झामुमो के नेतृत्व वाले गठबंधन के सत्ता में आने के बाद वह मुख्यमंत्री बने।

15 नवंबर 2000 को झारखंड अस्तित्व में आया और तब से राज्य में ज्यादातर भाजपा का ही शासन रहा है। सोरेन ने कहा कि पिछली सरकारों ने झारखंड के लोगों, खासकर समाज के कमजोर वर्ग के लिए कुछ नहीं किया। विधवाओं सहित गरीब लोगों को अपनी पेंशन पाने के लिए दर-दर भटकना पड़ता था। वह हजारीबाग जिले के इचाक में 'आपकी योजना-आपकी सरकार-आपके द्वार (आपकी योजना, आपकी सरकार, आपके द्वार)' या अयासाद कार्यक्रम पर एक सभा को संबोधित कर रहे थे। झामुमो के कार्यकारी अध्यक्ष ने कहा, 'डीवीसी कमांड क्षेत्र के तहत सात जिलों में पिछले शासन के दौरान बकाया भुगतान के बहाने बिजली काट दी गई थी। सीएम ने आरोप लगाया कि भाजपा के नेतृत्व वाले केंद्र ने भ्रष्टाचार के आरोप लगाकर झारखंड सरकार को परेशान करने की कोशिश की और प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) का इस्तेमाल किया। मुख्यमंत्री ने कहा, 'ईडी ने मुझे और कई अन्य अधिकारियों को समन जारी किया लेकिन हमने उसे नजरअंदाज किया और राज्य का विकास किया और इसकी अर्थव्यवस्था में सुधार किया।' गौरतलब है कि ईडी ने कथित भूमि घोटाले से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में पूछताछ के लिए झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को कई समन जारी किए हैं। सोरेन ने उम्मीद जताते हुए कहा, 'झारखंड सरकार ने जल्द ही डीवीसी से छुटकारा पाने के लिए और अधिक बिजली पैदा करने का फैसला किया है।' झारखंड सरकार ने जल्द ही डीवीसी से छुटकारा पाने के लिए और अधिक बिजली पैदा करने का फैसला किया है। सोरेन ने उम्मीद जताते हुए कहा कि अगले एक साल में राज्य बिजली उत्पादन में आत्मनिर्भर हो जाएगा और लोगों को अब बिजली के लिए डीवीसी पर भी निर्भर रहने की जरूरत नहीं पड़ेगी।

पुलिस-नक्सली मुठभेड़

माओवादियों ने जवानों पर दागे बीजीएल, जवाबी कार्रवाई में भागे नक्सली, सर्च ऑपरेशन जारी

बीजापुर, 19 दिसंबर (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के बीजापुर जिले में पुलिस और नक्सलियों के बीच मुठभेड़ हुई है। बताया जा रहा है कि सर्चिंग पर निकले जवानों पर नक्सलियों ने बीजीएल (बैरल ग्रेनेड लॉन्चर) दागे हैं। हालांकि, जवान सुरक्षित हैं। जवाबी कार्रवाई में नक्सली मौके से भाग निकले हैं। इलाके में सर्चिंग जारी है। मामला जिले के बासागुड़ा थाना क्षेत्र का है।

जानकारी के मुताबिक, जिले के नक्सल प्रभावित इलाके चिन्नागेलूर की तरफ सीआरपीएफ और एसटीएफ के जवान सर्चिंग पर निकले थे। इसी बीच जवानों को आता देख नक्सलियों ने उन पर बीजीएल(बैरल ग्रेनेड लॉन्चर) दाग कर फायरिंग की। जिसके बाद जवानों ने मोर्चा संभाला और नक्सलियों की गोलियों का मुंहतोड़ जवाब दिया।

दोनों तरफ से हुई गोलीबारी में जवानों को भारी पड़ता देख नक्सली घने जंगल का फायदा उठाकर भाग निकले। फायरिंग रुकने के बाद जवान इलाके की सर्चिंग कर रहे हैं। पुलिस अफसरों का कहना है कि जब जवान लौटेंगे उसके बाद सारी जानकारी मिल पाएगी।

शीतलहर को लेकर अलर्ट जारी

राज्य के पश्चिमी हिस्से में शीतलहर की संभावना, रांची का तापमान हुआ 10 डिग्री सेसि

रांची, 19 दिसंबर (एजेंसियां)। झारखंड में शीतलहर का दौर चल रहा है। अधिकांश जिले का तापमान 10 डिग्री सेसि के आसपास पहुंचा हुआ है। अगले दो दिनों तक सुबह और शाम में ठंडी हवाओं का असर बरकरार बना रहेगा। शीतलहर को लेकर मौसम विभाग ने अलर्ट जारी किया है। जिसमें कहा गया है कि देर रात और अहले सुबह अगर बहुत जरूरी न हो तो घर के बाहर निकलने से बचें। मौसम विभाग के पूर्वानुमान के मुताबिक राज्य के पश्चिमी हिस्से में शीतलहर की पूरी संभावना है। राजधानी रांची की बात करें तो यहां सुबह हल्की धुंध वाली स्थिति रही। इसके बाद मौसम साफ हो गया है।

ग्रामीण इलाकों में ठंड का असर अधिक

झारखंड में ठंड का असर ग्रामीण इलाकों में सबसे अधिक देखने को मिल रहा है। राजधानी रांची से सटे कांके सहित कई ग्रामीण इलाकों में शीतलहरी का असर दिख रहा है। न्यूनतम तापमान लगातार 5 डिग्री सेल्सियस के नीचे चल रहा है। बिरसा एग्रीकल्चर यूनिवर्सिटी स्थित मौसम केंद्र की ओर से मिली जानकारी के अनुसार कांके का तापमान सोमवार को 4 डिग्री सेल्सियस रिकार्ड किया गया। वहीं राजधानी के शहरी क्षेत्र में न्यूनतम तापमान 2 डिग्री सेल्सियस चढ़ा है। राजधानी का नियंत्रण तापमान 10.2 डिग्री सेल्सियस रिकार्ड किया गया है।

रांची एयरपोर्ट स्थित मौसम विज्ञान केंद्र के मुताबिक 22 दिसंबर को तापमान चढ़ सकता है। इस दौरान सुबह में कोहरा रह सकता है। मौसम शुष्क रहेगा। फिलहाल बारिश की कोई संभावना नहीं है। न्यूनतम तापमान 7 से 11 डिग्री के बीच रह सकता है। फिलहाल ग्रामीण क्षेत्रों में तापमान शहरी छात्रों से दो से तीन डिग्री नीचे चल रहा है।

रांची के मौसम का पूर्वानुमान

20 दिसंबर : राज्य के पश्चिमी हिस्से में शीतलहर की संभावना, वहीं राजधानी में सुबह में कोहरा या धुंध, बाद में आसमान मुख्यतः साफ रहेगा और मौसम शुष्क बना रहेगा

21 व 22 दिसंबर : सुबह में कोहरा या धुंध, बाद में आसमान मुख्यतः साफ रहेगा और मौसम शुष्क बना रहेगा

बाइक की आमने-सामने जोरदार टक्कर

दो की मौत, कई घायल

जांजगीर चांपा, 19 दिसंबर (एजेंसियां)। जांजगीर चांपा जिले के मेऊभाटा के पास मेन रोड में दो बाइक में आमने-सामने जोरदार टक्कर हुई है। जिसमें दो लोगों की मौत हुई है। वहीं महिला सहित तीन लोगों घायल हुए हैं। घायलों को उपचार के लिए पामगढ़ अस्पताल लाया गया। गंभीर चोट लगने के बाद उपचार के लिए बिलासपुर रेफर किया गया है। घटना पामगढ़ थाना क्षेत्र की है।

मिली जानकारी के मुताबिक, ग्राम खिसोरा के रहने वाला करण कोसले अपने दो दोस्तों के साथ मिलकर गिरौधपूरी घूमने गए हुए थे। तीनों एक बाइक पर सवार होकर वापस अपने घर जा रहे थे। वहीं दूसरी बाइक में सवार मनोज संडे अपनी पत्नी के साथ शिवरीनारायण की ओर जा रहे थे।

दोनों की बाइक मेऊभाटा मेन रोड के पास आमने-सामने जोरदार टक्कर हो गई। दोनों बाइक की टक्कर से बाइक सवार सभी एक दूसरे से दूर जा गिरे। सभी घायलों को उपचार के लिए पामगढ़ अस्पताल लाया गया। जहां डॉक्टर ने जांच उपरांत करण कोसले और मनोज संडे को मृत घोषित कर दिया। वहीं घायल महिला और दो युवकों को गंभीर चोट आने पर प्राथमिक उपचार के बाद बिलासपुर रेफर किया गया है।

दोनों मृतक के शव को पामगढ़ अस्पताल के मॉर्चुरी में रखा गया है। आज मंगलवार को पोस्टमार्टम कराकर शव को परिजनों को सौंप दिया जाएगा।

झारखंड विधानसभा से भाजपा के तीन विधायक सस्पेंड

सदन में हंगामा करने का आरोप

रांची, 19 दिसंबर (एजेंसियां)। झारखंड विधानसभा से भाजपा के तीन विधायकों को पूरे शीतकालीन सत्र के लिए निलंबित कर दिया गया है। आरोप है कि भाजपा विधायक सदन में हंगामा कर रहे थे और सदन की कार्यवाही में व्यवधान पैदा कर रहे थे। बता दें कि झारखंड विधानसभा में यह कार्यवाही ऐसे वक्त हुई है, जब लोकसभा में हंगामे करने के आरोप में विपक्ष के 141 सांसदों को निलंबित कर दिया गया है। खबर के अनुसार, झारखंड विधानसभा के स्पीकर रबिंद्रनाथ महतो ने भाजपा विधायकों भानु प्रताप शाही, बिरंची नारायण और जेपी पटेल को विधानसभा में हंगामा करने के आरोप में शीतकालीन सत्र से निलंबित कर दिया।

सदन में हंगामा जारी

भाजपा विधायकों के निलंबन के बाद अन्य सभी भाजपा विधायकों ने सदन से वॉकआउट किया। बीजेपी नेता प्रतिपक्ष अमर बाउरी ने पार्टी विधायकों के निलंबन के खिलाफ सदन के बहिष्कार की घोषणा कर दी, जिसके बाद सभी भाजपा विधायक सदन से बाहर चले गए। झारखंड विधानसभा के शीतकालीन सत्र का मंगलवार को तीसरा दिन है। भाजपा सीएम हेमंत सोरेने को ईडी का समन जारी होने और कांग्रेस सांसद धीरज साहू के ठिकानों से 350 करोड़ रुपये से ज्यादा की बरामद होने के मुद्दे पर सत्ता पक्ष को घेरने का प्रयास कर रही है। जिसके चलते झारखंड विधानसभा का शीतकालीन सत्र हंगामेदार चल रहा है।

संसद स्मोक अटैक के बाद सीजी विधानसभा की बढ़ी सुरक्षा

रायपुर, 19 दिसंबर (एजेंसियां)। दिल्ली संसद में हुए स्मोक अटैक के बाद छत्तीसगढ़ विधानसभा की सुरक्षा बढ़ा दी गई है। यहां तैनात होने वाले पुलिस जवानों की संख्या बढ़ाने का फैसला लिया गया है। यह पहली बार होगा जब आम लोगों को विधानसभा में एंट्री नहीं दी जाएगी। सिर्फ ऐसे लोगों को एंट्री मिलेगी जिन्हें अधिकृत पास जारी किए गए हैं।

आम लोग हर बार की तरह इस बार दर्शक दीर्घा में नहीं बैठ पाएंगे। उनके लिए अलग से रेस्ट रूम में स्क्रीन लगाई जाएगी। पुलिस ने सुरक्षा व्यवस्था को ध्यान में रखकर हुए इस बार इंतजाम किया है कि विधायकों के अलावा सदन भीतर लोगों को एंट्री ना मिले। अधिकृत मीडियाकर्मी ही मीडिया गैलरी से विधानसभा सत्र की कवरेज करेंगे।

सोमवार शाम को रायपुर आईजी रतन लाल डांगी ने एक हाई प्रोफाइल बैठक ली। जिसमें एसएसपी प्रशांत अग्रवाल, सीएसपी, थाना प्रभारी और इंटेलिजेंस के अधिकारी शामिल रहे।

600 से अधिक जवानों की तैनाती

विधानसभा के भीतर और बाहर सुरक्षा कर्मियों की तैनाती होगी। 600 से अधिक पुलिस जवानों की टीम विधानसभा को घेरकर रखेगी। तीन दिनों तक चलने वाले सत्र में पहली बार इस तरह की सुरक्षा इंतजाम किए गए हैं। आईजी ने सुरक्षा व्यवस्था को चाक-चौबंद रखने के निर्देश अधिकारियों को दिए हैं। विभागीय सूत्रों ने बताया कि इस बार सुरक्षा में सख्ती की जाएगी।

विधायक लेंगे शपथ

19 से 21 दिसंबर तक चलने वाले विधानसभा के शीतकालीन सत्र में पहले दिन 19 दिसंबर को छत्तीसगढ़ के सभी नवनिर्वाचित विधायक शपथ लेंगे। प्रोटेम स्पीकर रामविचार नेताम इन विधायकों को शपथ दिलाएंगे। पहले दिन शपथ की कार्रवाई के कुछ देर बाद विधानसभा का सत्र अगले दिन के लिए स्थगित कर दिया जाएगा।

50 लाख का वेतन घोटाला

गरियाबंद, 19 दिसंबर (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के गरियाबंद में कर्मचारियों के वेतन में 50 लाख रुपए का घोटाला हो गया। आरोप है कि राजिम नगर पंचायत में 43 कर्मचारी काम कर रहे हैं, लेकिन वेतन का भुगतान 53 को किया जा रहा है। 4 साल से यह फर्जीवाड़ा जारी है। इसका खुलासा (सूचना के अधिकार) आरटीआई में मांगी जानकारी के बाद हुआ है। नगर पंचायत में प्लेसमेंट एजेंसी के जरिए 43 कर्मचारियों की नियुक्ति की गई। इनके वेतन का भुगतान प्लेसमेंट एजेंसी के जरिए किया जा रहा है, लेकिन लिस्ट में 10 अतिरिक्त कर्मचारियों के नाम जोड़े गए। हालांकि सीएमओ का कहना है कि वे सफाई कमांडो हैं, जिनका पेमेंट एजेंसी के साथ किया जा रहा है। आरटीआई कार्यकर्ता विनीत पारख ने बताया कि, सरकार से जारी नोट शीट के मुताबिक, नगर पंचायत में 43 कर्मचारियों की भर्ती होनी थी। इनमें कुशल, अर्धकुशल और अकुशल कर्मचारी शामिल हैं।

चोर डीजल भी नहीं छोड़ रहे

कोरबा, 19 दिसंबर (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के कोरबा में डीजल चोरों का आतंक थमने का नाम नहीं ले रहा है। गेवरा खदान में डीजल चोर गिरोह का आतंक सामने आया है। जहां डीजल चोर गिरोह के बदमाश हथियार लेकर घुसते हैं। गेवरा खदान के बी टू कोल स्टोक से बुलेरों समेत 225 लीटर डीजल सीआईएसएफ ने पकड़ा है।

गेवरा खदान में डीजल चोरी की घटना लगातार घट रही है। सीआईएसएफ के सर्चिंग के दौरान डीजल चोर गिरोह वाहन छोड़ भाग निकले। जब्त किए गए बुलेरो वाहन में 35 लीटर के पांच डिब्बों में 225 लीटर डीजल पुलिस ने सौंप दिया दिया है। जिसकी अनुमानित कीमत 25500 बताई जा रही है। दीपका पुलिस डीजल चोरी के मामले में धारा 379, 34 के तहत अपराध पंजीबद्ध कर कार्रवाई कर रही है।

हाइड्रा वाहन की चपेट में आने से ग्रामीण की हुई दर्दनाक मौत

कोरबा, 19 दिसंबर (एजेंसियां)। कोरबा में सड़क हादसा हो गया है। जहां हाइड्रा वाहन की चपेट में आने से एक ग्रामीण की मौत हो गई है। हादसे के बाद स्थानीय लोगों ने सड़क पर शव को रखकर चक्काजाम कर दिया है। हादसे के बाद स्थानीय लोगों का हंगामा जारी है। घटना के बाद सड़क के दोनों तरफ वाहनों की लंबी कतार से लोग परेशान हो रहे हैं। कोरबा के कटघो थाना क्षेत्र के ढेलवाडीह के पास घटना घटी। घटना की सूचना मिलने पर पुलिस और प्रशासन की टीम मौके पर पहुंची।

हजारों भूकंप के बाद ज्वालामुखी फटा

जमीन में 3 .5 किमी लंबी दरार लगातार बढ़ रही महीने भर पहले धंसने लगी थी सड़कें

रेक्याविक, 19 दिसंबर (एजेंसियां)। आइसलैंड के ग्रिंडाविक में सबसे ज्यादा आबादी वाले हिस्से में सोमवार को ज्वालामुखी फट गया। न्यूयॉर्क टाइम्स के मुताबिक, देश के मौसम विभाग ने बताया कि वोल्केनो फटने से पहले यहां पिछले एक महीने में हजारों भूकंप दर्ज किए गए।

ग्रिंडाविक में जमीन फटने से करीब 3.5 किलोमीटर लंबी दरार पड़ चुकी है, जो लगातार बढ़ रही है। आइसलैंड की राजधानी रेक्येविक से यह सिर्फ 40 किलोमीटर दूर है। इस दरार से लावा लगातार 100-200 स्क्वायर मीटर प्रति सेकंड की दर से बह रहा है।

4 हजार लोगों को हटाया गया

प्रशासन ने लोगों को इस इलाके के आसपास भी जाने से मना कर दिया है। आइसलैंड के रेकयेन्स पेनिनसुला में पिछले महीने ही सड़कें धंसना शुरू हो गई थीं। भूकंप की चेतावनियों के बीच वहां रह रहे करीब 4 हजार लोगों को सुरक्षित स्थानों पर भेज

दिया गया था।

देश के मौसम विभाग के मुताबिक, नवंबर में ग्रिंडाविक की जमीन के नीचे 10 किमी लंबाई में लावा बह रहा था। यह सतह से करीब 800 मीटर नीचे था। न्यूयॉर्क टाइम्स के मुताबिक, पिछले 2 साल में इस क्षेत्र में करीब 4 ज्लावामुखी फट चुके हैं।

मार्च 2021 में भी इसी इलाके में एक बड़ा ज्वालामुखी विस्फोट हुआ था। तब दरार से करीब 6 महीने तक लावा बहता रहा था। इसके बाद अगस्त 2022 में फिर एक विस्फोट हुआ, जिसका लावा तीन हफ्तों तक बहा था।

आइसलैंड में हैं 140 ज्वालामुखी

आइसलैंड की आबादी करीब 4 लाख हैं और यहां 140 ज्वालामुखी हैं। इनमें से करीब 33 एक्टिव वोल्केनो हैं। देश दो टेक्टोनिक प्लेटों पर बसा है। ये प्लेट्स खुद समुद्र के नीचे मौजूद एक पर्वत श्रृंखला से बंटी हुई है। इस पर्वत से लगातार मैग्मा निकलता रहता है।

राहत की बात ये है कि आइसलैंड में पिछले कुछ दिनों में आए भूकंप के झटकों का फिलहाल यहां के सबसे बड़े कटला ज्वालामुखी पर कोई असर नहीं पड़ा है। न्यूयॉर्क टाइम्स के मुताबिक, वैज्ञानिकों का मानना है कि ये ज्वालामुखी भी जल्द ही फट सकता है। काटला में 1721 के बाद से अब तक 5 विस्फोट हुए हैं। ये 34-78 साल के अंतराल पर होते हैं। काटला में आखिरी विस्फोट 1918 में दर्ज किया गया था।

ज्वालामुखी क्या होता है?

ज्वालामुखी धरती की सतह पर मौजूद प्राकृतिक दरारें होती हैं। इनसे होकर धरती के आंतरिक भाग से पिघला हुआ पदार्थ जैसे मैग्मा, लावा, राख आदि विस्फोट के साथ बाहर निकलते हैं। ज्वालामुखी पृथ्वी पर मौजूद 7 टेक्टोनिक प्लेट्स और 28 सब टेक्टोनिक प्लेट्स के आपस में टकराने के कारण बनते हैं। दुनिया का सबसे एक्टिव ज्वालामुखी माउंट एटना इटली में है।

धरती पर 3.10 करोड़ किमी दूरी से पहुंचा वीडियो

101 सेकेंड में रिसीव हुआ, नासा बोला- इंसानों को मंगल पर भेजने में काम आएगी तकनीक

वॉशिंगटन, 19 दिसंबर (एजेंसियां)। नासा ने सोमवार को धरती से 3.10 करोड़ किलोमीटर दूर एक स्पेसशिप से अल्ट्रा एचडी वीडियो शेयर किया है। ऐसा पहली बार हुआ है, जब डीप स्पेस यानी स्पेस में बहुत दूर से इतना हाई क्वालिटी वीडियो पृथ्वी पर भेजा गया हो।

15 सेकेंड के इस वीडियो में एक बिल्ली लेजर लाइट की बीम को पकड़ने की कोशिश करती नजर आ रही है। नासा के मुताबिक, इसे भेजने में करीब 101 सेकेंड का समय लगा। वीडियो 267 एमबीपीएस की स्पीड से भेजा गया। जब इसे शेयर किया गया तब स्पेसशिप धरती और चांद की दूरी से 80 गुना ज्यादा दूर था।

नासा ने बताया कि ये कामयाबी इसलिए अहम है क्योंकि इस तकनीक का इस्तेमाल आगे चलकर हाई-डेटा को शेयर करने में किया जा सकेगा। यह इंसानों को मंगल ग्रह पर भेजने के मिशन में अहम भूमिका निभाएगा।

वीडियो को साइक स्पेसशिप से एक लेजर ट्रांसीवर के जरिए पृथ्वी पर भेजा गया था। ये स्पेसक्राफ्ट

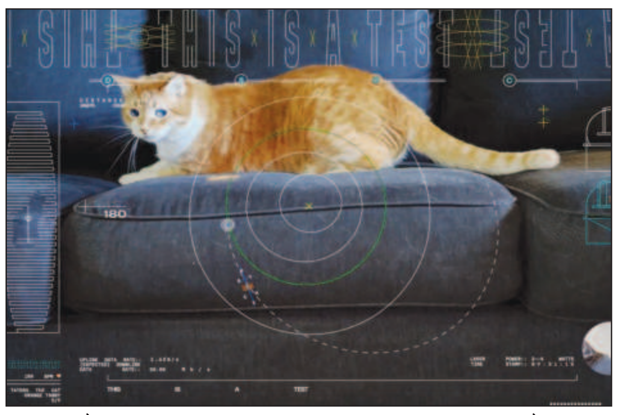

मार्स और जुपिटर के बीच एस्ट्रॉयड बेल्ट की यात्रा कर रहा है, जिससे ये एक रहस्यमय धातु का पता लगा सके। वीडियो सिग्नल को हेल टेलीस्कोप ने रिसीव किया। नासा ने बताया कि इसका एक मकसद लाखों मील की दूरी से ब्रॉडबैंड वीडियो शेयर करना है। फिलहाल साइक स्पेसशिप में ऐसी कोई तकनीक नहीं है, जिसके जरिए वीडियो भेजा जा सके। नासा फिलहाल कम्युनिकेशन के लिए टेक्स्ट डेटा का इस्तेमाल करता है। स्पेस मिशन्स में आमतौर पर रेडियो वेव्स के जरिए डेटा भेजा और रिसीव किया जाता है। लेजर का इस्तेमाल करके डेटा शेयरिंग स्पीड को 10-100 गुना तक बढ़ाया जा सकता है।

अमेरिका में 1920 के दशक में टेलीविजन में लोगों की रुचि तेजी से बढ़ने लगी थी। तब इमेज को टेस्ट करने के लिए एक बिल्ली के स्टैच्यू की तस्वीर शेयर की गई थी। वहीं बिल्ली से जुड़े कई वीडियोज और मीम अक्सर सोशल मीडिया पर वायरल होते रहते हैं। साइकी स्पेसक्राफ्ट को 13 अक्टूबर को फ्लोरिडा स्थित केनेडी स्पेस सेंटर से लॉन्च किया गया था। इस एक्सपेरिमेंट के लिए डीप स्पेस ऑप्टिकल कम्युनिकेशंस (डीएसओसी) सिस्टम का इस्तेमाल किया गया। ये डीएसओसी सिस्टम साइकी स्पेसक्राफ्ट पर लगाया गया था। इस सिस्टम का इस्तेमाल लेजर-बीम मैसेज को पृथ्वी पर वापस भेजने के लिए किया जाता है।

नासा ने बताया कि 14 नवंबर को साइकी स्पेसक्राफ्ट ने कैलिफोर्निया में पालोमर ऑब्जर्वेटरी में हेल टेलिस्कोप के साथ एक कम्युनिकेशन लिंक स्थापित किया। इस कम्युनिकेशन लिंक के सफल प्रयोग को 'फर्स्ट लाइट' नाम दिया गया है। इस दौरान डीएसओसी के नियर-इंफ्रारेड फोटॉन को साइकी से पृथ्वी तक यात्रा करने में लगभग 50 सेकंड का समय लगा।

चीन में भूकंप से 116 की मौत

6.1 तीव्रता के झटकों से जब मलबे का ढेर बन गईं ऊंची-ऊंची इमारतें

बीजिंग, 19 दिसंबर (एजेंसियां)। चीन में सोमवार देर रात आए भूकंप में अब तक 116 लोगों की मौत की पुष्टि हुई है। वहीं, 400 से ज्यादा घायल हुए हैं। 6.1 तीव्रता का यह भूकंप गांसू और किंघई प्रांत में सोमवार देर रात आया। भूकंप का केंद्र गांसु के लिंक्सिया हुई में साला काउंटी में जमीन के 10 किलोमीटर नीचे रहा। प्रांत में ऊंची-ऊंची इमारतों के लिए कितना घातक साबित हुआ, इसका नजारा चीन से आई तस्वीरों और वीडियो में साफ देखा जा सकता है। चीन की आपात सेवाओं को भूकंप के ठीक बाद मलबे में तब्दील हुई कई इमारतों से लोगों को सही-सलामत निकालने की जिम्मेदारी सौंपी गई है। चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने भी सरकार और प्रशासन के सभी अंगों से ऑल आउट ऑपरेशन चलाने को कहा है। चीन की स्थानीय मीडिया की तरफ से गांसू प्रांत में आए इस भूकंप के वीडियो और इसके असर से जुड़ी तस्वीरें साझा की गई हैं। इसके अलावा कुछ लोगों ने भी भयावह मंजर को बयां किया है। इनमें से एक वीडियो जो सोशल मीडिया में तेजी से वायरल हुआ है, उसमें ऊंची इमारत में बने एक कमरे को बुरी तरह कांपते देखा जा सकता है। इस दौरान कमरे से सामान और प्लास्टर को टूटकर नीचे गिरते भी देखा गया। चीन से जो तस्वीरें सामने आ रही हैं, उनमें कई ऊंची इमारतों को मलबे में तब्दील होते हुए देखा जा सकता है। इस दौरान लोग अपने घरों से निकलकर सुरक्षित जगह की तलाश में इधर-उधर भागते भी दिखे। शिन्हुआ न्यूज एजेंसी के मुताबिक, कई गांवों में इस भूकंप के बाद बिजली और पानी की सप्लाई कट गई। इसके साथ ही आपात सेवाओं के कई वाहनों को लोगों की मदद के लिए प्रभावित क्षेत्रों में भागते देखा जा सकता है। एक सोशल मीडिया पोस्ट के अनुसार, गांसु की राजधानी लान्झू में भूकंप के झटके महसूस होते ही विश्वविद्यालय के छात्र अपने छात्रावासों से बाहर निकल आए। वहां हंगामा हो रहा था। चीनी मीडिया ने बताया कि रेस्क्यू दल मौके पर पहुंच गया है। बचाव कार्य शुरू कर दिया गया है। टेंट, फोल्डिंग बेड और रजाइयां मौके पर पहुंचाई जा रही है।

मीडिया दिग्गज जिमी लाई के खिलाफ गवाही के लिए लोगों को किया गया प्रताड़ित

रिपोर्ट्स में दावा

हॉन्ग कॉन्ग, 19 दिसंबर (एजेंसियां)। हॉन्ग कॉन्ग में लोकतंत्र समर्थक मीडिया क्षेत्र के दिग्गज बिजनेसमैन जिमी लाई के खिलाफ गवाही के लिए गवाहों को प्रताड़ित करने की खबरें सामने आई हैं। अमेरिका के अखबार वॉशिंगटन पोस्ट ने अपनी रिपोर्ट में ऐसा दावा किया है।

रिपोर्ट में लिखा गया है कि चीनी सरकार द्वारा जिमी लाई के खिलाफ मनवांछित गवाही के लिए गवाहों को प्रताड़ित किया गया। रिपोर्ट में सवाल उठाया गया है कि ऐसी स्थिति में क्या ये गवाही विश्वसनीय मानी जाएगी?

बता दें कि जिमी लाई के खिलाफ राष्ट्रीय सुरक्षा कानून के तहत मामला दर्ज किया गया था और सोमवार को इस मामले की सुनवाई शुरू हो गई। जिमी लाई हॉन्ग कॉन्ग के बड़े मीडिया हाउस एप्पल डेली के संस्थापक थे। फिलहाल यह मीडिया हाउस बंद हो चुका है।

दरअसल साल 2020 में राष्ट्रीय सुरक्षा कानून के तहत जिमी लाई को गिरफ्तार किया गया था। जिमी लाई पर आरोप है कि उन्होंने विदेशी ताकतों के साथ सांठ-गांठ की।

रिपोर्ट में दावा किया गया है कि हॉन्ग कॉन्ग की अथॉरिटीज ऐसी योजना बना रही हैं कि साल 2019 में हुए लोकतंत्र समर्थक विरोध प्रदर्शनों को चीन को अव्यवस्थित करने की अमेरिकी साजिश के तौर पर लोगों के सामने पेश किया जाए।

बता दें कि जिमी लाई हॉन्ग कॉन्ग में चीनी दबदबे के खिलाफ हैं और लोकतंत्र के समर्थक माने जाते हैं। बता दें कि जिस राष्ट्रीय सुरक्षा कानून के तहत जिमी लाई को गिरफ्तार किया गया है, उसे लाने के पीछे भी चीन की सरकार है। इस कानून की काफी आलोचना हो रही है और अगर जिमी लाई दोषी पाए जाते हैं तो उन्हें उम्रकैद की सजा हो सकती है।

बाइडेन से बेहतर प्रेसिडेंट होंगी कमला हैरिस

नए सर्वे में प्रेसिडेंट से आगे वाइस प्रेसिडेंट, ट्रम्प इन दोनों पर भारी पड़ रहे

वॉशिंगटन, 19 दिसंबर (एजेंसियां)। अमेरिकी जनता 2024 में अपना 47वां राष्ट्रपति चुनेगी। प्रेसिडेंट जो बाइडेन और पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प फिर प्रेसिडेंशियल इलेक्शन में उतरने का इरादा जता चुके हैं।

सोमवार को भरोसेमंद माने जाने वाले 'मोनमाउथ यूनवर्सिटी' के सर्वे रिजल्ट्स सामने आए तो कई लोग हैरान रह गए। अप्रूवल रेटिंग के मामले में बाइडेन वाइस प्रेसिडेंट कमला हैरिस से 1% वोट से पिछड़ गए। डिस-अप्रूवल रेटिंग में भी कमला 3% वोट से आगे रहीं। हालांकि, बाइडेन-कमला की डेमोक्रेट पार्टी के लिए ये फिर भी अच्छी खबर नहीं है, क्योंकि रिपब्लिकन पार्टी के डोनाल्ड ट्रम्प इन दोनों से काफी आगे नजर आ रहे हैं। इस सर्वे या पोल के मुताबिक- फिलहाल, व्हाइट हाउस में मौजूद बाइडेन के लिए जुलाई 2023 के बाद से वक्त अच्छा नहीं रहा। 81 साल के बाइडेन को महज 34% अमेरिकी एक और कार्यकाल देना चाहते हैं।

इसे अप्रूवल रेटिंग कहा जाता है। 61% अमेरिकी अब बाइडेन को एक और मौका नहीं देना चाहते। यानी ये उनकी डिस-अप्रूवल रेटिंग हुई। अब बात करते हैं वाइस प्रेसिडेंट कमला हैरिस के हवाले से। हैरिस अप्रूवल रेटिंग के मामले में 35% वोट हासिल करके अपने बॉस से 1% आगे हैं। 'द हिल' की रिपोर्ट कहती है- ये 1% इसलिए बहुत अहम है, क्योंकि कमला बहुत पीछे से आगे निकली हैं और डेमोक्रेट पार्टी के अंदर अब इस सिलसिले के रुकने के आसार कम ही नजर आते हैं। कमला की डिस-अप्रूवल रेटिंग 57% है और ये बाइडेन से 4% कम है। लब्बोलुआब को देखें तो अगर डेमोक्रेट पार्टी किसी नेता को अगले प्रेसिडेंट के तौर पर प्रोजेक्ट करती है तो जाहिर है इस रेस में कमला अप्रूवल और डिस-अप्रूवल रेटिंग के लिहाज से आगे नजर आ रही हैं। यानी लोग हैरिस को बाइडेन से बेहतर कमांडर इन चीफ मान रहे हैं। कुछ लोग ऐसे भी हैं जो न तो डेमोक्रेट्स को फेवर करते हैं और न रिपब्लिकन्स को। इस लिहाज से बाइडेन लोकप्रियता खोते जा रहे हैं। मसलन, जुलाई में 24% लोगों ने उनके पक्ष में वोट किया था।

पाकिस्तान में आतंकियों को 'घोंसले' न बनाने दो

भारत के बाद ईरान ने भी मुनीर सेना को दी धमकी

तेहरान, 19 दिसंबर (एजेंसियां)। ईरान ने कड़े शब्दों में पाकिस्तान से आतंकी संगठनों पर काबू करने के लिए कहा है। ईरान के गृह मंत्री अहमद वाहिदी ने कहा है कि पाकिस्तान साझा सीमा की रक्षा करे और आतंकवादी समूहों को अपने क्षेत्र में ठिकाना बनाने से रोके। ईरान की ओर से ये टिप्पणी ईरानी प्रांत सिस्तान में पुलिस स्टेशन को निशाना बनाकर किए गए हमले के बाद आई है। जिसमें 12 पुलिसकर्मी मारे गए थे। वाहिदी ने कहा कि ये आतंकवादी पड़ोसी देश पाकिस्तान से ईरानी क्षेत्र में दाखिल हुए थे। पाकिस्तानी विदेश मंत्रालय की ओर से ईरानी पुलिस स्टेशन पर हमले की कड़ी निंदा की गई है लेकिन ईरान इससे खुश नहीं है। उसने पाकिस्तान से इस ज्यादा ध्यान देने के लिए कहा है।

ईरान के गृहमंत्री अहमद वाहिदी ने सिस्तान-बलूचिस्तान में उस पुलिस स्टेशन और आसपास के इलाके का दौरा किया, जहां हमला हुआ था। जमीनी हालात का जायजा लेने के बाद वाहिदी ने पाकिस्तान पर गुस्सा निकाला। उन्होंने कहा, लगातार ऐसे मामले देखने को मिले हैं, जब हमारी जमीन पर हमला करने वाले पाकिस्तान के रास्ते पहुंचे। हम उम्मीद करते हैं कि हमारे पड़ोसियों का अपनी सीमाओं पर नियंत्रण रखना चाहिए और सतर्कता बरतनी चाहिए। सिर्फ बॉर्डर ही नहीं पाकिस्तानी सरकार को पूरे देश में देखना चाहिए कि आतंकवादी समूह वहां ठिकाने स्थापित ना करें, ताकि भविष्य में इस तरह के हमलों को रोका जा सके।

ईरान में बढ़ रहा पाकिस्तान के खिलाफ गुस्सा

ईरान में 15 दिसंबर के हमले के बाद पाकिस्तान के खिलाफ गुस्सा देखने को मिल रहा है। ईरानी सुरक्षाबलों पर हाल के सालों में ये सबसे गंभीर हमला है। ईरानी गृहमंत्री के अलावा विदेश नीति समिति के सदस्य फिदाहुसैन मालिकी भी कह चुके हैं कि इस हमले की जिम्मेदारी पाकिस्तान की है। उन्होंने यहां तक कहा कि इस घटना के लिए हम पाकिस्तान को एक अपराधी की तरह देखते हैं क्योंकि पाकिस्तान की धरती पर ही इस तरह के सगंठन पनाह पा रहे हैं। पाकिस्तान को इस पर तुरंत रोक लगानी चाहिए।

ईरान का सख्त रुख पाकिस्तान के लिए मुश्किल बढ़ाने वाला हो सकता है। पाकिस्तान पहले ही अपने दूसरे पड़ोसियों के साथ खराब रिश्तों का सामना कर रहा है। बारत के साथ उसकी तनातनी जगजाहिर है तो हाल के दिनों में अफगानिस्तान की तालिबान सरकार से भी उसकी ठनी हुई है। टीटीपी पर कार्रवाई को लेकर पाकिस्तान की सरकार और अफगान तालिबान के रिश्ते तल्ख हुए हैं। अब ईरान ने भी उसे बेहद कड़ी चेतावनी दे दी है।

फतह अल-सिसी ने लगाई हैट्रिक

लगातार तीसरी बार बने राष्ट्रपति

काहिरा, 19 दिसंबर (एजेंसियां)। मिस्र में राष्ट्रपति पद के लिए हुए चुनाव को अब्देल फतह अल-सिसी ने जीत लिया है। इसके साथ ही उनके लगातार तीसरी बार राष्ट्रपति बनने का रास्ता साफ हो गया है। अल-सिसी नौ साल से मिस्र के राष्ट्रपति हैं। अब अगले छह साल के लिए एक बार फिर राष्ट्रपति पद संभालेंगे। मिस्र के चुनाव अधिकारियों ने सोमवार को अल सिसी की जीत की घोषणा करते हुए बताया कि उन्होंने एकतरफा मुकाबले में चुनाव जीता है। अल-सीसी को कुल पड़े मतों में से 89 फीसदी से ज्यादा वोट हासिल हुए हैं। मिस्र की इलेक्शन अथॉरिटी ने बताया है कि राष्ट्रपति चुनाव में करीब 6.70 करोड़ मतदाताओं में से 66.8 फीसदी ने मतदान किया था। ये पहली बार है, जब मिस्र में इतने ज्यादा लोगों ने वोट डाला। कुल पड़े वोटो में से अल-सिसी को 89.6 फीसदी वोट हासिल हुए हैं। अल सिसी के अलावा तीन अन्य उम्मीदवार

भी राष्ट्रपति पद की दौड़ में शामिल थे लेकिन कोई भी अल-सीसी को मुकाबला नहीं दे सका। अल-सिसी के बाद दूसरे नंबर पर रहे उम्मीदवार को सिर्फ 4.5 प्रतिशत वोट ही हासिल हुए। प्रमुख विपक्षी उम्मीदवार अहमद तंतावी ने अपने खिलाफ धमकी और हिंसा का दावा करते हुए मतदान से पहले अपना नाम वापस ले लिया था।

2014 में पहली बार राष्ट्रपति बने थे अल-सिसी

अल-सिसी मिस्र के आर्मी चीफ भी रह चुके हैं। 69 साल के अल-सिसी सेना प्रमुख के तौर पर 2013 में मोहम्मद मुर्सी की सत्ता को उखाड़ने के बाद 2014 में पहली बार मिस्र के राष्ट्रपति बने थे। इसके बाद अल-सिसी 2018 में फिर से जीते। वहीं अब उन्होंने तीसरी जीत हासिल की है, जिससे साफ है कि वह 2030 तक सत्ता में रहेंगे। भारत के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अब्देल फतह अल-सिसी को तीसरी बार मिस्र का राष्ट्रपति चुने जाने पर बधाई दी है।

प्रधानमंत्री मोदी ने एक्स पर अपने पोस्ट में कहा, राष्ट्रपति चुनाव में जीत पर महामहिम अब्देल फतह अल-सिसी को बहुत बधाई। मैं भारत और मिस्र की रणनीतिक साझेदारी को ज्यादा बढ़ाने के लिए अल-सिसी के साथ काम करने को बेहद उत्सुक हूं।

जेल में कैद इमरान ने एआई से दिया भाषण

इस्लामाबाद, 19 दिसंबर (एजेंसियां)। पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान 136 दिनों से जेल में कैद हैं। उनकी पार्टी पाकिस्तान तहरीक ए इंसाफ (पीटीआई) के रैली करने पर पाबंदी लगी है। इसके बावजूद 17 दिसंबर की रात उन्होंने भाषण दिया। ये उनकी सोशल मीडिया टीम के चलते संभव हो पाया।

साउथ एशिया में पहली बार ऐसा हुआ जब किसी नेता ने जेल में रहते हुए आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) से जनरेटेड आवाज में भाषण दिया हो। पीटीआई ने दावा किया है कि उनकी वर्चुअल रैली में 60 लाख से ज्यादा लोग शामिल हुए।

इमरान ने जेल में लिखा भाषण

इमरान ने जो भाषण दिया उसे उन्होंने ही जेल में लिखा था। पार्टी के मुताबिक उसे वकीलों ने भी जांचा था। इमरान खान खुद वीडियो में भाषण देते नजर आ रहे थे, हालांकि यह वीडियो एआई द्वारा बनाया गया था। चार मिनट लंबे भाषण में इंटरनेट के कारण काफी रुकावटें आईं।

पार्टी के लोगों का मानना है कि ये रुकावटें जानबूझ कर पैदा की गई थीं। इंटरनेट की निगरानी करने वाली अंतरराष्ट्रीय संस्था नेटब्लॉक्स के मुताबिक ये रुकावटें वैसी ही थीं जैसे इमरान खान के भाषणों के दौरान पहले भी होती रही हैं।

जेल से इमरान ने क्या कहा?

आप सब शायद सोच रहे होंगे कि जेल में मेरा क्या हाल है। सबसे पहले मैं ये बता देना चाहता हूं कि मैं देश की खातिर जेल में रहना मेरे लिए इबादत के जैसा है।

मैं मुल्क और लोगों के लिए जान कुरबान करने को तैयार हूं। जेल में मैनें तारीख, मजहब और साहित्य को मैनें कुरान के साथ पढ़ा है। उससे मुझे हिम्मत मिली है। उन तमाम किताबों को पढ़ने के बाद मैं खुद को मजबूत महसूस कर रहा हूं।

अब समलैंगिकों को भी आशीर्वाद दे सकेंगे पादरी

पोप फ्रांसिस ने मंजूरी दी, दो साल पहले सेम-सेक्स मैरिज को पाप बताया था

वेटिकन सिटी, 19 दिसंबर (एजेंसियां)। पोप फ्रांसिस ने आखिरकार रोमन कैथोलिक प्रीस्ट्स (धर्मगुरु या पादरी) को यह मंजूरी दे दी है कि वो सेम-सेक्स कपल्स या समलैंगिकों को आशीर्वाद दे सकते हैं।

यह मंजूरी इसलिए अहम हो जाती है, क्योंकि महज दो साल पहले वेटिकन सिटी में पोप के ऑफिस से जारी बयान में समलैंगिकों की शादी को पाप बताया गया था।

चर्च के रुख में बदलाव

अमेरिकी न्यूज चैनल सीएनएन की रिपोर्ट के मुताबिक- एलजीबीटीक्यू+कम्युनिटी के लिए पोप फ्रांसिस का आदेश चर्च के रवैये और नजरिए में बड़े बदलाव की तरफ साफ इशारा है। हालांकि, ये चर्च की सामान्य रस्म-ओ-रवायत का हिस्सा नहीं होगा। इस बारे में वेटिकन ने जो डॉक्यूमेंट तैयार किया है, उसे पोप फ्रांसिस ने सोमवार को मंजूरी दी।

इसी साल अक्टूबर में वेटिकन से खबर आई थी कि पोप समलैंगिकों को आशीर्वाद दिए जाने की मंजूरी देने का मन बना चुके हैं और इस बारे में दस्तावेज तैयार किए जा रहे हैं। ये इसलिए अहम हो जाता है कि 2021 में वेटिकन डॉक्ट्रिन (सामान्य तौर पर नियम) में कहा गया था- ईश्वर पाप को आशीष नहीं देते। इसके बाद जुलाई 2023 में वेटिकन के डॉक्ट्रिन डिपार्टमेंट ने इस बारे में विचार शुरू किया। डिपार्टमेंट की अगुआई कार्डिनल विक्टर मैनुअल फर्नांडेज कर रहे थे। विक्टर पोप के करीबी हैं। पोप कई मामलों में परंपरा से अलग हटकर सोच रखते हैं।

सही दिशा में उठाया गया गंभीर कदम

वेटिकन की ताजा डॉक्ट्रिन में कार्डिनल विक्टर कहते हैं- ईश्वर का आशीर्वाद सभी के लिए काम करता है, ये सिर्फ उनके लिए नहीं होता जो खुद को सही बताते हैं। अब उन लोगों को भी चर्च की तरफ से आशीष मिल सकेगा जो असामान्य हालात में हैं या समलैंगिक हैं।

इजरायल विरोधी प्रदर्शनकारियों के निशाने पर आने के बाद बदले भारतीय-अमेरिकी सांसद के सुर

वॉशिंगटन, 19 दिसंबर (एजेंसियां)। भारतीय मूल के अमेरिकी सांसद श्री थानेदार को साप्ताहांत पर इजरायल विरोधी प्रदर्शनकारियों के एक समूह ने निशाना बनाया। प्रदर्शनकारी इजरायल-हमास युद्ध पर उनके रुख को लेकर चिल्लाने लगे और कारों के हॉर्न बनाने लगे। थानेदार ने सात अक्तूबर को हमास के हमले के बाद इजरायल के प्रति अपना समर्थन पूर्ण रुख अपनाया है। थानेदार ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक वीडियो पोस्ट किया और लिखा यह सुबह तीन बजे मेरा घर है। वीडियो में दिखाई दे रहा है कि उनके घर के बाहर गली में कारें लाइन में खड़ी हैं। एक व्यक्ति कपड़े की कोई सामग्री लहरा रहा है और अन्य मेगाफोन से चिल्ला रहे हैं।

एक प्रदर्शनकारी चिल्लाता है, 'आप गाजा पर बमबारी में सहभागी हैं। आपकी चुप्पी हिंसा है। आपकी चुप्पी घिनौनी है और हम आपको सोने नहीं देंगे। आपको इसकी कीमत चुकानी होगी।' थानेदार ने अपनी वेबसाइट पर इजरायल के लिए मजबूत समर्थन जताया है।

मिशिगन से डेमोक्रेटिक पार्टी के सांसद थानेदार ने अपने पोस्ट में लिखा, 'अंतरराष्ट्रीय अनिश्चितता के इस दौर में जनता और राष्ट्र के रूप में इजरायल के लिए हमारे स्पष्ट समर्थन की पुष्टि करना पहले से कहीं ज्यादा महत्वपूर्ण है। जो पश्चिम एशिया में एकमात्र लोकतंत्र है और दुनिया भर में हमारे सबसे करीबी और मजबूत सहयोगियों में से एक है।' हमास को एक बर्बर आतंकवादी संगठन भी बताया और कहा कि इस आतंकी संगठन को खत्म करने की जरूरत है। थानेदार ने हाल ही में हिंदुओं, सिखों, बौद्धों और जैनों के लिए अमेरिकी सांसदों के एक समूह का गठन किया है। महाराष्ट्र के रहने वाले थानेदार कर्नाटक के बेलगाम में पले-बढ़े हैं। एक सफल व्यवसायी बनने की उम्मीद में अमेरिका आए थे और अब उस समुदाय की सेवा करना चाहते हैं जिसके साथ वह रहते हैं।

एक्शन मोड में भजनलाल सरकार

योजनाओं के लिए पहली ही बैठक में दिए ये संकेत

जयपुर, 19 दिसंबर (एजेंसियां)। राज्य की भजनलाल सरकार अब एक्शन मोड में दिख रही है। विधायकों को शपथ दिलाने के लिए प्रोटेम स्पीकर की नियुक्ति कर दी गई है। प्रोटेम स्पीकर बनाए गए वरिष्ठ विधायक कालीचरण सराफ को राज्यपाल कलराज मिश्र ने राजभवन में शपथ भी दिला दी।

राज्य की भजनलाल सरकार अब एक्शन मोड में दिख रही है। विधायकों को शपथ दिलाने के लिए प्रोटेम स्पीकर की नियुक्ति कर दी गई है। प्रोटेम स्पीकर बनाए गए वरिष्ठ विधायक कालीचरण सराफ को राज्यपाल कलराज मिश्र ने राजभवन में शपथ भी दिला दी। विधानसभा सत्र 20 और 21 को बुलाया जा सकता है। इसमें सभी विधायकों को प्रोटेम स्पीकर शपथ दिलाएंगे। इसी दौरान विधानसभा अध्यक्ष पद पर भाजपा की ओर से मनोनीत विधायक वासुदेव देवनानी का चयन भी हो जाएगा। इसके बाद मंत्रिमंडल विस्तार होगा। मंत्रियों के नामों को एक दिन पहले ही मुख्यमंत्री के दिल्ली दौरे में हरी झंडी मिल चुकी है।

तीन सदस्यीय पैनल भी बनाया

सोलहवीं विधानसभा के लिए राज्यपाल कलराज मिश्र ने राजभवन में आयोजित समारोह में पूर्व मंत्री और वरिष्ठ विधायक कालीचरण सराफ को प्रोटेम स्पीकर की शपथ दिलाई। इस अवसर पर मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा, विधानसभा अध्यक्ष सी.पी. जोशी, वासुदेव देवनानी, उप मुख्यमंत्री प्रेमचंद बैरवा सहित अन्य विशिष्ट जन उपस्थित रहे। प्रोटेम स्पीकर के साथ तीन सदस्यीय पैनल भी बनाया गया है। इसमें इसमें वरिष्ठ विधायक दयाराम परमार, प्रताप सिंह सिंघवी और किरोड़ीलाल मीना शामिल हैं।

मुख्यमंत्री भजनलाल ने अपनी पहली ही बैठक में सभी विभाग प्रमुखों को स्पष्ट संकेत दिए कि योजनाओं में भ्रष्टाचार किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। सरकारी योजनाओं का जनता को समय पर लाभ मिले। आगामी 25 साल के विजन को लेकर योजनाओं को तैयार करने के लिए कहा गया है। हालांकि इससे पहले सभी विभागों के सौ दिवसीय कामकाज को लेकर एक्शन प्लान तैयार करने के लिए कहा है। यह प्लान 10 दिन में मांगा गया है। इसमें भाजपा के संकल्प पत्र की योजनाएं भी शामिल होंगी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि भाजपा का संकल्प पत्र नरेन्द्र मोदी की गारंटी है। योजनाओं की सर्विस डिलीवरी के लिए समस्या रहित सिस्टम तैयार किया जाए। सुशासन सिर्फ शब्द न रहे, इसे चरितार्थ करके दिखाना है। अधिकारी प्राथमिकताएं तय करके अच्छा काम करें।

दिल्ली के दो दिवसीय दौरे से लौटने के बाद शाम को मुख्यमंत्री सभी विभागों के अतिरिक्त मुख्य सचिव, प्रमुख सचिव और सचिवों की सचिवालय के कॉन्फ्रेंस हॉल में बैठक ले रहे थे। उन्होंने आईएएस अधिकारियों को लेकर कहा कि आप लोगों की रेपुटेशन कहीं भी पहले पहुंचती है, इसलिए ध्यानपूर्वक काम करें और गरीब व जरूरतमंद लोगों का ध्यान रखें। अधिकारियों को बार-बार बदलने में उनका विश्वास नहीं है, लेकिन बेहतर काम करना होगा। बैठक में सीएस उषा शर्मा, मुख्यमंत्री के प्रमुख सचिव टी. रविकांत सहित कई अधिकारी मौजूद थे।

ये भी बोले सीएम

अधिकारी जनता के प्रति दायित्वों का ईमानदारी से करें निर्वहन।

भ्रष्टाचार मुक्त प्रशासन, महिला सुरक्षा एवं सुदृढ कानून-व्यवस्था सरकार की प्राथमिकता।

प्रधानमंत्री की भ्रष्टाचार के प्रति जीरो टॉलरेंस की नीति पर चलते हुए सरकार कार्य करेगी।

प्रशासन में भ्रष्टाचार हर्गिज नहीं किया जाएगा बर्दाश्त।

बिरला से मुख्यमंत्री भजनलाल ने की मुलाकात

दिल्ली दौरे के दूसरे दिन मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने दोनों उप मुख्यमंत्री दिया कुमारी और प्रेमचंद बैरवा के साथ उप राष्ट्रपति जगदीप धनखड़, लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला और केन्द्रीय सड़क और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी से शिष्टाचार भेंट की। सभी ने मुख्यमंत्री और उप मुख्यमंत्रियों को बधाई देते हुए शुभकामनाएं दीं।

'जयचंदों' की वजह से मिली हार

चूरू में राजेंद्र राठौड़ ने भितरघात को ठहराया जिम्मेदार

जयपुर, 19 दिसंबर (एजेंसियां)। राजस्थान में भारतीय जनता पार्टी को बड़ी जीत मिली और भजनलाल शर्मा के रूप में नई सरकार भी बना ली. हालांकि इस चुनाव में कई बड़े चेहरों को करारी हार का सामना भी करना पड़ा जिसमें पूर्व नेता प्रतिपक्ष और बीजेपी के वरिष्ठ नेता राजेंद्र राठौड़ भी शामिल हैं. राजेंद्र राठौड़ को हार का गम अभी भी सता रहा है. चूरू में एक जनसभा के दौरान उन्होंने हार के लिए भितरघात को जिम्मेदार ठहराया और कहा कि हे जयचंदों अब आगे कुछ मत करना.

चूरू के तारानगर में सभा के दौरान राजेंद्र राठौड़ ने खुद की हार को लेकर भितरघात को जिम्मेदार ठहराया. उन्होंने इशारों-इशारों में भितरघात करने वाले बीजेपी नेताओं पर जमकर निशाना साधा. पार्टी के वरिष्ठ नेता राठौड़ ने कहा, "इस बार चुनाव में हार हुई है. जनता का फैसला स्वीकार्य है, लेकिन बहुत-से जयचंदों ने भी अपनी भूमिका निभाई."

अब आगे और मत कुछ करनाः राठौड़

राजेंद्र राठौड़ ने आगे कहा, "किसी कारण से हमारे प्रयास में कोई कमी रह गई होगी, लेकिन हे जयचंदों, हे विभीषणों... इतनी मदद कर देना. अब तक आपने जो कुछ किया, वो वहीं तक रहने देना. हमारी इस पवित्र पार्टी और लोगों के पास आने की कोशिश मत करना.

इससे पहले बीजेपी नेता राजेंद्र राठौड़ 3 दिसंबर को आए चुनाव परिणाम में यहां की तारानगर सीट से विधानसभा का चुनाव हार गए थे. कांग्रेस विधायक नरेंद्र बुढ़ानियां के सामने चुनाव हारने के बाद राठौड़ ने पार्टी में विरोधी धड़े को जिम्मेदार ठहराया है. राठौड़ ने विरोधी धड़े को जयचंद कहकर बड़ा सवाल खड़ा कर दिया कि आखिर वे बीजेपी में में किन जयचंदों की तरफ इशारा कर रहे है.

चुनाव में उन्हें कांग्रेस के दिग्गज नेता और 6 बार सांसद रहे नरेंद्र बुढ़ानियां ने हराया. वह बीजेपी के टिकट से 6 बार विजयी हुए थे. पार्टी में आने के बाद उन्हें अब तक हार नहीं मिली थी. लेकिन इस बार उन्हें हार का सामना करना पड़ा.

मुख्यमंत्री भजनलाल ने बनाई चाय

चाय वाले मुंशी के पैर छूकर लिया आशीर्वाद, तस्वीरें आई सामने

दौसा, 19 दिसंबर (एजेंसियां)। दौसा जिले के सिकराय विधानसभा क्षेत्र में राजस्थान के मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा ने अपनी सादगी का परिचय देते हुए यहां सड़क किनारे एक चाय की दुकान पर रुके। इसके बाद सीएम भजनलाल चाय के कलर को छूकर बोले चाय बना। जिसके बाद मुंशी चायवाला मुख्यमंत्री के लिए फीकी चाय बनाने लगा तो मुख्यमंत्री भजनलाल उठकर चाय वाले के पास जाकर खड़े हो गए। इसके बाद वो खुद वहां चाय बनाते नजर आए।

बता दें कि भरतपुर जाते समय जयपुर-आगरा नेशनल हाईवे 21 पर महादेव होटल पर मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के सामान्य आदमी की तरह चाय की चुस्की लेने का अंदाज लोगों को खूब भाया। सूबे के मुखिया को अचानक अपनी दुकान पर आते देख चाय वाला आश्चर्यचकित रह गया। मुंशी चाय वाला मुख्यमंत्री की इस तरह की सादगी को देखकर मोहित होता नजर आया। मुंशी चाय वाले ने अपने ही अंदाज में कहा कि जिस तरह भगवान राम ने शबरी के बेर खाने खुद गए थे, बिल्कुल उसी तरह आज हमारे यहां मुख्यमंत्री आए हैं। बता दें कि मुख्यमंत्री भजनलाल ने खुद फीकी चाय पी और बाकी कार्यकर्ताओं ने मीठी चाय का आनंद लिया। उसके बाद मुख्यमंत्री ने चाय वाले को 500 का नोट दिया। वहीं भाजपा के वर्तमान विधायक विक्रम बंसीवाल के बारे में लोगों से जानकारी भी ली और अपने आगे के सफर की ओर बढ़ गए।

अपनी ही सर्विस राइफल से गोली मारकर जवान ने की खुदकुशी

जैसलमेर, 19 दिसंबर (एजेंसियां)। जैसलमेर से लगी भारत-पाक सीमा पर तैनात सीमा सुरक्षा बल के एक जवान ने अपनी ही सर्विस राइफल से खुद को गोली मारकर आत्महत्या कर ली। साथी जवान ने आवाज सुनकर देखा तो तुरंत अधिकारियों को जानकारी देकर मौके पर बुलाया। तनोट थाना पुलिस सुसाइड के कारणों की जांच कर रही है।

जैसलमेर से लगी भारत-पाकिस्तान की बॉर्डर पर तैनात BSF की 92 बीएन बटालियन के जवान ने अपनी ही सर्विस राइफल से खुद को गोली मार ली। जानकारी के अनुसार घटना के समय जवान टॉवर पर ड्यूटी दे रहा था। गोली की आवाज सुनकर नीचे तैनात जवान ने ऊपर जाकर देखा। जवान ने तुरंत घटना की सूचना अपने अधिकारियों को दी। अधिकारियों ने शव को रामगढ़ सीएचसी में रखवाया और तनोट थाना पुलिस को मामले की जानकारी दी।

तनोट थाना प्रभारी खुशालचंद ने बताया कि जिले के किशनगढ़ से लगी इंडो-पाक बॉर्डर पर सीमा सुरक्षा बल की 92 बीएन बटालियन में तैनात जवान मोहिन मोला (36) पुत्र मुबारक निवासी पश्चिम बंगाल ने सर्विस राइफल से खुदकुशी कर ली। जवान के परिजनों को मामले की जानकारी देकर बुलाया गया है। परिजनों के आने के बाद पोस्टमार्टम कर शव उनके सुपुर्द किया जाएगा।

थाना प्रभारी ने बताया कि मृतक के पास से कोई सुसाइड नोट बरामद नहीं हुआ है। पुलिस आत्महत्या के कारणों की जांच कर रही है।

सांसदों के निलंबन पर बोले बेनीवाल ?

राष्ट्रीय लोकतांत्रिक पार्टी सुप्रीमो का तीखा बयान

नागौर, 19 दिसंबर (एजेंसियां)। राजस्थान की नागौर सीट से सांसद रह चुके हनुमान बेनीवाल ने लोकसभा और राज्यसभा से 78 सांसदों को सस्पेंड करने संबंधी आदेश पर कहा कि इस तरह के निर्णय केंद्र सरकार की हठधर्मिता का परिणाम हैं। संसद की सुरक्षा में चूक को स्वीकार करने के स्थान पर सरकार द्वारा इस तरह के निर्णय लेना निंदनीय है। संसद के इस शीतकालीन सत्र में अब तक 92 सांसदों को सस्पेंड किया जा चुका है।

उन्होंने कहा कि संसद की सुरक्षा में हुई भारी चूक के बाद गृह मंत्रालय के नेतृत्व में इस मामले की जांच की बात कही गई थी। ऐसे में विपक्ष द्वारा गृहमंत्री से सदन में वक्तव्य देने की मांग की जाना जायज है। लेकिन सांसदों का निलंबन करके इस तरह विपक्ष की आवाज को दबाना पूर्ण रूप से अनुचित है। सदन में लोकसभा अध्यक्ष और राज्यसभा में सभापति से निष्पक्षता की उम्मीद पूरा सदन करता है। ऐसे में यदि आसन इस प्रकार के निर्णय लेकर सांसदों का निलंबन करता है तो उससे यह जाहिर होता है कि आसान सत्ता के दबाव में था।

ज्ञात रहे कि 2008 के विधानसभा चुनाव में बेनीवाल भाजपा के टिकट पर खींवसर से विधायक रह चुके हैं। बाद में आपसी मतभेद के चलते बेनीवाल ने भाजपा छोड़कर राष्ट्रीय लोकतांत्रिक पार्टी के नाम से नई पार्टी बना ली थी। 2019 के लोकसभा चुनाव में उन्हें नागौर सीट सांसदी मिली थी। हाल में हुए विधानसभा चुनाव में उन्होंने खींवसर सीट से चुनाव लड़ा था और अपनी पार्टी से एकमात्र विधायक चुने गए। अभी दो दिन पहले ही बेनीवान ने अपनी संसद सदस्यता से इस्तीफा दिया है।

पूर्व मुख्यमंत्री गहलोत की एक फोटो से 350 लोगों के अटक गए काम, अब विभाग को इसका इंतजार

अजमेर, 19 दिसंबर (एजेंसियां)। निजाम बदलने के साथ ही नाजिम का मिजाज भी बदलने की रवायत आम है। तमाम प्रचार सामग्री व योजनाओं के पोस्टर-बैनर देखते ही देखते बदल जाते हैं। सूबे में बदली सरकार का असर अब पट्टा वितरण में भी देखने को मिल रहा है।

निजाम बदलने के साथ ही नाजिम का मिजाज भी बदलने की रवायत आम है। तमाम प्रचार सामग्री व योजनाओं के पोस्टर-बैनर देखते ही देखते बदल जाते हैं। सूबे में बदली सरकार का असर अब पट्टा वितरण में भी देखने को मिल रहा है। अजमेर विकास प्राधिकरण में तैयारशुदा पड़े करीब साढ़े तीन सौ पट्टे वितरण के इंतजार में हैं। इनकी समस्त औपचारिकताएं पूरी होने के बाद आचार संहिता के चलते इनका वितरण लाभार्थियों को पूर्व में नहीं किया जा सका था। वहीं अब जो हालात हैं उसमें सूबे में भाजपा की सरकार है और पट्टों पर पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत की तस्वीर। ऐसे में अब फोटो हटाए जाने के बाद ही पट्टों का वितरण होना माना जा रहा है।

दो हजार पट्टों का होना है वितरण

जानकारी के अनुसार उपायुक्त-उत्तर क्षेत्र में करीब 300 व उपायुक्त-दक्षिण क्षेत्र में करीब 50 पट्टे वितरण के लिए तैयार पड़े हैं। करीब 1700 पट्टे ऐसे हैं जिनमें औपचारिकताएं पूरी होनी हैं। लेकिन अब यह पट्टे भी नया फॉर्मेट आने के बाद ही वितरित किए जा सकेंगे।

कच्ची बस्ती के पट्टे दिए जा सकेंगे

अजमेर विकास प्राधिकरण व नगर निगम के बीच कच्ची बस्ती के स्वामित्व के मुद्दे को लेकर अब विवाद नहीं रहेगा। कच्ची बस्ती के सैकड़ों पट्टे की प्रक्रिया केवल संबंधित विभाग ने अनापत्ति के कारण अटकी हुई थी लेकिन अब अजमेर विकास प्राधिकरण ने इसमें ठोस कदम उठाया है। ऐसी कच्ची बस्तियां जो निगम क्षेत्र में नहीं होकर एडीए की सीमा में हैं उसके लिए अब निगम से अनापत्ति की आवश्यकता नहीं है। इसके लिए एडीए सीधे पट्टे जारी कर सकेगा। इससे कच्ची बस्ती में बकाया सैकड़ों पट्टों की राह खुल जाएगी।

दिल्ली से आएगा राजस्थान का नया मुख्य सचिव, चौंकाने वाला होगा नाम

जयपुर, 19 दिसंबर (एजेंसियां)। प्रदेश को नया सीएम मिलने के साथ ही अब नए मुख्य सचिव की तलाश भी तेज हो गई है। वर्तमान सीएम उषा शर्मा का कार्यकाल 31 दिसंबर को पूरा हो रहा है। ऐसे में जल्द ही नए सीएस की घोषणा की जाएगी।

प्रदेश को नया सीएम मिलने के साथ ही अब नए मुख्य सचिव की तलाश भी तेज हो गई है। वर्तमान सीएम उषा शर्मा का कार्यकाल 31 दिसंबर को पूरा हो रहा है। ऐसे में जल्द ही नए सीएस की घोषणा की जाएगी। माना जा रहा है कि इस बार दिल्ली से ही मुख्य सचिव आएंगे। राजस्थान के टॉप 10 आईएएस में 5 अभी दिल्ली में काम कर रहे हैं। राजस्थान काडर में अतिरिक्त मुख्य सचिव स्तर के आईएएस संजय मल्होत्रा, वी. श्रीनिवासन, रोहित कुमार सिंह और रजत कुमार मिश्रा इस दौड़ में शामिल हैं। इनके अलावा राजेश्वर सिंह, शुभ्रा सिंह और सुधांश पंत का नाम भी सीएस के लिए भी चल रहा है।

वी. श्रीनिवासन वर्तमान में दिल्ली में पीएम मोदी के मंत्रालय प्रशासनिक सुधार विभाग में तैनात हैं। इससे पहले भी उनका नाम सीएस के लिए चर्चाओं में था। हालांकि गहलोत सरकार ने उषा शर्मा को सीएस बना दिया। रोहित कुमार सिंह भी इस दौड़ में शामिल हैं। वे राजस्थान में जब भी भाजपा सरकार रही है, तब अच्छे पद पर रहे हैं।

संजय मल्होत्रा को राजस्थान के सभी विभागों में काम करने का अनुभव है। मूलतः राजस्थान के रहने वाले मल्होत्रा को वित्त मंत्रालय का भी अनुभव है। रजत मिश्रा 1992 बैच के आईएएस हैं। वर्तमान में वे दिल्ली में खान व उर्वरक सचिव के पद पर कार्य कर रहे हैं। दिल्ली के जहाजरानी मंत्रालय में कार्यरत सुधांश पंत भी इस दौड़ में हैं। पिछली सरकार में तबादलों से परेशान होकर उन्होंने दिल्ली स्थानांतरण करवा लिया था। इसी तरह राजेश्वर सिंह और शुभ्रा सिंह भी सीएस की दौड़ में शामिल हैं।

नई सरकार बनी, आचार संहिता भी हटी, अब 13 हजार युवाओं को कब मिलेगी सरकारी नौकरी

जयपुर, 19 दिसंबर (एजेंसियां)। विधानसभा चुनाव की आचार संहिता हटने के बाद शिक्षा विभाग ने तृतीय श्रेणी शिक्षक भर्ती की प्रक्रिया एक बार फिर शुरू कर दी है। शिक्षा विभाग की ओर से 48 हजार में से अभी तक करीब 35 हजार अभ्यर्थियों को नौकरी दी जा चुकी है। ऐसे में अभी करीब 13 हजार पदों पर नियुक्ति मिलना बाकी है, लेकिन राजस्थान कर्मचारी चयन बोर्ड और शिक्षा विभाग की ढिलाई के चलते दिसंबर माह में इनको नियुक्ति मिल पाना चुनौती से कम नहीं है। वजह, शिक्षा विभाग की धीमी गति के कारण दस्तावेज जांच पूरी नहीं हुई है। इस कारण छह हजार पदों पर नियुक्ति अटकी हुई है। इसके अलावा सात हजार पदों की चयन सूची बोर्ड को भेजनी है। गौरतलब है कि तृतीय श्रेणी शिक्षक भर्ती कांग्रेस सरकार की बड़ी भर्ती थी, जिसका पूरा होने का बेरोजगार इंतजार कर रहे हैं।

बोर्ड की ओर से खेल कोटे सहित अन्य अभ्यर्थियों की प्रोविजनल सूची जारी कर दी। दस्तावेज जांच के चलते परिणाम रोका गया है। अधीनस्थ बोर्ड की ओर से आचार संहिता के दौरान भी जांच प्रक्रिया पूरी नहीं की गई। वहीं, बोर्ड ने अन्य प्रोविजन सूची भी जारी नहीं की है। इसके विरोध में बेरोजगारों ने बोर्ड कार्यालय पर प्रदर्शन किया।

युवा शक्ति एकीकृत महासंघ के प्रदेशाध्यक्ष मनोज मीणा ने बताया कि बोर्ड ने एक सप्ताह में प्रोविजनल सूची और अन्य परिणाम जारी नहीं किए तो बोर्ड कार्यालय का घेराव किया जाएगा।

शिक्षा विभाग की ओर से दिसंबर में भर्ती पूरी करने की तैयारी की जा रही है और 13 हजार पदों पर शेष 25 दिन में नियुक्ति देनी है। बोर्ड की ओर से भी अभी तक कई पदों की नियुक्ति सूची नहीं भेजी। बोर्ड और शिक्षा विभाग के बीच तालमेल की कमी के कारण भर्ती में देरी हो रही है।

आचार संहिता हट गई है। हमने बोर्ड बैठक रखी है। भर्ती पूरी करने की प्रक्रिया शुरू कर रहे हैं। जिनके दस्तावेज जांच नहीं हुए है, उन्हें मंगवा रहे हैं। प्रोविजनल सूची के अभ्यर्थियों की नियुक्ति की अभ्यर्थना शिक्षा विभाग को जल्दी भेजी जाएगी।

बोर्ड और शिक्षा विभाग की ओर से तृतीय श्रेणी शिक्षक भर्ती की प्रक्रिया पूरी करने में ढिलाई बरती जा रही है।

कई पदों पर नियुक्ति सूची अभी तक नहीं भेजी। वहीं, प्रोविजन सूची जारी नहीं हुई। विभाग नए साल से पहले बेरोजगारों को नौकरी का तोहफा दे।

दो बाइकों की भिड़न्त, महिला उछल कर गिरी और रोडवेज बस की चपेट में आने से हुई मौत

कोटा, 19 दिसंबर (एजेंसियां)। कुन्हाड़ी थाना क्षेत्र के लैंडमार्क सिटी मार्ग पर सडक़ हादसे में एक बाइक सवार महिला की मौत हो गई। दो बाइकों की भिड़ंत के बाद बाइक पर सवार महिला सडक़ पर उछल कर गिरी और सामने से आ रही रोडवेज बस के टायर की चपेट में आने से उसकी मौत हो गई। पुलिस ने शव को मोर्चरी में रखवाया। मंगलवार सुबह पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंपा।

कुन्हाड़ी थाने के एएसआई रईस मोहम्मद ने बताया कि सकतपुरा काली बस्ती निवासी मुकेश मेहरा उसकी पत्नी गोना मेहरा व बच्ची प्रिया के घर से बाइक से लैण्डमार्क सिटी जाने के लिए निकला था। लैण्डमार्क सिटी रोड पर मेवा पेलेस होटल के यहां मुकेश की बाइक की सामने से आ रही एक अन्य बाइक से भिड़न्त हो गई। बाइक पर तीन युवक सवार थे। जैसे ही भिड़ंत हुई, बाइक से मुकेश व प्रिया एक तरफ गिरे जबकि गोना बाई दूसरी ओर सडक़ पर उछल कर गिरी। इसी दौरान भीलवाड़ा डिपो की एक बस महिला को कुचलते हुए निकली गई। बस का पिछला टायर महिला के ऊपर से निकला। इससे गोनाबाई ने मौके पर ही दम तोड़ दिया। सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और महिला, उसके पति व बच्ची को एमबीएस अस्पताल लेकर गए। जहां चिकित्सक ने महिला की मौत की पुष्टि की। जबकि पति मुकेश को अस्पताल में भर्ती कराया गया। प्रिया के मामूली चोटें हैं। पुलिस ने शव को मोर्चरी में रखवाया। एएसआई रईस ने बताया कि मंगलवार सुबह पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंपा। प्रकरण में मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू की है।

टीएसआरटीसी को कंडक्टर के परिवार से सहानुभूति है : सज्जनार

सड़क दुर्घटना में मृत कंडक्टर के परिवार को 40 लाख रुपये की मदद

हैदराबाद, 19 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना राज्य सड़क परिवहन निगम ने सड़क दुर्घटना में असामयिक मृत्यु वाले कंडक्टर के परिवार को आश्वासन दिया है। यूनियन बैंक ऑफ इंडिया (यूबीआई) ने पीड़ित परिवार को 40 लाख रुपये की आर्थिक मदद दी है। इसी साल सितंबर में मेदक डिपो के कंडक्टर सी.एच. अंजैया की एक सड़क दुर्घटना में मृत्यु हो गई।

यूबीआई सुपर सैलरी सेविंग अकाउंट ने इस संकट के दौरान प्रभावित परिवार को सहारा दिया है। टीएसआरटीसी प्रबंधन ने हाल ही में कर्मचारियों और कर्मचारियों के वेतन खातों को यूबीआई में स्थानांतरित कर दिया है। इस खाते के माध्यम से निःशुल्क दुर्घटना बीमा की सुविधा उपलब्ध है। यूबीआई दुर्घटना के समय सुपर सैलरी सेविंग अकाउंट के तहत न्यूनतम 40 लाख रुपये (कर्मचारी के वेतन के अनुसार) प्रदान कर रहा है। टीएसआरटीसी के एमडी वीसी सज्जनार ने यूबीआई अधिकारियों के साथ अंजैया के परिवार को 40 लाख रुपये का चेक सौंपा। कंडक्टर अंजैया की पत्नी मनेम्मा और बेटे संतोष कुमार ने 40 लाख रुपये की वित्तीय सहायता प्रदान करने के लिए आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि संगठन उन परिवार के सदस्यों के साथ खड़ा है, जिन्होंने घर के मुखिया को खो दिया है और यह निःशुल्क दुर्घटना बीमा सुविधा प्रभावित परिवार के लिए बहुत मददगार है। कार्यक्रम में कंपनी के सीओवीओ डॉ. वी. रविंदर, ईडी एस. कृष्णकांत, पीवी मुनिशेखर, पुरूषोत्तम, सीपीएम उषादेवी, यूबीआई महाप्रबंधक कृष्णन, सिद्दीपेट क्षेत्रीय प्रमुख विकास, मुख्य प्रबंधक रमेश और अन्य अधिकारियों ने भाग लिया।

अग्रवाल समाज बालनगर शाखा ने कंबल वितरण किया

हैदराबाद, 19 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। अग्रवाल समाज तेलंगाना की बालनगर शाखा द्वारा सर्दी का मौसम देखते हुए एक हजार कम्बल वितरण करने का निर्णय लिया है। कार्यक्रम के मुख्य संयोजक, सुरेश अग्रवाल, पवन सिंघानिया, सुशील पंसारी, संजय अग्रवाल आदि ने कम्बल वितरण कार्य बीते 18 दिसम्बर से शुरू किया गया है। आने वाले पांच दिनों तक कम्बल वितरण किये जाएंगे। सोमवार को दो सौ कम्बलों का वितरण किया गया। खासकर बालानगर, एर्रागड्डा, अमीरपेट, पैटनी चौरस्ता, रानीगंज, जनरल बाजार, रेलवे स्टेशन सिकन्द्राबाद आदि इलाकों में कंबल का वितरण किया गया। कार्यक्रम में प्रमोद मोदी, पवन सिंघानिया, सुशील पंसारी, पवन चौधरी, विनय सिंघानिया, अंकुर सिंघानिया, विष्णु कामदार, विनीत खेतान आदि ने भाग लिया।

राजेन्द्रनगर स्थित नगर पधारने पर विकास अधिकारी विनय मित्र महवा दौसा, सुनीलकुमार ढाका पिलानी झुंझनू , सतपाल कुमावत मालपुरा टोंक का शॉल से सम्मान करते हुए जाट समाज एकता मंच प्रदेशाध्यक्ष धर्माराम ढाका।

विश्व मंगल गौशाला, मेडचल, हैदराबाद में भूमि दान किया गया। नारापल्ली महिला मित्र मंडल से नर्मदा देवी, गोपी देवी सुखिया, मोनिका, रूपा, ममता, कैलाश, सुलोचना, मोना, विनीता, राधा, रेखा ने मिलकर गौ माता के निमित्त भूमि दान की राशि विश्व मंजल गोशाला के शांतिलाल सुथार व खेताराम सीरवी को अर्पित की गई।

एपी राज्यपाल ने श्रीवारी मंदिर में पूजा-अर्चना की

तिरुमाला, 19 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। एपी के राज्यपाल अब्दुल नजीर ने मंगलवार को तिरुमाला के श्री वेंकटेश्वर मंदिर में पूजा-अर्चना की। इससे पहले टीटीडी के अध्यक्ष भुमना करुणाकर रेड्डी और ईओ एवी धर्म रेड्डी ने महाद्वारम में उनका गर्मजोशी से स्वागत किया, जबकि अर्चकों ने पारंपरिक इस्तिफाल मंदिर सम्मान के साथ स्वागत किया। मूला विराट के दर्शन के बाद, राज्यपाल और उनके दल को रंगनायकुला मंडपम में वैदिक पंडितों द्वारा वेदाशिर्वचनम की पेशकश की गई।

बाद में अध्यक्ष और ईओ ने श्रीवारी तीर्थ प्रसादम और 2024 टीटीडी कैलेंडर और डायरीज़ प्रस्तुत कीं। मंदिर ईओ लोकनाथम, वीजीओ नंद किशोर आदि उपस्थित रहे।

श्री सखी बाबा मठ में श्री सीतारामजी का कल्याणोत्सव संपन्न

हैदराबाद, 19 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। पुरानापुल स्थित 400 वर्ष पुराने श्री सखी बाबा मठ में विवाह पंचमी के अवसर पर आयोजित रथ महोत्सव में श्री सीतारामचंद्रजी का विवाह उत्सव मनाया गया। इसमें महंत ठाकुरदासजी द्वारा श्री सत्यनारायण कथा का वाचन किया गया तथा भगवान का हल्दी से अभिषेक किया, श्री सीतारामचंद्रजी को मेंहदी लगाई गई। उत्सव के दौरान महंत ठाकुरदास ने पधारे हुए सभी भक्तों को श्रीरामचरित मानस में लिखी हुई बातों को बताते हुए श्री सीतारामजी की दंपत्ति को आदर्श मानते हुए अपना दाम्पत्य जीवन उनके अनुसरण पर चलाए। विवाह पंचमी के महत्व को बताते हुए ठाकुरदास जी ने कहा कि भगवान राम और माता सीता के प्रेम को मिसाल मानकर उसी पथ पर चलें तो यह समाज आदर्श समाज बन जायेगा। कार्यक्रम में पधारे हुए सभी श्रद्धालुओं ने भगवान का आशीर्वाद लिया। पधारे हुए गणमान्य व्यक्तियों में महेश बैंक के चेयरमैन रमेश कुमार बंग, राजेंद्रप्रसाद जायसवाल, गोविंद मूंदड़ा, राजेश जासवाल, राकेश जायसवाल, सुशील जायसवाल, राजेश बाहेती, ओम बंग, कैलाश जायसवाल शामिल रहे।

सांसदों के निलंबन से संसदीय प्रणाली पर दुनिया का भरोसा हिला : निरंजन

हैदराबाद, 19 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। टीपीसीसी के वरिष्ठ उपाध्यक्ष और चुनाव आयोग समन्वय समिति के अध्यक्ष निरंजन ने आज कहा कि संसद के दोनों सदनों से 92 सदस्यों को निलंबित कर दिया गया है, जिन्होंने संसद में सुरक्षा की कमी पर सदन में बहस की मांग की थी। भवन देश और लोकतांत्रिक संसदीय प्रणालियों पर एक धब्बा है। "इस कार्रवाई ने हमारी लोकतांत्रिक संसदीय प्रणालियों में दुनिया के विश्वास को हिला दिया है।" आज यहां गांधी भवन में पत्रकारों से बात करते हुए, निरंजन ने कहा कि 13 दिसंबर को, दो हमलावर लोकसभा गैलरी से सदन में कूद गए और धुआं फेंक दिया, जिससे देश भर के लोगों में भय और दहशत पैदा हो गई। अगर हमलावरों ने किसी अन्य विस्फोटक सामग्री के साथ घुसपैठ की होती तो सदस्यों का क्या होता? क्या संसद सदस्यों के लिए ऐसी घटना पर चर्चा की मांग करना गलत है जिससे उनके जीवन पर असर पड़ा हो? सत्तारूढ़ भाजपा सरकार बहस से आंखें क्यों मूंद लेती है? क्या सत्ता में बैठी सरकार और संसद जनता के प्रति जवाबदेह नहीं है? घटना के तुरंत बाद गृह मंत्री अमित शाह ने लोकसभा में बयान क्यों नहीं दिया? इतनी चिंताजनक घटना पर प्रतिक्रिया न देकर प्रधानमंत्री मोदी दो दिन तक चुप क्यों हैं? अमित शाह, जो हमेशा कहते हैं कि भारत मोदी के हाथों में सुरक्षित है, संसद को सुरक्षा प्रदान करने में क्यों विफल रहे? क्या विकासशील भारत का प्रचार करने वाली भाजपा सरकार के लिए विकासित का यही मतलब है? मोदी और अमित शाह के नेतृत्व वाली भाजपा सरकार को निरंकुश शासन करना बंद करना चाहिए और लोकतांत्रिक तरीके से कार्य करना चाहिए और उन्हें संसद सदस्यों को सदन में इस विषय पर अपने विचार व्यक्त करने का अवसर प्रदान करना चाहिए।

उपभोक्ता संतुष्टि सर्वोच्च प्राथमिकता है: मुशर्रफ फारुकी

हैदराबाद, 19 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। टीएसएसपीडीसीएल के अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक मुशर्रफ अली फारुकी ने कहा कि उपभोक्ता संतुष्टि सर्वोच्च प्राथमिकता है और राज्य सरकार सभी वर्गों को गुणवत्तापूर्ण बिजली आपूर्ति प्रदान करने को सर्वोच्च प्राथमिकता देती है। मुशर्रफ अली फारुकी ने मंगलवार को यहां टीएसएसपीडीसीएल के सभी जोन, सर्कल प्रमुखों के साथ एक वीडियो सम्मेलन आयोजित किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि सभी अधिकारियों को फाइल का निरीक्षण करना चाहिए और समस्याओं को स्वत: संज्ञान के आधार पर तत्काल प्रभाव से दूर करना चाहिए। उन्होंने निर्देश दिया कि सभी फील्ड अधिकारी और कर्मचारी अपने अधिकार क्षेत्र में कार्यालय समय के दौरान और आवश्यकता पड़ने पर उपभोक्ताओं के लिए उपलब्ध रहें और कहा कि किसी भी अनुशासनहीनता को बर्दाश्त नहीं किया जाना चाहिए। मुशर्रफ अली फारुकी ने कहा, "अधिकारियों और कर्मचारियों को उपभोक्ताओं की शिकायतों के प्रति हमेशा संवेदनशील रहना चाहिए और उनके साथ उचित व्यवहार करना चाहिए। उन्होंने सभी अधिकारियों को इस संबंध में कार्ययोजना बनाकर उपभोक्ताओं को बेहतर सेवाएं उपलब्ध कराने के लिए प्रभावी ढंग से कार्य करने के निर्देश दिए।

कांग्रेस के हर एक कार्यकर्ता की मेहनत सराहनीय: लक्ष्मीकांत राव

मदनूर, 19 दिसंबर स्वतंत्र वार्ता (स्वतंत्र वार्ता)। जुक्कल विस क्षेत्र के नवनिर्वाचित विधायक लक्ष्मीकांत राव ने पार्टी कार्यकर्ता के साथ मंडल केंद्र में विजय उत्सव शोभा यात्रा के बाद एक निजी मंगल कार्यालय में आपने पार्टी कार्यकर्ता को संबोधित करते हुए बताया कि कांग्रेस पार्टी के हर एक कार्यकर्ता मेरे लिय देवता समान है। उन्होंने मेरे जीत के लिय दिन रात कठिन मेहनत की। यह जीत मेरी नही है यह जीत जुक्कल विस क्षेत्र की जनता की है। इस समय पूर्व कृषि बाजार समिति अध्यक्ष मलिकार्जुन अप्पा, पूर्व जेडपीटीसी साहेबराव, मेनुर सरपंच विठ्ठल गुरुजी, पूर्व कृषि बाजार समिति अध्यक्ष संगमेश्वर, राम पाटील, के साथ बड़ी सख्या में पार्टी कार्यक्रता उपस्थित थे।

ब्रह्मर्षि समाज की बैठक में वार्षिकोत्सव पर चर्चा

हैदराबाद, 19 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। ब्रह्मर्षि समाज हैदराबाद के कार्यकारिणी की बैठक समाज के अध्यक्ष मानवेंद्र मिश्र की अध्यक्षता में, मधुरानगर में हुई। बैठक का मुख्य विषय समाज के वार्षिकोत्सव का आयोजन, समाज के मंदिर की देखभाल एवं अन्य विषयों पर चर्चा करना था। विभिन्न विषयों पर चर्चा करने के उपरांत वार्षिकोत्सव मनाने की बात की गई। गत 24 वर्षों से ब्रह्मर्षि समाज हैदराबाद अपना वार्षिकोत्सव 29 जनवरी को ही मनाता आ रहा है अतः इस वर्ष भी तय तिथि को ही इस आयोजन के लिए चुना गया। वार्षिकोत्सव सरोजिनी देवी हॉल, रामकोट में होगा। आयोजन को सफल बनाने में सदस्यों की सहभागिता एवं उपस्थिति आवश्यक होती है अतः शहर के विभिन्न भागों में बसे ब्रह्मर्षियों को कार्यक्रम में शामिल करने के लिये कार्यकारिणी की विभिन्न टीम बनाकर उनके घर जाने एवं उन्हें आमंत्रित करने हेतु सुझाव दिये गये और कहा गया कि यह कार्य जितनी जल्दी हो सके शुरू करें। इसके अतिरिक्त ब्रह्मर्षि सदस्यों के फ़ोन नंबर को अपडेट किया जाएगा और दूरभाष पर भी उन्हें आमंत्रित किया जाएगा। इस अवसर पर प्रत्येक वर्षानुसार इस वर्ष भी बुजुर्गों का सम्मान, शिक्षा सहायता सहयोग, प्रतिभाशाली बच्चों को पुरस्कार, विशेष उपलब्धि प्राप्त समाज के प्रमुख व्यक्तित्व को विशेष सम्मान आदि किए जाएंगे। बैठक में सुनील सिंह, अनीता राय, पंकज कुमार उषा शर्मा, रंजीत शुक्ला, सुजीत ठाकुर, मोहन सिंह, अमर सिंह, तिरूपति राय, आर एस शर्मा, सुधा राय, डॉ आशा मिश्रा, गीतू शर्मा , मीतु शर्मा , राजेश मिश्रा, अनुराग शर्मा, पूजा मिश्रा आदि पदाधिकारी व सदस्य उपस्थित रहे।

श्री समरथ कामधेनु, जियागुड़ा हैदराबाद में आयोजित अन्नकूट प्रसाद में भाग लेते हुए प्रभुत महराज, समाजसेवी गोपाल बल्दवा, मनोज कुमार अग्रवाल व अन्य।

जिलाधीश व विधायक ने किया नवनिर्मित कस्तूरबा गांधी विद्यालय का दौरा

निर्मल, 19 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। पेम्बी मंडल के मंडापल्ली गांव में नवनिर्मित कस्तूरबा गांधी विद्यालय का कलेक्टर आशीष सांगवान ने विधायक वेदामा बोज्जू के सात निरीक्षण किया। इस अवसर पर जिला कलेक्टर आशीष सांगवान ने कहा कि यह बहुत खुशी की बात है कि बड़ी जनजातीय आबादी वाले पेम्बी मंडल में कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय की स्थापना की गई है और इस वर्ष से इंटरमीडिएट पाठ्यक्रम को भी अपग्रेड किया गया है।

उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों को पढ़ाई के साथ-साथ मानसिक खुशी देने वाले खेलों, गीतों और नृत्यों में भी अच्छी प्रतिभा दिखानी चाहिए। इसके बाद छात्रों से उनके जीवन इतिहास के बारे में पूछा गया। इस मौके पर खानापुर विधायक वेदमा बोज्जू ने कहा कि वह अपने निर्वाचन क्षेत्र में पेम्बी मंडल के मंडपल्ली गांव में एक नए केजीबीवी स्कूल का उद्घाटन करके बहुत खुश हैं। इसी तरह उन्होंने कहा कि वे अपने विधानसभा क्षेत्र की हर समस्या से अवगत हैं और आइए हम सभी समस्याओं का समाधान सरपंचों और एमपीटीसी के सहयोग से करें। इसके बाद जिला कलेक्टर ने पेम्बी मंडल में प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र का दौरा किया और जिला चिकित्सा अधिकारी से विवरण के बारे में पूछताछ की। उन्होंने पेम्बी गांव के उपनगरीय इलाके में खेती की जा रही ताड़ के तेल की फसल का निरीक्षण किया और डीआरडीओ से विवरण के बारे में जानकारी ली। पेम्बी वन क्षेत्र का दौरा किया।

हिंदी के प्रयोग पर चिंतन-मंथन की जरूरत : संतोष कुमार

हैदराबाद, 19 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। अनुसंधान केंद्र इमारत (आरसीआई), डीआरडीओ, रक्षा मंत्रालय, हैदराबाद में वित्त वर्ष 2023-24 की तीसरी कार्यशाला 19 दिसंबर 2023 को डीओएमएस सम्मेलन कक्ष में संपन्न हुई। उद्घाटन सत्र की अध्यक्षता प्रबंध सेवा निदेशक एवं राजभाषा कार्यान्वयन समिति के उपाध्यक्ष डॉ. पी अनिल कुमार ने की। इस अवसर पर राजभाषा कार्यान्वयन समिति के वरिष्ठ सदस्य संतोष कुमार सतनामी, वैज्ञानिक-एफ ने हिंदी के प्रयोग पर चिंतन-मंथन की बात कहते हुए इसकी आवश्यकता पर बल दिया। इसके उपरांत डॉ. एम. के. गुप्ता, वैज्ञानिक-एफ ने प्रयोगशाला में हिंदी में किए जा रहे कार्यों के बारे में विस्तृत रूप से सहभागियों को जानकारी दी। राजभाषा कार्यान्वयन समिति के उपाध्यक्ष डॉ. पी अनिल कुमार, वैज्ञानिक-जी ने अपने विचार रखते हुए कहा कि हमे अपने परिवार में बच्चों के साथ हिंदी में बात करनी चाहिए तथा अन्य संपर्क भाषा का प्रयोग करते हुए हिंदी के इस महत्वपूर्ण गुण को समझना चाहिए कि इसमें सभी भाषाओं का प्रतिनिधित्व करने की क्षमता है। काज़िम अहमद, सहायक निदेशक (राजभाषा) ने हिंदी के संवैधानिक महत्व के बारे में बताया। उन्होंने यह भी जानकारी दी कि राजभाषा कार्यान्वयन केवल राजभाषा प्रभाग की नहीं अपितु कार्यालय में कार्यरत प्रत्येक कार्मिक की जिम्मेदारी है। दो सत्रों में आयोजित कार्यशाला के प्रथम सत्र में डॉ. बी. बालाजी, प्रबंधक (राजभाषा) ने हिंदी का सक्रिय रूप से प्रयोग करने की बात कही। अपनी आकर्षक एवं सशक्त अभिव्यक्ति शैली से उन्होंने उपस्थित सहभागियों का परिचय लिया। केंद्रीय सरकार के कार्यालयों के लिए प्रशासनिक स्तर पर दैनिक रूप से प्रयोग होने वाले अहम विषय नोटिंग और ड्राफ्टिंग पर उन्होंने व्याख्यान दिया। हिंदी की आवश्यकता पर प्रश्न पूछते हुए उन्होंने सहभागियों के चिंतन पटल से उत्तर जानने का प्रयास किया। पारस्परिक चर्चा करते हुए उन्होंने हिंदी भाषा के इतिहास से लेकर हिंदी की वर्तमान स्थिति तक की बात कही, कार्यालयों में हिंदी कार्यान्वयन तथा इसकी आवश्यकता की जानकारी दी, फाइलों पर हिंदी में कार्य करने के नियमों से अवगत कराया। कार्यालय के द्वितीय सत्र में कमालुद्दीन, सहायक निदेशक (सेवानिवृत) ने अपना व्याख्यान दिया तथा पारिभाषिक, तकनीकी एवं प्रशासनिक शब्दावली पर परिचर्चा की। उन्होंने पारिभाषिक शब्दावली को परिभाषित करते हुए उदाहरण के साथ इसके महत्व को समझाया। प्रशासन, विज्ञान, वाणिज्य, गणित, खेल-कूद, फिल्म जगत आदि क्षेत्रों में प्रयोग की जाने वाली शब्दावलियों की जानकारी दी तथा सहभागियों को शब्दों की गरिमा और उनकी शक्ति के बारे में बताया। कमालुद्दीन जी ने शब्दों को गढ़े जाने की प्रक्रिया की जानकारी दी। हिंदी शब्द-भंडार में अन्य भाषा के शब्दों को ग्रहण कर उसे समृद्ध करने की बात बताई। उन्होंने संस्कृत के महत्व पर भी प्रकाश डाला। काज़िम अहमद ने अतिथि वक्ताओं का परिचय दिया। गौतम कुमार महतो, आशुलिपिक ने मंच संचालन किया तथा श्री पवन कुमार, वरिष्ठ अनुवाद अधिकारी ने आभार प्रदर्शित किया। इस कार्यशाला में प्रयोगशाला के विभिन्न कार्यस्थलों से पच्चीस सहभागियों ने भाग लिया।

शराबी ने की आत्महत्या

तानूर, 19 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। एक शराबी व्यक्ति की आत्महत्या की घटना मंगलवार को तनूर मंडल में घटी। एसआई संदीप के मुताबिक, मंडल के उमरी (के) गांव में रहने वाले कदम बालाजी (38) को शराब की लत थी और उसने शराब के नशे में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। परिजनों की शिकायत के मुताबिक मामला दर्ज कर लिया गया है और जांच की जा रही है।

भाग्यनगर में पहली बार 10 से 16 तक आयोजित श्रीमद् देवी भागवत के सफलतम आयोजन पर कार्यक्रम यजमान अमित अग्रवाल, सैलेश सोनी, रूपेश सोनी, प्रमोद कुमार बंग, भगवानदास सारडा, सनत दास, प्रशांत दास, कार्यक्रम व्यवस्था में विशेष सहयोग के लिए अमित लड्डा का अभिनंदन करते हुए तेलंगाना प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन के अध्यक्ष रमेश कुमार बंग, मंत्री रामप्रकाश भंडारी। साथ में महेश बजाज, दिनेश बंग, कैलाश मंत्री, अनिरुद्ध कांकाणी एवं अन्य।

प्रथम पृष्ठ का शेष भाग...

राज्यसभा से दिल्ली ...

वीसीके का एक (लोकसभा से) और आरएसपी का एक (लोकसभा से) सांसद हैं।

सोमवार यानी 18 दिसंबर को कुल 78 सांसदों (लोकसभा-33, राज्यसभा-45) को निलंबित किया गया था। आजादी के बाद पहली बार एक ही दिन में इतने सांसद निलंबित किए गए हैं। इससे पहले 1989 में राजीव सरकार में 63 सांसद निलंबित किए गए थे। पिछले हफ्ते भी 14 सांसदों को निलंबित किया गया था।

इंडिया की बैठक ...

चुनाव अभियान की ब्रांडिंग कैसे होगी, इसके लिए किन एजेंसियों की मदद ली जा सकती है। बैठक में लोकसभा और राज्यसभा से 141 सांसदों के निलंबन पर चर्चा हुई। विपक्षी दलों ने सांसदों के सस्पेंशन की निंदा की। बैठक से पहले कांग्रेस ने 2024 के लोकसभा चुनाव के लिए 5 मेंबर्स की नेशनल अलायंस कमेटी बना दी। अशोक गहलोत, भूपेश बघेल, सलमान खुर्शीद और मोहन प्रकाश इसके मेंबर्स हैं, मुकुल वासनिक को कमेटी का संयोजक बनाया गया।

बैठक से पहले शिवसेना के मुखपत्र सामना ने लिखा, हमारे पास प्रधानमंत्री पद के लिए बहुत सारे चेहरे हैं चॉइस ही चॉइस है, यह कहना केवल दिल बहलाने के लिए ख्याल अच्छा है। इंडिया गठबंधन को एक समन्वयक की जरूरत है, एक चेहरे की जरूरत है। 19 तारीख की बैठक में निर्णय लेना होगा और उसके बाद ही अगला कदम उठाना होगा। 2024 के लिए इंडिया ब्लॉक का चेहरा कौन? मोदी के सामने कौन? इन सभी सवालों का जवाब देना होगा।

पांच राज्यों में हुए चुनाव में तीन राज्य इंडिया ने नहीं बल्कि कांग्रेस ने गंवाए, कांग्रेस जीत का केक अकेले खाना चाहती थी इसलिए राज्य की छोटी पार्टियों को गठबंधन से दूर रखा गया, मध्य प्रदेश में अखिलेश यादव को जानबूझकर दूर रखा गया। अब ऐसा कहा जाने लगा है कि जहां कांग्रेस खुद के दम पर जितने की संभावना रखती है वहां पर वह किसी और को साथ लेने को तैयार नहीं होती और अपने अहंकार के साथ-साथ इंडिया का भी नुकसान करती है।

कांग्रेस को युति का महत्व समझना चाहिए। यह अच्छा है कि कांग्रेस ने इस बैठक की पहल की, लेकिन यह देखना महत्वपूर्ण होगा कि कांग्रेस के निमंत्रण का सम्मान करते हुए कितने बाराती और कितने बैंड वाले जुटते हैं।

स्वतंत्र वार्ता
Email :
svaarttha2006@gmail.com
svaarttha@rediffmail.com
svaarttha2006@yahoo.com
Epaper :
epaper.swatantravaartha.com
For Advertisement :
swadds1@gmail.com

आईपीएल इतिहास में सबसे महंगे बिके स्टार्क: 24.75 करोड़ में केकेआर ने खरीदा

दुबई, 19 दिसंबर (एजेंसियां)। इंडियन प्रीमियर लीग का मिनी ऑक्शन दुबई में जारी है। ऑस्ट्रेलिया के मिचेल स्टार्क आईपीएल इतिहास के सबसे महंगे खिलाड़ी बने। उन्हें 24.75 करोड़ रुपए में कोलकाता नाइट राइडर्स ने खरीदा, उनके लिए गुजरात ने भी आखिर तक बोली लगाई।

7 अनकैप्ड प्लेयर करोड़पति बने। समीर रिजवी को चेन्नई सुपर किंग्स ने 8.40 करोड़ रुपए में खरीदा। शुभम दुबे 5.80 करोड़ रुपए में राजस्थान रॉयल्स का हिस्सा बने। वहीं शाहरुख खान को 7.40 करोड़ रुपए में गुजरात ने खरीदा। कीपर कुमार कुशाग्र को 7.20 करोड़ रुपए में दिल्ली कैपिटल्स ने खरीदा। गेंदबाज यश दयाल को 5 करोड़ रुपए में बेंगलुरु ने खरीदा।

ऑस्ट्रेलिया के पैट कमिंस 20.50 करोड़ रुपए में बिके। उन्हें स्टार्क से डेढ़ घंटे पहले ही सनराइजर्स हैदराबाद ने खरीदा था। हर्षल पटेल इस ऑक्शन में सबसे महंगे भारतीय बने। उन्हें 11.75 करोड़ रुपए में पंजाब किंग्स ने खरीदा।

यूपी टी-20 लीग में चमकने वाले 20 साल के अनकैप्ड बैटर समीर रिजवी के लिए बिडिंग वॉर देखने को मिला। उनके लिए चेन्नई सुपर किंग्स और दिल्ली कैपिटल्स में लड़ाई देखने को मिली। आखिर में चेन्नई ने उन्हें बेस प्राइस से 42 गुना ज्यादा कीमत देकर 8.40 करोड़ रुपए में खरीद लिया। समीर की बेस प्राइस 20 लाख रुपए थी। रिजवी यूपी टी-20 लीग में टॉप रन स्कोरर रहे थे।

अनकैप्ड स्पिनर एम सिद्धार्थ भी करोड़पति बन गए, उन्हें लखनऊ सुपरजायंट्स ने बेस प्राइस से 12 गुना ज्यादा कीमत देकर 2.40 करोड़ रुपए देकर खरीदा। सेट-10 में 2 प्लेयर्स और भी बिके। गुजरात ने मानव सुथार और मुंबई ने श्रेयस गोपाल को 20 लाख रुपए की बेस प्राइस में खरीदा।

रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु ने यश दयाल को 5 करोड़ रुपए में खरीदा। उन्हें पिछले सीजन रिंकू सिंह ने 20वें ओवर में 5 लगातार सिक्स लगाए थे। सेट-9 में गुजरात टाइटंस ने 2 प्लेयर्स खरीदे। उन्होंने कार्तिक त्यागी को 60 लाख और सुशांत मिश्रा को 2.20 करोड़ रुपए में खरीदा। रसीख सलाम 20 लाख रुपए में दिल्ली कैपिटल्स टीम का हिस्सा बने। इस सेट में तेज गेंदबाज कुलदिप यादव और ईशान पोरल अनसोल्ड रहे।

अनकैप्ड विकेटकीपर कुमार कुशाग्र करोड़पति बन गए। उन्हें दिल्ली कैपिटल्स ने 7.20 करोड़ रुपए में खरीदा। उनके लिए गुजरात टाइटंस ने भी बोली लगाई थी। कुशाग्र झारखंड से घरेलू क्रिकेट खेलते हैं। सेट-7 में टॉम कोहलर कैडमोर को 40 लाख में राजस्थान और रिकी भुई को 20 लाख में दिल्ली ने खरीदा। इस सेट में उर्विल पटेल और विष्णु सोलंकी अनसोल्ड रहे।

2022 के ऑक्शन में 9 करोड़ में बिकने वाले अनकैप्ड बैटर शाहरुख खान फिर करोड़पति बन गए। उनके लिए पंजाब और गुजरात में बिडिंग वॉर हुआ। आखिर में उन्हें 7.40 करोड़ रुपए में गुजरात टाइटंस ने खरीद लिया।

सेट-7 में अर्शीन कुलकर्णी को लखनऊ सुपरजायंट्स और रमनदीप सिंह को कोलकाता नाइट राइडर्स ने खरीदा। दोनों को 20-20 लाख रुपए की कीमत मिली।

विदर्भ के अनकैप्ड लेफ्ट हैंड बैटर शुभम दुबे को बेस प्राइस से कई गुना ज्यादा बोली मिली। उनके लिए राजस्थान रॉयल्स और दिल्ली कैपिटल्स में बिडिंग वॉर हुआ। उन्हें आखिर में राजस्थान ने ही बेस प्राइस से 29 गुना ज्यादा कीमत देकर 5.80 करोड़ रुपए में खरीद लिया। शुभम की बेस प्राइस 20 लाख रुपए थी। इस सेट में अंगकृष रघुवंशी को कोलकाता नाइट राइडर्स ने 20 लाख रुपए में खरीदा। न्यूजीलैंड के डेरिल मिचेल 14 करोड़ रुपए में चेन्नई सुपर किंग्स में शामिल हो गए। रचिन रवींद्र महज 1.80 करोड़ में बिक गए। श्रीलंका के वनिंदू हसरंगा भी 1.50 करोड़ में ही हैदराबाद का हिस्सा बने। जबकि ऑस्ट्रेलिया के स्टीव स्मिथ और न्यूजीलैंड के लॉकी फर्ग्यूसन अनसोल्ड रहे।

ऑस्ट्रेलिया के तेज गेंदबाज मिचेल स्टार्क के लिए मुंबई इंडियंस और दिल्ली कैपिटल्स में शुरुआती बिडिंग वॉर देखने को मिला। दिल्ली ने 9.60 करोड़ रुपए तक और मुंबई ने 10 करोड़ रुपए तक बोली लगाई। यहां से गुजरात टाइटंस और कोलकाता नाइट राइडर्स में बिडिंग वॉर हुआ। आखिर में कोलकाता नाइट राइडर्स ने उन्हें 24.75 करोड़ रुपए में खरीदा। ऑस्ट्रेलिया के कप्तान पैट कमिंस के लिए चेन्नई सुपर किंग्स और मुंबई इंडियंस में बिडिंग वॉर शुरू हुआ। 2 करोड़ की बेस प्राइस से मुंबई ने शुरुआत की, उन्होंने 5 करोड़ तक बोली लगाई। यहां से बेंगलुरु और चेन्नई में बिडिंग वॉर हुआ। दोनों ही टीमों को कप्तान की जरूरत है। चेन्नई ने 10 करोड़ तक बोली लगाई। बेंगलुरु ने 20.25 करोड़ तक बोली लगाई, आखिर में उन्हें हैदराबाद ने आखिरी में 20.50 करोड़ रुपए में खरीद लिया।

आईपीएल के एक ओवर में दो बाउंसर

सैयद अली ट्रॉफी में हो चुका ट्रायल; पिछले आईपीएल सीजन में शुरू हुआ था इम्पैक्ट प्लेयर रूल

मुंबई, 19 दिसंबर (एजेंसियां)। आईपीएल 2024 में गेंदबाजों को एक ओवर में दो बाउंसर डालने की छूट होगी। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड ने सैयद मुश्ताक अली में इसे आजमाने के बाद आईपीएल 2024 में इसे लागू करने का फैसला किया है। क्रिक इंफो की रिपोर्ट के मुताबिक आईपीएल 2024 में कोई भी गेंदबाज एक ओवर में दो बाउंसर डाल सकेगा। अगर गेंदबाज एक ओवर में तीन बाउंसर फेंकता है तो तीसरी बाउंसर को नो बॉल करार दिया जाएगा।

इंटरनेशनल गेंदबाज जयदेव उनादकट ने क्रिकइफों से बातचीत में कहा, 'एक ओवर में दो बाउंसर से तेज गेंदबाजों को काफी फायदा होगा। मुझे लगता है कि यह उन चीजों में से एक है जो गेंदबाज को बल्लेबाजों पर अतिरिक्त फायदा देता है। यह एक बहुत बड़ा प्रभाव वाला एक बहुत छोटा बदलाव है और एक गेंदबाज के तौर पर उस

नियम का पालन करना बहुत महत्वपूर्ण है।'

बीसीसीआई ने घरेलू टी -20 सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी इसे आजमाने का किया था फैसला

बीसीसीआई ने जुलाई में हुई बैठक में घरेलू टी-20 सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी 2023-24 में एक ओवर में दो बाउंसर फेंकने की छूट गेंदबाजों को देने का फैसला किया गया था। जिसके बाद 16 अक्टूबर से 6 नवंबर तक हुए मुश्ताक अली ट्रॉफी में इसे अजमाया गया। पंजाब ने फाइनल में बड़ोदा को हराकर 2023-24 का सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी अपने नाम की थी।

पिछले सीजन में लागू किया गया था इम्पैक्ट प्लेयर का रूल

आईपीएल 2023 में पहली बार इम्पैक्ट प्लेयर रूल लाया गया था। इस नियम के तहत टॉस के समय एक टीम को प्लेइंग इलेवन के अलावा चार खिलाड़ियों की लिस्ट भी देनी होती है। बाद में टीम उन चार प्लेयर्स में से किसी एक को अपने इम्पैक्ट प्लेयर के रूप में उपयोग कर सकती है।

यदि कोई टीम अपनी शुरुआती प्लेइंग इलेवन में चार विदेशी खिलाड़ियों को शामिल करती है, तो वे इम्पैक्ट प्लेयर के रूप में केवल एक भारतीय को ही ला सकते हैं। इम्पैक्ट प्लेयर रूल ने काफी हद तक ऑलराउंडर्स के खेल को कम कर दिया है।

इंडियन प्रीमियर लीग आईपीएल के 17वें सीजन की शुरुआत मार्च के आखिरी सप्ताह में हो सकती है। इसका फाइनल मई अंत में होगा। हालांकि, बीसीसीआई ने अभी आधिकारिक रूप से इसकी घोषणा नहीं की है। बीसीसीआई ने इस सीजन के लिए ऑफिशियल विंडो 22 मार्च से मई अंत तक तय की है। मंगलवार को दुबई में होने जा रहे मिनी ऑक्शन से पहले फ्रेंचाइजी को यह जानकारी दी गई है। हालांकि इस सीजन के आयोजन की फाइनल डेट आम चुनाव के हिसाब से तय होगी।

इन 5 विकेटकीपरों के लिए होगी जमकर लड़ाई

सीएसके को चाहिए धोनी का रिप्लेसमेंट

मुंबई, 19 दिसंबर (एजेंसियां)। आईपीएल के आगामी सीजन के लिए नीलामी होने में अब गिनती के महज कुछ घंटे शेष रह गए हैं। सभी की नजर स्टार खिलाड़ियों पर टिकी हुई है। सीएसके की टीम भी आगामी सीजन में हिस्सा लेने के लिए तैयार है। नीलामी के दौरान वह एक भारतीय विकेटकीपर को जरुर अपने बेड़े में शामिल करना चाहेगी। क्योंकि अगले सीजन तक धोनी 43 साल के हो जाएंगे। इस उम्र में क्रिकेट में खेलना उनके लिए आसान नहीं होने वाला है।

बात करें आगामी नीलामी में इस बार किन पांच विकेटकीपरों पर सभी की निगाहें रहेंगी, तो उनके नाम कुछ प्रकार हैं-

जोश इंगलिसः ऑस्ट्रेलियाई विकेटकीपर बल्लेबाज ने अपने छोटे से ही क्रिकेट करियर में उम्दा खेल से लोगों को काफी प्रभावित किया है। वह विकेटकीपिंग के साथ-साथ उम्दा बल्लेबाजी करने में भी माहिर हैं। इंगलिस ने कंगारू टीम के लिए अबतक 18 वनडे और 15 टी20 मुकाबले खेले हैं।

इस बीच उनके बल्ले से वनडे की 16 पारियों में 18.88 की औसत से 302 और टी20 की 15 पारियों में 29.77 की औसत से 387 रन निकले हैं।

फिल साल्टः इंग्लैंड के धाकड़ सलामी बल्लेबाज की गूंज मौजूदा समय में चारो तरफ है। वह बल्लेबाजी के साथ-साथ विकेटकीपिंग में भी माहिर हैं। इसके अलावा उन्हें आईपीएल में भी शिरकत करने का अनुभव है। यहां उन्होंने अबतक कुल नौ मुकाबले खेले हैं। इस बीच उनके बल्ले से नौ पारियों में 27.25 की औसत से 218 रन निकले हैं। इस बीच उनका स्ट्राइक रेट 163.91 का रहा है।

सैम बिलिंग्सः फिल साल्ट की तरह ही इंग्लैंड के एक और विकेटकीपर खिलाड़ी का नाम इस खास लिस्ट में आता है। यह कोई और नहीं इंग्लैंड के विकेटकीपर बल्लेबाज सैम बिलिंग्स हैं। बिलिंग्स को इंग्लैंड क्रिकेट टीम के साथ-साथ आईपीएल में भी खेलने का अनुभव है। आईपीएल में उन्होंने अबतक कुल 30 मुकाबले खेले हैं। इस बीच उनके बल्ले से 27 पारियों में 19.35 की औसत से 503 रन निकले हैं।

केएस भरतः इस बार मैदान में भारतीय विकेटकीपर खिलाड़ी केएस भरत भी हैं। भरत पर कई टीमों की नजर है। खासकर चेन्नई सुपर किंग्स की। फ्रेंचाइजी 30 वर्षीय खिलाड़ी को अपने बेड़े में शामिल कर धोनी की कमी को कुछ हद तक भरने की कोशिश करेगी। बता दें धोनी की मौजूदा उम्र 42 साल है। अगले साल तक वह 43 साल के हो जाएंगे। आगामी सीजन में वह शिरकत करेंगे। इसकी बेहद कम गुंजाइश है।

बेन डकेटः हाल के दिनों में इंग्लिश क्रिकेटर बेन डकेट ने अपनी उम्दा बल्लेबाजी से हर किसी का ध्यान खिंचा है। उम्मीद जताई जा रही है इस बार उन्हें नीलामी में किसी टीम का साथ मिल सकता है। डकेट टीम में बल्लेबाजी के साथ-साथ विकेटकीपिंग में माहिर हैं।

मार्च के आखिरी सप्ताह में शुरू हो सकता है आईपीएल-2024

22 मार्च से मई अंत तक की विंडो तय; रेहान अहमद ने नाम वापस लिया

मुंबई, 19 दिसंबर (एजेंसियां)। इंडियन प्रीमियर लीग के 17वें सीजन की शुरुआत मार्च के आखिरी सप्ताह में हो सकती है। इसका फाइनल मई अंत में होगा।

बीसीसीआई ने इस सीजन के लिए ऑफिशियल विंडो 22 मार्च से मई अंत तक तय की है। मंगलवार को दुबई में होने जा रहे मिनी ऑक्शन से पहले फ्रेंचाइजी को यह जानकारी दी गई है। हालांकि इस सीजन के आयोजन की फाइनल डेट आम चुनाव के हिसाब से तय होगी।

क्रिकेट वेबसाइट क्रिकबज ने एक रिपोर्ट में दावा किया है कि ऑस्ट्रेलिया, साउथ अफ्रीका, अफगानिस्तान, न्यूजीलैंड और वेस्टइंडीज के खिलाड़ी पूरे सीजन के लिए मौजूद रहेंगे, जबकि इंग्लैंड, आयरलैंड, श्रीलंका और बांग्लादेश के कुछ खिलाड़ी उपलब्ध रहेंगे।

ऑस्ट्रेलिया के तेज गेंदबाज जोश हेजलवुड मई के पहले सप्ताह तक आईपीएल का हिस्सा होंगे। शेष ऑस्ट्रेलियन खिलाड़ी सीजन भर भारतीय लीग में खेलेंगे। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने बीसीसीआई को बताया है कि हेजलवुड और शेफील्ड शील्ड के फाइनल में खेलने वालों को छोड़कर उसके सभी खिलाड़ी पूरी तरह से उपलब्ध रहेंगे।

ऑस्ट्रेलियाई बोर्ड ने भारतीय बोर्ड को आश्वासन दिया है कि सभी खिलाड़ी चोटिल होने तक उपलब्ध रहेंगे। खिलाड़ियों के पास

घरेलू आयोजन के बजाय आईपीएल चुनने का विकल्प है, जो 21 से 25 मार्च तक होगा।

रेहान अहमद नीलामी से हट गए हैं। इंग्लिश क्रिकेट बोर्ड ने भारतीय बोर्ड को सूचना दी है कि उसके खिलाड़ी लीग में तब तक भाग ले सकते हैं, जब तक कि वे अनफिट न हों या उनकी इंटरनेशनल ड्यूटी न हो। इंग्लिश प्लेयर्स की उपलब्धता टी-20 वर्ल्ड कप से पहले इंग्लैंड के इंटरनेशनल शेड्यूल पर निर्भर करेगी। टीम को टी-20 वर्ल्ड कप से पहले मई में पाकिस्तान के खिलाफ सीरीज खेलनी है। हालांकि अभी तक इंग्लिश टीम का इंटरनेशनल शेड्यूल फाइनल नहीं हुआ है।

भारतीय लीग में बांग्लादेश और आयरलैंड के कुछ खिलाड़ी ही हिस्सा लेंगे। लीग के लिए मुस्तफिजुर रहमान और जोश लिटिल को स्पेशल अनुमति दी गई है, जबकि आयरलैंड के तेज गेंदबाज को लीग में पूरी तरह से भाग लेने की अनुमति दी गई है, बीसीबी ने कहा है कि रहमान 22 मार्च से 11 मई तक लीग में भाग ले सकते हैं।

बीसीबी ने बीसीसीआई को बताया है कि 'तस्किन अहमद और शोरिफुल इस्लाम के नाम नीलामी में शामिल हैं, लेकिन ये दोनों IPL-2024 के लिए उपलब्ध नहीं होंगे। बांग्लादेश के केवल 5 खिलाड़ियों (रहमान सहित) को बांग्लादेश से नीलामी रजिस्टर में शामिल किया गया था।

बांग्लादेश को 30 मार्च से 3 अप्रैल तक श्रीलंका के खिलाफ दूसरा (आखिरी) टेस्ट खेलना है, जिससे कुछ श्रीलंकाई खिलाड़ियों की उपलब्धता पर सवाल उठ रहे हैं। हालांकि महिश तीक्षणा, वानिंदू हसरंगा, मथीश पथिराना और दुष्मंथा चमीरा उपलब्ध रहेंगे, क्योंकि वे टेस्ट में भाग नहीं लेते हैं।

नहीं सुधर रहे इंग्लिश क्रिकेटर, ऑक्शन से पहले इस बार 19 वर्षीय युवा ने दिया दगा

लंदन, 19 दिसंबर (एजेंसियां)। आईपीएल 2024 की नीलामी में अब गिनती के महज कुछ मिनट शेष रह गए हैं। सभी टीमों के अहम सदस्यों ने दुबई स्थित कोका-कोला एरिना बिल्डिंग में पहुंचना शुरू कर दिया है। आगामी सीजन के लिए आज (19 दिसंबर) कुल 333 खिलाड़ियों के भविष्य पर फैसला होगा। इसमें से अधिकतम 77 खिलाड़ियों को खरीददार मिलने की संभावना है। ऑक्शन से पहले जहां कई खिलाड़ियों की सांसे बढ़ी हुई हैं। वहीं इंग्लैंड के एक क्रिकेटर ने फिर से लीग को दगा दे दिया है। यह पहली बार नहीं है जब किसी इंग्लिश क्रिकेटर ने लीग से अपना नाम वापिस लिया हो। इससे पहले भी कई क्रिकेटर ऐसी हरकत कर चुके हैं। जिसके बाद सोशल

मीडिया पर जमकर हो-हल्ला मचा था। इस बार नीलामी से पूर्व रेहान अहमद ने अपना नाम वापिस लिया है। उन्होंने पहले मिनी ऑक्शन के लिए अपना नाम दर्ज करवाया था, लेकिन नीलामी से पूर्व अपना फैसला बदलते हुए नाम वापिस ले लिया है। अहमद इंग्लैंड के 19 वर्षीय युवा लेग स्पिनर हैं। उन्होंने हाल ही में इंग्लैंड के लिए इंटरनेशनल किकेट में डेब्यू किया है। उनकी उम्दा गेंदबाजी को देख कई टीमें उनमे दिलचस्पी ले रही थीं, लेकिन उन्होंने ऑक्शन से ठीक पहले अपना नाम वापिस ले लिया है। बता दें पिछले कुछ सीजन में देखा गया है कि ऑक्शन के बाद कई इंग्लिश खिलाड़ियों ने अपनी निजी समस्याओं का हवाला देते हुए लीग में शिरकत करने का फैसला नहीं लिया है। जिसके बाद उनकी टीमों की रणनीति पर काफी असर पड़ा है। कुछ पूर्व क्रिकेटरों ने इस बीच ऐसे खिलाड़ियों को बैन करने की भी सलाह दी थी, लेकिन फिलहाल ऐसा वाक्या अबतक देखने को नहीं मिला है। रेहान ने इंग्लिश टीम के लिए अबतक कुल 12 इंटरनेशनल मुकाबले खेले हैं।

दुनियाभर में कमाल कर रहे हैं भारतीय मूल के ये 24 फुटबॉलर

जल्द टीम इंडिया में हो सकते हैं शामिल

नई दिल्ली, 19 दिसंबर (एजेंसियां)। अखिल भारतीय फुटबाल महासंघ (एआई एफएफ) के अध्यक्ष कल्याण चौबे ने कहा है कि एआईएफएफ राष्ट्रीय टीम में चयन के लिए भारतीय मूल के व्यक्तियों (पीआईओ) के चयन की संभावना पर गौर कर रहा है और जल्द ही ऐसे 24 खिलाड़ियों से संपर्क करेगा। पीआईओ और भारत के विदेशी नागरिक (ओसीआई) खिलाड़ियों का राष्ट्रीय टीम में चयन लंबे समय से बहस का मुद्दा रहा है।

राष्ट्रीय टीम के मुख्य कोच इगोर स्टिमेच पहले ही भारतीय टीम में पीआईओ खिलाड़ियों के चयन की जरूरत की वकालत कर चुके हैं। लेकिन ऐसा करना आसान नहीं होगा क्योंकि भारतीय कानून दोहरी नागरिकता को स्वीकृति नहीं देता।

अगर कोई पीआईओ खिलाड़ी भारत के लिए खेलना चाहता है तो उसे भारतीय नागरिकता लेनी होगी। नागरिकता के लिए आवेदन करने से पहले उस व्यक्ति को 12 महीने भारत में रहना होगा।

चौबे ने खिलाड़ियों के नाम का खुलासा किए बिना कहा, 'हम 24 पीआईओ खिलाड़ियों से संपर्क करने पर विचार कर रहे हैं जो दुनिया भर में खेल रहे हैं। लेकिन आपको पता है कि दोहरी नागरिकता का मुद्दा है। इसलिए हमें देखना होगा कि केंद्र सरकार के नियमों के भीतर यह कैसे हो पाता है।'

नवीन-उल-हक आईएलटी 20 से 20 महीने के लिए बैन

शारजाह वॉरियर्स के साथ रिटेंशन नोटिस साइन करने से किया इनकार, 2 सीजन मिस करेंगे

खेल डेस्क, 19 दिसंबर (एजेंसियां)। अफगानिस्तान के पेसर नवीन-उल-हक को शारजाह वॉरियर्स के साथ अपने प्लेयर एग्रीमेंट का उल्लंघन करने के लिए यूएई की आईएलटी 20 (इंटरनेशनल लीग टी-20) से 20 महीने के लिए बैन कर दिया गया है। नवीन ने अगले साह जनवरी-फरवरी में होने वाले टूर्नामेंट के लिए रिटेंशन नोटिस पर साइन करने से इनकार कर दिया था।

बैन प्रभावी रूप से नवीन को 2024 और 2025 में आईएलटी 20 में खेलने से रोक देगा। हालांकि इस बैन का असर नवीन पर ज्यादा नहीं पड़ेगा, क्योंकि वे जनवरी-फरवरी में ही होने वाली साउथ अफ्रीका लीग का हिस्सा होंगे। उन्होंने डरबन के सुपर जाइंट्स के साथ अनुबंध किया है।

शारजाह वॉरियर्स ने 2023 में लीग के पहले सीजन में नवीन को

साइन किया था। इस साल की शुरुआत में ही टीम ने उन्हें रिटेंशन नोटिस भेजा था। नवीन ने जब नोटिस पर साइन करने से मना कर दिया, तब टीन ने लीग के अधिकारियों से संपर्क किया। आईएलटी 20 ने नवीन से बातचीत करने की कोशिश की लेकिन दोनों के बीच कोई हल नहीं निकला।

लीग की डिसिप्लीनरी कमेटी में आईएलटी 20 के चीफ एक्जिक्यूटीव डेविड व्हाइट, सिक्योरिटी और एन्टी-करप्शन प्रमुख कर्नल आजम और एमिरेट्स क्रिकेट बोर्ड के सदस्य जायद अब्बास शामिल थे। इस कमेटी ने वॉरियर्स और नवीन दोनों को सुना और उनके सामने सबूतों की जांच की।

बैन लगाने के अलावा कोई और ऑप्शन नहीं बचा - व्हाइट

आईएलटी 20 के चीफ एक्जिक्यूटीव डेविड व्हाइट ने कहा, हमें यह घोषणा करने में गर्व नहीं है लेकिन सभी पक्षों से अपेक्षा की जाती है कि वे अपनी अनुबंध संबंधी प्रतिबद्धताओं का पालन करें और यह पहचानें कि इसे नहीं मानने से दूसरे पक्ष को नुकसान हो सकता है। दुर्भाग्य से नवीन-उल-हक शारजाह वॉरियर्स के साथ अपने कॉन्ट्रेक्ट संबंधी दायित्वों का पालन करने में असफल रहे और ऐसे में लीग के पास उन पर 20 महीने का प्रतिबंध लगाने के अलावा कोई विकल्प नहीं था।

रिकी पोंटिंग और ट्रेवर बेलिस की अपने ही देश में हो रही है खिंचाई

कारण बना आईपीएल नीलामी 2024

कैनबरा, 19 दिसंबर (एजेंसियां)। क्रिकेटरों की उन्हीं के देश में जमकर आलोचना हो रही है। ये दोनों क्रिकेटर और कोई नहीं कंगारू टीम के पूर्व दिग्गज कप्तान रिकी पोंटिंग और ट्रेवर बेलिस हैं। बताया जा रहा है कि इन दोनों खिलाड़ियों ने ऑस्ट्रेलिया में जारी क्रिकेट प्रतियोगिताओं को छोड़कर आईपीएल को प्राथमिकता दी है। यही वजह है कि वहां के लोग इनसे नाराज हैं।

दरअसल, मौजूदा समय में पाकिस्तान की टीम ऑस्ट्रेलिया दौरे पर है। यहां पोंटिंग 'चैनल 7' के साथ अपनी आवाज से समां बांध रहे हैं। वहीं ट्रेवर बेलिस बिग बैश लीग में सिडनी थंडर की टीम के साथ बतौर कोच जुड़े हुए हैं, लेकिन जैसे ही आईपीएल ऑक्शन से पहले इन दोनों दिग्गजों के पास उनकी आईपीएल टीमों ने कॉल किया। वो तुरंत वहां से दुबई के लिए रवाना हो गए।

पाकिस्तान और ऑस्ट्रेलिया के बीच जारी टेस्ट सीरीज का पहला मुकाबला 14 दिसंबर से 17 दिसंबर के बीच पर्थ में खेला गया। मिली जानकारी के मुताबिक पोंटिंग इस मैच में केवल तीन दिन ही कमेंट्री करने के बाद दुबई दौरे पर निकल पड़े। बता दें आईपीएल में जहां रिकी पोंटिंग दिल्ली कैपिटल्स की टीम के मुख्य कोच हैं। वहीं ट्रेवर बेलिस सनराइजर्स हैदराबाद की टीम को बतौर मुख्य कोच सेवाएं दे रहे हैं। पोंटिंग और बेलिस ऑस्ट्रेलियाई मीडिया में भी छाए हुए हैं। कुछ अखबारों ने इन दोनों खिलाड़ियों की जमकर आलोचना की है।

राष्ट्रपति ने छात्रों से करुणा और सहानुभूति विकसित करने का आग्रह किया

हैदराबाद, 19 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने मंगलवार को छात्रों से करुणा और सहानुभूति विकसित करने और अन्य लोगों की प्रगति के लिए भी काम करने का आग्रह किया। हैदराबाद पब्लिक स्कूल (एचपीएस) के शताब्दी समारोह के भव्य समापन को हरी झंडी दिखाते हुए, राष्ट्रपति मुर्मू ने कहा कि किसी भी संस्थान के लिए, शताब्दी वर्ष जश्न मनाने लायक है। 100 लंबे वर्षों में, शैक्षणिक संस्थानों को कई चुनौतियों का सामना करना पड़ सकता है। अपने अनुभवों के आधार पर, एचपीएस छात्रों को मजबूत निर्णय लेने के लिए सशक्त और सक्षम बनाता है।

राष्ट्रपति ने कहा, "मैं ऐसा माहौल बनाने के लिए स्कूल की सराहना करता हूं जो विभिन्न पृष्ठभूमि के छात्रों को एक साथ पढ़ने और एक-दूसरे से सीखने के लिए प्रोत्साहित करता है।" गवर्नर तमिलिसाई सौंदरराजन ने कहा कि स्कूल ने कई क्षेत्रों में कई दिग्गज पैदा किए हैं। इनमें सांसदों, विधायकों से लेकर बैंकिंग, सीए और वकीलों तक शामिल है। एचपीएस शताब्दी गोल्फ टूर्नामेंट, विंटेज कारों और सुपर कारों की विशेषता वाले एचपीएस कार्निवल, उद्यमिता शिखर सम्मेलन, पुस्तक पढ़ने के सत्र के साथ सीखने का क्षेत्र, पैनल चर्चा, युवा संसद और अन्य कार्यक्रमों के बीच शंकर एहसान द्वारा एक संगीत कार्यक्रम, समारोह के हिस्से के रूप में आयोजित किया जा रहा है। 27 दिसंबर तक आयोजित किया जा रहा है।

निज़ामाबाद हत्याकांड में पांच गिरफ्तार

हैदराबाद, 19 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। निज़ामाबाद जिले के मक्लूर गांव में कथित तौर पर संपत्ति के एक टुकड़े को लेकर एक परिवार के छह सदस्यों की हत्या के मामले में पुलिस ने पांच लोगों को गिरफ्तार किया है। उनके पास से पांच सेल फोन, एक बाइक, एक कार, 30 हजार रुपये बरामद हुए और पीड़ितों की जमीन की रजिस्ट्री के दस्तावेज मिले। कामारेड्डी के पुलिस अधीक्षक सिंधु शर्मा के अनुसार, उन्होंने अब तक पीड़ितों के चार शव बरामद किए हैं और दो शव अभी भी बरामद किए जाने बाकी हैं। उन्होंने कहा कि पुलिस को दंपति, प्रसाद और सन्निविका के शव नहीं मिले हैं। उन्होंने कहा कि मुख्य आरोपी प्रशांत ने सन्निविका के शव को निर्मल जिले के बसारा के पास गोदावरी नदी में फेंक दिया था, जबकि प्रसाद के शव को बीच के वन क्षेत्र में दफनाया गया था। एसपी ने कहा कि पुलिस प्रसाद के शव का पता लगाने की कोशिश कर रही है, जबकि सन्निविका के शव को बरामद करने के लिए गोदावरी के तट पर तलाशी अभियान शुरू किया गया है। उन्होंने कहा कि प्रशांत प्रसाद की मां को भी मारने की योजना बना रहा था, हालांकि, वह ऐसा नहीं कर सका क्योंकि पुलिस ने उसे तब तक गिरफ्तार कर लिया था। दंपति की जुड़वां बेटियों चात्रिक और चात्रिका के शव तीन दिन पहले निज़ामाबाद जिले में एक पुलिया के पास बोरे में पाए गए थे, जबकि प्रसाद के भाई-बहन 26 वर्षीय श्रावणी और 21 वर्षीय स्वप्ना के जले हुए शव कामारेड्डी जिले के सदाशिवनगर में पाए गए थे। सिंधु शर्मा के मुताबिक, मुख्य आरोपी प्रशांत ने कबूल किया कि उसने अपने तीन दोस्तों के साथ मिलकर प्रसाद, उनकी पत्नी सन्निविका, उनकी जुड़वां बेटियों और उनकी दो बहनों श्रावणी और स्वप्ना की हत्या कर दी। हत्या का खुलासा तब हुआ जब सदाशिवनगर पुलिस ने प्रसाद की बहन श्रावणी का जला हुआ शव बरामद किया और जांच शुरू की, उन्होंने कहा कि पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज की मदद से आरोपियों की पहचान की। उन्होंने कहा कि प्रशांत ने प्रसाद को फुसलाकर निज़ामाबाद-कामारेड्डी राष्ट्रीय राजमार्ग के किनारे वन क्षेत्र में ले गया और 29 नवंबर को उसकी बेरहमी से हत्या कर दी। अगले दिन वह सन्निविका को पुलिस स्टेशन ले जाने के बहाने एक सुनसान जगह पर ले गया और उसका गला घोंट दिया और उसे फेंक दिया। बसारा में गोदावरी नदी में शव। बाद में उसने प्रसाद की बड़ी बहन की हत्या कर दी और उसके बाद उसके दोनों बच्चों की भी हत्या कर दी। एसपी ने कहा कि प्रसाद की छोटी बहन की हत्या मचारेड्डी के पास कर दी गई। उन्होंने कहा कि मामले की अभी भी निज़ामाबाद, कामारेड्डी, मेदक और निर्मल जिलों में जांच चल रही है।

नई दिल्ली में नया तेलंगाना भवन बनाया जाएगा : रेवंत रेड्डी

मुख्यमंत्री ने संयुक्त संपत्ति के बंटवारे की समीक्षा की

नई दिल्ली, 19 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने कहा कि तेलंगाना की संस्कृति को प्रतिबिंबित करने के लिए राष्ट्रीय राजधानी नई दिल्ली में एक नया तेलंगाना भवन बनाया जाएगा। नई दिल्ली में तेलंगाना/आंध्र प्रदेश भवन में मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने दोनों राज्यों के बीच आम संपत्ति के बंटवारे पर ध्यान केंद्रित किया। उन्होंने मंगलवार को नई दिल्ली स्थित अपने आवास पर तेलंगाना भवन के रेजिडेंट कमिश्नर गौरव उप्पल और भवन के ओएसडी संजय जाजू के साथ इस मुद्दे पर समीक्षा की। भवन का कुल क्षेत्रफल कितना है? मुख्यमंत्री ने इमारतों का विवरण, उनकी स्थिति और उसमें तेलंगाना की हिस्सेदारी के बारे में जानकारी ली। अधिकारियों ने बताया कि कुल 19.781 एकड़ जमीन है। अधिकारियों ने कहा कि इसमें साबरी ब्लॉक, आंतरिक सड़कें, 8.781 एकड़ पर गोदावरी ब्लॉक, स्वर्ण भवन, 3.359 एकड़ पर ओल्ड नर्सिंग हॉस्टल और 7.641 एकड़ पर पटौदी हाउस शामिल हैं। सीएम ने पूछा कि तेलंगाना के हिस्से में कितनी जमीन आएगी। अधिकारियों ने मुख्यमंत्री को बताया कि राज्य पुनर्वितरण अधिनियम के अनुसार 8.245 एकड़ जमीन हमारे राज्य तेलंगाना को जाएगी और 11.536 एकड़ जमीन एपी को जाएगी (41.68:58.32 के अनुपात में)। सीएम ने इमारतों की वर्तमान स्थिति, अधिकारियों और कर्मचारियों के आवासों की स्थिति के बारे में जानकारी ली। क्योंकि वे तीन से चार दशक पहले बनाए गए थे, उनमें से अधिकांश जर्जर हो गए हैं और उनकी मरम्मत की जा रही है। सीएम ने कहा इस अवसर पर कहा गया कि तेलंगाना की सांस्कृतिक परंपराओं को प्रतिबिंबित करने के लिए एक नई इमारत का निर्माण किया जाना चाहिए। इससे पहले सीएम ने अधिकारियों को दोनों राज्यों के बीच संपत्ति के बंटवारे पर फोकस करने का आदेश दिया। संपत्ति बंटवारे को लेकर अधिकारियों को कई निर्देश दिये गये।

ओल्ड सिटी में युवक की बेरहमी से हत्या

हैदराबाद, 19 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। पुराने शहर के आईएस सदन में सोमवार रात लोगों के एक समूह ने एक व्यक्ति की बेरहमी से हत्या कर दी। आईएस सदन के निवासी अली क़ादरी (35) नामक व्यक्ति पर विकास हाई स्कूल के पास सात लोगों के एक समूह ने तेज धार वाले हथियारों से हमला किया। हमलावरों ने पीड़ित को घेर लिया और हथियारों से बार-बार वार किया जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया और बाद में अत्यधिक रक्तस्राव के कारण उसकी मृत्यु हो गई। सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और शव को पोस्टमार्टम के लिए मोर्चरी में रखवाया। पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है। आरोपियों को पकड़ने के लिए चार विशेष टीमें गठित की गईं।

जूनियर डॉक्टरों ने स्वास्थ्य मंत्री से की मुलाकात

हैदराबाद, 19 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना जूनियर डॉक्टर्स एसोसिएशन (टीजेयूडीए) ने मंगलवार को स्वास्थ्य मंत्री दामोदर राजनरसिम्हा के साथ सफल वार्ता के बाद सरकारी अस्पतालों में बाह्य रोगी सेवाओं और वैकल्पिक सर्जरी के बहिष्कार के अपने फैसले को वापस ले लिया। वार्ता के बाद, टीजेयूडीए सदस्यों ने कहा कि स्वास्थ्य मंत्री ने उन्हें आश्वासन दिया है कि राज्य सरकार हर महीने की 15 तारीख तक उनका वजीफा जारी करना सुनिश्चित करेगी। बातचीत के दौरान चिकित्सकों ने नए उस्मानिया जनरल अस्पताल (ओजीएच) भवन का मुद्दा भी उठाया। स्वास्थ्य मंत्री ने आश्वासन दिया कि दो माह के अंदर नये भवन का शिलान्यास कर दिया जायेगा। स्वास्थ्य मंत्री ने चिकित्सकों को यह भी आश्वासन दिया कि राज्य सरकार यह सुनिश्चित करेगी कि मेडिकल कॉलेजों के परिसर में नए छात्रावास भवन बनाए जाएं।

करुणा गोपाल मल्काजगिरि की समस्याओं को लेकर केंद्रीय मंत्रियों से मिली

रेल मंत्री ने अधिकारियों को एलसी 254 मुद्दे का अध्ययन करने का निर्देश दिया

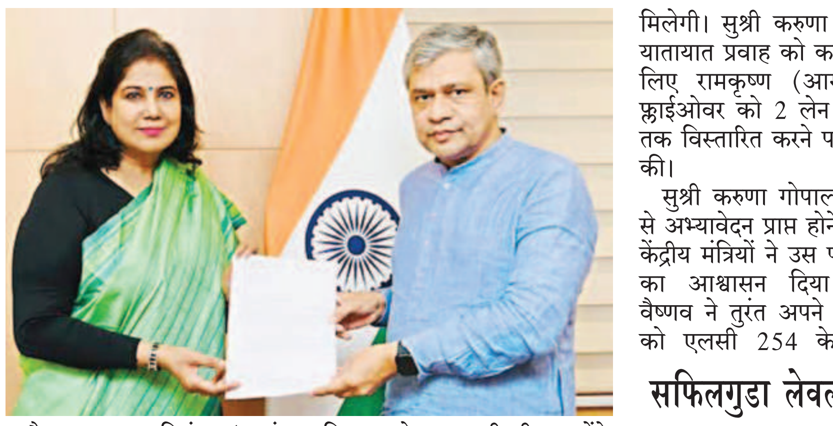

हैदराबाद, 19 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। भाजपा महिला नीतियों और अनुसंधान की राष्ट्रीय प्रभारी सुश्री करुणा गोपाल वर्ताकवि ने आज नई दिल्ली में दो कैबिनेट मंत्रियों से मुलाकात की और मल्काजगिरी क्षेत्र में चल रहे सिविक इंफ्रास्ट्रक्चर मुद्दों को हल करने में उनके हस्तक्षेप का अनुरोध किया। उन्होंने केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव के साथ लंबी चर्चा की। सफिलगुडा लेवल क्रॉसिंग (एलसी 254) के बंद होने के कारण नागरिकों को होने वाली कठिनाइयों, यातायात आंदोलन पर इसके प्रभाव के बारे में बारे में रेल मंत्री को उन्होंने विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने मंत्री से एमएमटीएस चरण II परियोजना- सनतनगर के माध्यम से मौला-अली और हाईटेक सिटी के बीच प्रस्तावित परियोजना को भी तेजी से ट्रैक करने का आग्रह किया। केंद्रीय आवास एवं शहरी विकास मंत्री हरदीप सिंह पुरी के साथ एक बैठक में उन्होंने मौजूदा मेट्रो रेल नेटवर्क को मल्काजगिरी, ईसीआईएल, तिरूमलगिरी, बोवेनपल्ली, बोलारम जैसे क्षेत्रों तक विस्तारित करने का अनुरोध किया। उन्होंने इस बात पर प्रकाश डाला कि इससे शहर का समान विकास होगा और यात्रियों को परेशानी मुक्त तेज़ यात्रा की सुविधा मिलेगी। सुश्री करुणा गोपाल ने यातायात प्रवाह को कम करने के लिए रामकृष्ण (आरके) पुरम फ्लाईओवर को 2 लेन से 4 लेन तक विस्तारित करने पर भी चर्चा की।

सुश्री करुणा गोपाल वर्ताकवि से अभ्यावेदन प्राप्त होने पर, दोनों केंद्रीय मंत्रियों ने उस पर कार्रवाई का आश्वासन दिया। अश्विनी वैष्णव ने तुरंत अपने अधीनस्थों को एलसी 254 के मुद्दे का अध्ययन करने और जल्द से जल्द समाधान करने का निर्देश दिया। हरदीप सिंह पुरी ने अभ्यावेदन पर गौर करने का वादा किया। रेजिडेंट वेलफेयर एसोसिएशन (आरडब्ल्यूए) के अध्यक्ष बीटी श्रीनिवासन ने सुश्री करुणा गोपाल से संपर्क किया और उनसे मल्काजगिरी संसदीय क्षेत्र के निवासियों के सामने आने वाले प्रमुख मुद्दों को उजागर करने में नेतृत्व करने का अनुरोध किया।

सफिलगुडा लेवल क्रॉसिंग दिसंबर 2022 से है बंद

हैदराबाद, 19 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। प्रमुख मुद्दों में से एक सफिलगुडा लेवल क्रॉसिंग (एलसी नंबर 254) के बंद होने के कारण यात्रियों की यातायात समस्याओं के लिए वैकल्पिक समाधान प्राप्त करना है। गेट की कुछ मरम्मत के लिए एलसी 254 दिसंबर 2022 से बंद है। लगभग एक लाख नागरिक प्रतिदिन इस लेवल क्रॉसिंग का उपयोग करते हैं, जो मल्काजगिरी उपनगरों के मध्य से होकर गुजरता है। लेवल क्रॉसिंग के बार-बार बंद होने से विभिन्न पड़ोसी इलाकों से आने वाले यात्रियों के लिए स्थिति खराब हो रही है क्योंकि यह एलसी लिंकिंग पथ है जो विभिन्न क्षेत्रों को जोड़ता है। यह मुद्दा पिछले एक दशक से अनसुलझा पड़ा हुआ है। गेट बंद होने से, पूरे यातायात को एक अनियंत्रित टी-जंक्शन के माध्यम से भेजा जा रहा है, जिसके परिणामस्वरूप व्यस्त समय के दौरान यातायात खतरे के कारण अराजकता की स्थिति पैदा हो रही है। यदि इस एलसी पर कोई वैकल्पिक आरयूबी व आरओबी का निर्माण नहीं किया गया तो समस्या बढ़ती ही जाएगी। अतीत में तेलंगाना सरकार से एसआरडीपी चरण 4 के तहत इस मुद्दे का समाधान करने के लिए कई अनुरोध और अभ्यावेदन किए गए थे, लेकिन जीएचएमसी की ओर से कोई स्पष्ट प्रतिक्रिया नहीं आई है।

सीपी ने विभिन्न विंग के साथ समीक्षा बैठक की

हैदराबाद, 19 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। पुलिस आयुक्त, हैदराबाद के. श्रीनिवास रेड्डी, ने सीसीएस, साइबर अपराध, डीडी, महिला सुरक्षा विंग के साथ समीक्षा बैठकें कीं। बैठक में सीसीएस, साइबर अपराध के सभी जांच अधिकारी, सभी महिला पुलिस स्टेशनों के एसएचओ, टीम प्रभारी शामिल थे। डॉ. गजाराव भूपाल, संयुक्त पुलिस आयुक्त, अपराध एवं एसआईटी, शिल्पावल्ली, डी.सी.पी., डी.डी., और डी. कविता, डी.सी.पी., महिला सुरक्षा विंग, प्रभारी साइबर अपराध इकाई, हैदराबाद उपस्थित थे। सीपी हैदराबाद ने प्रत्येक विंग और उनके स्टाफ के कामकाज की समीक्षा की। सीपी हैदराबाद ने अधिक पेशेवर जांच करने और सीसीएस को अगले स्तर पर अपग्रेड करने का निर्देश दिया। कुछ महत्वपूर्ण पहलू जैसे कि आरोप पत्र दाखिल करना बिना किसी देरी और पक्षपात के किया जाना चाहिए। जांच जल्दी पूरी की जानी चाहिए और हर मामले को इस तरह से देखा जाना चाहिए कि सजा हो सके। सीसीएस हैदराबाद सिटी पुलिस की एक प्रमुख शाखा है, इसलिए सभी को अपने पेशेवर कौशल में सुधार करना चाहिए। सीपी हैदराबाद ने कहा कि धोखेबाजों के खिलाफ आवश्यक कार्रवाई की जानी चाहिए।

बिजली बिल विसंगति के खिलाफ किसानों ने विरोध प्रदर्शन किया

हैदराबाद, 19 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। कृषि पंपसेट कनेक्शन के लिए बिलिंग प्रथाओं में लंबे समय से चली आ रही असमानता ने जनगांव जिले नरमेटा मंडल के वेलडांडा गांव में स्थानीय किसानों में रोष पैदा कर दिया है। कृषि पंपसेट कनेक्शन के लिए 'निर्धारित' 360 रुपये के बिजली बिल के बावजूद, कुछ किसान कथित तौर पर पिछले पांच वर्षों से दोगुनी राशि, 720 रुपये का भुगतान कर रहे हैं। एनपीडीसीएल के अधिकारियों के अनुसार, एनपीडीसीएल कृषि बिजली कनेक्शन के लिए सेवा शुल्क के रूप में 30 रुपये प्रति माह वसूल रही है, जबकि कोई बिजली खपत शुल्क नहीं है। किसान आमतौर पर इसका भुगतान सालाना करते हैं। हालाँकि, विसंगति तब सामने आई जब वास्तविक बिलिंग और दर्ज की गई राशि के बीच असंगतता का पता चलने पर, किसानों ने स्थानीय जूनियर लाइनमैन (जेएलएम), राजेंद्र से स्पष्टीकरण की मांग की। स्पष्ट धोखे से क्रोधित होकर, किसानों ने अपना गुस्सा राजेंद्र की ओर निकाला, जिन्होंने कहा कि उन्हें बिलिंग विसंगति के बारे में पता नहीं था, उन्होंने यह भी दावा किया कि उन्हें वास्तविक बिल राशि के बारे में कोई जानकारी नहीं थी। उन्होंने किसानों को समस्या के समाधान के लिए उच्च अधिकारियों के पास ले जाने का आश्वासन दिया। हालांकि, बढ़ते तनाव के बाद, एनपीडीसीएल एई नरसिम्हा उत्तेजित किसानों को समझाने का प्रयास करते हुए गांव पहुंचे। उन्होंने अधिक बिलिंग को ठीक कराने का आश्वासन देकर किसानों को शांत किया। एई ने बाद के बिलों या घरेलू कनेक्शन बिलों के साथ अधिशेष राशि को समायोजित करने की लिखित प्रतिबद्धता का वादा किया।

कृषि मंत्री ने आपूर्तिकर्ताओं को नकली बीजों के खिलाफ चेतावनी दी

हैदराबाद, 19 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। कृषि मंत्री तुम्मला नागेश्वर राव ने मंगलवार को बीज कंपनियों को स्पष्ट कर दिया कि यदि उनके द्वारा आपूर्ति किया गया बीज नकली और गुणवत्ता में घटिया पाया गया और फसल की पैदावार पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ा तो फसल के नुकसान के लिए वे जिम्मेदार होंगे। उन्होंने सचिवालय में संबंधित विभागों के अधिकारियों और बीज कंपनियों के प्रतिनिधियों के साथ रबी सीजन के लिए बीज विकास कार्यक्रमों के कार्यान्वयन और बीज आपूर्ति पर समीक्षा की। उन्होंने कहा कि नकली बीजों के कारण किसानों की फसल को होने वाले भारी नुकसान के मामले में वे जिम्मेदार हैं। बीज कंपनियों को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि यदि किसानों की फसल का नुकसान मुख्य रूप से बीज-गुणवत्ता संबंधी मुद्दों के कारण हुआ है तो उन्हें पर्याप्त मुआवजा दिया जाए। उन्होंने बीज कंपनियों से राज्य के सभी किसानों की बीज आवश्यकता को सर्वोच्च प्राथमिकता के आधार पर पूरा करने को भी कहा। उन्होंने अधिकारियों को रबी सीजन के लिए किसानों के लिए पर्याप्त मात्रा में बीज उपलब्ध कराने के निर्देश दिये। उन्होंने संकेत दिया कि इस सीजन में कपास और मक्का के बीज की आवश्यकता अधिक होगी। राज्य की आवश्यकता पूरी करने के बाद संबंधित कंपनियों के पास बचे बीज को अन्य राज्यों में भी किसानों को उपलब्ध कराया जा सकता है। सरकार अन्य राज्यों के किसानों की बीज आवश्यकता को पूरा करने के लिए राज्य को बीज हब के रूप में विकसित करने के लिए सभी कदम उठाएगी। बैठक में कृषि विभाग, बीज प्रमाणीकरण एजेंसियों, बीज विकास कंपनियों के प्रतिनिधियों और कृषि विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों ने भाग लिया।

मेडारम जातरा के मामले में केंद्र ने तेलंगाना के अनुरोध को लंबित रखा

हैदराबाद, 19 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। पिछले कुछ वर्षों से, तेलंगाना सरकार मेडारम जातरा को राष्ट्रीय महोत्सव का दर्जा देने के लिए केंद्र से अपील कर रही है, लेकिन दलीलों पर विचार नहीं किया गया है। इस बार यह त्योहार 21 से 24 फरवरी तक मनाया जाएगा। 2020 में केंद्रीय जनजातीय मामलों के मंत्री अर्जुन मुंडा ने मेडारम जातरा का दौरा किया था। पूर्व जनजातीय कल्याण मंत्री सत्यवती राठौड़ ने व्यक्तिगत रूप से उनसे मेडारम जातरा को राष्ट्रीय त्योहार घोषित करने का अनुरोध किया था, क्योंकि इस कदम से त्योहार को राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय फोकस प्राप्त करने में मदद मिलेगी। केंद्रीय मंत्री को यह भी बताया गया कि जातरा को 1998 में ही राज्य उत्सव घोषित कर दिया गया था। मुंडा ने तेलंगाना सरकार को आश्वासन दिया था कि इस मुद्दे पर चर्चा की जाएगी और तदनुसार कार्रवाई शुरू की जाएगी। मेडारम जातरा मुलुगु जिले के तडवई जंगलों में मनाया जाने वाला द्विवार्षिक त्योहार है। यह देश का सबसे बड़ा आदिवासी त्योहार भी है और इसमें विभिन्न राज्यों से लाखों आदिवासी शामिल होते हैं। जनजातीय कल्याण विभाग के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा, उत्सव के दौरान वित्तीय सहायता के अलावा, मेडारम को राष्ट्रीय उत्सव का दर्जा देने के बारे में केंद्र की ओर से कोई बयान नहीं आया है।

केंद्रीय पर्यटन मंत्री जी किशन रेड्डी ने 2022 में मेदाराम जतारा में प्रार्थना करने के बाद कहा कि केंद्र सरकार हर संभव सहायता दे रही है। हाल ही में, केंद्र सरकार ने त्योहार मनाने के लिए जनजातीय मामलों के मंत्रालय और पर्यटन मंत्रालय के माध्यम से 2.5 करोड़ रुपये जारी किए थे। इस बार, तेलंगाना सरकार ने मेडारम जातरा को भव्य रूप से आयोजित करने के लिए 75 करोड़ रुपये मंजूर किए हैं। उत्सव के लिए प्रस्ताव पिछली बीआरएस सरकार द्वारा जुलाई में तैयार किए गए थे। विभिन्न लाइन विभागों ने उत्सव के सुचारू संचालन और भक्तों की सुविधा के लिए विस्तृत व्यवस्था के लिए अस्थायी शौचालय ब्लॉक, सुरक्षा तैनाती, स्नान घाट आदि की स्थापना सहित कई कार्य करने का प्रस्ताव दिया था। पंचायत राज और ग्रामीण विकास मंत्री डी अनसूया ने आश्वासन दिया कि मेडारम जातरा को राष्ट्रीय महोत्सव का दर्जा देने के लिए केंद्र से फिर से अनुरोध किया जाएगा।

डीआरडीएल ने इंडस्ट्री पार्टनर्स एसोसिएट्स मीट-2023 का आयोजन किया

हैदराबाद, 19 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। रक्षा अनुसंधान और विकास प्रयोगशाला (डीआरडीएल) ने 19 दिसंबर 2023 को डीआरडीएल इंडस्ट्री पार्टनर्स एसोसिएट्स मीट-2023 का आयोजन किया, जिसमें उद्योग भागीदारों को बातचीत करने के लिए एक साझा मंच प्रदान करने और डीआरडीएल के साथ व्यापार करने के लिए उद्योग भागीदारों के लिए मौजूद अवसरों को बताने पर ध्यान केंद्रित किया गया। नवीनतम तकनीकें जो विकसित की जा रही हैं और भविष्य की तकनीकें भी। यह बैठक उद्योग भागीदारों के विभिन्न प्रश्नों को संबोधित करने और उनका समाधान करने में भी मदद करेगी। मीट का उद्घाटन डीआरडीएल के निदेशक जी ए श्रीनिवास मूर्ति, प्रतिष्ठित वैज्ञानिक पीसीडीए (आरएंडडी), हैदराबाद, ए वी राव, आईडीएएस, आईएफए (आर एंड डी) एमएसएस, एंडी पोशेट्टी, आईडीएएस और आर वेणुगोपाल वैज्ञानिक जी ने इस कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई।

बैठक में डीआरडीएल से जुड़े उद्योगों के प्रतिनिधियों (150 से अधिक) ने बड़ी संख्या में भाग लिया। निदेशक, डीआरडीएल ने छोटे, सूक्ष्म, मध्यम और सार्वजनिक क्षेत्र के उद्योगों से लेकर डीआरडीएल के साथ काम करते समय उद्योगों के पास मौजूद अवसरों पर जोर दिया। उद्योग भागीदार निदेशक को संबोधित करते हुए, डीआरडीएल ने कहा कि "एक साथ मिलकर हम एक मजबूत राष्ट्र का निर्माण करते हैं" और साथ ही हम रक्षा-संबंधित उत्पादों के मामले में "आत्मनिर्भर भारत" बन जाते हैं। बैठक में 150 उद्योग भागीदारों के प्रतिनिधियों और वरिष्ठ वैज्ञानिकों ने भी भाग लिया। बैठक सफल रही और इसका परिणाम यह हुआ कि विभिन्न उद्योग भागीदारों के प्रश्नों का समाधान किया गया और उनके बहुमूल्य सुझाव लिए गए।

सड़क दुर्घटना में महिला और दो साल के बेटे की मौत

संगारेड्डी , 19 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। मंगलवार सुबह कंडी मंडल के ममीदिपल्ली जंक्शन पर एनएच-65 पर एक तेज रफ्तार ट्रक ने एक दोपहिया वाहन को टक्कर मार दी, जिससे एक महिला और उसके दो साल के बेटे की सड़क दुर्घटना में मौत हो गई। संगारेड्डी ग्रामीण पुलिस के अनुसार, सत्यनारायण, उनकी पत्नी माहेश्वरी (26) और उनका बेटा देवांश (2) कांडी से पठानचेरु की ओर जा रहे थे, तभी तेज रफ्तार ट्रक ने उनकी बाइक को टक्कर मार दी। महेश्वरी और देवांश की मौके पर ही मौत हो गई जबकि सत्यनारायण गंभीर रूप से घायल हो गया। मां और बेटे के शवों को संगारेड्डी सरकारी अस्पताल में स्थानांतरित कर दिया गया। घायल सत्यनारायण को भी अस्पताल ले जाया गया। आंध्र प्रदेश के श्रीकाकुलम के मूल निवासी सत्यनारायण अरबिंदो फार्मास्युटिकल कंपनी के कर्मचारी थे। पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है।

क्या? तेलंगाना सरकार कर्नाटक की राह पर चलेगी : केटीआर

हैदराबाद, 19 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष केटी रामा राव ने मंगलवार को आश्चर्य जताया कि क्या तेलंगाना में कांग्रेस सरकार कर्नाटक सरकार के मॉडल का पालन करेगी, जो लोगों से किए गए चुनावी वादों के कार्यान्वयन के लिए धन की कमी का हवाला देती है। बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष एक्स पर एक पोस्ट का जवाब दे रहे थे जिसमें कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया यह कहते नजर आ रहे हैं कि पार्टी के चुनावी वादों को लागू करने के लिए पैसे नहीं हैं। एक पोस्ट के जवाब में रामा राव ने कहा कि कर्नाटक के मुख्यमंत्री का कहना है, ''वादे/गारंटी देने के लिए पैसे नहीं हैं।'' चुनावों में सफलतापूर्वक लोगों की आंखों में धूल झोंकने के बाद क्या तेलंगाना का भी यही भविष्य है? "क्या आपको अजीब बयान देने से पहले बुनियादी शोध और योजना नहीं बनानी चाहिए?"

अष्टलक्ष्मी देवालयमु
(कंची कामकोटि पीठ के नेतृत्व में)
वासवी कालोनी,हैदराबाद-102 फोन- 040-24030888, 8297558888

धनुर्मास व्रत महोत्सव आमंत्रण
रविवार, दि. 17-12-2023 से रविवार, दि.14-01-2024 तक

जय श्रीमन्नारायण
श्लोक।।कर्कटे पूर्वफाल्गुण्यम, तुलसी कानदोद्भवाम।
पाण्ड्ये विश्वमभराम गोदाम, वन्दे श्रीरंगनायकीम।

समस्त मानवजाति प्रेम सद्भाव, स्वार्थरहित सेवाभाव, पवित्रता के साथ जीवन यापन करने के लिए ही यह पावन धनुर्मास व्रत आरंभ हुवा है तथा सूर्य भगवान के धनुर्राशि के संचार की इस अवस्था को धनुर्मासम कहते हैं। यह पावन व्रत जो आध्यात्मिक साधना को निरूपित करनेवाला व्रत है। अतः इस व्रत को बाह्य रूप से एक नाम, एक त्योहार का नामकरण किया गया है, पर आंतरिक रूप से इस व्रत का संकेत परमेश्वर की प्राप्ति की लिए ही है। हम सभी को सुमार्ग की पथ की ओर अग्रसर होते हुए सर्वव्यापक भगवत तत्व परमेश्वर को पाना है तो, हममें राग व्देष, अहंकार, रजोतमोगुणों की कमी होनी चाहिए। हममें सत्वगुण की वृध्दि होनी चाहिए। इसलिए हमें धार्मिकता से जुडे सद्जनों का आश्रय लेना चाहिए।

बडे लोगों व्दारा दिये गये निर्देशों व जानकारी को पवित्र मन से चिंतन व मनन करना चाहिए। ऐसा करने से हमें प्रभु की अनुकंपा प्राप्त होगी। हमारे व्दारा किया जा रहा जो भी कार्य भगवान के प्रति समर्पित होने पर, व्यवहार में कुछेक दोष होने पर भी हम चहुं ओर परमेश्वर का दर्शन कर सकेंगे। तभी समस्त देवतागण हमारा सहायता करने पर तत्पर रहेंगे। परिणामस्वरूप समस्त विश्व कल्याणमय होगा। इस सदुध्देश्य की प्राप्ति हेतु ही हमारी माता श्रीमहालक्ष्मीदेवी गोदादेवी के रूप में अवतरित हुई है। यह पावन व्रत प्रत्येक व्यक्ति स्वयं, समस्त जन कर सकते हैं, यह पावन व्रत करने के लिए जातिबंधन, वर्ण या स्त्री-पुरुष जैसा कोई भी बंधन नहीं है।क्योंकि भगवान की प्राप्ति के लिए कोई भी अपनी ईच्छापूर्ति के लिए इस व्रत को कर सकते हैं।

इस पावन व्रत करने से समाज कल्याण सहित दैवी शक्तियों का अनुग्रह प्राप्त होता है। हम सभी धनलक्ष्मी देवालय में इस परम पावन व्रत को कर, समस्त संपदाओं को प्राप्त करेंगे।

हर दिन आयोजित होनेवाले कार्यक्रम
प्रातः 5.30 बजे अर्चना, तिरुप्पावे सेवाकालमु, आरगिम्पु, शात्तुमुर्रे, तीर्थप्रसादगोष्ठी सायं 6.00 बजे श्री विष्णुसहस्त्रनामस्त्रोतमु के उपरांत तिरुप्पावे प्रवचन आयोजित होगा।

टी.टी.डी. आळवार प्राजेक्ट के नेतृत्व में तिरुप्पावे प्रवचन
डा. श्रीमती अरुंधति, प्रवचन शिरोमणि

सत्यनारायण गोपाल बल्दवा
GB GOPAL BALDAWA GROUP

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.